जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३,९१८ थी ।

सिद्धमात्रिका लिपि—**गुप्तलिपि** (दे०)की पश्चिमी शाखाकी पूर्वी उपशाखासे ६वीं सदीमें विकसित एक लिपि। इसे **न्यूनकोणीय लिपि** भी कहा गया है । तिब्बती लिपिका इसीसे विकास हुआ है ।

सिनलोआ (sinaloa)—**किनलोआ** (दे०) भाषाका एक अन्य नाम ।

सिनसिन (sinsin)—**करेन** (दे०)की एक बोली ।

सिन-हम मपौक (sin-ham mapauk) —**करेन्नी** (दे०)का एक रूप ।

सिन्का (sinca)—**क्सिन्का** (दे०) परिवारका एक अन्य नाम ।

सिन्लम (sinlam)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार **व**(दे०)का, पूर्वी मंगलुन, उत्तरी शान स्टेट (बर्मा)में प्रयुक्त (४,३५२ व्यक्तियों द्वारा) एक रूप ।

सिन्लेंग (sinleng)—**व** (दे०)का पूर्वी मंगलुन उत्तरी शान स्टेटमें प्रयुक्त एक रूप । वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या २,५३८ थी ।

सिपाड़ी—'मध्यपूर्वी राजस्थानी'की बोली **हाड़ौती** (दे०)का एक स्थानीय रूप, जो शिवपुर (ग्वालियर)के आसपास बोला जाता है । ग्वालियरके निवासी 'हाड़ौती'के इस रूपको **शिवपुरी**, किंतु कोटाके निवासी **सिपाड़ी** (समीपवर्त्ती नदी 'सिप'के आधारपर) कहते हैं । सिपाड़ीपर 'बुंदेली' तथा 'डांगी'का प्रभाव पड़ा है । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ४८,००० थी ।

सिप्रिअन—**सिप्रिओटे** (दे०) भाषाका एक नाम ।

सिप्रिओटे (cypriote)—प्राचीन कालमें साइप्रसमें प्रयुक्त एक विलुप्त भाषा । इसके संबंधमें बहुत कम जानकारी है । इसे एशियानिक वर्गमें रखा गया है । इसको **एपिसिप्रिअन** या **सिप्रिअन** भी कहते हैं ।

सिम (sima)—**अंगवाकू** (दे०)का एक नाम

सिम और मुलुंग (sima and mulung)—(दे०) **मुलंग और सिम** ।

सिमी (simi)—**सेमा** (दे०)की एक बोली ।

सिम्रिक (cymric)—**वेल्श** (दे०)का एक नाम ।

सिम्रेग (cymraeg)—**वेल्श** (दे०)का एक अन्य नाम ।

सियांग (siyang)—**सियिन** (दे०)का एक अन्य नाम ।

सियाल्गीरी (siyalgiri)—**भीली** (दे०)—की, मिदनापुर (बंगाल)में प्रयुक्त, एक बोली ।

सियिन (siyin)—**चीनी परिवार** (दे०)—की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी, असमीबर्मी शाखाके, कुकी-चिन वर्गकी, चिन पहाड़ियों (बर्मा)में प्रयुक्त एक उत्तरी चिन भाषा । वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३१६० थी ।

सिरकैसिअन (circassian)—एक काकेशस भाषा, जो मूलतः काकेशसमें बोली जाती थी, किंतु अब जिसके बोलनेवाले सीरिया तथा एशियामाइनर आदिमें बस गये हैं । इस भाषाको **चेरकेस** (cherkess) भी कहते हैं ।

सिरमौरी—**पश्चिमी पहाड़ी** (दे०)की सिरमुरके आसपासके क्षेत्रमें प्रयुक्त एक बोली । इसकी प्रधान उपबोलियाँ **धारठी** तथा **गिरिपारी** (दे०) हैं । इसकी लिपिका नाम भी सिरमौरी है, जो टाकरी लिपिका एक रूप है । इसपर पश्चिमी हिन्दी तथा पंजाबीका प्रभाव है । ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,२४,-५६२ थी ।

सिरमौरी धारठी—(दे०) **धारठी** ।

सिरमौरी लिपि—पहाड़ीकी उपबोली **सिरमौरी** (दे०) बोलीकी लिपि । यह **टक्री लिपि** (दे०)की ही एक उपशाखा है । इसपर देवनागरी लिपिका प्रभाव पड़ा है ।

सिरयाली—**सीराली** (दे०)का एक दूसरा नाम।

सिरहिन्दी—**खड़ी बोली** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम ।

सिराइकी––इसका शाब्दिक अर्थ है 'सिरो,, अर्थात् 'ऊंची भूमि'की भाषा । एकाधिक बोलियोंके नामोंके साथ इसका प्रयोग मिलता है ।

सिराइकी लहँदा––सिराइकी हिन्दकी (दे०)–का एक अन्य नाम ।

सिराइकी सिंधी (siraiki sindhi)––**सिंधी** (दे०) की, ऊपरी सिंधमें प्रयुक्त, एक बोली । सिराइकीको **सरैकी** भी कहा जाता है । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ११,१२, ९२६ थी ।

सिराइकी हिन्दकी––लहँदा (दे०) की, **मुलतानी** (दे०) बोलीका, ऊपरी सिंधमें प्रयुक्त, एक रूप । **सिराइकी** शब्दोंको **सिरैकी** भी कहा जाता है । ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,०४,-८७५ थी ।

सिराचली(sirachali)––**शोराचोली** (दे०)-का एक अशुद्ध नाम ।

सिराजी––भारतके उत्तरी पहाड़ी भागोंमें कईबोलियोंके नामोंके साथ प्रयुक्त एक शब्द । इसको प्रायः लोग 'शीराजी' समझते हैं । वस्तुतः इसका अर्थ है 'ऊँचे पर्वतका' और यह शब्द मूलतः 'शिव-राज्य+ई' है ।

सिराजी (डोडाकी)––कश्मीरी (दे०) की, जम्मू प्रांतमें प्रयुक्त, एक बोली । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालों-की संख्या १४,७३२ थी ।

सिराजी (मंडीकी)––मंडी सिराजी (दे०)-के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम ।

सिराजी (शिमलाकी)––दे० **शिमला सिराजी**।

सिराली––(दे०) **सीराली** ।

सिरावाली––सीराली (दे०) का एक नाम ।

सिरिऑनो (siriono)––**टुपी-गुअरनी** (दे०) परिवारकी एक दक्षिणी अमेरिकी भाषा ।

सिरिपुरिआ (siripuria)––उत्तरी **बंगाली**-का, पूर्वीय पूर्णियामें प्रयुक्त, एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ६,०३,६२१ थी ।

सिरिलिक लिपि(cyrillic)––सिरिल(cyril) नामक विद्वान् संत द्वारा ग्रीक लिपिके आधार-पर ९वीं सदीमें बनायी गयी एक लिपि । सिरिल-ने इसको बनानेमें मिफ़ोन् तथा मेथोडिअस नामक आचार्योंका भी सहयोग प्राप्त किया था । सिरिलिक लिपि ही रूस, बुल्गेरिया, युक्रेन तथा सर्बिया आदिमें प्रयुक्त होती है । आरंभमें इसमें कम अक्षर थे, बादमें कुछ और जोड़े गये । इस लिपिमें दो बार सुधार हुए । पहला सुधार १७००के लगभग हुआ और यह लिपि कुछ सरल कर दी गयी, दूसरा सुधार १९१८ में । इसे **क़िरिल** या **किरिलिक** लिपि भी कहते हैं । (दे०) **रूसी लिपि** ।

सिरोही––'दक्षिणी मारवाड़ी'का एक स्थानीय रूप, जो सिरोही तथा उसके पासके मारवाड़के कुछ भागोंमें बोला जाता है । सिरोहीके प्रमुख उपरूप **राठी** तथा **सांठकी बोली** हैं । 'सिरोही'पर 'गुजराती'का प्रभाव है । इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार लगभग १,७९,-३००थी । (दे०) **मारवाड़ी** ।

सिलबिक––(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण**में **स्वर और व्यंजन** उपशीर्षक ।

सिलहटिया (sylhettia)––**पूर्वी बंगाली**-का, पूर्वी सिलहट तथा काचार (असम) में प्रयुक्त, एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षण-के अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ९,०६,२२१ थी ।

सिलियन––एक प्राचीन भाषाका नाम । (दे०) **भारोपीय एनाटोलियन परिवार** ।

सिलिसिअन (cilician)–– सिलिसिआकी एक विलुप्त भाषा । इसके परिवारका पता नहीं है । इसे **एशियानिक** (दे०) वर्गकी भाषा कहा जाता है ।

सिसिलिअन (sicilian)––(१) सिसलीकी बोलियोंका एक सामूहिक नाम (२) सिसली-की प्रमुख बोलीके लिए प्रयुक्त एक नाम । इन बोलियोंका संबंध लैटिनसे है ।

सिसेल (sicel)––सिसिली तथा इटलीमें प्राचीन कालमें प्रयुक्त होनेवाली एक विलुप्त बोली । इसे सिकुली लोग बोलते थे, जो

जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३,९१८ थी।

सिद्धमात्रिका लिपि—**गुप्तलिपि** (दे०)की पश्चिमी शाखाकी पूर्वी उपशाखासे ६वीं सदीमें विकसित एक लिपि। इसे **न्यूनकोणीय लिपि** भी कहा गया है। तिब्बती लिपिका इसीसे विकास हुआ है।

सिनलोआ (sinaloa)—**किनलोआ** (दे०) भाषाका एक अन्य नाम।

सिनसिन (sinsin)—**करेन** (दे०)की एक बोली।

सिन-ह्म मपौक (sin-ham mapauk) —**करेन्नी** (दे०)का एक रूप।

सिन्का (sinca)—**क्सिन्का** (दे०) परिवारका एक अन्य नाम।

सिन्लम (sinlam)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार **ब**(दे०)का, पूर्वी मंगलुन, उत्तरी शान स्टेट (बर्मा)में प्रयुक्त (४,३५२ व्यक्तियों द्वारा) एक रूप।

सिन्लेंग (sinleng)—**ब** (दे०)का पूर्वी मंगलुन उत्तरी शान स्टेटमें प्रयुक्त एक रूप। बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या २,५३८ थी।

सिपाड़ी—'मध्यपूर्वी राजस्थानी'की बोली **हाड़ौती** (दे०)का एक स्थानीय रूप, जो शिवपुर (ग्वालियर)के आसपास बोला जाता है। ग्वालियरके निवासी 'हाड़ौती'के इस रूपको **शिवपुरी,** किंतु कोटाके निवासी **सिपाड़ी** (समीपवर्त्ती नदी 'सिप'के आधारपर) कहते हैं। सिपाड़ीपर 'बुंदेली' तथा 'डांगी'का प्रभाव पड़ा है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ४८,००० थी।

सिप्रिअन—**सिप्रिओटे** (दे०) भाषाका एक नाम।

सिप्रिओटे (cypriote)—प्राचीन कालमें साइप्रसमें प्रयुक्त एक विलुप्त भाषा। इसके संबंधमें बहुत कम जानकारी है। इसे एशियानिक वर्गमें रखा गया है। इसको **एपिसिप्रिअन** या **सिप्रिअन** भी कहते हैं।

सिम (sima)—**अंगवाकू** (दे०)का एक नाम

सिम और मुलुंग (sima and mulung)—(दे०) **मुलंग और सिम**।

सिमी (simi)—**सेमा** (दे०)की एक बोली।

सिम्रिक (cymric)—**वेल्श** (दे०)का एक नाम।

सिम्रेग (cymraeg)—**वेल्श** (दे०)का एक अन्य नाम।

सियांग (siyang)—**सियिन** (दे०)का एक अन्य नाम।

सियाल्गीरी (siyalgiri)—**भीली** (दे०)—की, मिदनापुर (बंगाल)में प्रयुक्त, एक बोली।

सियिन (siyin)—**चीनी परिवार** (दे०)—की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी, असमीबर्मी शाखाके, कुकी-चिन वर्गकी, चिन पहाड़ियों (बर्मा)में प्रयुक्त एक उत्तरी चिन भाषा। बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३१६० थी।

सिरकैसिअन (circassian)—एक काकेशस भाषा, जो मूलतः काकेशसमें बोली जाती थी, किंतु अब जिसके बोलनेवाले सीरिया तथा एशियामाइनर आदिमें बस गये हैं। इस भाषाको **चेरकेस** (cherkess) भी कहते हैं।

सिरमौरी—**पश्चिमी पहाड़ी** (दे०)की सिरमुरके आसपासके क्षेत्रमें प्रयुक्त एक बोली। इसकी प्रधान उपबोलियाँ **धारठी** तथा **गिरिपारी** (दे०) हैं। इसकी लिपिका नाम भी सिरमौरी है, जो टाकरी लिपिका एक रूप है। इसपर पश्चिमी हिन्दी तथा पंजाबीका प्रभाव है। ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,२४,-५६२ थी।

सिरमौरी धारठी—(दे०) **धारठी**।

सिरमौरी लिपि—पहाड़ीकी उपबोली सिरमौरी (दे०) बोलीकी लिपि। यह **टक्री लिपि** (दे०)की ही एक उपशाखा है। इसपर देवनागरी लिपिका प्रभाव पड़ा है।

सिरयाली—**सीराली** (दे०)का एक दूसरा नाम।

सिरहिन्दी—**खड़ी बोली** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम।

सिराइकी––इसका शाब्दिक अर्थ है 'सिरो,, अर्थात् 'ऊंची भूमि'की भाषा । एकाधिक बोलियोंके नामोंके साथ इसका प्रयोग मिलता है ।

सिराइकी लहँदा––**सिराइकी हिन्दकी** (दे०)–का एक अन्य नाम ।

सिराइकी सिंधी (siraiki sindhi)––**सिंधी** (दे०)की, ऊपरी सिंधमें प्रयुक्त, एक बोली । सिराइकीको **सरैकी** भी कहा जाता है । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ११,१२, ९२६ थी ।

सिराइकी हिन्दकी––**लहँदा** (दे०)की, **मुलतानी** (दे०) बोलीका, ऊपरी सिंधमें प्रयुक्त, एक रूप । **सिराइकी** शब्दोंको **सिरैकी** भी कहा जाता है । ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,०४,-८७५ थी ।

सिराचली(sirachali)––**शोराचोली** (दे०)-का एक अशुद्ध नाम ।

सिराजी––भारतके उत्तरी पहाड़ी भागोंमें कई बोलियोंके नामोंके साथ प्रयुक्त एक शब्द । इसको प्रायः लोग 'शीराजी' समझते हैं । वस्तुतः इसका अर्थ है 'ऊँचे पर्वतका' और यह शब्द मूलतः 'शिव-राज्य+ई' है ।

सिराजी (डोडाकी)––**कश्मीरी** (दे०)की, जम्मू प्रांतमें प्रयुक्त, एक बोली । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालों-की संख्या १४,७३२ थी ।

सिराजी (मंडीकी)––**मंडी सिराजी** (दे०)-के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम ।

सिराजी (शिमलाकी)––दे० **शिमला सिराजी**।

सिराली––(दे०) **सीराली** ।

सिरावाली––**सीराली** (दे०)का एक नाम ।

सिरिऑनो (siriono)––**टुपी-गुअरनी** (दे०) परिवारकी एक दक्षिणी अमेरिकी भाषा ।

सिरिपुरिआ (siripuria)––उत्तरी **बंगाली**-का, पूर्वीय पूर्णियामें प्रयुक्त, एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने-वालोंकी संख्या ६,०३,६२१ थी ।

सिरिलिक लिपि(cyrillic)––सिरिल(cyril) नामक विद्वान् संत द्वारा ग्रीक लिपिके आधार-पर ९वीं सदीमें बनायी गयी एक लिपि । सिरिल-ने इसको बनानेमें मिफ़ोन तथा मेथोडिअस नामक आचार्योंका भी सहयोग प्राप्त किया था । सिरिलिक लिपि ही रूस, बुल्गेरिया, युक्रेन तथा सर्बिया आदिमें प्रयुक्त होती है । आरंभमें इसमें कम अक्षर थे, बादमें कुछ और जोड़े गये । इस लिपिमें दो बार सुधार हुए । पहला सुधार १७००के लगभग हुआ और यह लिपि कुछ सरल कर दी गयी, दूसरा सुधार १९१८ में । इसे **किरिल** या **किरिलिक** लिपि भी कहते हैं । (दे०) **रूसी लिपि** ।

सिरोही––'दक्षिणी मारवाड़ी'का एक स्था-नीय रूप, जो सिरोही तथा उसके पासके मारवाड़के कुछ भागोंमें बोला जाता है । सिरोहीके प्रमुख उपरूप **राठी** तथा **सांठकी बोली** हैं । 'सिरोही'पर 'गुजराती'का प्रभाव है । इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार लगभग १,७९,-३००थी । (दे०) **मारवाड़ी** ।

सिलबिक––(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण**में **स्वर और व्यंजन** उपशीर्षक ।

सिलहटिया (sylhettia)––पूर्वी **बंगाली**-का, पूर्वी सिलहट तथा काचार (असम)में प्रयुक्त, एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षण-के अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ९,०६,२२१ थी ।

सिलियन––एक प्राचीन भाषाका नाम । (दे०) **भारोपीय एनाटोलियन परिवार** ।

सिलिसिअन (cilician)––सिलिसिआकी एक विलुप्त भाषा । इसके परिवारका पता नहीं है । इसे **एशियानिक** (दे०) वर्गकी भाषा कहा जाता है ।

सिसिलिअन (sicilian)––(१) सिसलीकी बोलियोंका एक सामूहिक नाम (२) सिसली-की प्रमुख बोलीके लिए प्रयुक्त एक नाम । इन बोलियोंका संबंध लैटिनसे है ।

सिसेल (sicel)––सिसिली तथा इटलीमें प्राचीन कालमें प्रयुक्त होनेवाली एक विलुप्त बोली । इसे सिकुली लोग बोलते थे, जो

लिगूरियन कबीले थे। इसी आधारपर इसे लिगूरियनसे संबद्ध माना गया है।

सिस्किआ (siskia)—**ब्लैकफ़ुट** (दे०) भाषा-का एक अन्य नाम।

सि-हिअ (si-hia)—**चीनी परिवार** (दे०)-की एक विलुप्त भाषा। इसका क्षेत्र 'तान्गुत' (बर्मा) था।

सीमांतिक विराम (terminal contour) —एक प्रकारका **संगम** (दे०)।

सीमांतिक संगम (terminal juncture) —**संगम** (दे०) का एक भेद।

सीमावाचक संबंधसूचक अव्यय— (दे०) **संबंधसूचक अव्यय**।

सीरिअक (syriac)—(१) इराक, ईरान तथा तुर्कीमें लगभग एक लाख लोगों-द्वारा प्रयुक्त एक **सेमिटिक** (दे०) भाषा, जो अरबीसे संबंध रखती है। (२) एक पूर्वी आरमेइक बोली, जो एदेसामें २री सदीके पास बोली जाती थी। बादमें यह उत्तरी सीरिया तथा पश्चिमी मेसोपोटामियाँकी साहित्यिक भाषा बन गयी। १३वीं सदीके बाद इसका स्थान अरबीकी एक बोलीने ले लिया। यों कर्मकाण्डीय कामोंमें अब भी इसका प्रयोग चलता है।

सीराली— **कुमायूँनी** (दे०) की अलमोड़ा जिलेके 'सीर' परगनेमें प्रयुक्त एक उपबोली। इसपर नैपालीका कुछ प्रभाव पड़ा है। इसे **सिराली, सिरयाली,** या **सिरावाली** भी कहते हैं। ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनु-सार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १२,४८१ थी।

सुंडी (sundi)—**हलबी** (दे०) का एक रूप।

सुंदीअन (sundanese) ६५ लाख लोगों द्वारा जावा आदिमें बोली जानेवाली, इंडोनीशियन परिवारकी एक भाषा।

सुएर्रे (suerre)—दक्षिणी अमेरिकी भाषा **टलमन्क** (दे०) की एक विलुप्त बोली।

सुक (suk)—**सूडानवर्ग** (दे०) की सुक नामक जातिमें प्रयुक्त एक अफ्रीकी भाषा। इसका क्षेत्र इथियोपियाकी सीमापर बरिंगो झीलके आसपास है।

सुकाली (sukali) — मैसूरमें प्रयुक्त एक **बंजारा** (दे०) भाषा।

सुकेती—पश्चिमी पहाड़ी (दे०) की मंडी वर्गकी एक बोली, जो सुकेत पर्वत श्रेणीके आसपास बोली जाती है। इसमें और मंडे-आलीके परिनिष्ठित रूपमें अधिक अंतर नहीं है। इसके लिखनेमें मंडेआली लिपि प्रयुक्त होती है जो, टाकरीका ही एक विक-सित रूप है। (दे०) **मँडी वर्गकी बोलियाँ**।

सुडानी गिनिअन या **सुडानी गिनी—सूडान भाषा-परिवार** वर्गका एक अन्य नाम।

सुतइओ (sutaio)—**चेयेन्ने** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। अब यह भाषा विलुप्त हो चुकी है। इसके बोलनेवाले अब चेयेन्ने बोलते हैं। सुतइओ भाषा-भाषियोंका क्षेत्र दक्षिणी डकोटा है।

सुद्रा (suda)—**उड़िया** (दे०) अथमलिकमें सुदा नामक जाति द्वारा बोले जानेवाले रूपका एक नाम।

सुदिर (sudir)— १८९१की बंबई जन-गणनाके अनुसार **कोंकणी**की बोलीके अनुसार **गोमांतकी** (दे०) का एक रूप।

सुद्र (sudra)—१८९१की बंबई जनगणनाके अनुसार **मराठी** (दे०) का एक रूप। शूद्रों द्वारा प्रयुक्त होनेके कारण यह नाम पड़ा है।

सुनुवार (sunuwar)—**सुन्वार** (दे०) का एक अन्य नाम।

सुन्वार (sunwar)—**चीनी परिवार** (दे०)—की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी, तिब्बती-हिमा-लयी शाखाकी, सिक्किम, दार्जिलिंग तथा पूर्वीय नेपालमें प्रयुक्त, एक अ-सार्वनामिक हिमालयी भाषा। १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या ४१३२ थी।

सुप्—संस्कृतकी वे विभक्तियां, जिन्हें प्राति-पदिकमें लगाकर कारक रूप बनाये जाते हैं। इन विभक्तियोंके आधारपर बने कारक रूप **सुबन्त** (सुप् + अंत) कहलाते हैं। उदाहरणार्थ राम+सु (सुप् प्रत्यय) = रामः। यह 'रामः'

सुबंत है। (दे०) **प्रत्यय**।

सुबंत––(दे०) **सुप्**।

सुबन्तीय प्रत्यय (inflexional affix)––ऐसे प्रत्यय (पूर्व, मध्य या अंत्य), जिनकी सहायतासे प्रातिपदिक या मूल शब्दके कारकीय रूप बनाये जाते हैं।

सुबन्त्य (inflexible)––ऐसे प्रादिपदिक या मूल शब्द, जिनके कारकीय रूप प्रत्यय (आदि, मध्य या अंत) जोड़कर बनाये जा सकें।

सुबखमिमिक (subakhmimic) **कॉप्टिक** (दे०) भाषाकी एक बोली।

सुबरेअन (subaraean)–– उत्तरी मेसोपोटामियामें प्राचीनकालमें प्रयुक्त हूरिअन तथा मितानी, इन दो विलुप्त भाषाओंके वर्गका नाम।

सुबिन्हा (subinha)––मध्य अमेरिकाकी **टज़ोट्ज़िल भाषा** (दे०)की एक विलुप्त बोली।

सुबिया (subiya)––**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा। इस भाषाका क्षेत्र जंबजी नदीके उत्तर तथा न्यासा एवं टैंगेनिका झीलोंके पश्चिममें है।

सुमात्री लिपि––सुमात्रामें तथा आसपास प्रयुक्त लिपि। यह प्राचीन जावानी लिपिसे निकली है।

सुमेरियन (sumerian)––एक विलुप्त भाषा। यह सुमेरी लोगोंकी भाषा थी। ४००० ई० पू०से ३री सदी ई० पू० तक यह भाषा प्रयुक्त होती रही। इसके प्राप्त साहित्यमें व्याकरण, अर्थशास्त्र, शासन, कानून, इतिहास, धर्म आदि विषयोंका वर्णन मिलता है। सुमेरी भाषाका क्षेत्र बेबलोनियासे फारसकी खाड़ीतक सुमेरिया या मेसोपोटामियामें था। इसे बर्मी, यूराल-अल्ताई, काकेशी, हैमेटिक, मलय––पालिनीशियन आदिसे जोड़नेके प्रयास किये गये हैं, किन्तु सफलता नहीं मिल सकी है। सुमेरी भाषा अश्लिष्ट योगात्मक है।

सुमेरी––(दे०) **सुमेरियन**।

सुमेरी लिपि––सुमेरी लोगों द्वारा प्रयुक्त **क्यूनिफ़ार्म लिपि** (दे०)। क्यूनिफ़ार्म लिपिका प्राचीनतम प्रयोग सुमेरियोंमें ही मिलता है।

सुमो (sumo)–मध्य अमेरिकाके **मिस्किटो-सुमो-मटगल्पा** (दे०) भाषा परिवारकी एक मुख्य भाषा। इसकी बोलियाँ **ऊलूआ**, **सुमोटाउअक्सक** तथा **योस्को** हैं। सुमोका एक अन्य नाम **ऊलूआ** भी है।

सुमो-टाउअक्सक (sumo-tauaxka)––मध्य अमेरिकाकी **सुमो** (दे०) भाषाकी एक बोली।

सुया (suya)––**कयापो** (दे०) की एक बोलीका नाम।

सुर––(दे०) **आघात**का **सुर** उपशीर्षक।

सुरगुजिया––**छत्तीसगढ़ी** (दे०)की एक उपबोली, जो कोरिया, सुरगुजा, उदयपुर तथा जशपुरके पश्चिमी भागमें बोली जाती है। इसका क्षेत्र प्रधान रूपसे सुरगुजामें है, अतः इसे इस नामसे अभिहित किया गया है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ३,८४,०००थी। 'सुरगुजिया' उपबोली, 'छत्तीसगढ़ी'(दे०)और 'नगपुरिया' (दे०)का एक मिश्रित रूप है।

सुरती (surti)––**गुजराती** (दे०)की सूरतमें प्रयुक्त एक बोली।

सुर रेखा (isotonic line)––नक्शेमें एक सुरके प्रदेशों या स्थानोंको दिखानेवाली रेखा।

सुर-लहर (intonation)––(दे०) **आघात**में **सुर-लहर** उपशीर्षक।

सुर–लहर रेखा––नक्शेमें समान **सुर–लहर** (दे०)––के स्थानोंको दिखानेवाली रेखा।

सुर विज्ञान (tonetics)––भाषाके 'सुर'का अध्ययन। यह ध्वनि विज्ञानकी एक शाखा है। (दे०) **आघात**।

सुर्खुली (surkhuli)––**कोचो** (दे०)की एक बोली।

सुलैमानी (sulaimani)––पूर्वी **बलोची** (दे०)का एक प्राचीन नाम।

सुसिअन––**एलामाइट** (दे०)का एक नाम।

सुस्क्येहन्ना (susquehanna)––**इरोकोइस** (दे०) भाषा-परिवारकी एक विलुप्त

उत्तरी अमेरिकी भाषा।

सूक्ष्म प्रतिलेखन (narrow transcription)—एक प्रकारका **ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन** (दे०)। इसे कुछ लोगोंने **संकीर्ण प्रतिलेखन** भी कहा है, यद्यपि यह नाम सूक्ष्म प्रतिलेखन जितना सार्थक नहीं है।

सूचक (informant)—सूचक उस व्यक्तिको कहते हैं, जिससे सुनकर भाषा वैज्ञानिक अध्ययनके लिए सामग्री एकत्र की जाती है। सूचकका चयन बहुत समझ-बूझकर किया जाना चाहिये। ऐसा सूचक सर्वोत्तम होता है, जो केवल उसी भाषा या बोली आदिका जानकार हो, जिसका अध्ययन करना हो तथा जिसपर अन्य प्रभावोंकी कम-से-कम संभावना हो।

सूडान वर्ग या सूडान भाषा-परिवार-वर्ग—अफ्रीकाके कुछ भाषा-परिवारोंका एक वर्ग जो पहले सूडान परिवार वर्ग न समझा जाकर, एक परिवार समझा जाता था, पर डब्ल्यू श्मिटने स्पष्ट रूपसे दिखला दिया है कि यह एक वर्ग है और इसमें एकाधिक परिवार हैं। इसे सुडानी-गिनियन, सुडानी तथा गिनिअन भी कहते हैं। इस वर्गकी भाषाएँ अफ्रीकामें भूमध्यरेखाके उत्तर और हैमिटिक भाषाओंके दक्षिण, पूरवसे पश्चिमतक पतले भागमें फैली हैं। इसकी कुछ भाषाएँ लिपिबद्ध भी हैं। कुछ बातोंमें यह वर्ग बांटूसे मिलता-जुलता है। **सूडान वर्गकी भाषाओंकी प्रमुख विशेषताएँ**—(१) चीनी भाषाकी भाँति ये अयोगात्मक हैं। विभक्तियाँ बिल्कुल नहीं पायी जातीं। धातुएँ उसी प्रकार एकाक्षर हैं। (२) यहाँ व्याकरण नहीं होता और न उसकी कोई आवश्यकता ही है। (३) इनमें बहुवचन बहुत स्पष्ट नहीं है। कभी-कभी अन्य पुरुष (वे लोग, ये लोग) या 'लोग'के समानार्थी शब्दोंको जोड़कर संज्ञाको बहुवचन बना लेते हैं। ह्रस्व स्वरको दीर्घ करके भी कभी-कभी बहुवचनको प्रकट कर लेते हैं, जैसे रॉर = वन और रोर = बहुतसे वन। पर यह सब बहुत कम किया जाता है। (४) लिंगके विषयमें भी यही बात है। कुछ खास शब्द लिंगबोधक होते हैं, जिन्हें जोड़कर शब्दोंको लिंग प्रदान किया जाता है। (५) पूर्वसर्ग (preposition)के अभावके कारण संयुक्त या मिश्रित वाक्योंकी रचना यहाँ नहीं हो पाती, अतः उसे तोड़कर लोग साधारण बना लेते हैं, जो छोटा-सा होता है और जिसमें केवल एक क्रिया होती है। उदाहरणार्थ यदि इन लोगोंको 'वह जहाज़परसे समुद्रमें कूदा' कहना होगा तो इसे **तीन** वाक्योंमें (वह कूदा। जहाजके भीतरी भागको छोड़ा। समुद्रमें गिरा।) कहेंगे। (६) ऊपर हम कह चुके हैं कि इस परिवारकी धातुएँ चीनीकी भाँति एकाक्षर होती हैं, पर प्रकृतिकी दृष्टिसे कुछ भिन्न होती हैं। इनमें वर्णनात्मकता होती है। साथ ही वे ध्वन्यात्मक भी होती हैं। यों तो हिन्दी आदि अन्य भाषाओंमें भी भड़-भड़, तड़-तड़ आदि ध्वन्यात्मक शब्द होते हैं, जो ध्वनिको चित्रित करते हैं, पर इन भाषाओंमें धातु या शब्द केवल ध्वनिको ही प्रकट नहीं करते, अपितु रूप, गति, अवस्था और यहाँतक कि रंगका भी चित्र खींच देते हैं। ये अधिकतर क्रिया-विशेषणके रूपमें प्रयुक्त होते हैं, पर कभी-कभी विशेषण रुपमें भी। इस वर्गकी भाषाओंमें ऐसे शब्द सबसे अधिक हैं। कुछ क्रिया-विशेषणोंके उदाहरण लिये जा सकते हैं:—ये क्रिया-विशेषण 'जो' धातु (= चलना)-की विशेषता प्रकट करते हैं—कक—सीधा। त्यत्य—जल्दी-जल्दी। सिसि—छोटे-छोटे कदम रखकर, आदि। हमलोग इनके सुननेके अभ्यस्त नहीं हैं, फिर भी थोड़ा ध्यान दें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इन शब्दोंकी ध्वनि अपने अर्थको व्यक्त करनेमें पूर्णतया समर्थ है। (७) चीनी भाषाकी ही भाँति यहाँ भी सुर या तान (tone)के परिवर्तनसे अर्थमें परिवर्तन हो जाता है। सूडान या **सुडानी-गिनी**

वर्गका विभाजन कई लोगोंने कई प्रकारसे किया है। श्मिटने इसमें ७ परिवार माने हैं, ड्रेक्सेल १७१ भाषाएँ मानते हैं, डेलाफ़ोसे ४३५ भाषाएँ माननेके पक्षमें हैं। कुछ लोग इसमें सूडान और गिनीका दो परिवार मानते हैं। डेलाफोसेका वर्गीकरण (les langues du monde में) निम्नांकित रूपमें हैः—(१) **नील-चाड** (nilo-chad)—इस वर्गमें लगभग ३० भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'नूबा', 'कुनम', 'टूबू', 'कनूरी' आदि हैं। (२) **नील-अबीसीनिअन** (nilo-abyssinian)—इस वर्गमें १५ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'शिलुक', 'डिन्का' आदि हैं। (३) **नील-भूमध्यरेखा** वर्ग (nilo-equatoial)—इस वर्गमें २६ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'बरी', 'सुक', 'मासइ' आदि हैं। (४) **कोर्डोफ़निअन** (kordofanian)—इस वर्गमें १० भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'टुमेली' है। (५) **नील-कांगोली** (nilo-congolese)—इस वर्गमें १९ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'मंगबेटू' तथा 'मबुबा' हैं। (६) **उबांगी** (ubangi)—इस वर्गमें लगभग २५ भाषाएँ है, जिनमें प्रमुख 'निट्टू', 'भुंगू', 'ज़ांडे' तथा 'बांडा' आदि हैं। (७) **शरी-वाडी** (shari-wadi)—इस वर्गमें १२ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'सर' तथा 'बरम' हैं। (८) **शरी** (shari)—इस वर्गमें लगभग १५ भाषाएँ हैं, किंतु प्रसिद्ध कोई नहीं है। (९) **नाइजेरो-चाड** (nigero-chad)—इस परिवारमें लगभग ३१ भाषाएँ हैं। प्रमुख हौसा है। (१०) **नाइजेरो कमेरून** (nigero camerun)—इस वर्गमें लगभग ६४ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'फ़ी', 'बो', योरुबा आदि हैं। (११) **लोअर नाइजर** (lower niger)—इस वर्गमें केवल एक ही भाषा 'जो' है। इस भाषाकी बहुतसी बोलियाँ तथा उपबोलियाँ हैं। (१२) **वोल्टाइक** (voltaic)—इस वर्गमें ५३ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'गुर्मा', 'मो', 'कुरुमा', 'सेनुफू' आदि हैं। (१३) **आइवरी कोस्ट-डहोमिअन** ivory coast-dahomian)—इस वर्गमें ४८ भाषाएँ हैं। जिनमें प्रमुख 'फ़ोन', 'एहुए', 'गाँ', 'ची', 'फांटी' आदि हैं। (१४) **नाइजेरो सेनेगलीज़** (nigero-senegalese)—इस वर्गमें ३६ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख **सोंगोइ**, 'डोगोन', 'सरकोल्ले', 'मन्डिंगो', 'वइ', 'मेंडे' आदि हैं। (१५) **आइवरी कोस्ट-लाइबेरिअन** (ivory coast-liberian)—इस वर्गमें २४ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'ग्रे', 'क्रा', 'बस्सा' आदि हैं। (१६) **सेनेगल-गिनी** (senegal-guinean)—इस वर्गमें लगभग २४ भाषाएँ हैं, जिनमें प्रमुख 'वोलोफ', 'प्यूल' तथा 'सेरेर' आदि हैं। डेलाफ़ोसेके अनुसार सुडानी-गिनी और बांटूका एक परिवार है। सुडानी-गिनीके बोलनेवालोंकी संख्या ५ करोड़से ऊपर है।

सूतो—**सोथो** (दे०) भाषाका एक नाम।

सूत्र—ऐसी संक्षिप्त समस्त शैलीकी रचना, जिसमें सांकेतिक ढंगसे किसी विषयके संबंधमें कोई बात असंदिग्ध रूपमें कही गयी हो। व्याकरण तथा दर्शन आदिमें सूत्रों द्वारा विषय-विवेचनाकी परंपरा भारतमें प्राचीन कालसे मिलती है। सूत्रकी जो प्रसिद्ध परिभाषा है, उसमें अल्पाक्षरता, असंदिग्धता, सारवत्ता, अनेकार्थता तथा अबाधताको सूत्रमें आवश्यक माना गया है:—'अल्पाक्षरमसंदिग्धं सारवद्विश्वतोमुखम्। अस्तोभमनवद्यं चं सूत्रं सूत्रविदो विदुः। सूत्रोंकी परंपराका विकास संक्षेपमें बातोंको याद करनेके लिए हुआ था।

सूत्र-लिपि—एक प्राचीन पद्धति, जिसके द्वारा एक प्रकारसे लिपिका काम लिया जाता था। सूत्र लिपिका इतिहास भी काफ़ी पुराना है। इसकी परंपरा, प्राचीन कालसे आजतक-किसी-न-किसी रूपमें चली आ रही है। स्मरणके लिए आज भी लोग रूमाल आदिमें गाँठ देते हैं। सालगिरह या वर्ष-

गाँठमें भी वही परंपरा अक्षुण्ण है। प्राचीन कालमें सूत्र, रस्सी तथा पेड़ोंकी छाल आदिमें गाँठ दी जाती थी। किसी बातको सूत्र रूपमें रखने या सूत्र (व्याकरण या दर्शन-शास्त्र आदिके सूत्र) यादकर पूरी बातको याद रखनेकी परंपराका भी संबंध इसीसे ज्ञात होता है।

सूत्रोंमें गाँठ आदि देकर भाव व्यक्त करनेकी परंपरा भी काफी प्राचीन है। इस आधारपर भाव कई प्रकारसे व्यक्त किये जाते रहे हैं, जिनमें प्रधान निम्नांकित हैं:—
(क) रस्सीमें रंग-बिरंगे सूत्र बाँधकर। (ख) रस्सीको रंग-बिरंगे रंगोंसे रँगकर। (ग) रस्सी या जानवरोंकी खाल आदिमें भिन्न-भिन्न रंगोंके मोती, घोंघे, मूंगे या मनके आदि बाँधकर। (घ) विभिन्न लंबाइयोंकी रस्सियोंसे। (ङ) विभिन्न मोटाइयोंकी रस्सियोंसे। (च) रस्सीमें तरह-तरहकी तथा विभिन्न दूरियोंपर गाँठें बाँधकर। (छ) डंडेमें भिन्न-भिन्न स्थानोंपर भिन्न-भिन्न मोटाइयों या रंगोंकी रस्सी बाँधकर। इस तरहके लेखनका उल्लेख, ५वीं सदीके ग्रंथकार हेरोडोटस (४, ९८)-ने किया है। चित्र लिपिका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण पीरूकी 'क्वीपू' है।

'क्वीपू'में भिन्न-भिन्न लंबाइयों, मोटाइयों तथा रंगोंके सूत (जो प्रायः बटे ऊनके होते थे) लटकाकर भाव प्रकट किये जाते थे। कहीं-कहीं गाँठें भी लगायी जाती थीं। इनके द्वारा गणना की जाती थी तथा ऐतिहासिक घटनाओंका भी अंकन होता था।

[पीरूमें प्राप्त 'क्वीपू' नामक सूत्र-लिपि]

पीरूके सैनिक अफसर इस लिपिका विशेष प्रयोग करते थे। इसके माध्यमसे सेनाका एक वर्णन आज भी प्राप्त है, पर उसे पढ़ने या समझनेका कोई साधन नहीं है। चीन तथा तिब्बतमें भी प्राचीनकालमें सूत्र-लिपिका व्यवहार होता था। बंगालके संथालों तथा कुछ जापानी द्वीपों आदिमें आज भी सूत्र-लिपि कुछ रूपोंमें प्रयोगमें आती है। टंगानिकाके मकोन्दे लोग छालकी रस्सियोंमें गाँठ देकर बहुत दिनोंसे घटनाओं तथा समयकी गणना करते आये हैं।

सेंकदोंग (senk-dong)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार, ऊपरी छिन्दविन (बर्मा)-में प्रयुक्त (लगभग २००० व्यक्तियोंद्वारा व्यवहृत) **चीनी परिवार** (दे०) की एक नागा भाषा।

सेंगमइ (sengmai)—मणिपुर (असम)-में प्रयुक्त एक **लूई** (दे०) भाषा।

सेंगा (senga)—**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा। इस भाषाका क्षेत्र जंबजी नदीके उत्तर तथा न्यासा एवं टंगेनिका झीलोंके पश्चिममें है।

सेंगिमा (sengima)—**एंपेओ** (दे०)का एक अन्य नाम।

सेंग्मा (sengma) **एंपेओ** (दे०) की एक बोलीका नाम।

सेंतुंग (sentung)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार (बर्मामें इसका नाम 'ह्सेंतुंग' लिया जाता है), चिन पहाड़ियोंपर प्रयुक्त एक भाषा। इसके पारिवारिक संबंधका ठीक पता नहीं है।

सेओ-बंकर (seo-bankar)—**कोहिस्तानी** (दे०)की बोली **मैयाँ** (दे०)का, कोहिस्तानमें प्रयुक्त, एक रूप।

सेक (sek)—**दक्षिणी अमरीकी वर्ग** (दे०)-का एक भाषा-परिवार। इस परिवारकी

प्रमुख भाषाएँ कटकओ, कोलन तथा सेचुरा हैं।

सेकोटन (sekotan)––**पूर्वीय अलगोन्किन** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। अब यह भाषा विलुप्त हो चुकी है।

सेचुरा (sechura)––**सेक** (दे०) परिवार की एक विलुप्त दक्षिणी अमेरिकी भाषा।

सेटाला नियम (setala's law)––फ़िनिश भाषाके व्यंजन-परिवर्तन संबंधी एक ध्वनि नियम। इसका प्रयोग वेसलेने किया है।

सेट्––संस्कृतमें धातुओंको आगमकी दृष्टिसे तीन वर्गोंमें बाँटा गया है:––(१) **सेट्**–– ऐसी धातुएँ, जिनके रूप बनानेमें धातु और प्रत्ययके बीचमें 'इट्' अर्थात् 'इ'का आगम होता हो। 'इ' या 'इट्' सहित रूप होनेसे इन्हें सेट् कहते हैं। उदाहरणार्थ, भू (भविता), पठ् (पठिष्यति)। (२) **वेट्**–– ऐसी धातुएँ, जिनमें 'इ' (या 'इट्) विकल्प-से (वा + इट्) आती है। (३) **अनिट्**–– ऐसी धातुएँ, जिनमें इ या इट् न (अन् + इट) आवे। जैसे गम् भुज् आदि।

सेडिला (cedila)––कुछ रोमन अक्षरोंके नीचे (,) लगाया जानेवाला एक चिह्न। इसका प्रयोग उक्त अक्षर द्वारा विशेष प्रकारकी ध्वनि व्यंजित करनेके लिए किया जाता है। यह एक प्रकारका विकारक (modifier) या विशिष्ट चिह्न (dia-critic mark) है।

सेतु-अक्षर––(दे०) **सेतु-ध्वनि**।

सेतु-ध्वनि (bridge sound)––उच्चारण सुविधाके लिए उपसर्ग तथा मूल शब्द, या मूल शब्द और प्रत्यय आदिके बीच (कुछ भाषाओंमें) लायी जानेवाली ध्वनि। इसे **सेतु-वर्ण, सेतु-अक्षर, सेतु-व्यंजन** (यदि व्यंजन हो), **सेतु-स्वर** (यदि स्वर हो), **सेतु-ध्वनि-ग्राम** (यदि ध्वनि-ग्राम हो) आदि नामोंसे भी अभिहित करते हैं।

सेतु-ध्वनिग्राम––(दे०) **सेतु-ध्वनि**।

सेतु-वर्ण––(दे०) **सेतु-ध्वनि**।

सेतु-व्यंजन––(दे०) **सेतु-ध्वनि**।

सेतु-स्वर––(दे०) **सेतु-ध्वनि**।

सेन (sen)––'सेम' (दे०) का एक नाम।

सेन सुम (sen sum)––वर्माके भाषासर्वेक्षणके अनुसार (बर्मामें इसका नाम 'ह्सेन ह्सुम' लिया जाता है) केंगतूंग दक्षिणी शान स्टेटमें प्रयुक्त (लगभग १,२६५ व्यक्तियों द्वारा व्यवहृत) एक भाषा। इसके संबंध-का ठीक पता नहीं है। कुछ लोग **व** (दे०) से संबद्ध मानते हैं।

सेनुफू (senufu)––**सूडान वर्ग** (दे०) की एक अफ्रीकी भाषा।

सेनेगल-गिनी (senegal-guinean)–– **सूडान वर्ग** (दे०) की कुछ भाषाओंका एक वर्ग।

सेफ़ार्दी (sephardic)––भारोपीय परिवारकी इटैलिक उपशाखाकी स्पेनी भाषासे उद्भूत एक भाषा। इसका आधार १५वीं सदीकी स्पेनी है। यह कान्स्टैंटिनोप्ल, सलोनिका आदिके यहूदियोंकी भाषा है। इसका शब्द-भाण्डार तुर्की, अरबी, ग्रीक तथा हिब्रूसे प्रभावित है। इसे **लैदिनो** (ladino), **जूदो-रोमांस** (judaeo romance) तथा **जूदो स्पेनी** (judaeo-s panish) भी कहते हैं।

सेफ़ार्दी लिपि––हिब्रू लिपिपर आधारित एक लिपि, जिसका प्रयोग **सेफ़ार्दी** (दे०) भाषा लिखनेमें होता है।

सेम (sem)––**व** (दे०) का एक रूप।

सेमा (sema)––**चीनी परिवार** (दे०) की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखाओंके नागा-वर्गकी, नागा पहाड़ियों (असम) में प्रयुक्त, एक पश्चिमी नागा भाषा। १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३४,८८३ थी।

सेमिटिक परिवार––उत्तरी अफ्रीका तथा पश्चिमी दक्षिणी एशियाका एक भाषा-परिवार। हैमिटिकपर विचार करते समय हज़रत नूहके बड़े लड़के सेम दक्षिणी-पश्चिमी एशियाके निवासियोंके आदि पुरुष कहे गये हैं। उन्हींके नामपर उस क्षेत्रमें बोले जानेवाले भाषा-परिवारका

नाम सेमिटिक या सामी पड़ा है। इस परिवारकी अरबी भाषाने उत्तरी अफ्रीकापर अपना आधिपत्य जमा लिया है और इस प्रकार यह परिवार अफ्रीका खंडमें भी आता है। बहुतसे विद्वान् हैमिटिक (दे०) और सेमिटिकको एक ही परिवार **हैमिटो-सेमिटिक** (दे०)के दो उपपरिवार मानते हैं। इसे एक माननेका कारण दोनों परिवारोंके लक्षणोंमें समानताका आधिक्य है।

सेमिटिक और हैमिटिकके मिलते-जुलते लक्षण—(१) दोनों ही श्लिष्ट योगात्मक और अन्तर्मुखी हैं। इनमें पूर्व, अन्तः और पर विभक्तियाँ लगती हैं, पर अधिकतर सम्बन्धतत्त्व भीतर होनेवाले स्वर-परिवर्तनसे ही सूचित हो जाता है। जैसे सेमिटिककी अरबी भाषामें क़्-त्-ल्से क़ितल, क़िरल, कुतिल, यक़्तुलु, क़ातिल तथा क़तल आदि अनेक शब्द बनते हैं, जिनमें साधारण स्वर-परिवर्तनसे ही अर्थ-परिवर्तन हो गया है। (२) दोनों ही परिवारोंमें अफ्रीकाकी कुछ भाषाओंकी भाँति क्रियामें कालका गौण स्थान है और पूर्णता और अपूर्णताका प्रमुख। (३) बहुवचन बनानेके लिए दोनों ही कुलोंमें प्रत्यय लगते हैं और दोनोंके प्रत्ययोंका मूल भी लगभग एक ही ज्ञात होता है। (४) 'त' ध्वनि दोनों कुलोंमें स्त्रीलिंगका चिह्न मानी जाती है। दोनों हीमें लिंगभेद नर-मादापर अर्थात् प्राकृतिक लिंगपर न होकर कुछ अन्य बातोंपर आधारित है। (५) दोनों परिवारोंके सर्वनामोंका मूल भी प्रायः एक ही है।

सेमिटिक परिवारकी प्रमुख विशेषताएँ—सेमिटिक और हैमिटिकके उपर्युक्त तुलनात्मक अध्ययनमें इस विषयपर कुछ बातें दी जा चुकी हैं, किंतु दोनों परिवारोंकी सभी बातें एक-सी नहीं हैं, अतः यहाँ सेमिटिक कुलपर अलग भी विचार कर लेना आवश्यक है। (१) माद्दा (धातु, रूट या अर्थतत्त्वबोधक मूल शब्द) प्रायः तीन व्यंजनोंका होता है, जैसे क्-त्-ब् (लिखना), द्-ब्-र् (बोलना), व्-ग्-द् (पाना) इत्यादि। अपवादस्वरूप कुछ माद्दे चार या पाँच व्यंजनोंके भी होते हैं और 'रुबाई' तथा 'ख़ुमाशी' कहलाते हैं। यों कुछ विद्वानोंका कहना है मूलतः सभी धातुएँ तीन-व्यंजनोंकी थीं। हैमिटिक भाषाओंमें यह बात नहीं पायी जाती। (२) 'माद्दा'के इन व्यंजनोंमें स्वर जोड़कर पद (वाक्यमें रखे जाने योग्य शब्द, जिनमें अर्थतत्त्व और सम्बन्ध-तत्त्व दोनों हों) बनते हैं। इस प्रकार भारोपीय परिवारमें जो कार्य आंतरिक परिवर्तन तथा प्रत्ययोंसे लिया जाता है, वह यहाँ स्वरोंकी सहायतासे ही प्रायः हो जाता है। जैसे अरबीमें क्-त्-ब् 'माद्दा'से कातिब, किताब तथा कुतुब इत्यादि। (३) कभी-कभी इस उपर्युक्त स्वर-परिवर्तनसे काम नहीं चलता तो उपसर्ग तथा प्रत्ययकी भी आवश्यकता पड़ती है। जैसे प्रेरणार्थक आदिके लिए 'क्-त्-ल्'से 'हिक्तिल' 'हि' उपसर्ग जोड़कर बनाना पड़ता है। इसी प्रकार क्-त्-ब्से इस्तक्तब (किसी अन्यसे लिखनेको कहा) भी बनता है। यहाँ एक बात उल्लेख्य यह है कि भारतीय भाषाओंकी भाँति सेमिटिक परिवारकी भाषाओंमें एक धातुमें कई प्रत्यय या उपसर्ग (जैसे अनुकरणात्मकता शब्दमें अनु+करण+आत्मक+ता हैं) एक साथ नहीं मिलते। (४) इस परिवारमें समास केवल व्यक्ति-वाचक संज्ञाओंमें ही मिलता है और वह भी केवल दो शब्दोंका, जैसे बीर्-शेबा, मलकह्-इसरायल आदि। स्थान-क्रमकी दृष्टिसे भारोपीय समासोंसे यहाँकी पद्धति उलटी है। संस्कृतमें 'दधि-सुत' होगा तो यहाँ 'सुत-दधि'। इसीका प्रभाव उर्दूपर पड़ता है और उसमें शाहे-फ़ारस (फ़ारसका शाह) जैसे प्रयोग चलते हैं। (५) प्राचीन सेमिटिक भाषाओंमें प्रत्यय लगाकर कर्त्ता, कर्म और सम्बन्ध कारक बनते थे, जैसे—प्राचीन अरबीमें अब्दू, अब्दा। इसी प्रकार बहुवचन और द्विवचनके लिए भी प्रत्ययका

प्रयोग होता था, पर अब अलगसे शब्द जोड़े जाते हैं, क्योंकि हिन्दी आदिकी भाँति ही ये भाषाएँ भी प्रायः वियोगात्मक हो गयी हैं। (६) ऊपर हम यह कह चुके हैं कि हैमिटिक और सेमिटिक दोनों हीमें 'त' स्त्रीलिंगका चिह्न है, पर सेमिटिक परिवारमें एक बात यह विशेष है कि यह 'त' ध्वनि कुछ भाषाओंमें विकसित होकर 'थ' या 'ह' हो गयी है। जैसे-अरबीमें मलक् (राजा)का स्त्रीलिंग मलकह् (रानी) होता है कि मलकत्। (७) इसी प्रकार कुछ धातुओंमें ध्वनि-विकासके ही कारण व्यंजन-लोप हो गया है, जिसके फलस्वरूप वे द्वि-व्यंजनात्मक हो गयी हैं। पर ऐसी द्विव्यंजनात्मक धातुएँ संख्यामें अधिक नहीं हैं, अतः इनकी उपस्थिति अपवाद ही समझी जायगी। सेमिटिक परिवार या उपपरिवारका वर्गीकरण कई प्रकारसे किया गया है। कुछ लोग इसे **पूर्वी सेमिटिक** और **पश्चिमी सेमिटिक**, दो वर्गोंमें बाँटते हैं। पूर्वीमें अकादिअन (जिसके प्राचीन रूपको कुछ लोग **प्राचीन अकादिअन** या असीरियन तथा बादके रूपको **नव अकादिअन** या **बेबिलोनियन** कहते हैं) आती हैं। पश्चिमीमें **उत्तरी** (कनानाइट, आरमेइक) तथा **दक्षिणी** [उत्तरी अरबी जिसे अरबी कहते हैं, दक्षिणी अरबी, इथिओपिअन] दो वर्ग हैं। कुछ अन्य लोग इस रूपमें भी इसे बाँटते हैं:—
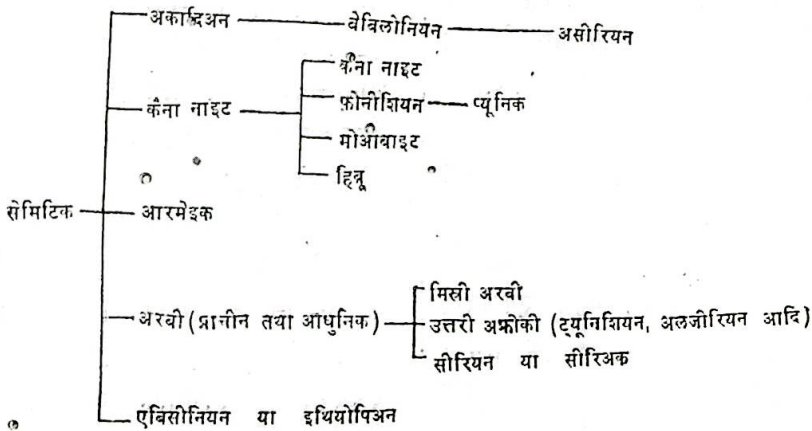
सेमिटिक परिवारकी विभिन्न शाखाओंमें आपसमें बहुत कम अन्तर है। इस परिवारकी अरबी भाषा बहुत धनी है। धर्म, ज्योतिष, गणित, दर्शन, साहित्य और रसायन आदि सभी क्षेत्रोंमें उसका हाथ है। अरबी साहित्यने फ़ारसी, तुर्की, उर्दू, हिन्दी, बँगला, मराठी और गुजराती आदिको बहुत प्रभावित किया है। अंग्रेज़ी, स्पैनिश तथा फ्रेंच आदि यूरोपकी अन्य समुन्नत भाषाएँ भी अपने शब्द-समूहमें अरबीके प्रभावसे नहीं (अलजब्रा, सिफ़र, अलकोहल आदि) बच सकी हैं।

सेमिनोले (seminole)—**मुस्खोगी** (दे०) भाषा-परिवारका एक वर्ग। इसके अंतर्गत **अपलची** (दे०), **अलबमा**, **चोक्टव** आदि भाषाएँ आती हैं।

सेरी (seri)—(१) **थाडो** (दे०)का एक रूप। (२) **होक** (दे०) परिवारकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

सेरेगोंन्ग (seregong)—**करिब** (दे०) परिवारकी एक दक्षिणी अमेरिकी भाषा।

सेरेर (serer)—पश्चिमी अफ्रीकामें वर्ड अंतरीपके पास सेरेर जातिके नीग्रो लोगों द्वारा प्रयुक्त एक भाषा। यह **सूडान वर्ग** (दे०) की है।

सेरानो (serrano)—(१) मध्य अमेरिकाके **ओटोमि** (दे०) भाषा-परिवारकी एक विलुप्त भाषा। (२) **दक्षिणी-केलीफोर्निअन** (दे०) उपवर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। इस भाषाकी कई बोलियाँ हैं।

सेलुंग (selung)—**सलोन** (दे०)का एक विकृत नाम ।

सेलोन (selon)—(१) **सलोन** (दे०) का एक अन्य नाम । (२) **पलौंग** (दे०) का एक रूप ।

सेसेथो—सोथो (दे०) भाषाका एक नाम ।

सैंगबौंग (saing baung)—बर्माके क्यौक्प्यू नामक स्थानमें प्रयुक्त **चीनी परिवार** (दे०)की एक **कुकी-चिन** (दे०) भाषा । १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ७२३२ थी ।

सैद्धांतिक भाषा विज्ञान—भाषा विज्ञानका वह रूप, जिसमें भाषा विशेष या कुछ सीमित भाषाओंका अध्ययन न करके, सामान्य रूपसे विश्व-भाषाओंकी उत्पत्ति, उनमें परिवर्तन या विकास, उनका आदर्श और उसकी प्रगतिके लिए करणीय उपाय आदि-का अध्ययन करते हैं ।

सैद्धांतिक लिपि विज्ञान—एक प्रकारका **लिपि विज्ञान** (दे०) ।

सैंद्विशी—**हवाई** (दे०)भाषाका एक नाम ।

सैंहल अपभ्रंश—**अपभ्रंश** (दे०)का एकभेद ।

सैन (sain)—**मुर्मी** (दे०)का एक नाम ।

सैनजी—कुलू वर्गकी एक बोली, जो कुलूके पास सैनजी नदीकी घाटीमें प्रयुक्त होती है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १०,००० थी । (दे०) **कुलू वर्गकी बोलियाँ** ।

सैबाइन (sabine)—सैबेलियन (भारोपीय परिवारकी इटैलिक शाखाकी एक शाखा)—की एक विलुप्त बोली ।

सैबेलियन (sabellian)—भारोपीय परि-वारकी इटैलिक शाखाकी एक उपशाखा । इसके अंतर्गत **एक्विअन, मैरुसिनिअन मैरिसन, पेलिग्निअन, सैबाइन, वेस्तिनिअन** तथा **वोलस्किअन आदि बोलियाँ** आती हैं।

सैमर (saimar)—**थाडो** (दे०) का, काचारके मैदान (असम) में प्रयुक्त एक रूप ।

सैरंग (sairang)—**थाडो** (दे०) की, काचारके मैदान (असम)में प्रयुक्त एक बोली । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ५,२७० थी ।

सोंगबू (songbu)—**कबुई** (दे०) का रूप। इसका क्षेत्र मणिपुर है ।

सोंगलोंग (songlong)—**व** (दे०)का रूप ।

सोंगिश (songish)—**सलिश** (दे०)भाषा-परिवारकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा ।

सोंगोइ (songoi)—**सूडानवर्ग** (दे०) की नाइजर और सेनेगल नदीके पास प्रयुक्त एक अफ्रीकी भाषा ।

सोंड़वाड़ी—**मालवी** (दे०)का एक स्थानीय रूप, जो झालावाड़, पश्चिमी मालवा तथा भोपालके आस-पास बोला जाता है । इसके बोलनेवाले प्रमुखतः सोंडिया लोग हैं, जिनका क्षेत्र 'सोंड़वाड़' कहलाता है। इसी आधारपर इसका नाम 'सोंड़वाड़ी' पड़ा है । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालों-की संख्या २,०३,५५६ थी । इसे **सौंधवाड़ी** भी कहते हैं ।

सोक्ते (sokte)—**चीनी परिवार** (दे०)की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखा-के, कुकी-चिन वर्गकी, चिन पहाड़ियों (बर्मा)में प्रयुक्त एक उत्तरी चिन भाषा । १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३०,६३३ थी ।

सोग्दिअन—एक **ईरानी** (दे०) भाषा ।

सोग्दिअन लिपि—सोग्दिआमें प्रयुक्त एक लिपि, जो आरमेइक लिपिसे निकली मानी जाती है। **उइगुरलिपि** (दे०) इसीसे निकली थी ।

सोथो (sotho)—**बांटू** (दे०) परिवारकी, पूर्वी अफ्रीकाके चुआना प्रदेशमें, प्रयुक्त एक अफ्रीकी भाषा। इसे **सूतो** या **सेसेथो** भी कहते हैं ।

सोद्देश्य बलाघात—**बलाघात** (दे०)का भेद ।

सोन (son)—**व** (दे०)का एक रूप ।

सोनपारी—**पश्चिमी भोजपुरी** (दे०)का एक स्थानीय रूप, जो मीरजापुर जिलेमें सोन नदीके दक्षिणमें 'सोनपार' नामक स्थानमें बोला जाता है । 'भोजपुरी'का यह रूप

'अवधी'से प्रभावित है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ४९, ०० थी।

सोनारेखा (sonarekna)—**कोडा** (दे०)का एक जातीय रूप।

सोनास्ट्रेचर—**स्पीचस्ट्रेचर** (दे०)का एक रूप।

सोनोग्राफ़ (sonograph)—**स्पेक्ट्रोग्राफ़** (दे०)का एक रूप।

सोप्वोमा (sopvoma)—**चीनी परिवार** (दे०) की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखाके, नागा वर्गकी, मणिपुर (असम)में प्रयुक्त, एक 'नागा-कुकी' भाषा १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १३,०९६ थी।

सोबइपुरी (sobaipuri)—**अपरपीमा** (दे०) भाषाकी एक उत्तरी अमेरिकी उपभाषा। अब यह उपभाषा विलुप्त हो चुकी है।

सोमाली (somali)—हैमेटिक परिवारकी अफ्रीकी भाषा। इसका क्षेत्र सोमालीलैंड है।

सोयोनिअन (soyonian)—**यूराल अल्ताई** (दे०) परिवारकी एक पूर्वी तुर्की भाषा।

सोरठी (sorathi)—गुजरातीकी, **काठियावाड़ी** (दे०)बोलीका, काठियावाड़में प्रयुक्त, एक रूप। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ७,३३,००० थी।

सोराली—(दे०) **सोरियाली**।

सोरियाली—**कुमायूँनी** (दे०)की, अलमोड़ा ज़िलेके 'सोर' परगनेमें प्रयुक्त, एक उपबोली। इसपर 'नैपाली'का कुछ प्रभाव पड़ा है। इसका एक नाम 'सोराली' भी मिलता है। इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार १२,४८१ थी।

सोरियाली गोरखाली (soriyali gorkhali)—**नैपाली** (दे०)का, कुमाऊँमें बसे हुए नेपालियोंमें प्रयुक्त, एक रूप।

सोर्बिअन—**लुसेशन**(दे०)भाषाका अन्य नाम।

सोर्बो-वेन्डिक—**लुसेशन** (दे०) भाषाका नाम।

सोलग (solaga)—**तमिल** (दे०)का एक अन्य नाम। वस्तुतः यह मद्रासकी एक आदिवासी 'तमिल'-भाषी जातिका नाम है।

सोल्टेक (soltek)—मध्य अमेरिकाके **ज़पोटेक** (दे०)परिवारकी एक भाषा।

सौंग्प (saungpa)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार, **नुंग** (दे०)का, पुताओ ज़िलेमें प्रयुक्त एक रूप। वर्माके-सर्वेक्षणानुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,२२८ थी।

सौंधवाड़ी—(दे०) **सोंड़वाड़ी**।

सौक (sauk)—**केन्द्रीय अलगोन्किन** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

सौकिया खुन (saukiya khun)—**रंगकस** (दे०)का एक अन्य नाम।

सौराष्ट्री—तामिलनाडमें रेशमका काम करनेवाले जुलाहोंमें प्रचलित एक बोली, जिसे ग्रियर्सनने 'गुजराती'की बोली माना है, किंतु जिसे डॉ० सुनीतिकुमार चटर्जी 'राजस्थानी'-की बोली माननेके पक्षमें हैं। इसपर तमिल, गुजराती तथा मराठीका पर्याप्त प्रभाव है। इसके बोलनेवाले मूलतः सौराष्ट्रके रहनेवाले हैं तथा अपनेको सौराष्ट्री कहते हैं। **सौराष्ट्री**-को **पटलूणी** भी कहते हैं। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ५,८०० थी।

सौराष्ट्री लिपि—**सौराष्ट्री** (दे०)के लिए प्रयुक्त लिपि। यह लिपि अन्य भारतीय लिपियोंसे भिन्न है और इसकी उत्पत्तिके संबंधमें अभीतक विशेष खोज नहीं हुई है।

सौरिआ (sauria)—**माल्तो** (दे०)का एक दूसरा नाम।

स्कांगो (csango)—हंगेरियनकी, एक बोली जो कारपेथियन्सके पास बुकोविआमें बोली जाती है। इसपर रूसी तथा रुमानियनका प्रभाव पड़ा है।

स्कॉटगेलिक (scots gaelic)—भारोपीय परिवारकी **केल्टिक** (दे०) शाखाकी एक भाषा, जो स्कॉटलैंडमें लगभग एक लाख लोगों द्वारा प्रयुक्त होती है।

स्किट्टागेटन (skittagettan)—**हैडा** (दे०) वर्गका एक अन्य नाम।

स्किट्सविश (skitswish)—**सलिश** (दे०)

भाषा-परिवारकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा

स्किड्ग्रेट (skidgate)—**हैडा** (दे०) वर्गकी एक प्रमुख उत्तरी अमेरिकी बोली।

स्कैन्डिनेवियन—भारोपीय परिवारकी **जर्मनिक** (दे०) उपशाखाकी उत्तरी शाखाका एक अन्य नाम। इसमें आइसलैंडिक, स्वेडिश, डैनिश, नार्वेजियन, फ़रोईज़, गॉटलैंडिक आदि हैं।

स्गव करेन (sgaw karen)—**करेन** (दे०) की, बर्माके बहुतसे ज़िलोंमें प्रयुक्त, एक बोली। १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३,६८, २८२ थी।

स्ज़ी (szi)—वर्माकी एक अनिश्चित भाषा।

स्ज़ीलेपइ (szilepai)—**स्ज़ी** (दे०) का एक अन्य नाम।

स्ट्रोबोलैरिंगोस्कोप (strobolaringoscope—एक यंत्र जिसे स्वर-तन्त्रियोंकी गतिविधिका अध्ययन करनेके लिए बनाया गया है।

स्तंबुल—आर्मेनियन (दे०) की एक बोली।

स्तीएंग (stieng)—हिन्दचीनमें प्रयुक्त एक **मोन-ख्मेर** (दे०) भाषा।

स्त्री-प्रत्यय—ऐसे प्रत्यय, जिन्हें जोड़कर पुंल्लिग शब्दोंके स्त्रीलिंग रूप बनाये जाते हैं। संस्कृतमें टाप्, ङीप्, और ङीष् प्रमुख स्त्री-प्रत्यय हैं।

स्त्री-भाषा—ऐसी भाषा, जिसका प्रयोग केवल स्त्रियाँ ही करें। 'करीब' नामकी एक जंगली जातिमें इस प्रकारका भेद है। वहाँ पुरुष 'करीब' बोलीका प्रयोग करते हैं, किंतु स्त्रियाँ 'अरोवक' नामक बोलीका। (दे०) **भाषाके विविध रूप**।

स्त्रीलिंग—(दे०) **लिंग**।

स्त्रीलिंगीकरण (feminization)—किसी पुंल्लिग शब्दका स्त्रीलिंग बनाना।

स्थान—(दे०) **उच्चारण-स्थान**।

स्थानगत ध्वनि-परिवर्तन—**ध्वनि-परिवर्तन**का एक रूप। (दे०) **ध्वनि-परिवर्तनकी दिशाएँ**।

स्थानदर्शी विशेषण—(दे०) **विशेषण**।

स्थान नाम विज्ञान (toponymics)—**नाम विज्ञान** (दे०) का एक भेद।

स्थानपूरक चिह्न—एक प्रकारका चिह्न। (दे०) **विराम**।

स्थान-प्रधान भाषा — **अयोगात्मक भाषा** (दे०) का एक अन्य नाम।

स्थानप्रधान रचना या वाक्य (actor-action-goal)—ऐसी रचना या ऐसा वाक्य, जिसमें कर्त्ता और कर्मके स्थान-परिवर्तनसे ही अर्थ बदल जाता है। जैसे—**शेर गीदड़** खाता है, और **गीदड़ शेर** खाता है। अंग्रेज़ीमें भी इसके उदाहर मिलते हैं, जैसे—ram killed mohan तथा mohan killed ram.

स्थानबोधक विशेषण—(दे०) **विशेषण**।

स्थानवाचक क्रियाविशेषण—(दे०) **क्रिया-विशेषण**।

स्थानवाचक क्रिया विशेषण उपवाक्य—(दे०) **वाक्यमें वाक्यका विभाजन** उपशीर्षक।

स्थानवाचक प्रत्यय—एक प्रकारका **प्रत्यय** (दे०)

स्थानवाचक विशेषण—(दे०) **विशेषण**।

स्थानिवाचक संबंधसूचक अव्यय—(दे०) **संबंधसूचक अव्यय**।

स्थानसूचक विशेषण—(दे०) **विशेषण**।

स्थानीय क्रियाविशेषण—(दे०) **क्रिया विशेषण**।

स्थानीय प्रयोग (localism)—मुहावरा, लोकोक्ति, शब्द, रूप, ध्वनि या ऐसी वाक्य-रचना जो किसी भाषाके पूरे क्षेत्रमें प्रचलित न होकर किसी सीमित क्षेत्रमें प्रचलित हो।

स्थानीय बोली (local dialect)—ऐसी बोली, जो अत्यंत छोटे स्थान-विशेषमें सीमित हो। इसका क्षेत्र बोलीसे छोटा होता है। अर्थात् एक बोलीके अंतर्गत कई स्थानीय बोली या स्थानीय रूप होते हैं,। **स्थानीय बोली** और **उपबोली** (दे०) का प्रयोग प्रायः समानार्थी रूपमें होता है। (दे०) **भाषाके विविध रूप**।

स्थिति-परिवृति—**विपर्यय** (दे०) का नाम।

स्थितिवाचक क्रियाविशेषण—(दे०) **क्रिया-विशेषण**।

स्थूल प्रतिलेखन (broad transcription)—एक प्रकारका **ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन** (दे०)। इसे **आयत प्रतिलेखन** भी कहा गया

है ।

स्नि––**सर्वनाम** (दे०) के लिए प्रयुक्त एक नाम।

स्पर्श (stop, mute, explosive, plosive, occlusive) ––**प्रयत्न** (दे०)-के आधारपर किया गया व्यंजनोंका एक भेद ।

इसमें एक अंग दूसरेका स्पर्श करता है, इसीलिए इसे स्पर्श कहा जाता है। (दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें व्यंजनोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक ।

स्पर्श-घर्ष––**स्पर्श-संघर्षी** (दे०) का एक नाम।

स्पर्श-रेफ संधि––(दे०) **संधि** ।

स्पर्श-संघर्षी (affricate)––**प्रयत्न** (दे०) के आधारपर किया गया, ध्वनियोंका **एक भेद** । स्पर्श-संघर्षी ऐसी ध्वनियोंको कहते हैं, जिनके उच्चारणका आरम्भ स्पर्शसे हो, किंतु उन्मोचन या स्फोट झटकेके साथ या एक-ब-एक न होकर धीरे-धीरे हो । इसका फल यह होता है कि कुछ देरतक हवाको घर्षण करके निकलना पड़ता है । इसे **स्पर्श-घर्ष** भी कहते हैं । हिन्दीमें च, छ, ज, झ स्पर्श-संघर्षी हैं । इनमें भी 'स्पर्श'की तरह पूर्ण-अपूर्ण दो भेद हो सकते हैं और वे ठीक स्पर्शकी स्थितियोंमें ही घटित भी होते हैं ।

स्पर्शोष्म संधि––(दे०) **संधि** ।

स्पष्ट बलाघात––**बलाघात** (दे०) का एक भेद।

स्पष्ट ल (clear l)––(दे०) **पार्श्विक** ।

स्पीचस्ट्रेचर (speechstretcher) –– एक यंत्र, जिससे किसी भी रिकर्ड की हुई सामग्रीको काफ़ी धीरे-धीरे बिना विशेष अस्वाभाविकताके सुना जा सकता है। किसी सूचक (informant) से सुनकर रिकर्ड की हुई सामग्रीको विश्लेषणके लिए बहुत धीरे-धीरे सुनना अधिक अच्छा होता है । इसी दृष्टिसे इस यन्त्रको बनाया गया है । नयी भाषाको रिकर्डसे सुनकर सीखनेवालेके लिए भी यह पर्याप्त उपयोगी है । इस यन्त्रका एक रूप **'सोनास्ट्रेचर'** है । सामान्य टेपरेकर्डर आदिपर बहुत धीरे-धीरे सुननेपर ध्वनिकी स्वाभाविकता समाप्त हो जाती है , इसी कठिनाईको दूर करनेके लिए यह यंत्र बनाया गया है ।

स्पीती तिब्बती––स्पीतीमें बोली जानेवाली **तिब्बती** (दे०) । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३,५४८ थी ।

स्पीती भोटिआ––**स्पीती तिब्बती** (दे०) का एक अन्य नाम ।

स्पूनरिज्म––**आद्यशब्दांश विपर्यय** (दे०) का एक नाम ।

स्पेक्ट्रोग्राफ़ (spectrograph)––ध्वनिविज्ञानमें बहुत अधिक उपयोगी एक यंत्र । दूसरे महायुद्धमें यह यन्त्र सामरिक प्रयोगके लिए बनाया गया था, अब भाषाके अध्ययनमें सहायक यंत्रोंमें यह सबसे अधिक उपयोगी
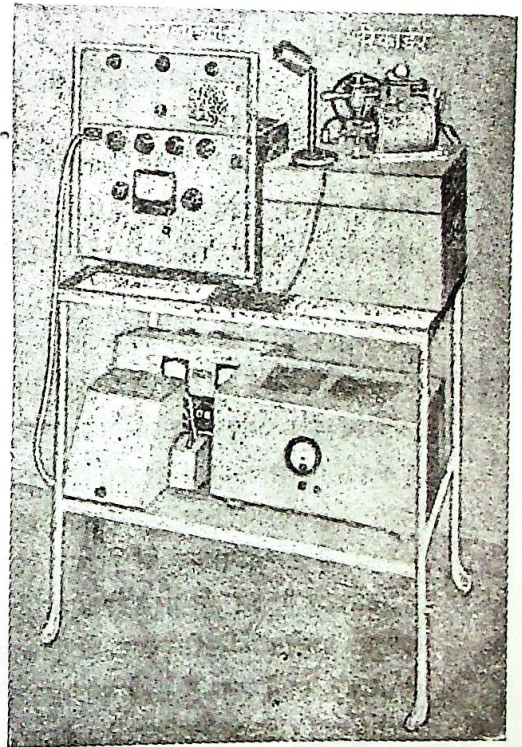
माना जाता है । इससे प्रमुखतः **उच्चारण-समय** तथा **आवृत्ति** (frequency) का पता चलता है । अभीतक स्वरका ही विशेष रूपसे अध्ययन इसके द्वारा सम्भव हो सका है । व्यंजनके फार्मेंट इसपर पर्याप्त स्पष्ट नहीं आते, यद्यपि उस दिशामें प्रयास जारी है । यह यन्त्र **सोनोग्राफ़** (sonograph),

वाइब्रलाईज़र (vibralyzer) तथा **कार्डिअलाइज़र** (cardialyzer) आदि कई रूपों में चल रहा है। **सोनोग्राफ़** समय-मापनकी दृष्टिसे सर्वश्रेष्ठ समझा जाता है। इस मशीनसे ध्वनिका जो चित्र (स्पेक्टोग्राम) बनता है ऊँचाईमें आवृत्ति तथा लम्बाईमें समय दिखलाता है। इससे ध्वनिके भौतिक स्वरूपकी सारी विशेषताओंपर प्रकाश पड़ता है। इसमें माइकपर बोलते हैं और ध्वनिचित्र मशीनमें ही बनता है। १९५९ई०-में अर्न्स्ट पुलग्राम (ernst pulgram) ने introduction to the spectrography of speech नामसे इस यंत्रके भाषाके अध्ययनमें प्रयोगका परिणाम प्रकाशित किया है।

स्पेनी—(दे०) **स्पैनिश**।

स्पेलिन (spelin)—**बोलपूक** (दे०) के आधारपर १८८८में बॉयरद्वारा बनायी गयी एक कृत्रिम भाषा।

स्पैनिश—स्पेनकी प्रमुख (अन्य भाषाएँ गैलिशिअन, बास्क, कैटलन हैं) भाषा। इसके बोलनेवाले स्पेनके अतिरिक्त फ़िलिपीन, अमेरिकाके कुछ क्षेत्रों, जैसे-मेक्सिको, मध्य एवं केन्द्रीय अमेरिका तथा क्यूबा और अन्य स्पेनी उपनिवेशोंमें हैं। विश्वमें इसके बोलनेवालोंकी कुल संख्या ११ करोड़के लगभग है। स्पैनिश भाषा फ्रांसीसी आदिकी तरह वल्गर लैटिनसे विकसित एक **रोमांस भाषा** (दे०) है। स्पैनिशका परिनिष्ठित रूप **कैस्टिलियन** है, जो कैस्टाइलकी बोली है। वस्तुतः प्राचीन कैस्टिलियनका ही विकास स्पैनिशके रूपमें हुआ है। स्पैनिश भाषाकी लेखन पद्धति बहुत वैज्ञानिक है। विश्वकी अन्य भाषाओंकी तुलनामें इसका लिपिबद्ध रूप, इसके उच्चरित रूपके बहुत निकट है। स्पैनिशके प्राचीनतम नमूने ११वीं सदीके हैं। इसमें साहित्य-रचना १२वीं सदीसे मिलती है। स्पैनिशको हिन्दीमें स्पेनी भी कहते हैं। इसकी एक मध्ययुगीन बोली **लेओनीज** थी। इसके अन्य रूपोंमें **पेपिआमेंतो** (दे०) तथा **लैदिनो** (दे०) उल्लेख्य हैं।

स्पृष्ट—(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें प्रयत्न** उपशीर्षक।

स्फोट—(१) स्पर्शोंके उच्चारणमें एक स्थिति या प्रक्रिया। (दे०) **ध्वनियोंके वर्गीकरणमें व्यंजनोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक। (२) **स्पर्श** (दे०) के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम। (३) **स्फोटवाद** (दे०)।

स्फोटक—स्पर्शके लिए प्रयुक्त एक नाम। (दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें व्यंजनोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक।

स्फोटवाद—व्याकरण-दर्शनका एक सिद्धांत, जिसके अनुसार 'स्फोट' ही विचारका वाहक है। ध्वनि या शब्द सुननेपर वस्तुतः जो प्रतिक्रिया मानस पटलपर होती है, वही 'स्फोट' है। 'स्फोट'का शाब्दिक अर्थ जैसा कि स्पष्ट है, 'फूटना' है। अर्थात् मानसमें विचार या भाव श्रवण-क्रियाके बाद फूटते या उदित होते हैं। कभी-कभी इस फूटनेकी क्रियाको और कभी-कभी इस क्रियाके परिणामस्वरूप उत्पन्न या उदित भावको भी 'स्फोट' कहा गया है। मीमांसामें 'नित्य शब्द'को स्फोट कहा गया है। यह नित्य शब्द ही, मीमांसाके अनुसार विश्वका कारण है। इस मतको भी 'स्फोटवाद' कहते हैं।

स्फोटित स्पर्श (complete या exploded stop)—एक प्रकारका स्पर्श। (दे०) **ध्वनियोंके वर्गीकरणमें व्यंजनोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक।

स्यामी—**चीनी परिवार** (दे०) के दक्षिणी शान वर्गकी बर्मा तथा थाइलैंडमें प्रयुक्त भाषा। इसकी बोलियोंमें **लाओ** उल्लेख्य है। इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,००,००,०००के लगभग है। इसका एक नाम **योदयशान** भी है।

स्यामी-चीनी उप-परिवार (siamese-chinese sub-family)—इस वर्गकी भाषाएँ बर्मा तथा स्याममें बोली जाती हैं। बर्मामें इसके बोलनेवालोंकी संख्या १९२१ की जनगणनाके अनुसार ९,२६,३३५ थी।

स्यामीलिपि––स्यामकी लिपि। इसे कुछ लोग **सिंहली लिपि** (दे०)से तथा कुछ लोग **बर्मी लिपि** (दे०)से निकली मानते हैं।

स्त्री––**सर्वनाम**का एक दूसरा नाम।

स्लाविक––**स्लैवोनिक** (दे०)का एक नाम।

स्लाविक लिपि–– स्लाव भाषा-भाषियों द्वारा प्रयुक्त लिपियाँ। ९वीं सदीके आस-पास ग्रीक लिपिके आधारपर स्लाव लोगोंने अपने लिए दो लिपियाँ बनायीं :–– (१) **ग्लैगोलिटिक लिपि**, (२) **सिरिलिक लिपि**। इनमें प्रथमका प्रयोग तो अधिक नहीं होता, किंतु दूसरी कुछ संशोधित-विकसित रूपमें रूस, बल्गेरिया तथा सर्बिया आदिमें प्रयुक्त होती है।

स्लावी––(दे०)'**स्लैवोनिक**'।

स्लाव या स्लैवोनिक––भारोपीय परिवारकी सतम् शाखाकी एक उपशाखा या वर्ग। कभी-कभी बाल्टीके साथ मिलाकर इसे **बाल्टो-स्लाविक** भी कहते हैं। यह बहुत विस्तृत वर्ग है। इसमें पूर्वी यूरोपका एक काफ़ी बड़ा भाग आ जाता है। दूसरी-तीसरी सदीके लगभगतक इसके बोलनेवाले एक सीमित क्षेत्रमें थे, पर पाँचवीं सदीके बादसे ये लोग इधर-उधर फैलने लगे और नवीं सदीतक रूस, पोलैंड, गलसिआ, आस्ट्रियाका एक बड़ा भाग, बोहेमिया, मोराविआ, सर्बिया, बलगेरिया] तथा स्लावोनिआ आदि इनके कब्ज़ेमें आ गया। आज भी यह क्षेत्र उनका है। इसमें नवीं सदीतकके लेख मिलते हैं। इसका **विभाजन** कुछ इस प्रकार हो सकता है। पूर्वी शाखाका १२वीं सदीतक लगभग एक ही रूप मिलता है। इसमें साहित्य १९वीं सदीसे भी पूर्वका है। **महारूसी** ही रूसकी प्रधान भाषा है। १८वीं सदीके पूर्वतक यह बहुत अस्तव्यस्त थी। उसके बाद इसे टकसाली रूप मिला। यह मूलतः मास्कोकी एक बोली मात्र है। **श्वेत रूसी** रूसके दक्षिणी भागमें बोली जाती है। **लघु रूसी**का दूसरा नाम **युक्रेनियन** है, जिसकी बोली **रुथेनियन** है। इसके बोलनेवाले कुछ आस्ट्रियाके गलीसिया प्रान्तमें भी हैं। आधुनिक
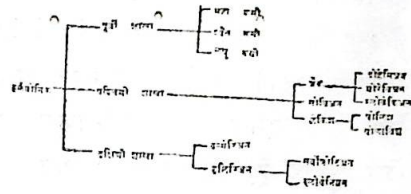
साहित्य प्रमुखतः **महारूसी**में ही है। रूसी क्रांतिके पश्चात्से इसका भंडार बहुत ही पूर्ण हो गया है। पश्चिमी शाखाकी प्रधान भाषा **ज़ेक** है। यह प्रधानतः प्राचीन बोहेमिआकी भाषा है, अतः इसका नाम **बोहेमिअन** भी है। **स्लोवेकिअन** इसीकी एक बोली है, जो उत्तरी हंगरी तथा प्रेसवर्ग एवं कारपेथिअन्सके मध्यमें बोली जाती है। ज़ेककी बहिन **सोर्बिअन** का नाम '**सारोबिअन, लुसेशन** (दे०) एवं **वेंडिक** भी है। **पोलिश** भाषाका मूल क्षेत्र अब पोलैंड है। जर्मनीमें भी इसका प्रचार कभी था, पर फिर निकाल दी गयी। निम्न एवके पासके गुलामोंकी भाषा पोलाबिश पोलिशकी ही बहन थी। **पोलाबिश** या पोलाबिअनका लोप १८वीं सदीमें हो गया। इसमें साहित्य आदि कुछ भी नहीं मिलता। दक्षिणी शाखाकी प्रसिद्ध भाषा **बल्गेरिअन** है। इसके पुराने रूपको **प्राचीन बल्गेरियन** या **चर्च स्लैवोनिक** कहा जाता है। इसमें बाइबिलका अनुवाद ९वीं सदीके मध्यका मिलता है। इसमें द्विवचनका प्रयोग भी है और भाषा अधिक वियोगात्मक नहीं है। वर्तमान बल्गेरिअन पूर्णतः वियोगात्मक हो गयी है। यह अपने प्राचीन रूपसे बहुत दूर चली आयी है। जहाँतक शब्दसमूहका प्रश्न है, इसने स्वतंत्रताके साथ ग्रीक, अल्बेनियन, रूमानियन तथा तुर्की शब्दोंको अपनाया है। बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ७० लाख है। इसका प्रधान क्षेत्र बल्गेरियाके अतिरिक्त यूरोपीय तुर्की तथा ग्रीस आदि भी है। सम्भवतः इसी कारण इसके शब्दसमूहमें विदेशी तत्त्व अधिक आ गये हैं। **सर्बोको-**

टिअन भाषाके बोलनेवाले (लगभग सवा करोड़) सर्बिआ, यूगोस्लाविया, दक्षिणी हंगरी तथा स्लैवोनिया आदि कई स्थानोंपर हैं। इसके अन्तर्गत बहुत-सी बोलियाँ हैं। भाषा-विज्ञानकी दृष्टिसे इसका महत्त्व अत्यधिक है। इसके १२वीं सदीतकके कुछ लेख मिलते हैं, पर पुराना साहित्य नहीं है। इसमें सर्बिअन और क्रोटिअन दो भाषाएँ आती हैं। पहली सर्बियामें, दूसरी क्रोटिआमें बोली जाती है। **स्लोबेनिअन** या **स्लोवीन** (दे०)का क्षेत्र यूगोस्लाविया-में है। इसके प्राचीन लेख १०वीं सदी-तकके मिलते हैं। इसके बोलनेवाले १५ लाख हैं।

स्लोबेकिअन––(दे०) **स्लैवोनिक**।

स्लोवक (slovak)–मध्य ज़ेकोस्लोवाकिया (स्लोवाकिया) में स्लोवक लोगों द्वारा प्रयुक्त भारोपीय परिवारकी एक स्लाव भाषा। यह ज़ेकके बहुत निकट है। बोलनेवालोंकी संख्या ३०लाखके लगभग है।

स्लोवन (slovan)––स्लाव भाषाओंके आधारपर प्रस्तावित एक कृत्रिम भाषा।

स्लोवियन––**स्लोवीन** (दे०) भाषाका नाम।

स्लोवीन (slovene) –– यूगोस्लावियामें लगभग १५,००,००० लोगों द्वारा प्रयुक्त एक दक्षिणी स्लाव भाषा। यह भाषा सर्वोक्रोटिअनके निकट है। इसे **स्लोविअन** भी कहते हैं।

स्लोवेनियन––(दे०) **स्लैवोनिक**।

स्वच्छन्द परिवर्तन (free variation)–**ध्वनिग्राम विज्ञान** (दे०)में प्रयुक्त एक पारिभाषिक शब्द।

स्वतंत्र इकाई (independent element)––वाक्यमें प्रयुक्त ऐसी भाषिक इकाई, जिसका वाक्यकी अन्य इकाइयों (पदों से किसी भी प्रकारका व्याकरणिक संबंध न हो। विस्मयादिबोधक शब्द इसी प्रकारके होते हैं।

स्वतंत्र उपवाक्य (independent clause)––ऐसा उपवाक्य, जो अपने-आपमें स्वतंत्र वाक्य हो। इसे **स्वतंत्र वाक्यांश** भी कहते हैं।

स्वतंत्र वाक्यांश––(दे०) **स्वतंत्र उपवाक्य**।

स्वतंत्र संबंधसूचक अव्यय––(दे०) **संबंध-सूचक अव्यय**।

स्वनग्राम––**ध्वनिग्राम** (दे०)का एक नाम।

स्वनग्रामिकी––**ध्वनिग्राम विज्ञान** (दे०)का एक अन्य नाम।

स्वनिम––**ध्वनिग्राम** (दे०)का एक नाम।

स्वभावबोधक विशेषण––(दे०) **विशेषण**।

स्वयंजात ध्वनि परिवर्तन––एक प्रकारका **ध्वनि-परिवर्तन** (दे०)।

स्वयंभू ध्वनि परिवर्तन (unconditional phonetic change)––एक प्रकारका **ध्वनि-परिवर्तन** (दे०)।

स्वर (vowel)––(१) एक प्रकारकी ध्वनि। स्वर वह घोष (कभी-कभी अघोष भी) ध्वनि है, जिसके उच्चारणमें हवा अबाध गतिसे मुख-विवरसे निकल जाती है। (दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण**में **स्वर और व्यंजन उपशीर्षक**। (२) **सुर** (दे०)का एक अन्य नाम।

स्वर-अनुरूपता––(दे०) **यूराल अल्ताई परिवार**।

स्वर-ओष्ठ––**स्वरतंत्री** (दे०)का अधिक शुद्ध नाम। (दे०) **शारीरिक ध्वनिविज्ञान**में **स्वरयंत्र स्वर-यंत्र-मुख** और **स्वर-तंत्री** उपशीर्षक।

स्वरक्रम–**अपश्रुति** (दे०)का एक अन्य नाम।

स्वर-चतुर्भुज––(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण**-में **मान स्वर** उपशीर्षक।

स्वर-तंत्री (**ध्वनि-तंत्री, स्वर-रज्जु**––vocal chord)––'स्वर यंत्र' (दे०)के मुखपर स्थित तंत्रियाँ, जिनके द्वारा **घोष** (दे०), **अघोष**, (दे०), **जपित** (दे०) ध्वनियाँ उत्पन्न की जाती हैं। विशेष विवरणके लिए (दे०) **शारीरिक ध्वनि विज्ञान**।

स्वर-त्रिभुज (vowel triangle)––(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें मान स्वर** उपशीर्षक।

स्वर भंग (vowel fracture)––निकट-

वर्ती ध्वनियोंके प्रभावसे मूल स्वरका संयुक्त स्वर हो जाना।

स्वरभक्ति (anaptyxis)—एक प्रकार-का **आगम** (दे०)। उच्चारण-सुविधा आदिके लिए दो संयुक्त व्यंजनोंके बीच एक स्वरका आ जाना। जैसे 'राजेन्द्र'का 'राजिन्दर'। पाणिनिने स्वर भक्तिके लिए **अज्भक्ति**का प्रयोग किया है। संस्कृत व्याकरणमें स्वरभक्तिका प्रयोग कई अर्थोंमें मिलता है। (दे०) **अपिनिहिति**।

स्वरभक्ति स्वर (anaptyctic vowel)—उच्चारण-सुविधाके लिए शब्दके बीचमें आगत स्वर। (दे०) **स्वरभक्ति, मध्य स्वरागम**।

स्वर मध्यग (inter vocalic)—दो स्वरों-के बीचमें आनेवाली ध्वनि।

स्वर मध्यग व्यंजन लोप (jamming)—दो स्वरोंके बीचके व्यंजनका लोप। जैसे-'कोकिल'का 'कोइल' या वलगर लैटिनमें jamego का eo-आदि jamming का इस अर्थमें प्रथम प्रयोग होल्मेस (holmes) ने किया।

स्वर-यंत्र (कंठ-पिटक, ध्वनि-यंत्र larynx)—गलेमें स्थित एक अवयव, जिसके द्वारा बोलनेमें बहुत सहायता मिलती है। (दे०) **शारीरिक ध्वनि-विज्ञान**।

स्वरयंत्र-मुख (काकल, glottis)—गलेमें स्थित स्वरयंत्र नामक अवयवका मुख। इससे बोलनेमें बहुत सहायता मिलती है। (दे०) **शारीरिक ध्वनि-विज्ञान**।

स्वरयंत्र-मुख-आवरण (अभिकाकल, स्वर-यंत्रावरण, epiglottis)—गलेमें स्थित स्वर-यंत्रके ऊपर स्थित एक अंग, जो स्वरयंत्रको ढकनेका काम करता है। विशेष विवरणके लिए(दे०)**शारीरिक ध्वनिविज्ञान**।

स्वरयंत्रमुखी (laryngeal या glottal)—**उच्चारण स्थान** (दे०)के आधारपर किया गया ध्वनियोंका एक भेद। स्वर यंत्रमुखी उन ध्वनियों को कहते हैं, जो **स्वर-यंत्रमुख** (दे०)से उच्चरित की जाती हैं। इन्हें **स्वर-यंत्र-स्थानीय, काकल्य** या **उरस्य** भी कहते हैं। हिन्दीका 'ह' स्वर यंत्रमुखी संघर्षी है और '१' **स्वर-यंत्रमुखी स्पर्श** (glottal stop)। अरबीका हमज़ा यह दूसरी प्रकारकी ही ध्वनि है। उत्तरी जर्मन तथा कुछ अन्य भाषाओंमें भी यह स्पर्श मिलता है (कुछ लोग glottal और laryngealमें अंतर मानते हैं)।

स्वरयंत्रमुखी स्पर्श (glottal stop)—ऐसी स्पर्श-ध्वनि, जो [स्वरयंत्र (दे०)की] दोनों स्वरतंत्रियों (दे०) का स्पर्श कराकर **स्पर्श** (दे०) ध्वनियोंकी तरह उच्चरित की जाय। इसे **हमज़ा, काकल्य स्पर्श** या **उरस्य स्पर्श** भी कहते हैं। अरबी, जर्मन तथा एकाध शब्दोंमें अंग्रेज़ीमें यह ध्वनि मिलती है। इसे '१' लिखते हैं। (दे०) **शारीरिक ध्वनिविज्ञानमें स्वरयंत्र, स्वरतंत्री** उपशीर्षक—तथा **स्वरयंत्र मुखी**।

स्वर-यंत्र-स्थानीय—**स्वरयंत्रमुखी** (दे०)का एक नाम।

स्वरयंत्रावरण—**स्वरयंत्र-मुख-आवरण** (दे०)-का एक अन्य नाम।

स्वर-रज्जु—**स्वरतंत्री** (दे०)का एक अन्य नाम। (दे०) **शारीरिक ध्वनि-विज्ञान**।

स्वर-रेखा (vowel line)—(दे०) **ध्वनियों-का वर्गीकरणमें मानस्वर** उपशीर्षक।

स्वरवत् व्यंजन (vocalic consonant)—ऐसे व्यंजन, जो **अक्षर** (दे०)बनानेमें **शीर्ष** (दे०)का काम कर सकें। र्, ल्, म्, न्, ज़् आदि व्यंजन इस श्रेणीके हैं।

स्वर-विच्छेद (hiatus)—दो स्वरोंके साथ आनेपर दोनोंके बीचका अल्प विराम, जो उन्हें मिलने नहीं देता। इसके दो भेद होते हैं: (१) **आंतरिक स्वर-विच्छेद** (internal hiatus)—जब एक ही शब्दमें आये दो पार्श्ववर्ती स्वरोंके बीच हो। जैसे—'आइये' या 'खाइये' आदिमें। (२) **बाह्य स्वर-विच्छेद** (external hiatus)—जब दो शब्द पास-पास आवें और प्रथमकी अंतिम ध्वनि तथा दूसरेकी प्रथम ध्वनि स्वर हो, तो उन दोनों स्वरोंके बीचका विच्छेद बाह्य कहलाता

है। जैसे—गीला ईंधन, लंबी आरी आदि।

स्वर विपर्यय—**विपर्यय** (दे०)का एक भेद।

स्वरश्रेणी(vowel grade)—संस्कृत आदि-के स्वरोंको तीन श्रेणियोंमें बाँटा गया है :

(१) शून्य या प्राथमिक श्रेणी (zero या primary grade या degree)—अ, इ, उ।

(२) सामान्य या गुण श्रेणी (normal या gun degree या grade)—अ, ए, ओ।

(३) वृद्धि श्रेणी या दीर्घश्रेणी (vrddha या long grade)—आ, ऐ, ओ।

इनमें प्रथम श्रेणीके स्वरोंको प्राथमिक स्वर, दूसरीके स्वरोंको गुण या गुण स्वर तथा तीस-रीके स्वरोंको वृद्धि या वृद्धि स्वर कहते हैं।

स्वर-संधि—(दे०) **संधि**।

स्वरानुरूपता (vowel harmonyo, asso-nance)—यूराल-अल्ताई तथा द्रविड़ आदि भाषा-परिवारोंकी कुछ भाषाओंमें पायी जाने-वाली एक प्रवृत्ति जिसके अनुसार शब्दोंमें स्वर एक दूसरेके अनुरूप होते या हो जाते हैं। एक ही शब्दमें एक पश्च और दूसरा अग्रस्वर नहीं आ सकता। यदि मूल शब्दमें कोई स्वर है और प्रत्ययमें कोई दूसरे प्रकारका स्वर है तो उनमें कोई एक परिवर्तित न होकर दूसरे-के अनुरूप हो जायगा। (दे०) **द्रविड़ परिवार-में विशेषताएँ** या यूराल-अल्ताई परिवार, ध्वन्यभ्यास, ध्वनि (विशेषतः स्वर)का दोहराया जाना।

स्वरित—इसका शाब्दिक अर्थ है 'उच्चरित' या 'ध्वनित'। स्वरित एक प्रकारका वैदिक सुर (या स्वर) है। (दे०) **आघातमें सुर** उपशीर्षक। तैत्तिरीय प्रातिशाख्य तथा अष्टाध्यायी आदिमें आता है—'समाहारः स्वरितः'। वाजसनेयी प्रातिशाख्यमें आता है—'उभयवान् स्वरितः'। आपिशलि शिक्षामें आता है—'उदात्तानुदात्तस्वर-सन्निपातात् स्वरितः', अर्थात् स्वरित **उदात्त** (दे०) और **अनुदात्त** (दे०)का मेल या समाहार है। इस मेलका अर्थ संधि है या समन्वय, यह प्रश्न महाभाष्यकारने उठाया है। कहना न होगा कि यह संधि ही है, जिसे नीर-क्षीरकी तरह न मानकर काष्ठ-जंतुके समान माना गया है। पाणिनिने कहा है—'तस्यादित उदात्तमर्ध-ह्रस्वम्' (१. २. ३२), अर्थात् स्वरितके आदिकी ह्रस्वार्द्ध मात्रा उदात्त होती है और शेष अनुदात्त। मैकडॉनेलने स्वरितको उदात्तसे गिरता हुआ या अधोगामी सुर (falling accent) माना है। उनके अनुसार यह उदात्त और सुरशून्यता (tonelessness) के बीचका है। स्वरोंके भेद और उसके स्वरूपके संबंधमें अनेक प्रकारके मत व्यक्त किये गये हैं।

भेद—कुछ लोगोंने पाणिनिके आधारपर इसके **स्वतंत्र** और **परावलंबी** दो भेद माने हैं। परावलंबी स्वरित ग्रीकके सरकम्फ्लेक्स-सा कहा गया है, जिसमें स्वरितका आद्यंश उदात्तसे भी कुछ ऊँचा होता है। उसके बाद यह अनुदात्त होता है। ऋक् प्राति-शाख्यमें भी यह बात कही गयी है। स्वतंत्र रूपमें यह महत्त्वकी दृष्टिसे उदात्तके सम-कक्ष माना गया है। कुछ लोगोंने मात्राके आधारपर स्वरितके **ह्रस्व स्वरित, दीर्घ-स्वरित** और **प्लुत स्वरित** तीन भेद माने हैं। ह्रस्व स्वरितका पूर्वार्द्ध उदात्त और उत्तरार्ध अनुदात्त होता है, दीर्घकी प्रारंभ-की १।४ मात्रा उदात्त तथा शेष ३।४ अनु-दात्त तथा प्लुतकी प्रारंभकी १।८ मात्रा उदात्त तथा शेष ७।८अनुदात्त होती है। इस प्रकारके मत उव्वट तथा अनंत भट्ट आदि द्वारा व्यक्त किये गये हैं। प्रातिशाख्योंमें स्वरितके कई भेदोंका उल्लेख मिलता है। कुछ (मीमांसकको 'वैदिक स्वर मीमांसाके आधारपर) ये हैं :—(१) **जात्य स्वरित** या **नित्य स्वरित**—जो पार्श्ववर्ती उदात्त अनुदात्त आदिके कारण स्वरित न होकर अपनी जाति या स्वभावसे ही स्वरित हो। जैसे स्वः में। (२) **अभिनिहित स्वरित**—जो स्वरित ए अथवा ओ के बादके अ के पूर्वरूप हो जानेपर (जिसे अभिनिहित

संधि कहते हैं) ए अथवा ओ पर हो। जैसे ते+अवन्तु=तेऽवन्तु (३) **क्षैप्र स्वरित**—यदि ह्रस्व या दीर्घ इ, उ, ऋ, लृ के बाद असवर्ण स्वर आवे तो क्रमशः य, व, र, ल हो जाता है। इसे क्षैप्र संधि कहते हैं। यहाँ संधिके पूर्व यदि इ, उ आदि उदात्त हों और परवर्ती स्वर अनुदात्त हो तो, संधि होनेके बाद उद्भूत स्वर स्वरित हो जाता है। इस प्रकारका स्वरित क्षैप्र कहलाता है। जैसे—नु+इन्द्र=न्विन्द्र । (४) **प्राश्लिष्ट स्वरित**—प्रश्लिष्ट संधि (अ+अ=आ, आ+आ=आ, इ+इ=ई; अ+इ=ए, अ+उ=ओ, अ+ए=ऐ, अ+ओ=औ आदि) पर जो स्वरित हो। जैसे—अभि+इन्धताम्=अभीन्धताम् । (५) **तेरोव्यंजन स्वरित**—किसी उदात्त स्वरके बाद यदि कोई व्यंजन हो और उसके बादका स्वर स्वरित हो तो उसे तेरोव्यंजन स्वरित कहते हैं। जैसे—इडे। (६)**पादवृत्त स्वरित** या **वेवृत्त स्वरित**—पार्श्ववर्ती असंधित स्वरोंकी असंधि विवृत्ति कहलाती है। ऐसी स्थितिमें यदि पदान्त्य स्वर उदात्त तथा उसके बादका स्वर स्वरित हो तो उस स्वरितके लिए इन नामोंका प्रयोग होता है। जैसे—'ध्रुवा असदन्नृतस्य,। संस्कृतका स्वरित ग्रीकके सरकम्फलेक्सके समीप होता हुआ भी उसका समानार्थी नहीं है।

स्वरित सुर—**सुर** (दे०)का एक भेद ।

स्वरीय अपनिहिति—एक प्रकारका **अपिनिहित** (दे०) ।

स्वरीकरण (vocalization)—किसी व्यंजनका स्वर हो जाना ।

स्वरूपवाचक अव्यय—(दे०) **समुच्चयबोधक अव्यय** ।

स्वरोंका वर्गीकरण—(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक ।

स्वल्पवृत्तमुखी स्वर—ऐसा स्वर, जिसके उच्चारणमें ओष्ठ अपूर्णरूपसे वृत्तमुखी हो। जैसे—ऊ उ, की तुलनामें ओ या ऑ। इसे **स्वल्प वृत्ताकार स्वर** भी कहते हैं। (दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक ।

स्वल्प वृत्ताकार स्वर—**स्वल्प वृत्तमुखी स्वर** (दे०)का एक अन्य नाम ।

स्वात—उत्तरी-पूर्वी **पश्तो** (दे०)का स्वातमें प्रयुक्त एक रूप ।

स्वादबोधक विशेषण—(दे०) **विशेषण** ।

स्वादिगण—संस्कृत धातुओंका एक **गण**(दे०)।

स्वानिमी—**ध्वनिग्रामविज्ञान** (दे०)का नाम ।

स्वानियन(svanian)—काकेशस परिवारकी काकेशसमें प्रयुक्त एक भाषा । इसे **स्वानेतिअन** भी कहते हैं ।

स्वानेतिअन—**स्वानियन**(दे०)भाषाका नाम ।

स्वार—**स्वरित** (दे०)के लिए प्रातिशाख्योंमें प्रयुक्त एक नाम । 'स्वारःस्वरितः' ।

स्वार्थिक—(दे०) **तद्धित** ।

स्वार्थिक प्रत्यय—ऐसे प्रत्यय, जो शब्दोंके साथ लगते हैं, किंतु उनके लगनेसे शब्दके अर्थमें कोई अंतर नहीं आता । शब्दका अपना अर्थ (स्वार्थ) ज्यों-का-त्यों बना रहता है । महाभाष्यकारने कहा है—'अनिर्दिष्टार्थाः प्रत्ययाः स्वार्थे भवन्ति' ।

स्वाहिली—**बांटू परिवार** (दे०)की एक प्रसिद्ध अफ्रीकी भाषा । मूलतः यह स्वाहिली लोगोंकी भाषा है, जो बांटू मुसलमान हैं तथा जंजीबार और आस-पासके तटीय क्षेत्रोंमें रहते हैं। स्वाहिली लोगोंके व्यापारी होनेके कारण उस क्षेत्रके आस-पासकी यह सर्वप्रचलित भाषा हो गयी है, इसीलिए इसका क्षेत्र अब सीमित न रहकर काफ़ी फैल गया है और पूर्वी अफ्रीकाकी अंतर्राज्यीय भाषा बन गयी है । कुछ सदियोंसे इसमें लिखित साहित्य भी मिलता है । इसके बोलनेवालोंकी संख्या ८०,००,०००के लगभग है ।

स्वीकारवाद—भाषाकी उत्पत्तिका एक सिद्धान्त । इसे **निर्णय-सिद्धान्त** (दे०) भी कहते हैं ।

स्वीकृतिबोधक अव्यय—(दे०) **मनोविकारबोधक अव्यय** ।

स्वेडिश—भारोपीय परिवारकी **जर्मनिक**(दे०) उपशाखाकी उत्तरी जर्मनिक शाखाकी एक भाषा। स्वेडिश पहले, कुछ दक्षिणी तथा उत्तरी भागको छोड़कर पूरे स्वीडेनमें, फ़िनलैंड तथा रूसके कुछ भागोंमें एवं आस-पास भी बोली जाती थी। अब इसका प्रमुख क्षेत्र स्वीडन है। कुछ बोलने-वाले फ़िनलैंड आदि अन्य देशोंमें भी हैं। बोलनेवालोंकी संख्या ६५ लाखसे ऊपर है। प्राचीन स्वेडिश लगभग १००० ई०के बादसे मिलती है। यों कुछ अभिलेख ९०० ई०के पूर्व या उसके आस-पासके भी मिले हैं। पहले यहाँ लैटिनमें भी लिखा जाता था, किंतु १४००के बादसे स्वेडिशमें भी साहित्य-रचना होने लगी। तबसे अबतक साहित्य रचना हो रही है। यहाँके प्रमुख साहित्यकार लार्स विवेलिंग्स (१६०५-६९), फ़िलिप क्रूट्ज़ (१७३१-८५), ओवसेन्स्टीयर्न (१७५०-१८१८), बेंगट लिडनर (१७५७-९३) आदि कहे गये हैं। स्वडिशकी सर्वप्रमुख बोली गॉटलैंड द्वीपमें बोली जाती है, जिसका नाम फॉर्नगुट्निस्क है। अब यह प्रायः एक स्वतंत्र भाषा मानी जाती है। इसे गॉटलैंडिक भी कहते हैं।

ह

हंगकूप (hangkoop)—**थाडो** (दे०) का एक रूप।

हंगसीन (hangseen)—**थाडो** (दे०) का एक रूप।

हंडूरी—**क्यूँठली** (दे०) बोलीकी शिमलाकी पहाड़ियोंमें हंडूरके आसपास प्रयुक्त एक उपबोली। इसकी एक उपबोलीका नाम **बाघली** है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ५०,५०० थी।

हंसपद—एक प्रकारका चिह्न, जिसका प्रयोग लिखनेमें छूटे हुए किसी शब्दके लिए होता है। इसे **काकपद** भी कहते हैं। (दे०) **विराम**।

ह-अंग (ha-ang)—**पलौंग** (दे०) का रूप।

हक (haka)—चिन पहाड़ियों (बर्मा) में प्रयुक्त **लई** (दे०) की एक बोली। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालों-की संख्या १४,२५० थी। १९२१की भारत जनगणनामें इसे **क्वेलशिन** कहा गया है।

हकार—**ह** के लिए प्रयुक्त नाम। (दे०) **कार**।

हक्का (hakka)—मानकी कुछ बोलियों-का दक्षिणी चीनमें प्रयुक्त एक वर्ग। कुछ लोग इन्हें **मान** (दे०) से अलग रखते हैं।

हजंग (hajang)—**हैजोंग** (दे०) का एक दूसरा नाम।

हजारी अजिरी—(दे०) **अजिरी**।

हजारा हिन्दकी—उत्तरी-पश्चिमी **लहँदा** (दे०) का हज़ारामें प्रयुक्त एक रूप।

हजोंग (hajong)—**हैजोंग** (दे०) का नाम।

हतिगोरिआ (hatigorria)—केन्द्रीय नागा भाषा **आओ** (दे०) का एक अन्य नाम।

हत्ती—**हित्ती** (दे०) भाषाका एक नाम।

हनियुन (hniyun)—**यिन्दू** (दे०) का एक दूसरा नाम।

हबूड़ा—ग्रियर्सनके भाषा सर्वेक्षणके अनुसार, अलीगढ़में प्रयुक्त **भीली** (दे०) की एक बोली। सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ९५० थी। इसे हबूड़ी भी कहते हैं।

हबूड़ी—(१) **जिप्सी** (दे०) भाषाका एक अन्य नाम। (२) **हबूड़ा** (दे०) के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम।

हमज़ा—**स्वर यंत्र मुखी स्पर्श** (दे०) ध्वनिके लिए एक अरबी नाम। पारिभाषिक शब्दके रूपमें 'हमज़ा' का प्रयोग अब अंग्रेजी आदि अन्य भाषाओंमें भी होता है।

हमीरपुरी—पश्चिमी पहाड़ीकी एक उप-बोली। इसका क्षेत्र कांगड़ा जिलेकी

हमीरपुर तहसील है। यह उपबोली **कांगड़ी** (दे०)से थोड़ी ही भिन्न है। उदाहरणार्थ, मैंके स्थानपर कांगड़ीमें 'मिंजो' चलता है तो हमीरपुरीमें 'हाऊँ'। हमीरपुरी पंजाबीसे थोड़ी-बहुत प्रभावित है। (दे०) **पश्चिमी पहाड़ी**।

हरज (haraj)––१८९१की बंबई जनगणनाके अनुसार अहमदाबादकी एक भाषा। अब इसके बारेमें कुछ ज्ञात नहीं है।

हरणशिकारी(haranshikari)––१९११-की बंबई जनगणनाके अनुसार **कन्नड़**(दे०)का बीजापुर तथा धारवाड़में प्रयुक्त एक रूप।

हरारी (harari)––सेमेटिक परिवारकी **इथिओपिअन** (दे०) भाषाकी एक बोली।

हरि (hari)––कन्नड़का एक अन्य नाम। वस्तुतः यह नाम एक मद्रासी जातिका है, जो **कन्नड़** (दे०)के एक विकृत रूपका प्रयोग करती है।

हरिगया(harigaya)––**कोच**(दे०)भाषाकी असममें गारों पहाड़ियोंपर प्रयुक्त एक बोली। इसकेबोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार १,१०० थी।

हरियानी––(१) **पश्चिमी हिन्दीकी** बोली **बाँगरूका**, पंजाबके हिसार ज़िलेके पूर्वी भाग तथा उसके आसपास प्रयुक्त एक स्थानीय रूप। इस क्षेत्रका नाम हरियाना होनेके कारण यहाँकी बोलीको 'हरियानी' कहा गया है। ग्रियर्सनके मतानुसार यह नाम यूरोपीयोंका दिया हुआ है। हरियानाको 'देस' भी कहते हैं, इसी आधारपर 'हरियानी'के अन्य नाम **देसवाली**, **देसी** या 'देसड़ी' भी हैं। क्षेत्रके 'हरियाना' नामके संबंधमें कई मत हैं। कुछ लोगोंके अनुसार इसके हरा-भरा होनेके कारण यह नाम पड़ा है। कुछ अन्य लोगोंका कहना है कि हरि (कृष्ण)का यान (रथ) द्वारिका इधरसे ही गया था, अतः यह नाम पड़ा। (२)कभी-कभी **बाँगरू**(दे०)के लिए भी हरियानी नामका प्रयोग होता है।

हरेनिअन (harranian)––एक विलुप्त पूर्वी आरमेइक बोली।

हरोद (harod)––**हाड़ौती** (दे०)का एक विकृत नाम।

हर्थी(harthi)––बंबई जनगणनाके अनुसार **गुजराती** (दे०)का एक रूप।

हर्निसिअन (hernician)––एक विलुप्त इतालवी बोली। (दे०)**लैटिनो-फैलिस्कन**।

हर्षबोधक अव्यय––(दे०) **मनोविकारबोधक अव्यय**।

हलंत––(दे०) **हल्**।

हलबी––एक बोली, जो बस्तर, चाँदा, विदर्भ, काँकेर तथा नागपुर आदिमें प्रचलित है। इस बोलीके बोलनेवाले 'हलवा' हैं। ये किसान हैं और हल चलानेके कारण इनका नाम 'हलवा' या 'हलबा' पड़ा है। हलबा लोग आदिवासी हैं और जहाँ भी गये हैं, वहाँकी भाषाकी कुछ-न-कुछ विशेषता ग्रहण करते गये हैं। इस प्रकार हलबी बोलीमें कई बोलियों और भाषाओंका मिश्रण है। साथ ही विभिन्न क्षेत्रोंकी हलबी इन बाह्य प्रभावोंके कारण ही एक दूसरेसे कुछ भिन्न हो गयी हैं। उदाहरणार्थ, चाँदाकी हलबी मराठीकी ओर झुकी है तो छत्तीसगढ़में छत्तीसगढ़ी हिन्दीकी ओर। ग्रियर्सनने अपने भाषा-सर्वेक्षणमें चाँदाके उदाहरणोंके आधारपर ही हलबीको मराठीके साथ रखा था, यद्यपि उन्होंने इसे मराठीकी सच्ची बोली नहीं माना था, जैसा कि उनके शब्दोंसे स्पष्ट है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हलबीपर मराठी और उड़िया तथा कुछ द्रविड़ भाषाओंका प्रभाव हैं किंतु हलबीके सभी रूपोंको दृष्टिमें रखा जाय तो यह स्पष्ट हो जाता है कि उसकी व्याकरणिक आत्मा छत्तीसगढ़ी हिन्दीकी ओर झुकी है। इस तरह उसे पूर्वी हिन्दीकी छत्तीसगढ़ी बोलीके अंतर्गत रखा जा सकता है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,०४,९७१ थी।

हल्––**व्यंजन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम। वस्तुतः 'हल्' पाणिनिका एक **प्रत्याहार** (दे०) है, जिसमें सभी व्यंजन आ जाते हैं।

(दे०) शिवसूत्र। यह 'हयवरट' के 'ह' और 'हल'के 'ल'को मिलाकर बनाया गया है। 'हल्'से ही हलंत बना है। हलंतके दो अर्थ हैं :–(१) ऐसा शब्द, जिसके अंतमें 'हल्' या 'व्यंजन' हो। इस अर्थमें यह 'व्यंजनांत'-का समानार्थी है। (२) चिह्न (।)जो देवनागरीके व्यंजनचिह्नोंमें उन्हें अ-विहीन करनेके लिए लगाया जाता है, जैसे क्, प्, ब्।

हल्लाम (hallam)––सिलहट (असम) तथा बंगालके पहाड़ी भागोंमें प्रयुक्त एक प्राचीन 'कुकी' भाषा। यह भाषा **चीनी परिवार** (दे०) की 'तिब्बती-बर्मी' भाषाओंकी 'असमीबर्मी' शाखाके 'कुकी-चिन' वर्गकी है। इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार २६,८४८ थी।

हल्संधि––(दे०) **संधि**।

हवसुपइ(havasupai)––**पूर्वीय यूम** (दे०) उपवर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

हवाई––**पालिनेशियम परिवार** (दे०)की हवाई द्वीपमें प्रयुक्त एक भाषा।

हविक (havika)––**कन्नड़** (दे०)का एक नाम। वस्तुतः यह नाम एक ब्राह्मण जातिका है, जो कि कन्नड़के एक विकृत रूपका प्रयोग करती है।

हश्वे करेन (hashwe keren)–वर्मीमें बोली जानेवाली **करेन** (दे०) भाषाकी एक बोली।

हाइपरबोरियन वर्ग (hyperborean)–– उत्तरीपूर्वी साइबेरियामें तथा कुछ द्वीपोंमें लगभग ५० हजार लोगों द्वारा प्रयुक्त **चुक्ची-कमचदल, गिल्यक** तथा **ऐनू** (ainu), इन तीनों भाषाओंका एक वर्ग। इनमें आपसमें कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। यह वर्ग मात्र भौगोलिक समीपताके आधारपर बनाया गया है। इसे **पैलेओ-एशियाटिक** (palaeo-asiatic) भी कहते हैं। इसे **हाइपरबोरी** भी कहते हैं।

हाइपरबोरी––(दे०) **हाइपरबोरिअन**।

हाडोठी––**हाड़ौती** (दे०)का एक दूसरा नाम।

हाड़ (har)––**संथाली** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हाड़ौती––मध्य-पूर्वी **राजस्थानी** (दे०)की एक बोली, जो बूंदी तथा कोटामें एवं उनके आसपास बोली जाती है। इसके बोलनेवाले प्रमुखतः हाड़ा राजपूत हैं। इसी कारण इसका नाम **हाड़ौती** है। **सिपाड़ी** (दे०)या **शिवपुरी** इसके एक स्थानीय रूपके नाम हैं। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ९,९१,१०१ थी। इसके परिनिष्ठित रूपके बोलनेवाले ९ लाख, ४३ हजारसे कुछ ऊपर थे।

हॉब्सन-जॉब्सन––ऐंग्लो-इंडियन भाषाके लिए युक्त एक अन्य नाम।

हामी परिवार––**हेमिटिक परिवार** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम।

हायु (hayu)––मध्य नैपालमें प्रयुक्त **वायु** (दे०)का एक अन्य नाम।

हार-राड़ (harrad)––**संथाली** (दे०)का एक अन्य नाम।

हालाई (halai)––**हालाडी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हालाडी (haladi)––'गुजराती'की बोली **काठियावाडी** (दे०)का एक रूप। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ७,७०,०००के लगभग थी।

हिंक्येन (hinkyen)––बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार **पलौंग** (दे०)का एक रूप।

हिंद-ईरानी––**आर्य** (दे०) उपशाखाका नाम।

हिंदकी––**लहँदा** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक सामान्य नाम। हिंदकी नामका प्रयोग निम्नांकित बोलियोंके लिए भी होता है। (१) **मुल्तानी** (दे०) बोलीका डेरागाज़ी खांमें प्रयुक्त एक रूप। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ३,६२,२७० थी। (२) **अवांकारी** (दे०) बोलीके लिए प्रयुक्त एक नाम। (३) **मुल्तानी** (दे०)का एक स्थानीय नाम। (४) डेरा इस्माइल खांकी लहँदाके लिए प्रयुक्त एक नाम।

हिंदको––पेशावर, हज़ारा तथा उनके आस-पास **लहँदा** (दे०)की उत्तरी-पश्चिमी बोली-

का एक सामान्य नाम । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ८,८१,४२५ तथा इसके परिनिष्ठित रूपके बोलनेवालोंकी संख्या ८,२७,०००के लगभग थी । 'हिन्दको' नाम अन्य अर्थोंमें भी प्रयुक्त होता है जैसे--(१)सामान्यतः **लहँदा**के लिए (२) 'लहँदा'की उत्तरी-पूर्वी बोली **अवांकारी**'के लिए तथा (३) मियाँ-वाली तथा बन्नूमें थकी लहँदाके लिए ।

हिंदवी--यह नाम **हिन्दुवी**, **हिन्दुई**, **हिन्दवी**, इन तीनों रूपोंमें प्रायः मिलता है। प्रचलित व्युत्पत्तिके अनुसार संस्कृत 'सिन्धव'का फारसीमें 'हिन्दव' बना। इसी 'हिन्दव'में फारसी प्रत्यय 'ईक'के मिलनेसे 'हिन्दवी' शब्द बना। किन्तु यह व्युत्पत्ति सहमत होने योग्य नहीं हो सकी है। 'हिन्दवी' शब्दका प्रयोग भारतके बाहर प्राचीन कालमें नहीं मिलता। ऐसा लगता है कि मुसलमान जब भारतमें आये तो वे यहाँके लोगोंको 'हिंदु' या 'हिंदू' कहते थे। इसीमें तत्कालीन फ़ारसीके विशेषणात्मक प्रत्यय ई(जो प्राचीन फ़ारसी 'ईक'-का विकसित रूप है) जोड़कर मध्यप्रदेशके हिन्दुओंकी भाषाको (हिंदु+ई) उन लोगोंने 'हिन्दुई' (अर्थात् 'हिन्दूवाली' या 'हिन्दूकी') नाम दिया । बादमें उच्चारण-सौकर्य-के लिए 'व' **श्रुति**(दे०) आ जानेके कारण 'हिन्दुई' शब्द 'हिन्दुवी' हो गया (उर्दूमें देहलवी, बाराबंकवी, लखनवी आदि शब्द इसी प्रकार बने हैं । अलिब वाव, ये, हरूफ इल्लत हैं । इनके बाद ई आनेपर 'व' श्रुति आ जाती है) । 'हिन्दवी' इस दूसरे रूप 'हिन्दुवी'का ही विकास है। इस प्रकार इसके तीनों नामोंमें 'हिन्दुई' सबसे पुराना, 'हिन्दुवी' उसका विकास तथा 'हिन्दवी' अंतिम विकास है । एक इसके बादका भी विकास **हिंदुवी** मिलता है ।

यहाँ यह भी उल्लेख्य है कि भाषाके अर्थ-में 'हिन्दवी' या 'हिन्दुवी' नाम 'हिन्दी'से पुराना है। 'हिन्दुवी' नामका पुराना उल्लेख प्रसिद्ध भारतीय फ़ारसी कवि मुहम्मद औफ़ीमें मिलता है। औफ़ी (१२२८ ई०)--ने इसका प्रयोग कई स्थानोंपर किया है। एक स्थानपर मसऊद नामक कविकी रचनाओंका उल्लेख करते हुए वे लिखते हैं--'यके बताजी व यके ब पारसी व यके ब **हिन्दुवी**' । अमीर खुसरोमें भी 'हिन्दुवी' शब्द मिलता है:--'हिन्दुस्तानियम मन **हिन्दुवी** गोयम जवाब'। दक्षिण भारतमें भी यह शब्द बहुत पहले चला गया था और मुसलमान कवियोंने इसमें (जिसे दक्खिनी भी कहते हैं) रचना भी प्रारंभ कर दी। शेख अशरफ (१५०३) 'नौसरहार'में लिखते हैं--'यक यक बोल न मौजूं आन । तकरीर '**हिन्दवी**' सब बखान' । इस समयतक कदाचित् 'हिन्दवी' ('हिन्दुवी'से विकसित होकर) शब्द चल चुका था। उत्तरी भारतमें जायसी (१६वीं सदी उत्तरार्ध) भी कहते हैं --'तुर्की अरबी **हिन्दवी** भाषा जेती आहि । जामे मारग प्रेमका, सबै सराहैं ताहि' । तुलसीके फ़ारसी पंचनामे [जो महाराज बनारसके यहाँ सुरक्षित है; सन् १६२३ ई० में लिखित गोरा बादलकी कथामें तथा १६६६ई०में श्री परकासदासके एक पत्रमें (जो अम्बेरके दीवानको लिखा गया था] भी 'हिन्दवी' शब्दका प्रयोग मिलता है। यह आश्चर्य होता है कि इस प्रकार भाषाके रूपमें चारों ओर प्रसिद्ध होनेपर भी अमीर खुसरो द्वारा प्रस्तुत भारतीय भाषाओंकी सूचीमें या अबुलफ़जल द्वारा दी गयी भाषा सूचीमें यद्यपि 'लाहौरी', 'देहलवी' आदि नाम हैं, किंतु यह नाम नहीं है। इसका कारण शायद यह है कि इसके क्षेत्रका निर्धारण नहीं हुआ था । उपर्युक्त सूचियोंमें दिये गये नाम क्षेत्रोंसे संबद्ध हैं । या यह भी हो सकता है कि खुसरो और अबुल-फ़ज़ल द्वारा प्रयुक्त नाम देहलवी इसीका नाम हो। कदाचित् जनतामें 'देहलवी' नाम ही चल रहा था, 'हिन्दवी' शब्द विशेषतः साहित्यिकोंतक सीमित था ।

यह संकेत किया जा चुका है कि 'हिन्दवी' का प्रयोग संभवतः हिन्दुओंकी बोलीके लिए

था; इसके विरुद्ध आरंभमें 'हिन्दी' नाम मुसलमानों द्वारा प्रयुक्त (दे०—'हिन्दी') उसी भाषाके लिए था। दोनोंमें व्याकरणका अंतर न था किन्तु शब्द-समूहका कुछ अंतर था। हिन्दीपर विचार करते समय दिखलाया जा चुका है कि 'खालिक बारी' खुसरोकी रचना नहीं थी। वह रचना उनके बादकी है। किन्तु 'हिन्दी' और 'हिन्दवी' शब्दोंके इतिहासकी दृष्टिसे उसका मूल्य है। उसमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग केवल पाँच बार, जबकि 'हिन्दवी'का प्रयोग तीस बार हुआ है। इसका अर्थ यह है कि उस समयतक 'हिन्दवी' शब्द अधिक प्रचलित था और 'हिन्दी' बहुत कम। सच पूछा जाय तो १३००से १८००के बीचके पूरे इतिहासमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग अपेक्षाकृत कम हुआ है और 'हिन्दवी'का अधिक हुआ है। खालिकबारीके संबंधमें पहले मेरा विचार था कि इसमें 'हिन्दवी' और 'हिन्दी' शब्द बिल्कुल समानार्थी शब्दके रूपमें नहीं प्रयुक्त हुए हैं, अपितु जैसा कि ऊपर संकेत किया गया है, केवल उन शब्दोंके लिए हिन्दवीका प्रयोग है, जो अधिकतर हिंदुओंकी भाषामें चलते हैं और हिन्दी उनको कहा गया है, जो मुसलमानोंकी भाषा (हिन्दी)-में भी खूब चलते हैं। ध्यानपूर्वक देखनेपर पता चला कि कुछ शब्दोंसे इस बातकी पुष्टि होती है, किंतु कुछ इसके विरुद्ध भी जाते हैं। इसका निष्कर्ष यह निकला कि (१) उस कालमें दोनों शब्द प्रायः समानार्थी थे। (२) 'हिन्दी' शब्दका प्रचार कम तथा 'हिन्दवी' का अधिक था। (३) खालिकबारीमें इनके प्रयोगमें कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। अधिक प्रचारके कारण 'हिन्दवी' शब्द अधिक तो आया है, किंतु इस अधिक आनेमें छंदकी आवश्यकता भी कुछ कारण रही है।

'हिन्दवी'को हिन्दुओंकी हिंदी (जिसे हिन्दू लोग 'भाखा' या 'भाषा' कहते थे) या ऐसी हिंदी, जिसमें अरबी-फ़ारसी शब्द अपेक्षाकृत कम रहते थे, १८वीं सदीतक या तासीको प्रमाण मानें तो १९वीं सदीके मध्यतक माना जाता रहा है। हातिम (१८वीं सदी उत्तरार्ध) 'दीवानज़ादे'के दीबाचेमें लिखते हैं—'हिन्दवी किआ रा भाका गोयन्द।' इंशाकी 'हिन्दवी' भी 'रानी केतकीकी कहानी'की भाषासे स्पष्ट है कि पढ़े-लिखे मुसलमानोंकी भाषा नहीं है, जैसा कि चंद्रबली पाण्डेय या डा० उदयनारायण तिवारी मानते हैं। वह प्रायः हिन्दुओंकी ठेठ हिन्दी या 'भाखा' है। उस कालके मुसलमानों द्वारा लिखित गद्य या पद्यकी भाषाकी तुलना करनेसे यह बात स्पष्टतया देखी जा सकती है। गार्सां द तासीने अपने इतिहासमें 'एंदूस्तानी' (अर्थात् हिन्दुस्तानी) का प्रयोग उर्दूके लिए तथा 'ऐंदुई' (अर्थात् हिन्दवी) का प्रयोग हिन्दीके लिए किया है, इससे भी वही बात स्पष्ट होती है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मोटे तौरपर तो दिल्लीके आसपासकी बोली देहलवी या उसपर आधारित साहित्यिक भाषाओंके लिए इस हिन्दवी नामका प्रयोग होता रहा है, और इस रूपमें 'हिन्दवी' हिन्दू-मुसलमान दोनोंकी भाषा रही है, और इसके अंतर्गत हिन्दी, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी, रेख्ता, उर्दू आदि सभी कुछ रही हैं। किंतु इसके साथ ही मूलतः यह हिन्दुओंकी भाषा रही है और उसके लिए यह नाम प्रयुक्त होता रहा है। इस प्रकार हिन्दवी नामके प्रयोगमें वैज्ञानिक ढंगकी दो-टूकता तथा एकरूपता नहीं मिलती। इसका प्रयोग सामान्यतः १९वीं सदीके मध्यतक मिलता है। बादके प्रयोग अपवाद स्वरूप ही हैं। आजकल केवल 'दक्खिनी' या दक्खिनी तथा उसके पूर्वके उत्तर-भारतके मसऊद, खुसरो तथा शकरगंजी आदिके साहित्यके लिए भी हिन्दवी शब्दका प्रयोग चल रहा है। (दे०) **हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी।**

हिंदी—(१) **पश्चिमी हिंदी**की बोली **बांगरू** (दे०) का, रोहतक, दिल्लीके ग्रामीण भागों तथा करनालमें प्रयुक्त एक स्थानीय रूप। ग्रियर्सनके अनुसार इस क्षेत्रकी बोलीके लिए

'हिंदी' नाम यूरोपीय लोगोंमें प्रचलित था। (२) **खोंटाली** (दे०)का एक नाम। (३) **पूर्वी मगही** (दे०)के लिए मालदा (बंगाल)-में प्रयुक्त एक नाम। (४) **मुल्तानी** (दे०)-का मुल्तानमें प्रयुक्त एक नाम। (५) **दक्खिनी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम। (६) **कनौजी** (दे०)के एक रूपका नाम, जो फ़रुखाबादमें बोला जाता है। (७) भारतकी प्रसिद्ध भाषा, जो अब भारत गण-तंत्रकी राज्यभाषाके रूपमें स्वीकृत हो चुकी है। 'हिंदी' शब्दका इतिहास बहुत पुराना है। लोग इसे संस्कृत शब्द 'सिंधु'से संबद्ध मानते हैं। किन्तु सिंधु शब्द मूलतः संस्कृतका शब्द नहीं हो सकता। आर्योंके भारतमें आनेके समय पश्चिमोत्तर भारतमें आर्येतर लोग रहते थे और ये लोग पर्याप्त संस्कृत थे। ऐसी स्थितिमें यह स्वाभाविक है कि सिंधु नदीका कोई नाम इन आर्येतर लोगों द्वारा प्रयुक्त होता रहा होगा। ऐसा प्रायः नहीं होता कि कोई विदेशी जाति किसी देशमें आवे और वहाँके सारे-के-सारे नामोंको बदल डाले। ऐसी नदियों या ऐसे पहाड़ों आदिके नाम तो नवागंतुक रख या बदल सकते या लेते हैं, जिनको अधिक लोग नहीं जानते, किंतु पश्चिमोत्तर भारतकी सबसे बड़ी नदीके संबंधमें उनको ऐसा करना पड़ा हो, या उन्होंने ऐसा किया हो, ऐसा माननेका कोई कारण नहीं दीखता। ऐसी स्थितिमें कम-से-कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि यह शब्द मूलतः द्रविड़ है। यों यह भी असंभव नहीं है कि द्रविड़ लोग जब भारतमें आये हों तो उन्हें यह नाम आस्ट्रिक आदि किसी अन्य पुरानी जातिसे मिला हो। साथ ही यह भी संभव है कि आर्योंके आनेके समय इस नदी-का जो नाम प्रचलित रहा हो, आर्योंने 'सिंधु' रूपमें उसका संस्कृत रूप बना लिया हो। शब्दोंके संस्कृतीकरणकी परंपरा आर्योंमें अत्यंत प्राचीन कालसे मिलती है। उन्होंने अनेक देशी-विदेशी नामों एवं शब्दोंके साथ ऐसा किया है।

एक शब्द 'सिड्' 'सित्' या 'चिन्द' आदि कई रूपोंमें द्रविड़ परिवारकी कई भाषाओं एवं बोलियोंमें अत्यंत प्राचीनकालसे मिलता है, जिसका प्रयोग, अन्य अर्थोंके साथ, 'छिड़-कने', 'सींचने' या 'बहने' आदिके लिए होता रहा है। मेरा अनुमान है कि इसी 'सिड्' या 'सित्' शब्दके आधारपर प्राचीन द्रविड़ोंने इस बड़ी नदी (सिंधु)को 'सिद्' या 'सित्' नाम दिया। यह नाम इसमें बहते हुए बहुत अधिक पानीके कारण भी हो सकता है, या इस कारण भी हो सकता है कि इनकी सभ्यताका उस कालमें मूल केन्द्र (सिंधुकी घाटी) जो था, इसीसे सींची जानेवाली भूमिपर बसा था। बादमें इस नदीके आसपास-की भूमि (सिंधु घाटी) भी इसी नामके आधारपर 'सिद्' या 'सित्' कहलायी। इस अनुमानके लिए एक ठोस आधार भी है। १९२८-२९में पश्चिमोत्तर भारतसे प्राप्त कुछ अभिलेखोंसे यह पता चलता है कि हड़प्पा-मोहन-जोदड़ोके लोगोंके स्थानका नाम उस कालमें 'सिद्' या सित् था। इस प्रकार सिंधु प्रदेशका प्राचीन नाम 'सिद्' या 'सित्' सिद्ध होता है। इसका अर्थ यह हुआ कि संस्कृत-में इस नदी या इस प्रदेशके लिए 'सिंधु' शब्द वस्तुतः संस्कृत शब्द न होकर प्राचीन द्रविड़ शब्द 'सिद्' या 'सित्'का संस्कृतीकृत रूप है। जैसा कि ऊपर संकेत किया गया है ज्ञानकी वर्तमान परिधिमें इस शब्दको और पीछेतक ले जाना संभव नहीं। संभव है, भविष्यमें और प्रमाणोंके मिलनेपर इसे आ-स्ट्रिक या और भी किसी प्राचीन भाषाका शब्द सिद्ध किया जा सके। द्रविड़ शब्दके आधारपर बने इस 'सिंधु' शब्दका प्रयोग ऋग्वेद-कालमें दो अर्थोंमें चल रहा था। इसका प्रमुख अर्थ तो नदी था और दूसरा अर्थ था 'सिंधुनदीके पासकी भूमि'। नदीके अर्थमें यह शब्द 'सिंधु' 'सप्तसिंधवः' (सात नदियाँ), 'सप्तसिंधुषु' आदि रूपोंमें कई स्थानोंपर आया है, किंतु स्थान-विशेषके अर्थ-में कदाचित् केवल एक बार (२.८.९६)ही

था; इसके विरुद्ध आरंभमें 'हिन्दी' नाम मुसलमानों द्वारा प्रयुक्त (दे०—'हिन्दी') उसी भाषाके लिए था। दोनोंमें व्याकरणका अंतर न था किन्तु शब्द-समूहका कुछ अंतर था। हिन्दीपर विचार करते समय दिखलाया जा चुका है कि 'खालिक बारी' खुसरोकी रचना नहीं थी। वह रचना उनके बादकी है। किन्तु 'हिन्दी' और 'हिन्दवी' शब्दोंके इतिहासकी दृष्टिसे उसका मूल्य है। उसमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग केवल पाँच बार, जबकि 'हिन्दवी'का प्रयोग तीस बार हुआ है। इसका अर्थ यह है कि उस समयतक 'हिन्दवी' शब्द अधिक प्रचलित था और 'हिन्दी' बहुत कम। सच पूछा जाय तो १३००से १८००के बीचके पूरे इतिहासमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग अपेक्षाकृत कम हुआ है और 'हिन्दवी'का अधिक हुआ है। खालिकबारीके संबंधमें पहले मेरा विचार था कि इसमें 'हिन्दवी' और 'हिन्दी' शब्द बिल्कुल समानार्थी शब्दके रूपमें नहीं प्रयुक्त हुए हैं, अपितु जैसा कि ऊपर संकेत किया गया है, केवल उन शब्दोंके लिए हिन्दवीका प्रयोग है, जो अधिकतर हिंदुओंकी भाषामें चलते हैं और हिन्दी उनको कहा गया है, जो मुसलमानोंकी भाषा(हिन्दी)-में भी खूब चलते हैं। ध्यानपूर्वक देखनेपर पता चला कि कुछ शब्दोंसे इस बातकी पुष्टि होती है, किंतु कुछ इसके विरुद्ध भी जाते हैं। इसका निष्कर्ष यह निकला कि (१) उस कालमें दोनों शब्द प्रायः समानार्थी थे। (२)'हिन्दी' शब्दका प्रचार कम तथा 'हिन्दवी' का अधिक था। (३) खालिकबारीमें इनके प्रयोगमें कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। अधिक प्रचारके कारण 'हिन्दवी' शब्द अधिक तो आया है, किंतु इस अधिक आनेमें छंदकी आवश्यकता भी कुछ कारण रही है।

'हिन्दवी'को हिन्दुओंकी हिंदी (जिसे हिन्दू लोग 'भाखा' या 'भाषा' कहते थे) या ऐसी हिंदी, जिसमें अरबी-फ़ारसी शब्द अपेक्षाकृत कम रहते थे, १८वीं सदीतक या तासीको प्रमाण मानें तो १९वीं सदीके मध्यतक माना जाता रहा है। हातिम (१८वीं सदी उत्तरार्ध) 'दीवानज़ादे'के दीबाचेमें लिखते हैं—'हिन्दवी किआ रा भाका गोयन्द।' इंशाकी 'हिन्दवी' भी 'रानी केतकीकी कहानी'की भाषासे स्पष्ट है कि पढ़े-लिखे मुसलमानोंकी भाषा नहीं है, जैसा कि चंद्रबली पाण्डेय या डा० उदयनारायण तिवारी मानते हैं। वह प्रायः हिन्दुओंकी ठेठ हिन्दी या 'भाखा' है। उस कालके मुसलमानों द्वारा लिखित गद्य या पद्यकी भाषाकी तुलना करनेसे यह बात स्पष्टतया देखी जा सकती है। गार्सां द तासीने अपने इतिहासमें 'एंदूस्तानी' (अर्थात् हिन्दुस्तानी)का प्रयोग उर्दूके लिए तथा 'ऐंदुई' (अर्थात् हिन्दवी) का प्रयोग हिन्दीके लिए किया है, इससे भी वही बात स्पष्ट होती है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मोटे तौरपर तो दिल्लीके आसपासकी बोली देहलवी या उसपर आधारित साहित्यिक भाषाओंके लिए इस हिन्दवी नामका प्रयोग होता रहा है, और इस रूपमें 'हिन्दवी' हिन्दू-मुसलमान दोनोंकी भाषा रही है, और इसके अंतर्गत हिन्दी, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी, रेख्ता, उर्दू आदि सभी कुछ रही हैं। किंतु इसके साथ ही मूलतः यह हिन्दुओंकी भाषा रही है और उसके लिए यह नाम प्रयुक्त होता रहा है। इस प्रकार हिन्दवी नामके प्रयोगमें वैज्ञानिक ढंगकी दो-टूकता तथा एकरूपता नहीं मिलती। इसका प्रयोग सामान्यतः १९वीं सदीके मध्यतक मिलता है। बादके प्रयोग अपवाद स्वरूप ही हैं। आजकल केवल 'दक्खिनी' या दक्खिनी तथा उसके पूर्वके उत्तर-भारतके मसऊद, खुसरो तथा शक्करगंजी आदिके साहित्यके लिए भी हिन्दवी शब्दका प्रयोग चल रहा है। (दे०) **हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी**।

हिंदी—(१)**पश्चिमी हिंदी**की बोली **बांगरू** (दे०) का, रोहतक, दिल्लीके ग्रामीण भागों तथा करनालमें प्रयुक्त एक स्थानीय रूप। ग्रियर्सनके अनुसार इस क्षेत्रकी बोलीके लिए

'हिंदी' नाम यरोपीय लोगोंमें प्रचलित था। (२) **खोंटाली** (दे०)का एक नाम। (३) **पूर्वी मगही** (दे०)के लिए मालदा (बंगाल)-में प्रयुक्त एक नाम।(४)**मुल्तानी** (दे०)-का मुल्तानमें प्रयुक्त एक नाम। (५) **दक्खिनी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम। (६) **कनौजी** (दे०)के एक रूपका नाम, जो फ़रुखाबादमें बोला जाता है। (७) भारतकी प्रसिद्ध भाषा, जो अब भारत गणतंत्रकी राज्यभाषाके रूपमें स्वीकृत हो चुकी है। 'हिंदी' शब्दका इतिहास बहुत पुराना है। लोग इसे संस्कृत शब्द 'सिंधु'से संबद्ध मानते हैं। किन्तु सिंधु शब्द मूलतः संस्कृतका शब्द नहीं हो सकता। आर्योंके भारतमें आनेके समय पश्चिमोत्तर भारतमें आर्येतर लोग रहते थे और ये लोग पर्याप्त संस्कृत थे। ऐसी स्थितिमें यह स्वाभाविक है कि सिंधु नदीका कोई नाम इन आर्येतर लोगों द्वारा प्रयुक्त होता रहा होगा। ऐसा प्रायः नहीं होता कि कोई विदेशी जाति किसी देशमें आवे और वहाँके सारे-के-सारे नामोंको बदल डाले। ऐसी नदियों या ऐसे पहाड़ों आदिके नाम तो नवागंतुक रख या बदल सकते या लेते हैं, जिनको अधिक लोग नहीं जानते, किंतु पश्चिमोत्तर भारतकी सबसे बड़ी नदीके संबंधमें उनको ऐसा करना पड़ा हो, या उन्होंने ऐसा किया हो, ऐसा माननेका कोई कारण नहीं दीखता। ऐसी स्थितिमें कम-से-कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि यह शब्द मूलतः द्रविड़ है। यों यह भी असंभव नहीं है कि द्रविड़ लोग जब भारतमें आये हों तो उन्हें यह नाम आस्ट्रिक आदि किसी अन्य पुरानी जातिसे मिला हो। साथ ही यह भी संभव है कि आर्योंके आनेके समय इस नदी-का जो नाम प्रचलित रहा हो, आर्योंने 'सिंधु' रूपमें उसका संस्कृत रूप बना लिया हो। शब्दोंके संस्कृतीकरणकी परंपरा आर्योंमें अत्यंत प्राचीन कालसे मिलती है। उन्होंने अनेक देशी-विदेशी नामों एवं शब्दोंके साथ ऐसा किया है।

एक शब्द 'सिड्' 'सित्' या 'चिन्द' आदि कई रूपोंमें द्रविड़ परिवारकी कई भाषाओं एवं बोलियोंमें अत्यंत प्राचीनकालसे मिलता है, जिसका प्रयोग, अन्य अर्थोंके साथ, 'छिड़कने', 'सींचने' या 'बहने' आदिके लिए होता रहा है। मेरा अनुमान है कि इसी 'सिड्' या 'सित्' शब्दके आधारपर प्राचीन द्रविड़ोंने इस बड़ी नदी (सिंधु)को 'सिद्' या 'सित्' नाम दिया। यह नाम इसमें बहते हुए बहुत अधिक पानीके कारण भी हो सकता है, या इस कारण भी हो सकता है कि इनकी सभ्यताका उस कालमें मूल केन्द्र (सिंधुकी घाटी) जो था, इसीसे सींची जानेवाली भूमिपर बसा था। बादमें इस नदीके आसपास-की भूमि (सिंधु घाटी) भी इसी नामके आधारपर 'सिद्' या 'सित्' कहलायी। इस अनुमानके लिए एक ठोस आधार भी है। १९२८-२९में पश्चिमोत्तर भारतसे प्राप्त कुछ अभिलेखोंसे यह पता चलता है कि हड़प्पा-मोहन-जोदड़ोके लोगोंके स्थानका नाम उस कालमें 'सिद्' या सित् था। इस प्रकार सिंधु प्रदेशका प्राचीन नाम 'सिद्' या 'सित्' सिद्ध होता है। इसका अर्थ यह हुआ कि संस्कृत-में इस नदी या इस प्रदेशके लिए 'सिंधु' शब्द वस्तुतः संस्कृत शब्द न होकर प्राचीन द्रविड़ शब्द 'सिद्' या 'सित्'का संस्कृतीकृत रूप है। जैसा कि ऊपर संकेत किया गया है ज्ञानकी वर्तमान परिधिमें इस शब्दको और पीछेतक ले जाना संभव नहीं। संभव है, भविष्यमें और प्रमाणोंके मिलनेपर इसे आस्ट्रिक या और भी किसी प्राचीन भाषाका शब्द सिद्ध किया जा सके। द्रविड़ शब्दके आधारपर बने इस 'सिंधु' शब्दका प्रयोग ऋग्वेद-कालमें दो अर्थोंमें चल रहा था। इसका प्रमुख अर्थ तो नदी था और दूसरा अर्थ था 'सिंधुनदीके पासकी भूमि'। नदीके अर्थमें यह शब्द 'सिंधु' 'सप्तसिंधवः' (सात नदियाँ), 'सप्तसिंधुषु' आदि रूपोंमें कई स्थानोंपर आया है, किंतु स्थान-विशेषके अर्थ-में कदाचित् केवल एक बार (२.८.९६)ही

प्रयुक्त हुआ है। आर्योंके भारत-आगमनसे पूर्व भी भारतसे ईरानका सांस्कृतिक तथा व्यापारिक संबंध रहा है, जैसा कि ज्योतिष, पौराणिक कथाओं तथा अन्य क्षेत्रोंमें आपसी प्रभावोंसे स्पष्ट होता है। आर्योंके भारत आगमनके बाद यह संपर्क सगोत्रीय होनेके कारण कदाचित् और अधिक बढ़ गया। ५००ई० पू०के आसपास दारा प्रथमके कालमें सिंधु नदीका प्रदेश ईरानी लोगोंके हाथमें था। इन्हीं संपर्कोंके साथ भारतसे ईरान तथा ईरानसे भारतमें याजक लोग आया-जाया करते थे। शाक द्वीप के मग ब्राह्मण (जो भारतमें शाकद्वीपी ब्राह्मण कहलाये) फारसके पूर्वोत्तर भागसे ही आकर यहाँ बसे थे। कदाचित् याजकोंके साथ हमारे 'सिंधु' और 'सप्तन्धिवः' आदि शब्द भी ईरान पहुँचे। हमारी प्राचीन 'स' ध्वनि ग्रीक भाषाकी तरह ईरानकी अवेस्ता आदिमें भी 'ह' उच्चरित होती रही है, जैसे—सं० सप्त, अवेस्ता हफ्त, सं० असुर, अवेस्ता अहुर आदि। इसी कारण ये 'सिंधु' और 'सप्त-सिन्धव' शब्द अवेस्तामें 'हिंदु' (अवेस्तामें महाप्राण ध्वनियाँ नहीं होती, अतः ध का द हो गया है) और 'हप्तहिन्दव' रूपमें मिलते हैं। अवेस्तामें 'हिंदु' शब्द नदीके अर्थमें तो प्रयुक्त हुआ ही, साथ ही, सिंधु नदीके पासकी भूमिके अर्थमें भी प्रयुक्त हुआ है। उस समय ईरानवालोंके पास भारतकी भूमिके लिए केवल वही शब्द था, अतः धीरे-धीरे इरानी, भारतके जितने भी भागसे परिचित होते गये, उसे वे इसी नामसे अभिहित करते गये। इस प्रकार किसी अन्य शब्दके अभावमें इस शब्द-के अर्थमें विस्तार होता गया और 'सिंधु नदीके पासकी भूमिका वाचक' शब्द धीरे-धीरे पूरे भारतका वाचक हो गया। इस आर्थिक विकासके साथ-साथ इस शब्दका ध्वनिक विकास भी हुआ और इसमें 'इ' पर बलाघात होनेके कारण अंत्य 'उ' लुप्त हो गया और इस प्रकार यह शब्द 'हिन्दु'-से 'हिंद' हो गया। आगे चलकर 'हिंद' शब्दमें इरानीके विशेषणार्थक प्रत्यय 'ईक' जुड़नेसे हिंदीक[1] शब्द बना, जिसका अर्थ था 'हिन्दका' इसी 'हिन्दीक'का विकास ('क'के लुप्त हो जानेके कारण) 'हिंदी' रूपमें हुआ। इस प्रकार 'हिन्दी'का मूल अर्थ है 'हिन्दका' या 'भारतीय'। इस अर्थमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग मध्यकालीन फ़ारसी तथा अरबी आदिमें अनेक स्थलोंपर हुआ है। उदाहरणार्थ अरबीमें 'तमर'का अर्थ 'सूखा खजूर' है। इससे कुछ मिलता-जुलता होनेके कारण उन लोगोंने 'इमली'को (जिसका परिचय उन्हें भारतसे ही प्राप्त हुआ था) इसी आधारपर 'तमर हिन्दी' या 'तमर-ए-हिंद'[2] कहा। विशेषणके रूपमें प्रयुक्त होनेके अतिरिक्त 'हिन्दी' शब्द संज्ञा रूपमें भी बहुत-सी भाषाओंमें प्रयुक्त होता रहा है। उदाहरणार्थ फ़ारसी तथा अरबीमें 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग विशेष प्रकारकी तलवारके लिए (जो भारतीयइस्पा-तकीबनी थी, याभारतसेजाती थी) तथा तलवारके वार आदिके लिए होता रहा है। मिस्रमें मलमल (जो भारतसे जाता था) के लिए भी 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग मिलता है।

भाषाके लिए 'हिन्दी' शब्दके प्रयोगका इतिहास भी फ़ारस और अरबसे ही आरंभ होता है। छठी सदी ई०के कुछ पूर्वसे ही ईरानमें 'ज़बान-ए-हिन्दी'का प्रयोग भारत-की भाषाओंके लिए होता रहा है। इस दृष्टिसे कुछ उदाहरण उल्लेख्य हैं :—

(१) ईरानके प्रसिद्ध बादशाह नौशेरवाँ (५३१.५७९ ई०) ने अपने दरबारके प्रमुख विद्वान् हकीम बजरोयाको 'पंचतंत्र'का अनुवाद कर लानेके लिए भारत भेजा था। बजरोयाने यह काम पूरा किया। 'कर्कटक और दमनक'के आधारपर उसने

१—यह 'हिन्दीक' शब्द ही अरबीसे होता ग्रीकमें 'इंदिके' 'इंदिका', लैटिनमें 'इंदिआ' तथा अंग्रेजी आदि में 'इंडिआ' हुआ।

(२) यही शब्द अंग्रेजीमें टैमरिंड (tamrind = **इमली है।**)

इस अनुवादका नाम 'कलीला व दिमना' रखा। इसकी भूमिका नौशेरवाँके मंत्री बुज़र्च मिहरने लिखी। भूमिकामें अन्य बातोंके अतिरिक्त यह भी कहा गया है कि यह अनुवाद—'ज़बाने हिन्दी'से किया गया है। यहाँ स्पष्ट ही जबाने हिन्दीका प्रयोग 'भारतीय भाषा' या 'संस्कृत'के लिए है। (२) इस पहलवी अनुवादसे इस पुस्तकके अरबी गद्य तथा पद्यमें कई नामोंसे कई अनुवाद हुए। ९वीं सदीतकके प्रायः सभी अनुवादोंमें मूल पुस्तकको **ज़बाने हिन्दी**—का कहा गया है। उदाहरणार्थ ७०० ई०के आस-पासमें किये गये अब्दुल्ला इब्नुल मुकफ़्फ़ाके अनुवादमें, इब्न भकनाके अनुवादमें तथा जावेदाने खिरद नामसे ८१३ ई०में इब्न सुहेल द्वारा किये गये अनुवादमें। (३) १२२७में मिनहाजुस्सिराज़ भारत आया था। इसने अपनी पुस्तक 'तबकातेनासिरी'में लिखा है कि 'ज़बाने हिन्दी'में बिहारका अर्थ 'मदरसा' है। स्पष्ट ही यहाँ 'ज़बाने हिन्दी'का प्रयोग संस्कृतके लिए न होकर या तो सामान्य भारतीय भाषाके अर्थमें है, या फिर भारतके 'मध्य भागकी भाषा' (कदाचित् 'हिन्दुवी' या 'हिन्दी')के लिए। (४) १३३३ ई०में इब्नबतूता अपने 'रेहला इब्न बतूता'में तारन नगरके संबंधमें लिखते हुए लिखता है :—'किताबत अला बाज़ अलजदरात बिल हिन्दी' अर्थात् कुछ दीवारोंपर हिन्दीमें लिखा था। भाषाके अर्थमें केवल 'हिन्दी' शब्दका विदेशोंमें यह कदाचित् प्राचीनतम प्रयोग है, यद्यपि यह नाम आजकी 'हिन्दी'के लिए न होकर कदाचित् संस्कृतके लिए है। (५) तैमूरलंगके पोतेके कालमें (१४२४ ई०) शरफुद्दीन यज्दीने तैमूर और उसके परिवारके संबंधमें 'ज़फ़रनामा' नामक ग्रंथ लिखा। इसमें एक स्थानपर आता है कि 'राव' हिन्दी शब्द है। विदेशोंमें 'हिन्दी भाषा'के लिए 'हिन्दी'का संभवतः यह प्रथम प्रयोग है।

भारतवर्षमें भी भाषाके अर्थमें हिन्दी शब्दका प्रयोग प्रारंभमें मुसलमानों द्वारा ही किया गया। भारतीय परंपरामें बोली जानेवाली या 'प्रचलित भाषा'के लिए प्राचीन कालसे ही 'भाषा' शब्दका प्रयोग करते आ रहे हैं। इसका प्रयोग क्रमसे संस्कृत, प्राकृत तथा बादमें हिन्दी आदिके लिए हुआ। 'सो देख कै बनमाली शिष्यार्थ भाषा टीका कीन्ह' (१४३८में लिखित भास्वतीकी भाषा-टीका)। 'संस्कृत कबिरा कूप-जल भाषा-बहता नीर' —कबीर; 'आदि अंतजसि कथ्था अहै। लिखि भाषा चौपाई कहै'—जायसी; 'भाषा भनित मोर मति थोरी'—तुलसीदास; 'भाषा-निबद्ध मति मंजुल.....' तुलसीदास; 'भाषा बोल न जानहीं जेहिके कुलके दास'—केशवदास। संस्कृत आदिके ग्रंथोंकी हिन्दी टीकाओंमें 'भाषा टीका' रूपमें भी यह शब्द उसी अर्थमें प्रयुक्त हुआ है। रामप्रसाद निरंजनी—कृत 'भाषा योग वासिष्ठ' (१७४१ ई०), १९ फ़रवरी १८०२में फोर्ट विलियम कॉलिज द्वारा 'भाखा मुंशी'की माँगकी स्वीकृति तथा लल्लूलालको उक्त कॉलिजके कागज़ोंमें **भाषा मुंशी** कहे जानेसे पता चलता है कि हिन्दीके लिए भाषा शब्दका प्रयोग आधुनिक कालतक चला आ रहा है। संस्कृतके टीका-ग्रंथोंमें तो यह अब भी चल रहा है। पुरानी पीढ़ीके पंडित हिन्दी टीका न कहकर **भाषा टीका** ही कहते हैं।

मुसलमान इस देशके लिए 'हिन्द'का प्रयोग करते थे ही, अतः जब वे यहाँ आये तो यहाँकी भाषाको 'ज़बान हिन्दी' कहने लगे। उनका विशेष संबंध मध्यदेशसे था, अतः धीरे-धीरे इसकी मध्यदेशीय बोलीके लिए उन्होंने 'ज़बान हिन्दी' या 'हिन्दी ज़बान' या 'हिन्दी' नामका प्रयोग किया। आरंभमें इस नामके अंतर्गत पूर्वी पंजाबी भी कदाचित् आती थी।

'हिन्दी' नामका भारतमें प्रथम प्रयोग किसने किया, यह अभीतक अनुसंधानका विषय है। प्रायः यही कहा जाता है कि

अमीर खुसरोमें सबसे पहले 'हिन्दी' शब्द हिन्दी भाषाके लिए मिलता है। मैं समझता हूँ कि भाषाके अर्थमें खुसरोने कहीं भी 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग नहीं किया। उसने (इलिअट, ३. ८. ५३९) 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग 'भारतीय मुसलमानों' या 'भारतीय'के लिए किया है। यहाँ बहुत विस्तारसे इस विषयको लेना संभव नहीं है, किंतु संक्षेपमें कुछ बातें कही जा सकती हैं। इस संबंधमें सबसे बड़ा तर्क तो यह दिया जाता है कि खुसरो लिखित 'ख़ालिक बारी'में हिन्दी शब्द कई बार आया है। वस्तुतः 'खालिक बारी' खुसरोकी रचना नहीं है और उसके बहुत बाद किसी 'खुसरो शाह'ने इसकी रचना की है। यदि 'खालिक बारी' अमीर खुसरो जैसे विद्वान्‌की रचना होती तो वह पर्याप्त व्यवस्थित होती, जबकि उपलब्ध 'खालिक बारी' पूर्णतः अव्यवस्थित है। कभी फ़ारसी शब्दोंके समानार्थी हिन्दी शब्दादि दिये गये हैं तो कभी वाक्योंके समानार्थी वाक्य। भाषा सीखनेकी दृष्टिसे इन वाक्यों या शब्दोंमें कोई भी एकरूपता नहीं है। जो वाक्य दिये गये हैं, वे भी तुक या छंद बैठानेकी दृष्टिसे लिये गये ज्ञात होते हैं। भाषाके प्रारंभिक ज्ञानकी दृष्टिसे उनका प्रायः बिल्कुल भी मूल्य नहीं है। कारक, काल-रचना आदिकी दृष्टिसे भी वे महत्त्व नहीं रखते। 'तुर्की जानी ना'। तुर्कीका विद्वान् खुसरो यह लिखे कि उसे अमुक शब्दकी तुर्की नहीं आती, कल्पनातीत है। साथ ही यदि उसे तुर्की नहीं भी आती, तो इस स्वीकारोक्तिकी, किसीको हिन्दी या हिन्दवी सिखानेके लिए लिखे गये कोशमें क्या आवश्यकता? ऐसे शब्द छोड़ देता या उसके लिए जैसा कि अन्यत्र किया गया है अरबी या फ़ारसी शब्द दे दिया होता। 'ख़ालिक बारी'में शब्दोंकी गलतियाँ भी हैं। हिन्दी 'काना'-के लिए फ़ारसी शब्द 'कोर' दिया गया है, जबकि 'कोर'का अर्थ 'अंधा' होता है। 'तिदर्व', 'कुबक' और 'हंस'को एक माना है, जबकि तीनों अलग-अलग हैं। 'तीतर'के लिए एक स्थानपर 'दुर्राज' तथा अन्यत्र 'लगलग' दिया गया है। 'खालिक बारी'से इस तरहकी अशुद्धियोंके अनेक उदाहरण दिये जा सकते हैं। उपर्युक्त बातोंको देखते हुए यह कहना उचित नहीं लगता कि 'खालिक बारी, खुसरोकी रचना है। ऐसी स्थितिमें 'हिन्दी' शब्दका खुसरो द्वारा प्रयोग 'खालिक बारी'के आधारपर नहीं माना जा सकता। दूसरे प्रमाणके रूपमें खुसरोका एक वाक्य उद्धृत किया जाता है, जिसमें उन्होंने कहा है कि—'मैंने फ़ारसीके साथ-साथ हिन्दीमें भी चंद नज्में कहीं :— 'जुज़ वै चंद नज्म हिन्दी नीज नज्जर देस्तान करदा शुद अस्त।' वस्तुतः यह वाक्य उनके किसी भी प्रामाणिक ग्रंथमें नहीं आया है। 'देवल देवी खिज्र खाँ' मसनवीसे कुछ लोगोंने उद्धरण दिये हैं, किंतु वहाँ भी मूलतः 'हिन्दुवी'का प्रयोग है न कि 'हिन्दी'का। इनके अतिरिक्त खुसरो द्वारा भाषाके अर्थमें हिन्दी शब्दके प्रयोगका कोई अन्य प्रमाण देखनेमें नहीं आया। उसने कहीं और भी प्रयोग किया हो तो नहीं कह सकता। यों, भाषाके अर्थमें हिन्दुवी (दे०) या 'हिन्दुई' शब्दका प्रयोग खुसरोमें कई स्थलोंमें मिलता है। एक स्थानपर वे कहते हैं :—'तुर्क हिन्दुस्तानियम मन हिंदवी गोयम जवाब' अर्थात् मैं हिन्दुस्तानी तुर्क हूँ, हिन्दुवीमें जवाब देता हूँ। उनकी मसनवियोंमें भी यह शब्द एकाधिक स्थलोंपर आया है। इस प्रकार खुसरोके द्वारा 'हिंदी' नामके प्रयोगकी बात बहुत प्रामाणिक नहीं ज्ञात होती। हाँ, यह अवश्य अनुमान है, कि उनके कुछ ही बाद इस शब्दका भाषाके अर्थमें प्रयोग प्रारंभ हो गया था।

यह प्रायः कहा गया है कि 'हिन्दी' और 'हिंदवी' शब्द एक ही अर्थ रखते थे और एक ही अर्थमें प्रयुक्त होते थे। किंतु मूलतः यह बात गलेसे उतरती नहीं। एक ही

भाषाके लिए बिना किसी विशेष कारणके दो नामोंका साथ-साथ उत्पन्न होना और बिल्कुल एक अर्थ चलना कुछ बहुत जँचता नहीं। मुझे ऐसा लगता है कि आरंभमें ये दोनों शब्द भिन्नार्थी थे। ऊपर कहा गया है खुसरोने 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग भारतीय मुसलमानोंके लिए किया है और 'हिन्दवी' शब्दका प्रयोग उसने मध्यदेशीय भाषाके लिए किया है। यह 'हिन्दवी' शब्द वस्तुतः 'हिन्दुवी' या 'हिन्दुई' है। हिन्दू+ई = हिन्दुओंकी भाषा (दे० हिन्दवी)। 'हिन्दुवी' शब्दके प्रयोगके कुछ दिन बाद हिन्दी (अर्थात् भारतीय मुसलमानों)की भाषाके लिए कदाचित् 'हिन्दी' शब्द ही चल पड़ा। 'हिन्दुवी' या हिन्दवी तो वह भाषा थी, जो शौरसेनी अपभ्रंशसे विकसित थी और मध्यदेशमें सहज रूपसे प्रयुक्त हो रही थी। 'हिन्दी' अर्थात् 'भारतके मुसलमानों'ने भी इसे अपनाया, किंतु स्वभावतः धार्मिक तथा सांस्कृतिक (खान-पान, रहन सहन, कपड़ा-लत्ता) कारणोंसे उनकी भाषामें अरबी, फ़ारसी, तुर्कीके शब्द अधिक थे। इसी भाषाके लिए आरंभमें कदाचित् 'हिन्दी' शब्द चला। इस प्रकार 'हिन्दवी' शब्द पुराना है और 'हिन्दी' अपेक्षाकृत बादका। साथ ही मूलतः दोनोंमें कुछ अंतर भी है। शुद्ध हिन्दीमें लिखनेवाले पुराने कवियों तथा लेखकोंने संभवतः इसी कारण अपनी भाषाको प्रायः 'हिन्दवी' कहा है——तुरकी अरबी 'हिन्दवी भाषा जेती आहि। जामें मारग प्रेमका, सबें सराहैं ताहि।——जायसी। श्री परकास दास (१६६६ ई०)के अंबेरके दीवानको लिखे गये पत्र, तुलसीके 'फ़ारसी पंचनामे' जटमलकी 'गोरा बादलकी कथा' तथा इंशा अल्ला खाँकी 'रानी केतकीकी कहानी'में भी 'हिन्दवी' शब्द ही मिलता है।

किंतु ऐसा लगता है कि यह भेद अधिक दिनतक चला नहीं। अरबी-फ़ारसी-तुर्कीके बहुतसे आम-फ़हम शब्द हिन्दवीमें आ गये और दूसरी और हिन्दुओं एवं भारतीय वातावरणके प्रभावसे पर्याप्त भारतीय शब्द मुसलमानोंकी भाषामें भी गृहीत हो गये, और हिन्दी-हिन्दवी दोनों ही शब्द प्रायः (किन्तु पूर्णतः नहीं) समानार्थी हो गये। यों कुछ विशेष प्रयोगोंमें इन शब्दोंके मूल अर्थ भी लगभग १८वीं सदी उत्तरार्द्ध—तक या उसके भी बाद चलते रहे। हातिम (१८वीं सदी उत्तरार्द्ध)ने दीवानजादेके दीबाचेमें लिखा है,——'ज़बान हर दयार ता वहिन्दवी, कि आँरा भाका गोयंद...'। इससे स्पष्ट है कि 'हिन्दवी' और भाषा प्रायः एक थी। उसीके कुछ दिन बाद 'तज़किरः मख़ज़न उल्गरायब'में लिखा मिलता है——'दरज़बाने हिन्दी किमुराद उर्दू अस्त' अर्थात् हिन्दीमें जिससे मतलब उर्दू है। किंतु जैसा कि संकेत किया गया है तथा आगे भी कुछ उदाहरणोंसे स्पष्ट होगा, इस प्रकारका अंतर सर्वत्र नहीं किया गया है। चंद्रबली पाण्डेयने यह दिखानेका ('उर्दूका रहस्य' 'पृष्ठ ४०-४२) प्रयास किया है कि हिन्दवी हिन्दुओंकी भाषा नहीं थी। इसी आधारपर डॉ० उदयनारायण तिवारी ('हिन्दी भाषाका उदय और विकास' पृ० १८४)ने भी कदाचित् इसे स्वीकार कर लिया है, किंतु पांडेयजीके तर्क वस्तुतः उनके मतको प्रमाणित करनेमें समर्थ नहीं दीखते।

'हिन्दी' शब्दके प्रारंभिक प्रयोग जब भी और जिसके भी द्वारा हुए हों, इसके अविच्छिन्न प्रयोगकी प्राचीन परंपरा दक्खिनी या दक्खिनी हिन्दीके कवियों एवं गद्यकारोंमें ही मिलती है। उदाहरणार्थ :——(१) शाही नीराजी (१४७५ ई०)——यों देखत **हिन्दी** बोल। (२) शाह बुर्हानुद्दीन (१५८२ई०)——ऐबै न राखें **हिन्दी** बोल (इर्शाद नामामें)। (३) मुल्ला वजही (१६३५ ई०)—हिन्दोस्तानमें **हिन्दी** ज़बान सों :, (सबरसकी भूमिकामें)। (४) जुनूनी (१६९० ई०)—मैं इसको दर **हिन्दी** ज़बाँ इस वास्ते कहने लगा

(मौलाना रूमके 'मोजज़ा'के अनुवादमें) । इसके साथ-साथ **हिन्दवी** (दे०) शब्द भी प्रयुक्त हो रहा था ! १७वीं सदीसे हिन्दी शब्द उत्तर भारतमें भी अविच्छिन्न रूपसे मिलने लगता है। उदाहरणार्थ, खफ़ी खाँके 'मुतखबुल्ल बाव' (१७वीं सदी उत्तरार्द्ध), मिर्जा खाँके 'तुहफ़तुल हिन्द' (१६७६ ई०), बरकतुल्ला पेमीके अवारफ़े हिन्दी (लगभग १७०० ई०) तथा मआसिरुल उमरा (१७४२-१७४७) आदिमें । हिन्दी कवियोंमें १७७३ ई०में सूफ़ी कवि नूर मुहम्मदने लिखा है—'हिंदू मग पर पांव न राख्यौं । का जौ बहुतै हिंदी माख्यौं ।' इससे संकेत यह मिलता है कि इस कालतक आते-आते हिन्दी शब्द कुछ-कुछ हिन्दुओं-की भाषाकी ओर झुक रहा था, और इसमें-से हिन्दुओंकी शब्दावली निकलकर फ़ारसी शब्दोंके आधारपर उर्दूकी नींव पड़ रही थी । १८००के लगभग मुरादशाह लिखते हैं :

झिझोड़ा फ़ारसीके उस्तख्वाँ को
किया पुर मग्ज़ तब हिन्दी ज़बाँ को
फ़साहत फ़ारसी से जब निकाली
तताफ़त शेर में हिन्दी के ड़ाली ।

यों जैसा कि हम आगे देखेंगे, हिन्दी शब्द-का प्रयोग इसके विरुद्ध सामान्य अर्थोंमें लगभग १९वीं सदीके मध्यतक मिलता है ।

यह ध्यातव्य है कि यद्यपि 'हिन्दवी' या 'हिन्दी'का प्रयोग मध्यदेशकी जनभाषाके लिए चल रहा था और वह उत्तर भारतसे दक्षिण भारतमें भी जा पहुँचा था, किंतु इसका स्वीकृत नाम भाषाओंमें अकबरके कालतक नहीं मिलता । अमीर खुसरोने अपने ग्रंथ 'नुहसिपर'में उस कालकी प्र-सिद्ध ग्यारह भाषाओंका उल्लेख किया है (सिन्धी, लाहोरी, कश्मीरी, बंगाली, गौड़ी, गुजराती, तिलंगी, मावरी (कोंकणी) ध्रुव समुन्दरी, अवधी, देहलवी), किंतु इनमें 'हिन्दवी' या 'हिन्दी' नहीं है । अबुल फ़ज़लकी 'आईने अकबरी'में दी गयी १२ भाषाओं (देहलवी, बंगाली, मुलतानी, मारवाड़ी, गुजराती, तिलंगा, मरहठी, कर्नाटकी, सिंधी, अफ़गानी, बलूचिस्तानी, कश्मीरी) में भी इनका नाम नहीं आता । हाँ, एक बात अवश्य विचार्य है । खुसरो और अबुलफ़ज़ल दोनों हीने **देह- लवी** भाषाका उल्लेख किया है । यह 'हिन्दवी' या हिन्दी छोड़कर कोई और भाषा नहीं हो सकती । इसका अर्थ यह हुआ कि खुसरोसे लेकर अबुलफ़ज़लके कालतक इस भाषाका स्वीकृत नाम संभवतः देहलवी था। अन्य नाम केवल साहित्यतक ही सीमित थे ।

ऊपर यह संकेत किया जा चुका है कि 'हिन्दी' शब्द मूलतः मुसलमानोंकी हिन्दीके लिए प्रयुक्त होकर फिर हिन्दुओंकी भाषाके की ओर आ रहा था । किंतु १९वीं सदीके मध्यके पूर्वतक उर्दूके लेखकोंमें प्रायः इसका प्रयोग उर्दू या रेख़ताके समानार्थी रूपमें चल रहा था। हातिम (१८वीं सदी उत्तरार्द्ध), नासिख, सौदा (१७१३-१७८० ई०), मीर (१७१८-१७५८ ई०) आदिने एका-धिक बार अपने शेरोंको हिन्दी शेर कहा है । ग़ालिबने अपने ख़तोंमें 'उर्दू', 'हिन्दी' तथा 'रेख्ता'को कई स्थलोंपर समानार्थी शब्दोंके रूपमें प्रयुक्त किया है । १८०३ ई०में लिखित 'तज़किरः मखज़न अल्ग़-रायब'में आता है—'दर ज़बाने हिंदी कि मुराद उर्दू अस्त ।' फोर्ट विलियम कॉलिजके हिन्दीके अध्यापक गिलक्राइस्टके लेखोंसे पता चलता है कि वे हिन्दी, हिंदुस्तानी, उर्दू तथा रेख्ता आदिको समानार्थी समझते थे । किंतु उनकी दृष्टिमें इनका परिनिष्ठित रूप अरबी-फारसी मिश्रित था, अर्थात् उनकी हिन्दी आजकी दृष्टिसे उर्दू थी । १८२०ई०में उनकी एक किताब निकली जिसका नाम था—'कवानीन सर्फ़ व नहो हिन्दी' । पुस्तकपर अंग्रेजीमें लिखा था—(rules of hindee grammar) पुस्तकके भीतर सर्वत्र ही 'हिन्दी' या 'रेख्ते' शब्दका प्रयोग है, किंतु व्याकरण उर्दूका

है। इसकी भाषा भी अरबी-फ़ारसी शब्दोंसे लदी है, जैसा कि नाम (कवानीन सर्फ़...) से भी स्पष्ट है। इस तरह आरंभमें गिलक्राइस्ट भी 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग 'उर्दू'के अर्थमें ही करते हैं। आशय यह है कि १८००के आसपास हिन्दी शब्दका प्रयोग उर्दू तथा रेख़्ताके लिए हो रहा था।

'हिन्दी' शब्दके आधुनिक अर्थमें प्रयुक्त होनेका इतिहास बड़ा विचित्र है। पीछेके नूर मुहम्मद तथा मुरादशाहके उद्धरणोंसे इस बातका कुछ संकेत मिलता है कि कभी-कभी उसका प्रयोग हिन्दुओंकी भाषा या अरबी-फ़ारसीके कठिन शब्दोंसे रहित मध्यदेशीय भाषाके लिए होता था, किंतु ऐसे प्रयोग प्रायः अपवादस्वरूप हैं। प्रायः 'हिन्दी'का प्रयोग उस भाषाके लिए मिलता है, जो अरबी-फ़ारसीसे भरती जा रही थी या जो वह भाषा थी, जो बादमें विकसित होकर उर्दू कहलायी। जनतामें १९वीं सदीके प्रायः मध्यतक कुछ अपवादोंको छोड़ हिंदीका इस अर्थमें प्रयोग मिलता है।

आधुनिक अर्थमें 'हिन्दी' शब्दके व्यापक प्रयोगका श्रेय मूलतः अंग्रेज़ोंको है। १८०० ई०में कलकत्तेमें फ़ोर्ट विलियम कॉलिजकी स्थापना हुई। वहाँ गिलक्राइस्ट हिन्दी या हिन्दुस्तानीके अध्यापक नियुक्त हुए। यदि गिलक्राइस्टने मध्यदेशकी वास्तविक प्रतिनिधि भाषाको, जो न तो अधिक अरबी-फारसीकी ओर झुकी हुई थी और न संस्कृतकी ओर, अपनाया होता तो आज हिन्दी-उर्दू नामकी दो भाषाएँ न होतीं और हिन्दी भाषा एवं उसके साहित्यका नक्शा कुछ और ही होता। किंतु उनकी हिन्दी [जैसा कि उनके हिन्दी व्याकरणके नाम (कवानीन सर्फ़ व नहो हिन्दी)] से स्पष्ट है, बहुत ही कठिन उर्दू थी। वे १९०४ तक तो अध्यापक रहे, अतः वही भाषा हिन्दी कही जाती रही। किंतु वहाँके कर्मचारियोंका ध्यान इस बातकी ओर गया कि प्रतिनिधि भाषा वह नहीं थी। इसका परिणाम यह हुआ कि 'हिन्दुस्तानी' शब्द तो अरबी-फ़ारसी शब्दोंसे युक्त गिलक्राइस्टकी हिन्दी (जो वस्तुतः उर्दू थी)के लिए प्रयुक्त होने लगा और हिन्दी शब्द हिन्दुओंमें प्रयुक्त संस्कृत मिश्रित भाषाके लिए। इस अर्थमें 'हिन्दी' शब्दकी परंपरा प्राप्त साहित्यमें कहीं-कहीं ही मिली है। संभव है जनतामें इस अर्थमें उस समय हिन्दी नामका कुछ अधिक प्रचार रहा हो, जहाँसे अंग्रेज़ोंने उसे ले लिया हो। इस नवीन अर्थमें हिन्दीका स्पष्ट रूपसे लिखित प्रयोग कदाचित् सर्वप्रथम कैप्टिन टेलरने किया। १८१२में फोर्ट विलियम कॉलिजके वार्षिक विवरणमें वे कहते हैं—मैं केवल हिन्दुस्तानी या रेख़्ताका जिकर कर रहा हूँ, जो फ़ारसी लिपिमें लिखी जाती है...., मैं हिन्दीका ज़िक्र नहीं कर रहा, जिसकी अपनी लिपि है,... जिसमें अरबी-फारसी शब्दोंका प्रयोग नहीं होता और मुसलमानी आक्रमणसे पहले जो भारतवर्षके समस्त उत्तर-पश्चिम प्रांतकी भाषा थी' (imperial records, vol-IV पृ० २६७-७७)। इस उद्धरणसे यह स्पष्ट है कि उस समयतक हिन्दी शब्द इस अर्थमें कम-से-कम कॉलिजके लोगोंमें[1] कुछ समझा जाने लगा था, किंतु बहुत अधिक नहीं, क्योंकि उसे हिन्दुस्तानी या रेख़्ता अलग स्पष्ट करनेकी आवश्यकता अभी समाप्त नहीं हुई थी, जैसा कि टेलरके कथनसे स्पष्ट है। कॉलिजमें यह हिन्दी-उर्दू (या हिन्दुस्तानी)का यह अलगाव बढ़ता ही गया। १८२४में उक्त कॉलिजके हिन्दी प्रोफ़ेसर विलियम प्राइसने स्पष्ट शब्दोंमें हिन्दीके

(१) शासकके लोगोंमें इसरूपमें प्रयुक्त होनेपर भी हिन्दी शब्द उर्दूके अर्थमें साहित्यिकों तथा जनता आदि में१९वीं सदीके लगभग मध्यतक चलता रहा। कहा जा चुका है कि गार्सा द तासीने अपने पत्रोंमें हिन्दी उर्दू और रेख़्ताको प्रायः समान अर्थोंमें प्रयुक्त किया है।

(मौलाना रूमके 'भोजज़ा'के अनुवादमें) । इसके साथ-साथ हिन्दवी (दे०) शब्द भी प्रयुक्त हो रहा था ! १७वीं सदीसे हिन्दी शब्द उत्तर भारतमें भी अविच्छिन्न रूपसे मिलने लगता है। उदाहरणार्थ, खफ़ी खांके 'मुतखबुल्ल बाब' (१७वीं सदी उत्तरार्द्ध), मिर्जा खांके 'तुहफ़तुल हिन्द' (१६७६ ई०), बरकतुल्ला पेमीके अवारफ़े हिन्दी (लगभग १७०० ई०) तथा मआसिरुल उमरा (१७४२-१७४७) आदिमें। हिन्दी कवियोंमें १७७३ ई०में सूफ़ी कवि नूर मुहम्मदने लिखा है—'हिंदू मग पर पांव न राख्यौं। का जौ बहुतै हिंदी भाख्यौं।' इससे संकेत यह मिलता है कि इस कालतक आते-आते हिन्दी शब्द कुछ-कुछ हिन्दुओं-की भाषाकी ओर झुक रहा था, और इसमें-से हिन्दुओंकी शब्दावली निकलकर फ़ारसी शब्दोंके आधारपर उर्दूकी नींव पड़ रही थी। १८००के लगभग मुरादशाह लिखते हैं :

झिझोड़ा फ़ारसीके उस्तख्वाँ को
किया पुर मग्ज़ तब हिन्दी ज़बाँ को
फ़साहत फ़ारसी से जब निकाली
तताफ़त शेर में हिन्दी के डाली।

यों जैसा कि हम आगे देखेंगे, हिन्दी शब्द-का प्रयोग इसके विरुद्ध सामान्य अर्थोंमें लगभग १९वीं सदीके मध्यतक मिलता है।

यह ध्यातव्य है कि यद्यपि 'हिन्दवी' या 'हिन्दी'का प्रयोग मध्यदेशकी जनभाषाके लिए चल रहा था और वह उत्तर भारतसे दक्षिण भारतमें भी जा पहुँचा था, किंतु इसका स्वीकृत नाम भाषाओंमें अकबरके कालतक नहीं मिलता। अमीर खुसरोने अपने ग्रंथ 'नुहसिपर'में उस कालकी प्र-सिद्ध ग्यारह भाषाओंका उल्लेख किया है (सिन्धी, लाहोरी, कश्मीरी, बंगाली, गौड़ी, गुजराती, तिलंगी, मावरी (कोंकणी) ध्रुव समुन्दरी, अवधी, देहलवी), किंतु इनमें 'हिन्दवी' या 'हिन्दी' नहीं है। अबुल फ़ज़लकी 'आईने अकबरी'में दी गयी १२ भाषाओं (देहलवी, बंगाली, मुलतानी, मारवाड़ी, गुजराती, तिलंगा, मरहठी, कर्नाटकी, सिंधी, अफ़गानी, बलूचिस्तानी, कश्मीरी) में भी इनका नाम नहीं आता। हाँ, एक बात अवश्य विचार्य है। खुसरो और अबुलफ़ज़ल दोनों हीने देह- लवी भाषाका उल्लेख किया है। यह 'हिन्दवी' या हिन्दी छोड़कर कोई और भाषा नहीं हो सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि खुसरोसे लेकर अबुलफ़ज़लके कालतक इस भाषाका स्वीकृत नाम संभवतः देहलवी था। अन्य नाम केवल साहित्यतक ही सीमित थे।

ऊपर यह संकेत किया जा चुका है कि 'हिन्दी' शब्द मूलतः मुसलमानोंकी हिन्दीके लिए प्रयुक्त होकर फिर हिन्दुओंकी भाषाके की ओर आ रहा था। किंतु १९वीं सदीके मध्यके पूर्वतक उर्दूके लेखकोंमें प्रायः इसका प्रयोग उर्दू या रेख़ताके समानार्थी रूपमें चल रहा था। हातिम (१८वीं सदी उत्तरार्द्ध), नासिख, सौदा (१७१३-१७८० ई०), मीर (१७१८-१७५८ ई०) आदिने एका-धिक बार अपने शेरोंको हिन्दी शेर कहा है। ग़ालिबने अपने ख़तोंमें 'उर्दू', 'हिन्दी' तथा 'रेख्ता'को कई स्थलोंपर समानार्थी शब्दोंके रूपमें प्रयुक्त किया है। १८०३ ई०में लिखित 'तज़किरः मखज़न अल्ग़-रायब'में आता है—'दर ज़बाने हिंदी कि मुराद उर्दू अस्त।' फोर्ट विलियम कॉलिजके हिन्दीके अध्यापक गिलक्राइस्टके लेखोंसे पता चलता है कि वे हिन्दी, हिंदुस्तानी, उर्दू तथा रेख़्ता आदिको समानार्थी समझते थे। किंतु उनकी दृष्टिमें इनका परिनिष्ठित रूप अरबी-फारसी मिश्रित था, अर्थात् उनकी हिन्दी आजकी दृष्टिसे उर्दू थी। १८२०ई०में उनकी एक किताब निकली जिसका नाम था—'कवानीन सर्फ़ व नहो हिन्दी'। पुस्तकपर अंग्रेजीमें लिखा था—(rules of hindee grammar) पुस्तकके भीतर सर्वत्र ही 'हिन्दी' या 'रेख़्ते' शब्दका प्रयोग है, किंतु व्याकरण उर्दूका

है। इसकी भाषा भी अरबी-फ़ारसी शब्दोंसे लदी है, जैसा कि नाम (कवानीन सर्फ़...) से भी स्पष्ट है। इस तरह आरंभमें गिलक्राइस्ट भी 'हिन्दी' शब्दका प्रयोग 'उर्दू'के अर्थमें ही करते हैं। आशय यह है कि १८००के आसपास हिन्दी शब्दका प्रयोग उर्दू तथा रेख़्ताके लिए हो रहा था।

'हिन्दी' शब्दके आधुनिक अर्थमें प्रयुक्त होनेका इतिहास बड़ा विचित्र है। पीछेके नूर मुहम्मद तथा मुरादशाहके उद्धरणोंसे इस बातका कुछ संकेत मिलता है कि कभी-कभी उसका प्रयोग हिन्दुओंकी भाषा या अरबी-फ़ारसीके कठिन शब्दोंसे रहित मध्यदेशीय भाषाके लिए होता था, किंतु ऐसे प्रयोग प्रायः अपवादस्वरूप हैं। प्रायः 'हिन्दी'का प्रयोग उस भाषाके लिए मिलता है, जो अरबी-फ़ारसीसे भरती जा रही थी या जो वह भाषा थी, जो बादमें विकसित होकर उर्दू कहलायी। जनतामें १९वीं सदीके प्रायः मध्यतक कुछ अपवादोंको छोड़ हिंदीका इस अर्थमें प्रयोग मिलता है।

आधुनिक अर्थमें 'हिन्दी' शब्दके व्यापक प्रयोगका श्रेय मूलतः अंग्रेज़ोंको है। १८०० ई०में कलकत्तेमें फ़ोर्ट विलियम कॉलिजकी स्थापना हुई। वहाँ गिलक्राइस्ट हिन्दी या हिन्दुस्तानीके अध्यापक नियुक्त हुए। यदि गिलक्राइस्टने मध्यदेशकी वास्तविक प्रतिनिधि भाषाको, जो न तो अधिक अरबी-फारसीकी ओर झुकी हुई थी और न संस्कृतकी ओर, अपनाया होता तो आज हिन्दी-उर्दू नामकी दो भाषाएँ न होतीं और हिन्दी भाषा एवं उसके साहित्यका नक्शा कुछ और ही होता। किंतु उनकी हिन्दी [जैसा कि उनके हिन्दी व्याकरणके नाम (कवानीन सर्फ़ व नहो हिन्दी)] से स्पष्ट है, बहुत ही कठिन उर्दू थी। वे १९०४ तक तो अध्यापक रहे, अतः वही भाषा हिन्दी कही जाती रही। किंतु वहाँके कर्मचारियोंका ध्यान इस बातकी ओर गया कि प्रतिनिधि भाषा वह नहीं थी। इसका परिणाम यह हुआ कि 'हिन्दुस्तानी' शब्द तो अरबी-फ़ारसी शब्दोंसे युक्त गिलक्राइस्टकी हिन्दी (जो वस्तुतः उर्दू थी)के लिए प्रयुक्त होने लगा और हिन्दी शब्द हिन्दुओंमें प्रयुक्त संस्कृत मिश्रित भाषाके लिए। इस अर्थमें 'हिन्दी' शब्दकी परंपरा प्राप्त साहित्यमें कहीं-कहीं ही मिली है। संभव है जनतामें इस अर्थमें उस समय हिन्दी नामका कुछ अधिक प्रचार रहा हो, जहाँसे अंग्रेज़ोंने उसे ले लिया हो। इस नवीन अर्थमें हिन्दीका स्पष्ट रूपसे लिखित प्रयोग कदाचित् सर्वप्रथम कैप्टिन टेलरने किया। १८१२में फोर्ट विलियम कॉलिजके वार्षिक विवरणमें वे कहते हैं—मैं केवल हिन्दुस्तानी या रेख़्ताका जिकर कर रहा हूँ, जो फ़ारसी लिपिमें लिखी जाती है...., मैं हिन्दीका ज़िक्र नहीं कर रहा, जिसकी अपनी लिपि है,... जिसमें अरबी-फारसी शब्दोंका प्रयोग नहीं होता और मुसलमानी आक्रमणसे पहले जो भारतवर्षके समस्त उत्तर-पश्चिम प्रांतकी भाषा थी' (imperial records, vol-IV पृ० २६७-७७)। इस उद्धरणसे यह स्पष्ट है कि उस समयतक हिन्दी शब्द इस अर्थमें कम-से-कम कॉलिजके लोगोंमें[1] कुछ समझा जाने लगा था, किंतु बहुत अधिक नहीं, क्योंकि उसे हिन्दुस्तानी या रेख़्ता अलग स्पष्ट करनेकी आवश्यकता अभी समाप्त नहीं हुई थी, जैसा कि टेलरके कथनसे स्पष्ट है। कॉलिजमें यह हिन्दी-उर्दू (या हिन्दुस्तानी)का यह अलगाव बढ़ता ही गया। १८२४में उक्त कॉलिजके हिन्दी प्रोफ़ेसर विलियम प्राइसने स्पष्ट शब्दोंमें हिन्दीके

(१) शासकके लोगोंमें इसरूपमें प्रयुक्त होनेपर भी हिन्दी शब्द उर्दूके अर्थमें साहित्यिकों तथा जनता आदि में १९वीं सदीके लगभग मध्यतक चलता रहा। कहा जा चुका है कि गासिबने अपने पत्रोंमें हिन्दी उर्दू और रेख़्ताको प्रायः समान अर्थोंमें प्रयुक्त किया है।

पूर्वी हिन्दी—तीन बोलियाँ (१) अवधी, (२) बघेली, (३) छत्तीसगढ़ी। (ङ) बिहारी—तीन बोलियाँ (१) भोजपुरी (२) मगही, (३) मैथिली। हिन्दी साहित्यके इतिहासमें इन सभी बोलियोंमें प्राप्त साहित्य (जैसे डिंगल, ब्रज, खड़ीबोली, अवधी, मैथिली आदि) समाहित मिलता है। हिन्दीका यह सर्वप्रचलित अर्थ है। इसी अर्थमें हिन्दी प्रदेश या हिन्दीके विश्वमें बोलनेवालोंकी संख्याकी दृष्टिसे तीसरी भाषा (प्रथम चीनी, दूसरी अंग्रेज़ी) होनेकी बात की जाती है। साँस्कृतिक तथा व्यावहारिक दृष्टिसे यह हिन्दीका व्यापकतम रूप या अर्थ है। (२) १९४७, अर्थात् स्वतंत्रताके पूर्व हिन्दीकी पहाड़ी उपभाषामें पश्चिमी तथा माध्यमिक पहाड़ीके अतिरिक्त पूर्वी पहाड़ी (या नैपाली)को भी स्थान दिया जाता था। इस दृष्टिसे हिन्दीके अंतर्गत १८ बोलियाँ मानी जाती थीं। अब नैपाली भारतसे अलग एक स्वतंत्र देशकी राष्ट्र और राज्य-भाषा है, अतः उसे हिन्दीके अंतर्गत सम्मिलित करनेका प्रश्न नहीं उठता। यों नैपाली हिन्दीसे पर्याप्त निकट है, दोनों भाषाओंको जाननेवाले इस बातसे भली-भांति परिचित हैं। नैपालीमें हिन्दी-भाषी पर्याप्त संख्यामें हैं तथा वहाँके अधिकांश लोग हिन्दी समझते हैं। इसीलिए कुछ दिनतक यह भी सुना जा रहा था कि नैपाल भी अपनी राज्यभाषा हिन्दीको ही बनायेगा, किंतु ऐसा हुआ नहीं। नैपालमें हिन्दी माध्यमसे शिक्षाकी भी व्यवस्था रही है तथा वहाँके कुछ पत्र भी हिन्दीमें निकलते रहे हैं। (३) कुछ लोग पंजाबीको भी हिन्दीको एक उपभाषा या बोली मानते हैं। यह मत नया नहीं है। खुसरोके समयके आसपास आरंभमें हिन्दी शब्दका प्रयोग जिस भाषाके लिए हुआ, उसमें कदाचित् पंजाबी भी समाहित थी। १८१२ ई०में टेलरने फोर्ट विलियम कॉलिजके वार्षिक विवरणमें हिन्दीका जो अर्थ बतलाया था, उसमें भी ऐसा लगता है कि कम-से-कम पूर्वी पंजाबी सम्मिलित थी। १८५३में बंबईके चीफ जस्टिस सर एरस्किन पेरीने रायल एशियाटिक सोसायटीके जर्नलके जनवरीके अंकमें भारतीय भाषाओंके विभाजनपर एक लेख प्रकाशित किया। इसमें उन्होंने सिंधी, पंजाबी तथा मुल्तानी (लहँदा)को हिन्दीकी बोलियोंके रूपमें स्वीकार किया था। इन्होंने मैथिलीको हिन्दीकी बोली न मानकर बंगलाकी बोली माना था। कहना न होगा, भाषावैज्ञानिककी दृष्टिसे पंजाबी पश्चिमी हिन्दीकी हरियानी आदिसे निश्चय ही बहुत निकट है, किंतु इस प्रकारके मतोंके लिए अब कोई स्थान नहीं है। (४) ग्रियर्सनने अपने भाषा-सर्वेक्षणमें पश्चिमी और पूर्वी हिन्दीको ही वस्तुतः हिन्दी माना है। इसी कारण उन्होंने केवल इन्हीं दोनोंके साथ हिन्दी शब्द रखा है। अन्यको पहाड़ी, राजस्थानी, बिहारी आदि अन्य नामोंसे अभिहित किया है। इस प्रकार उनके अनुसार भाषा-वैज्ञानिक दृष्टिसे हिन्दीके अंतर्गत केवल काठ बोलियाँ हैं। पांच पश्चिमी हिन्दीकी, और तीन पूर्वी हिन्दीकी। (५) एक भाषाशास्त्रीय मत यह भी है कि केवल पश्चिमी हिन्दी ही हिन्दीके अंतर्गत है, अर्थात् हिन्दी, केवल पश्चिमी हिन्दीके अंतर्गत आनेवाली पांच बोलियोंके समूहका नाम है। ग्रियर्सनने भी कभी इस मतको १९३०के लगभग व्यक्त किया था, किंतु बादमें उन्होंने अपना यह मत वापिस ले लिया। डॉ० सुनीतिकुमार चटर्जीने भी यह मत व्यक्त किया है, विशेषतः १९५२ के बाद, जबसे वे हिन्दी के राज्य या राष्ट्रभाषा होनेके विरोधी हो गये हैं। हिन्दी (जिसे वे proper hindi कहते हैं)की वे दो शाखाएँ मानते हैं :—(क) आजकी परिनिष्ठित हिन्दी, जिसकी हरियानी, जाटू तथा खड़ी बोलियाँ हैं। (ख) ब्रजभाषा, बुंदेली तथा कनौजी, इन तीन बोलियोंका समूह (दे०—the

लगभग सभी शब्दोंके संस्कृत होनेकी बात कही तथा हिन्दुस्तानीके शब्दोंके अरबी-फारसी होनेकी । १८२५में कॉलिजके वार्षिक अधिवेशनके भाषणमें लार्ड ऐमहर्स्ट-ने हिन्दी भाषाको हिन्दुओंसे संबद्ध कहा तथा उर्दूको उनके लिए उतना ही विदेशी कहा, जितनी अंग्रेज़ी । इस प्रकार अंग्रेज़ोंने चाहे जिस नीयतसे भी किया हो, १९वीं सदीके प्रथम २५ वर्षोंमें एक ओर हिन्दवी या हिन्दी-देवनागरी-संस्कृत-हिन्दूको जोड़ दिया और दूसरी ओर हिन्दुस्तानी, रेख्ता या उर्दू—फ़ारसी लिपि—अरबी-फारसी शब्द—मुसलमानोंको । संभवतः शासनके ही इशारेपर १८६२में हिन्दी-उर्दूका प्रश्न शिक्षा-के संयोजकोंके समक्ष आया और इस प्रकार 'हिन्दी' आजकलके अर्थमें निश्चित रूपसे स्वीकृत हो गयी । उर्दू और हिन्दी भाषा-को लेकर उस कालमें कितनी गर्मा-गर्मी थी, इसका चित्र 'सितारे हिन्द' और 'भारतेन्दु' उपाधिकी अंतःकथामें मूर्तिमान है ।

इस प्रकार 'हिन्दी' शब्दके विकासको पाँच कालोंमें बाँटा जा सकता है । पहला काल वह है जब यह शब्द विदेशमें था और 'भारतीय'के अर्थमें एक विशेषण था । दूसरा काल विदेशोंमें ही वह है, जब यह विशेषण या संज्ञाके रूपमें भारतीय भाषाओं-के लिए प्रयुक्त हो रहा था । तीसरा काल वह है, जब भारतमें खुसरोके समयके आस-पास हिन्दवीके प्रयोगमें आनेके बाद मुसल-मानोंकी हिन्दवीके लिए इसका प्रयोग हुआ । चौथे कालमें उत्तर तथा दक्षिण भारत-में यह शब्द हिन्दवीका लगभग समानार्थी होकर मध्यदेशीय भारतीय भाषाके लिए प्रयुक्त हो रहा था । इस कालमें सामान्यतः यह हिन्दवीका समानार्थी तो था, किन्तु विभिन्न प्रयोगोंपर दृष्टि डालनेसे ऐसे संकेत मिलते हैं कि हिन्दवी शब्द हिन्दुओं-की हिन्दीकी ओर तथा हिन्दी मुसलमानों-की हिन्दीकी ओर भी 'कभी-कभी झुके हुए थे । हिन्दू अपनी भाषाके लिए 'भाषा'-के अतिरिक्त कभी-कभी यदि प्रयोग करते थे तो प्रायः 'हिन्दवी'का इसी कालके अंतमें 'हिन्दी' नाम अपनेमें उर्दू, रेख्ता या हिन्दु-स्तानी आदिको भी समाहित किये था । इस कालके पूर्वार्द्धमें इस भाषाको देहलवी" (खुसरो तथा अबुल फ़ज़लमें) भी कहते थे । पाँचवाँ काल १८०० ई०के बादसे आरंभ होकर लगभग ग़दरके कालतक है, जब जनता-में हिन्दी शब्द कुछ अपवादोंको छोड़कर प्रायः पूर्ववर्ती अर्थमें प्रयुक्त हो रहा था, किंतु फोर्ट विलियम कॉलिज़में तथा शासनके मस्तिष्कमें वह हिन्दुओंकी भाषाका नाम था, जिसकी लिपि देवनागरी थी तथा जिसका शब्द-समूह संस्कृतकी ओर झुका था । हिन्दी नाम आज भी इस पाँचवें अर्थ (फ़ोर्ट विलियम कॉलिजवाला)में प्रयुक्त हो रहा है । यहाँ एक यह बात भी संकेत्य है कि उपर्युक्त बातोंसे यह स्पष्ट है कि १८५०के पूर्व हिन्दी शब्दके प्रयोगमें वैज्ञा-निक दो-टूकता नहीं थी । एक ही साथ कई अर्थोंमें इसके प्रयोग चल रहे थे ।

इस समय 'हिन्दी' शब्द प्रमुखतः निम्नां-कित पांच अर्थोंमें प्रयुक्त हो रहा है :—(१) हिन्दी साहित्यके इतिहासमें 'हिन्दी' शब्द-का अर्थ है 'बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली तथा पंजाब एवं हिमा-चल प्रदेशके कुछ भागोंकी भाषा' । यही हिन्दी प्रदेश है । इस पूरे प्रदेशमें उर्दूको छोड़कर सभी भाषाएँ या बोलियाँ हिन्दीमें समाहित है । इस दृष्टिसे हिन्दी भाषाकी पांच रूप-भाषाएँ तथा १७ उप-बोलियाँ मानी जाती हैं :—(क) **राजस्थानी उपभाषा**—चार बोलियाँ (१) मेवाती-अहीरवाटी, (२) मालवी, (३) जयपुरी-हाड़ौती, (४) मारवाड़ी-मेवाड़ी । (ख) **पश्चिमी हिन्दी उपभाषा**—पांच बोलियाँ (१) हरि-यानी या बांगरू, (२) खड़ी बोली, (३) ब्रज, (४) कनौजी, (५) बुंदेली । (ग) **पहाड़ी**—दो बोली वर्ग (१) पश्चिमी पहाड़ी, (२) माध्यमिक पहाड़ी । (घ)

पूर्वी हिन्दी—तीन बोलियाँ (१) अवधी, (२) बघेली, (३) छत्तीसगढ़ी। (ङ) बिहारी—तीन बोलियाँ (१) भोजपुरी (२) मगही, (३) मैथिली। हिन्दी साहित्यके इतिहासमें इन सभी बोलियोंमें प्राप्त साहित्य (जैसे डिंगल, ब्रज, खड़ीबोली, अवधी, मैथिली आदि) समाहित मिलता है। हिन्दीका यह सर्वप्रचलित अर्थ है। इसी अर्थमें हिन्दी प्रदेश या हिन्दीके विश्वमें बोलनेवालोंकी संख्याकी दृष्टिसे तीसरी भाषा (प्रथम चीनी, दूसरी अंग्रेज़ी) होनेकी बात की जाती है। साँस्कृतिक तथा व्यावहारिक दृष्टिसे यह हिन्दीका व्यापकतम रूप या अर्थ है। (२) १९४७, अर्थात् स्वतंत्रताके पूर्व हिन्दीकी पहाड़ी उपभाषामें पश्चिमी तथा माध्यमिक पहाड़ीके अतिरिक्त पूर्वी पहाड़ी (या नैपाली)को भी स्थान दिया जाता था। इस दृष्टिसे हिन्दीके अंतर्गत १८ बोलियाँ मानी जाती थीं। अब नैपाली भारतसे अलग एक स्वतंत्र देशकी राष्ट्र और राज्य-भाषा है, अतः उसे हिन्दीके अंतर्गत सम्मिलित करनेका प्रश्न नहीं उठता। यों नैपाली हिन्दीसे पर्याप्त निकट है, दोनों भाषाओंको जाननेवाले इस बातसे भली-भांति परिचित हैं। नैपालीमें हिन्दी-भाषी पर्याप्त संख्यामें हैं तथा वहाँके अधिकांश लोग हिन्दी समझते हैं। इसीलिए कुछ दिनतक यह भी सुना जा रहा था कि नैपाल भी अपनी राज्यभाषा हिन्दीको ही बनायेगा, किंतु ऐसा हुआ नहीं। नैपालमें हिन्दी माध्यमसे शिक्षाकी भी व्यवस्था रही है तथा वहाँके कुछ पत्र भी हिन्दीमें निकलते रहे हैं। (३) कुछ लोग पंजाबीको भी हिन्दीको एक उपभाषा या बोली मानते हैं। यह मत नया नहीं है। खुसरोके समयके आसपास आरंभमें हिन्दी शब्दका प्रयोग जिस भाषाके लिए हुआ, उसमें कदाचित् पंजाबी भी समाहित थी। १८१२ ई०में टेलरने फोर्ट विलियम कॉलिजके वार्षिक विवरणमें हिन्दीका जो अर्थ बतलाया था, उसमें भी ऐसा लगता है कि कम-से-कम पूर्वी पंजाबी सम्मिलित थी। १८५३में बंबईके चीफ जस्टिस सर एरस्किन पेरीने रायल एशियाटिक सोसायटीके जर्नलके जनवरीके अंकमें भारतीय भाषाओंके विभाजनपर एक लेख प्रकाशित किया। इसमें उन्होंने सिंधी, पंजाबी तथा मुल्तानी (लहँदा)को हिन्दीकी बोलियोंके रूपमें स्वीकार किया था। इन्होंने मैथिलीको हिन्दीकी बोली न मानकर बंगलाकी बोली माना था। कहना न होगा, भाषावैज्ञानिककी दृष्टिसे पंजाबी पश्चिमी हिन्दीकी हरियानी आदिसे निश्चय ही बहुत निकट है, किंतु इस प्रकारके मतोंके लिए अब कोई स्थान नहीं है। (४) ग्रियर्सनने अपने भाषा-सर्वेक्षणमें पश्चिमी और पूर्वी हिन्दीको ही वस्तुतः हिन्दी माना है। इसी कारण उन्होंने केवल इन्हीं दोनोंके साथ हिन्दी शब्द रखा है। अन्यको पहाड़ी, राजस्थानी, बिहारी आदि अन्य नामोंसे अभिहित किया है। इस प्रकार उनके अनुसार भाषा-वैज्ञानिक दृष्टिसे हिन्दीके अंतर्गत केवल काठ बोलियाँ हैं। पांच पश्चिमी हिन्दीकी, और तीन पूर्वी हिन्दीकी। (५) एक भाषाशास्त्रीय मत यह भी है कि केवल पश्चिमी हिन्दी ही हिन्दीके अंतर्गत है, अर्थात् हिन्दी, केवल पश्चिमी हिन्दीके अंतर्गत आनेवाली पांच बोलियोंके समूहका नाम है। ग्रियर्सनने भी कभी इस मतको १९३०के लगभग व्यक्त किया था, किंतु बादमें उन्होंने अपना यह मत वापिस ले लिया। डॉ० सुनीतिकुमार चटर्जीने भी यह मत व्यक्त किया है, विशेषतः १९५२ के बाद, जबसे वे हिन्दी के राज्य या राष्ट्रभाषा होनेके विरोधी हो गये हैं। हिन्दी (जिसे वे proper hindi कहते हैं)की वे दो शाखाएँ मानते हैं:—(क) आजकी परिनिष्ठित हिन्दी, जिसकी हरियानी, जाटू तथा खड़ी बोलियाँ हैं। (ख) ब्रजभाषा, बुंदेली तथा कनौजी, इन तीन बोलियोंका समूह (दे०—the

languages of india, madras, प्रथम संस्करण)। अन्य दृष्टियोंकी तो बात ही और है, भाषा वैज्ञानिक दृष्टिसे भी इस मतको ठीक नहीं कहा जा सकता। हिन्दीके अंतर्गत १७ या १८ बोलियाँ शास्त्रीय या वैज्ञानिक दृष्टिसे भले न मानी जायें, किंतु आठ तो (पश्चिमी + पूर्वी) हैं ही। इसपर प्रश्नवाचक चिह्न नहीं लगाया जा सकता। (६) आज जब हम कहते हैं कि शिक्षाका माध्यम हिन्दी हो, या हिन्दी भारतकी राज्य या राष्ट्रभाषा है, तो हमारा आशय न तो १८ या १७ बोलियोंसे होता है और न ८ बोलियोंसे। हमारा आशय होता है, आजकी परिनिष्ठित हिन्दीसे, जो प्रमुखतः खड़ीबोलीपर आधारित है। यह हिन्दीका अविस्तृततम अर्थ है।

उपर्युक्त मतोंमें अधिक प्रचलित तथा मान्य मत तीन ही हैं। व्यावहारिक तथा सामान्य दृष्टिसे हिन्दी १७ बोलियोंके समूहका नाम है। हिन्दी साहित्यमें यही अर्थ लिया जाता है। दूसरा मत भाषा-वैज्ञानिक है, जिसके अनुसार पश्चिमी और पूर्वी हिन्दीकी आठ बोलियाँ हैं। तीसरा मत आधुनिक राज्यभाषा, शिक्षा, समाचार पत्र आदिसे है और जिसमें परिनिष्ठित हिन्दी ही हिन्दी है। अपने-अपने स्थानपर ये तीनों ही मत ठीक हैं।

इन्हीं तीनोंके आधारपर **हिन्दी-क्षेत्र** या **हिन्दी प्रदेश**का भी निर्धारण हो सकता है। प्रथमके अनुसार हिन्दी प्रदेश बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेशका कुछ भाग है। भारतीय संविधानमें प्रथम पाँच ही हिन्दी प्रदेश कहे गये हैं। भाषा वैज्ञानिक, अर्थात् दूसरे मतके अनुसार संबद्ध ८ बोलियों-का क्षेत्र ही हिन्दी प्रदेश है। तीसरे मतके अनुसार बोलीकी दृष्टिसे, खड़ीबोली-क्षेत्र हिन्दी प्रदेश है, किंतु भाषा (जो राष्ट्र या राज्य भाषा है) की दृष्टिसे एक प्रकारसे पूरा देश हिन्दी प्रदेश है।

हिन्दी भाषाके अंतर्गत कौन-कौनसी बोलियाँ सामान्यतः मानी जाती हैं, इनका उल्लेख ऊपर हो चुका है। उनकी संख्या १७ है। किंतु आज वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक दृष्टिसे ऐसा मानना बहुत समीचीन नहीं ज्ञात होता। इसके विरुद्ध दो बातें कही जा सकती हैं:—(१) जो-जो-बोलियाँ अलग अलग कही गयी हैं, उनमें सभी बोली कहलानेकी अधिकारिणी नहीं हैं। कुछ तो मात्र स्थानीय रूप हैं। (२) कुछ जैसे मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज आदि बोली न कही जाकर भाषा कहलानेकी अधिकारिणी हैं। ग्रियर्सनके नाम (बिहारी, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी आदि) काल्पनिक थे। उनको छोड़कर आजकी वस्तुस्थितिके संदर्भमें यह कहा जा सकता है कि हिन्दी प्रदेशकी प्रमुख भाषा आजकी **परिनिष्ठित हिन्दी** है। शेष भाषाएँ इस प्रदेशकी गौण भाषाएँ, अप्रमुख भाषाएँ या **उप-भाषाएँ** हैं, जिन्हें भूगोल तथा भाषाओंके आधारपर इस प्रकार विभाजित किया जा सकता है:

हिन्दी प्रदेशकी उप-भाषाओंके वर्ग :—

(१) **मागधी वर्ग**—मैथिली, मगही, भोजपुरी।

(२) **अर्द्धमागधी वर्ग**—अवधी, छत्तीसगढ़ी ('बघेली' स्वतंत्र न मानी जाकर अवधीकी एक बोली मानी जानी चाहिये)।

(३) **उत्तरी शौरसेनी वर्ग**—गढ़वाली, कुमायूंनी, शिमला वर्ग (इन बोलियोंके आधारमें तथाकथित खस अपभ्रंशकी कुछ बातें मिल सकती हैं, किंतु वस्तुतः इनकी अधिकांश बातें शौरसेनीकी ज्ञात होती हैं। इसीलिए इन्हें भी शौरसेनी माना गया है)।

(४) **माध्यमिक शौरसेनी वर्ग**—खड़ी बोली ('हरियानी' इसीकी एक बोली), ब्रज (कनौजी इसीकी एक बोली), बुंदेली, नीमाड़ी (इसे लोगोंने राजस्थानीके साथ रखा है, किंतु वस्तुतः यह पश्चिमी हिन्दीके निकट है)।

(५) **पश्चिमी शौरसेनी वर्ग**—मारवाड़ी (इसकी प्रमुख बोलियाँ ढटकी, थली, बीका-

नेरी, बागड़ी, शेखावाटी, मेवाड़ी, खैराड़ी, सिरोही, राठी, साँठ, गोड़वाड़ी, देवड़ावाटी आदि हैं), मेवाती—अहीरवाटी, ढूंढाड़ी (इसमें हाड़ौती, जैपुरी, काठेड़ा, राजावाटी, अजमेरी, किशनगढ़ी, चौरासी, नागरचाल आदि बोलियाँ हैं), मालवी (इसमें सोंधवाड़ी, रांगड़ी, होशंगाबादी आदि बोलियाँ आती हैं) तथा **भीली** ।

इस प्रकार हिन्दी प्रदेश भाषाकी दृष्टिसे ५ क्षेत्रोंमें विभक्त है और हिन्दीके अंतर्गत कुल १६ उप-भाषाएँ हैं। उर्दूको यहाँ अलग स्थान नहीं दिया गया है। वह अरबी-फारसीके बहुल शब्द प्रयोगोंपर आधारित हिन्दीकी एक शैली मात्र है ।

हिन्दी भाषा तथा उसकी उप-भाषाएँ अपभ्रंशके विभिन्न रूपोंसे प्रसूत हैं। (दे०) **अपभ्रंश** । जैसा कि ऊपरके वर्गीकरणसे स्पष्ट है हिन्दीका संबंध शौरसेनी, अर्द्धमागधी तथा मागधी अपभ्रंशसे है। शौरसेनीके पश्चिमी रूपसे भीली, मालवी, ढूंढाड़ी, मेवाती, मारवाड़ी आदि हैं, मध्यवर्ती रूपसे खड़ीबोली, ब्रज, बुंदेली तथा नीमाड़ी हैं, और उत्तरी रूपसे गढ़वाली-कुमायूँनी तथा शिमला वर्गकी बोलियाँ । अर्द्धमागधीसे अवधी, छत्तीसगढ़ी और मागधीसे मैथिली, मगही, भोजपुरी ।

हिन्दी भाषाका काल लगभग १००० ई०से प्रारंभ होता है । इसके इतिहासको भाषाकी दृष्टिसे ३ कालोंमें विभाजित किया जा सकता है। (क) **आदिकाल** (१०००-१५०० ई०)—यह हिन्दीका शैशवकाल है। इस कालकी हिन्दीमें अपभ्रंशके काफ़ी रूप मिलते हैं। साथ ही हिन्दीकी विभिन्न उप-भाषाओं एवं बोलियोंके रूप इस कालमें बहुत स्पष्ट तथा सुविकसित नहीं हैं। इसी कारण प्रायः साहित्यमें भाषाओंका मिश्रण जैसा मिलता है। अपभ्रंशसे हिन्दीने लगभग सभी ध्वनियाँ लीं, किंतु उसमें कुछ नयी ध्वनियोंका भी विकास हुआ । अपभ्रंशमें संयुक्त स्वर नहीं थे । हिन्दीमें ऐ और औ दो संयुक्त स्वर इस कालमें प्रयुक्त होने लगे । व्यंजनोंमें एक तो दंत्योष्ठ्य 'व' नया विकसित हो गया तथा दो उत्क्षिप्त ध्वनियाँ—ड़, ढ़—भी प्रयुक्त होने लगीं ।

कुछ ध्वनियोंके महाप्राण रूप भी विकसित हो गये,—र्ह, न्ह, म्ह, ल्ह आदि। शब्द समूहकी दृष्टिसे आदिकालीन हिन्दी अपभ्रंशसे वहुत भिन्न नहीं थी। उसमें तद्भव शब्द सर्वाधिक थे। तत्सम शब्द उससे कम तथा देशज उससे भी कम। अपभ्रंश तथा आदिकालीन हिन्दीके शब्द-भांडारमें विदेशी शब्दोंकी दृष्टिसे अवश्य अंतर मिलता है। अपभ्रंशमें अरबी-फ़ारसी-तुर्की शब्दोंकी संख्या सौ-से अधिक न होगी, किंतु हिन्दीके इस कालमें मुसलमानोंके बस जाने, एवं उनके शासनके कारण इन तीनों ही भाषाओंसे पर्याप्त शब्द आ गये । विदेशी शब्द प्रायः पहले उच्च वर्गमें आते हैं, फिर मध्यम वर्गमें और तब निम्न वर्गमें। इस कालमें

साहित्यमें प्रमुखतः डिंगल, मैथिली, दक्खिनी तथा मिश्रित रूपोंका प्रयोग मिलता है। इस कालके प्रमुख हिन्दी साहित्यकार गोरखनाथ, विद्यापति, नरपति नाल्ह, चंद वरदायी, कबीर, ख्वाज़ा बंदे नेवाज़, शाहमीराजी आदि हैं। 'हिन्दी' का प्रथम कवि कौन है, इस संबंधमें विवाद है। जहाँतक मुसलमानोंका संबंध है हिन्दवी या 'हिन्दी' के प्रथम कवि ख्वाज़ा मसऊद साद सलमान (र० का०, १०६६ ई०) हैं। इनके हिन्दवी-संग्रहकी चर्चा अमीर खुसरोने की है। इसकी भाषा प्राचीन पंजाबी मिश्रित हिन्दवी थी। (ख) **मध्यकाल** (१५००-१८००)—इस कालतक आते-आते हिन्दीका स्पष्ट स्वरूप निखर आया । उसकी प्रमुख बोलियाँ भी विकसित हो गयीं। अपभ्रंशके रूप समाप्त-प्राय हो गये और प्रायः हिन्दीके अपने रूप प्रयुक्त होने लगे। ध्वनियोंकी दृष्टिसे इस कालकी प्रमुख विशेषता यह है कि पढ़े लिखे लोगोंकी हिन्दीमें क़, ख़, ग़, ज़, फ़ ये पाँच व्यंजन ध्वनियाँ सम्मिलित हो गयीं। अरबी-

फ़ारसी शब्द तो आदिकालमें भी आये थे, किंतु इसी कालमें आकर वे पूर्णतः हमारे हुए। दरबारी भाषा फ़ारसी थी, अतः उच्च वर्गके लोग फ़ारसी पढ़ने लगे और अपनी भाषामें प्रयुक्त शब्दोंका प्रायः शुद्ध फ़ारसी जैसा उच्चारण करने लगे। इस शुद्ध उच्चारणके कारण ही उपर्युक्त पाँच व्यंजन ध्वनियाँ हिन्दीमें आयीं। शब्दोंकी दृष्टिसे कई उल्लेख्य बातें घटित हुईं। उस कालमें धर्मके प्रति लोग अधिक आस्थावान् हो गये, इसी कारण प्रमुख हिन्दी साहित्य, कम–से–कम इस युगके पूर्वार्द्धतक, धर्मपर लिखा गया। धर्मके कारण संस्कृतके धार्मिक ग्रंथोंका प्रचार हुआ। परिणाम यह हुआ कि आदिकालकी तुलनामें बहुत अधिक तत्सम शब्द भाषा, प्रमुखतः साहित्यिक भाषामें गृहीत हुए। आदिकालकी तुलनामें तद्भव और देशज शब्दोंका प्रयोग कुछ कम हुआ। उनका स्थान प्रायः तत्सम शब्दोंने ले लिया। अरबी-फ़ारसी-तुर्की शब्द इस कालमें और अधिक आ गये। हिन्दीमें इस समय, जो लगभग ३,५०० फ़ारसी, २,५०० अरबी तथा सौ-से कुछ कम तुर्की शब्द प्रयुक्त हो रहे हैं, ये प्रायः समीउस कालतक अपनी भाषामें आ चुके थे और धीरे-धीरे उच्चसे मध्यम और मध्यमसे निम्न-वर्गमें प्रवेश कर रहे थे। इस कालके उत्तरार्धमें यूरोपसे भी हमारा पर्याप्त संपर्क हो गया अतः १०० से कुछ कम पुर्तगाली, कुछ फ्रांसीसी एवं डच तथा कई सौ अंग्रेज़ी शब्द भी हिन्दीमें प्रविष्ट हो गये। धर्मकी प्रधानताके कारण राम-स्थानकी भाषा अवधी तथा कृष्ण-स्थानकी भाषा ब्रजमें ही विशेष साहित्य रचा गया। यों दक्खिनी, उर्दू, डिंगल, मैथिली और खड़ी बोलीमें भी साहित्य रचना हुई। इस कालके प्रमुख साहित्यकार जायसी, सूर. मीरा, तुलसी, केशव, बिहारी, देव, बुरहानुद्दीन, नुसरती, कुली कुतुबशाह, वज़ही, वली, मीर, इंशा, अनीस, दबीर, नासिख़ नासिक स्वामी प्राणनाथ आदि हैं। **(ग) आधुनिक काल** (१८००––अबतक) इस कालमें आकर हिन्दी भाषा पूर्ण विकसित हो गयी है। हिन्दीकी प्रमुख बोलियाँ इतनी विकसित हो गयी हैं कि वे अब बोली न रहकर उप-भाषाएँ हो गयी हैं और भाषा होनेके पथपर हैं। इस कालमें अंग्रेजीसे पर्याप्त शब्द आ गये हैं। सामान्य भाषामें भी उनकी संख्या तीन हज़ारके आसपास है। शिक्षाके प्रचार-प्रसारके कारण इधर संस्कृत शब्द बहुत अधिक आये हैं और बहुतसे पुराने तद्भव एवं देशज शब्द अप्रचलित हो गये हैं। भारतकी सगोत्रीय तथा अगोत्रीय दोनों ही वर्गकी भाषाओंसे हिन्दीने शब्द ग्रहण किये हैं और करती जा रही है। नये पारिभाषिक शब्दोंके निर्माणका कार्य भी चल रहा है और बातचीत साहित्य तथा पत्र-व्यवहारकी भाषा हिन्दी, अब विज्ञान आदि हर क्षेत्रके लिए एक सक्षम भाषा बनती जा रही है। साहित्यके क्षेत्रमें प्रमुखतः केवल खड़ी बोली-का प्रयोग चल रहा है। राजनीति-प्रधान युग होनेके कारण दिल्लीके पास ही भाषाको प्रमुखता मिलना स्वाभाविक ही है। परि-निष्ठित हिन्दीमें एक नयी ध्वनि आ गयी है––ऑ। इसका प्रयोग ऑफिस, कॉलिज आदि अंग्रेज़ी शब्दोंमें हो रहा है। जिस प्रकार फ़ारसीके शुद्ध उच्चारणके प्रयासमें मध्य युगमें हिन्दीने कई नये व्यंजन ग्रहण किये उसी प्रकार आधुनिक युगमें यह नया स्वर ग्रहण किया है। ध्वनिकी दृष्टिसे कुछ विकास भी दृष्टिगत हो रहा है। आदि कालमें हिन्दीने दो संयुक्त स्वर (ऐ, औ) को अपनाया था, अब ये ध्वनियाँ धीरे-धीरे संयुक्त स्वरके स्थानपर मूल स्वर होती जा रही हैं। ऐसा लगता है कि आगे चलकर ए-ऐ, ओ-औ में केवल संवृत-विवृतका भेद रह जायगा मूल-संयुक्तका नहीं। हिन्दीके आधुनिक साहित्यकारोंमें भारतेन्दु, महा-बीरप्रसाद, प्रसाद शुक्ल, निराला, पंत, ग़ालिब, मोमिन, जौक, दाग़, हाली, इकबाल,

जिगर, जोश, फ़िराक आदि प्रमुख हैं।

उर्दू हिन्दीकी एक शैली विशेष है। वस्तुतः हिन्दीकी इस समय प्रमुखतः तीन बोलियाँ चल रही हैं एक उर्दू, एक संस्कृतनिष्ठ हिन्दी, तथा एक बीचकी। आवश्यकता इस बातकी है कि बिना किसी पूर्वाग्रहके हिन्दी-उर्दूवाले, इस स्थितिको समझें और स्वीकार करें। हिन्दी साहित्यके इतिहासमें उर्दू साहित्यका या उर्दू साहित्यके इतिहासमें हिन्दी साहित्यका समन्वय किया जाना चाहिये। (दे० **हिन्दवी, उर्दू, हिन्दुस्तानी** (हिन्दीकी विभिन्न उप-भाषाओं, बोलियों आदिके लिए कोशमें' यथास्थान देखिये),

हिंदुरी (hinduri)—**हंडूरी** (दे०) का एक विकृत नाम।

हिन्दुस्तानी—'हिंदुस्तानी' नामकी व्युत्पत्ति स्पष्ट है। 'हिन्दु' (दे० हिन्दी) × फ़ारसी 'स्तान' (सं० स्थान) × ई (–की, वाली, संबद्ध)। किंतु, यह प्रश्न विवादास्पद है कि इसका प्रयोग कब हुआ। कुछ लोगोंका विचार है कि यह नाम यूरोपवालों, विशेषतः अंग्रेज़ोंका दिया है, किंतु वस्तुतः यह नाम और भी पुराना है और 'हिन्दी'की तरह ही इसका भी संबंध मुसलमानोंसे है। मुझे लगता है कि बाबरके पहलेसे यह नाम आ रहा है। आगे चलकर फ़रिश्ता (१७वीं सदी), टेरी (१६१६), वजही (१६३५), अमादुज्ज़ी (१७०४) तथा कैटलियर (१७१५) आदि अनेक लेखकोंने इस नामका प्रयोग किया। 'हिंदुस्तानी' नाम आजकी तरह, पहले भी विशेषण (हिंदुस्तानका) एवं संज्ञा (निवासी, भाषा) दोनों अर्थोंमें प्रयुक्त होता था। यों, अपने मूलमें यह शब्द विशेषण है। भाषाके अर्थमें हिंदुस्तानी'–का प्राचीन प्रयोग 'हिंदी'के अर्थमें हुआ है। बादमें १८वीं सदीके अंतमें यह मुसलमानों (केवल दक्षिणके या उत्तर-दक्षिण दोनोंके)-की भाषाके अर्थमें प्रयुक्त होने लगा। इस रूपमें यह 'उर्दू'का पर्याय बन गया। १९वीं सदीमें यह बात स्पष्टतः दिखायी पड़ती है। गार्साँ द तासीके इतिहासमें भी इसका यही अर्थ है। २०वीं सदीके तीसरे दशकमें हिंदी-मुस्लिम संघर्षके परिणामस्वरूप, उर्दू-हिंदीके विवादसे बचनेके लिए 'हिन्दुस्तानी'-को एक नये अर्थसे गर्भित किया गया। इसमें प्रमुख हाथ गाँधीजीका था। इस प्रकार हिंदुस्तानी हिंदी-उर्दूके बीचकी भाषा बन गयी, जिसमें दोनों भाषाओंकी सामान्य शब्दावली थी और कठिन अरबी, फ़ारसी, संस्कृत शब्दोंके लिए जिसमें कोई स्थान नहीं था। समय-समयपर 'हिंदुस्तानी' नामका प्रयोग 'दक्खिनी' या 'कौरवी'के लिए भी हुआ है। आज सरल कथा साहित्यकी हिंदी या उर्दू, वस्तुतः हिंदुस्तानीके बहुत निकट है।

हिऊ (hiu)—**हिओड** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हिओउ (hiou)—**शो** (दे०) का एक नाम।

हिट्टाइट लिपि—(दे०) **हित्ती लिपि**।

हिट्टाइट हीरोग्लाइफ़िक लिपि—**हित्ती लिपि** (दे०)का एक अन्य नाम।

हिडट्स (hidatsa)—**हिडट्स वर्ग** (दे०)-की एक प्रमुख अमेरिकी उत्तरी भाषा।

हिडट्स वर्ग (hidatsa group)—उत्तरी अमेरिकाके **सिऔक्स** (दे०) भाषा-परिवार-का एक वर्ग। इस वर्गमें दो प्रमुख भाषाएँ **हिडट्स** तथा **क्रोव** (दे०) हैं।

हित्ताइत—**हित्ती** (दे०) भाषाका एक नाम।

हित्ती (या **हित्ताइत**–hittite)–एक प्राचीन भाषा। ह्यूगो विंकलरको एशिया माइनरके 'बोगाज़कोई' नामक स्थानकी खुदाईमें कुछ कीलाक्षर लेख १८९३ई०में मिले, जिनसे 'हित्ती' भाषाका पता चला। इसे **हिट्टाइट, खत्ती, कप्पदोसी, हत्ती, कनेसिअन, नेसीय, नेसियन** तथा **नासिली** आदि भी कहते हैं। १९०५से १९०७तक यह खुदाई और भी हुई और पर्याप्त सामग्री कीलाक्षरके अतिरिक्त चित्रलिपि आदिमें भी मिली। यह भाषा २००० ई० पू०से १५०० ई० पू०–की मानी जाती है। इसे कुछ लोगोंने काकेशियनसे जोड़नेका प्रयास किया, कुछ लोगोंने

फ़ारसी शब्द तो आदिकालमें भी आये थे, किंतु इसी कालमें आकर वे पूर्णतः हमारे हुए। दरबारी भाषा फ़ारसी थी, अतः उच्च वर्गके लोग फ़ारसी पढ़ने लगे और अपनी भाषामें प्रयुक्त शब्दोंका प्रायः शुद्ध फ़ारसी जैसा उच्चारण करने लगे। इस शुद्ध उच्चारणके कारण ही उपर्युक्त पाँच व्यंजन ध्वनियाँ हिन्दीमें आयीं। शब्दोंकी दृष्टिसे कई उल्लेख्य बातें घटित हुईं। उस कालमें धर्मके प्रति लोग अधिक आस्थावान् हो गये, इसी कारण प्रमुख हिन्दी साहित्य, कम–से–कम इस युगके पूर्वार्द्धतक, धर्मपर लिखा गया। धर्मके कारण संस्कृतके धार्मिक ग्रंथोंका प्रचार हुआ। परिणाम यह हुआ कि आदिकालकी तुलनामें बहुत अधिक तत्सम शब्द भाषा, प्रमुखतः साहित्यिक भाषामें गृहीत हुए। आदिकालकी तुलनामें तद्भव और देशज शब्दोंका प्रयोग कुछ कम हुआ। उनका स्थान प्रायः तत्सम शब्दोंने ले लिया। अरबी-फ़ारसी-तुर्की शब्द इस कालमें और अधिक आ गये। हिन्दीमें इस समय, जो लगभग ३,५०० फ़ारसी, २,५०० अरबी तथा सौ-से कुछ कम तुर्की शब्द प्रयुक्त हो रहे हैं, ये प्रायः सभीउस कालतक अपनी भाषामें आ चुके थे और धीरे-धीरे उच्चसे मध्यम और मध्यमसे निम्न-वर्गमें प्रवेश कर रहे थे। इस कालके उत्तरार्धमें यूरोपसे भी हमारा पर्याप्त संपर्क हो गया अतः १०० से कुछ कम पुर्तगाली, कुछ फ्रांसीसी एवं डच तथा कई सौ अंग्रेज़ी शब्द भी हिन्दीमें प्रविष्ट हो गये। धर्मकी प्रधानताके कारण राम-स्थानकी भाषा अवधी तथा कृष्ण-स्थानकी भाषा ब्रजमें ही विशेष साहित्य रचा गया। यों दक्खिनी, उर्दू, डिंगल, मैथिली और खड़ी बोलीमें भी साहित्य रचना हुई। इस कालके प्रमुख साहित्यकार जायसी, सूर. मीरा, तुलसी, केशव, बिहारी, देव, बुरहानुद्दीन, नुसरती, कुली कुतुबशाह, वज़ही, वली, मीर, इंशा, अनीस, दबीर, नासिख नासिक स्वामी प्राणनाथ आदि हैं। (ग) आधुनिक काल (१८००--अबतक) इस कालमें आकर हिन्दी भाषा पूर्ण विकसित हो गयी है। हिन्दीकी प्रमुख बोलियाँ इतनी विकसित हो गयी हैं कि वे अब बोली न रहकर उप-भाषाएँ हो गयी हैं और भाषा होनेके पथपर हैं। इस कालमें अंग्रेजीसे पर्याप्त शब्द आ गये हैं। सामान्य भाषामें भी उनकी संख्या तीन हज़ारके आसपास है। शिक्षाके प्रचार-प्रसारके कारण इधर संस्कृत शब्द बहुत अधिक आये हैं और बहुतसे पुराने तद्भव एवं देशज शब्द अप्रचलित हो गये हैं। भारतकी सगोत्रीय तथा अगोत्रीय दोनों ही वर्गकी भाषाओंसे हिन्दीने शब्द ग्रहण किये हैं और करती जा रही है। नये पारिभाषिक शब्दोंके निर्माणका कार्य भी चल रहा है और बातचीत साहित्य तथा पत्र-व्यवहारकी भाषा हिन्दी, अब विज्ञान आदि हर क्षेत्रके लिए एक सक्षम भाषा बनती जा रही है। साहित्यके क्षेत्रमें प्रमुखतः केवल खड़ी बोली-का प्रयोग चल रहा है। राजनीति-प्रधान युग होनेके कारण दिल्लीके पास ही भाषाको प्रमुखता मिलना स्वाभाविक ही है। परिनिष्ठित हिन्दीमें एक नयी ध्वनि आ गयी है--ऑ। इसका प्रयोग ऑफिस, कॉलिज आदि अंग्रेज़ी शब्दोंमें हो रहा है। जिस प्रकार फ़ारसीके शुद्ध उच्चारणके प्रयासमें मध्य युगमें हिन्दीने कई नये व्यंजन ग्रहण किये उसी प्रकार आधुनिक युगमें यह नया स्वर ग्रहण किया है। ध्वनिकी दृष्टिसे कुछ विकास भी दृष्टिगत हो रहा है। आदि कालमें हिन्दीने दो संयुक्त स्वर (ऐ, औ) को अपनाया था, अब ये ध्वनियाँ धीरे-धीरे संयुक्त स्वरके स्थानपर मूल स्वर होती जा रही हैं। ऐसा लगता है कि आगे चलकर ए-ऐ, ओ-औ में केवल संवृत-विवृतका भेद रह जायगा मूल-संयुक्तका नहीं। हिन्दीके आधुनिक साहित्यकारोंमें भारतेन्दु, महावीरप्रसाद, प्रसाद शुक्ल, निराला, पंत, ग़ालिब, मोमिन, जौक, दाग़, हाली, इकबाल,

जिगर, जोश, फ़िराक आदि प्रमुख हैं ।

उर्दू हिन्दीकी एक शैली विशेष है। वस्तुतः हिन्दीकी इस समय प्रमुखतः तीन बोलियाँ चल रही हैं एक उर्दू, एक संस्कृतनिष्ठ हिन्दी, तथा एक बीचकी । आवश्यकता इस बातकी है कि बिना किसी पूर्वाग्रहके हिन्दी-उर्दूवाले, इस स्थितिको समझें और स्वीकार करें । हिन्दी साहित्यके इतिहासमें उर्दू साहित्यका या उर्दू साहित्यके इतिहासमें हिन्दी साहित्यका समन्वय किया जाना चाहिये ।(दे०) **हिन्दवी, उर्दू, हिन्दुस्तानी** (हिन्दीकी विभिन्न उप-भाषाओं, बोलियों आदिके लिए कोशमें' यथास्थान देखिये),

हिंदुरी (hinduri)—**हंडूरी** (दे०) का एक विकृत नाम ।

हिन्दुस्तानी—'हिंदुस्तानी' नामकी व्युत्पत्ति स्पष्ट है । 'हिन्दु' (दे० हिन्दी) × फ़ारसी 'स्तान' (सं० स्थान) × ई (—की, वाली, संबद्ध) । किंतु, यह प्रश्न विवादास्पद है कि इसका प्रयोग कब हुआ । कुछ लोगोंका विचार है कि यह नाम यूरोपवालों, विशेषतः अंग्रेज़ोंका दिया है, किंतु वस्तुतः यह नाम और भी पुराना है और 'हिन्दी'की तरह ही इसका भी संबंध मुसलमानोंसे है। मुझे लगता है कि बाबरके पहलेसे यह नाम आ रहा है । आगे चलकर फ़रिश्ता (१७वीं सदी), टेरी (१६१६), वजही (१६३५), अमादुज्ज़ी (१७०४) तथा कैटलियर (१७१५) आदि अनेक लेखकोंने इस नामका प्रयोग किया । 'हिंदुस्तानी' नाम आजकी तरह, पहले भी विशेषण (हिंदुस्तानका) एवं संज्ञा (निवासी, भाषा) दोनों अर्थोंमें प्रयुक्त होता था। यों, अपने मूलमें यह शब्द विशेषण है । भाषाके अर्थमें हिंदुस्तानी'-का प्राचीन प्रयोग 'हिंदी'के अर्थमें हुआ है। बादमें १८वीं सदीके अंतमें यह मुसलमानों (केवल दक्षिणके या उत्तर-दक्षिण दोनोंके)-की भाषाके अर्थमें प्रयुक्त होने लगा । इस रूपमें यह 'उर्दू'का पर्याय बन गया। १९वीं सदीमें यह बात स्पष्टतः दिखायी पड़ती है । गार्सां द तासीके इतिहासमें भी इसका यही अर्थ है । २०वीं सदीके तीसरे दशकमें हिंदी-मुस्लिम संघर्षके परिणामस्वरूप, उर्दू-हिंदीके विवादसे बचनेके लिए 'हिन्दुस्तानी'-को एक नये अर्थसे गर्भित किया गया । इसमें प्रमुख हाथ गाँधीजीका था । इस प्रकार हिंदुस्तानी हिंदी-उर्दूके बीचकी भाषा बन गयी, जिसमें दोनों भाषाओंकी सामान्य शब्दावली थी और कठिन अरबी, फ़ारसी, संस्कृत शब्दोंके लिए जिसमें कोई स्थान नहीं था। समय-समयपर 'हिंदुस्तानी' नामका प्रयोग 'दक्खिनी' या 'कौरवी'के लिए भी हुआ है। आज सरल कथा साहित्यकी हिंदी या उर्दू, वस्तुतः हिंदुस्तानीके बहुत निकट है।

हिऊ (hiu)—**हिओउ** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हिओउ (hiou)—**शो** (दे०) का एक नाम।

हिट्टाइट लिपि—(दे०) **हित्ती लिपि**।

हिट्टाइट हीरोग्लाइफ़िक लिपि—**हित्ती लिपि** (दे०)का एक अन्य नाम ।

हिडट्स (hidatsa)—**हिडट्स वर्ग** (दे०)-की एक प्रमुख अमेरिकी उत्तरी भाषा ।

हिडट्स वर्ग (hidatsa group)—उत्तरी अमेरिकाके **सिऔक्स** (दे०) भाषा-परिवार-का एक वर्ग । इस वर्गमें दो प्रमुख भाषाएँ **हिडट्स** तथा **क्रोव** (दे०) हैं ।

हित्ताइत—**हित्ती** (दे०)भाषाका एक नाम ।

हित्ती (या **हित्ताइत**—hittite)—एक प्राचीन भाषा। ह्यूगो विंकलरको एशिया माइनरके 'बोगाज़कोई' नामक स्थानकी खुदाईमें कुछ कीलाक्षर लेख १८९३ई०में मिले, जिनसे 'हित्ती' भाषाका पता चला। इसे **हिट्टाइट, खत्ती, कप्पदोसी, हत्ती, कनेसिअन, नेसीय, नेसियन** तथा **नासिली** आदि भी कहते हैं। १९०५से १९०७तक यह खुदाई और भी हुई और पर्याप्त सामग्री कीलाक्षरके अति-रिक्त चित्रलिपि आदिमें भी मिली । यह भाषा २०००ई० पू०से १५०० ई० पू०-की मानी जाती है। इसे कुछ लोगोंने काके-शियनसे जोड़नेका प्रयास किया, कुछ लोगोंने

लीसियनसे और कुछ लोगोंने लीडियनसे। इस भाषापर समीपवर्ती होनेके कारण सामी परिवारका बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है, इसीलिए सईस तथा कुछ अन्य लोगोंने यह भी विचार प्रकट किया था कि यह सामी परिवारकी भाषा है। कुछ विद्वानोंका यह भी कहना था कि इस भाषामें भारोपीय या सामी परिवारके शब्द तो गृहीत (उधार) मात्र हैं। यथार्थतः इसका सम्बन्ध किसी भी परिवारसे नहीं है। इसीलिए बहुत दिनोंतक इसे अनिश्चित परिवारकी भाषा भी कहा जाता रहा। १९१७में ज़ेक विद्वान् बी० ह्राज्नी (hrozny) ने विस्तृत अध्ययनके बाद अपनी पुस्तक 'die sprache der hethiter' में इसे निश्चित रूपसे भारोपीय परिवारकी सिद्ध किया। इसके बाद मेरिगी, स्टुर्टवेण्ट, कूव्रर तथा पीडर्सन आदि लगभग एक दर्जन विद्वानोंने इस भाषाके अध्ययनको अपनी पूर्णतापर पहुँचाया है। अब हित्ती भाषाको निश्चित रूपसे भारोपीयसे सम्बद्ध माना जाता है, और सामी प्रभावके कारण उससे भी कुछ साम्य रखनेवाली माना जाता है। किन्तु हित्तीके विवादकी समाप्ति केवल इसके परिवार-निर्धारणसे ही नहीं हो गयी। आरम्भमें लोगोंने संस्कृत, ग्रीक, लैटिनकी भांति इसे भारोपीय परिवारकी पुत्री माना और भारोपीयके दो वर्ग केन्तुम् और शतम्‌में इसे 'केन्तुम्'के अन्तर्गत स्थान दिया, किन्तु अब स्टुर्टवेंटकी यह मान्यता है कि इसकी ओर संकेत करनेका प्रथम श्रेय एमिल फ़ॉररको है। प्रायः सर्वमान्य-सी बात हो चली है कि 'हित्ती', भारोपीयकी पुत्री न होकर उसकी बहन थी। 'हित्ती'के **पुत्री** माने जानेपर स्थिति इस प्रकारकी थी—

भारोपीय

हित्ती ग्रीक भारत-ईरानी आदि
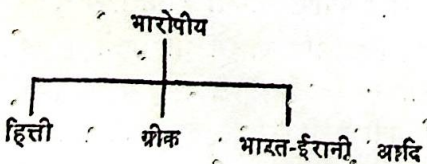
अब हित्तीके **बहन** माने जानेपर स्थिति इसतरहकी हो गयी—
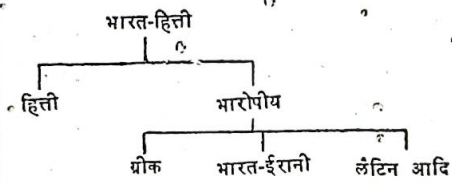
ऐसी स्थितिमें, जबतक इसे पुत्री माना जाता था, परिवारका नाम 'भारोपीय परिवार' हो सकता था, किन्तु जब 'हित्ती' भारोपीयकी बहिन मान ली गयी तो परिवार्का नाम स्वभावतः 'हित्ती'को भी प्रत्यक्षतः समाहित करनेवाला होना चाहिये, इसीलिए अब यह परिवार भारोपीयके स्थानपर भारत-हित्ती (indo-hittite) कहा जाता है। हित्तीकी वास्तविक स्थितिकी दृष्टिसे मैंने इस परिवारके एक अन्य नामका सुझाव दिया है। (दे०) **भारोपीय एनाटोलियन परिवार**।

हित्तीसे भारोपीय भाषाओंकी एकता सिद्ध करनेवाली कुछ प्रमुख बातें या समानताएँ यहाँ द्रष्टव्य हैं:—(१) बहुतसे वैदिक देवताओंके नाम हित्तीमें थोड़े परिवर्तनके साथ वर्तमान है। हित्ती शुरियश, संस्कृत सूर्यः; हि० मरुत्तश, सं० मरुतः; हि० ईन्दर, सं० इन्द्रः; हि० उरुवन, सं० वरुणः। (२) सर्वनामोंमें भी साम्य है। 'मैं'के लिए हि० उग्स, लैटिन ego, जर्मन ich; 'वह'के लिए हि० तत्; सं० तत्; 'कौन'-के लिए हि० कुइस्, लैटिन क्विस, सं० कः; 'क्या'के लिए हि० कुइद्, लैटिन क्विड, वैदिक कद्; (३) कुछ क्रिया रूप भी समान हैं। हि० एकुज़ि, लैटिन aqua; हि० इइआमि, सं० यामि; हि० इइअसि, सं० यासि; हि० नेयन्तिस, सं० नयन्ति। (४) संज्ञा शब्दोंमें भी समानता है। हि० वेदर, अंग्रेजी water, सं० उद; हि० केमन्ज, सं० हेमंत, ग्रीक cheima; हि० लमन्, सं० नामन्, लैटिन nomen। (५) सुबन्त, तिङन्तकी विभक्तियोंमें भी समानताएँ हैं।

हित्ती भाषाकी प्रमुख विशेषताएँ ये हैं: (क) हित्ती, ध्वनिकी तथा अन्य बहुत-सी दृष्टियोंसे लैटिनके समीप है, इसी कारण इसे 'केंतुम' वर्गकी भाषा माना जाता रहा है। (ख) इसके ध्वनि-समूहकी सबसे बड़ी विशेषता है एक (कुछ लोगोंके अनुसार दो) प्रकारकी ह ध्वनि, जो अन्य भारोपीय भाषाओंमें नहीं मिलती। म्, न् का वितरण भी इसका अपना है जो अन्य भारोपीय भाषाओंसे भिन्न है। (ग) इसमें कारक केवल छः हैं, अन्य भाषाओंकी तरह सात नहीं। (घ) हित्तीमें केवल दो लिंग हैं—पुलिंग और नपुंसक लिंग। यह इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें स्त्रीलिंग नहीं है। (ङ) वचन तीन थे, किन्तु द्विवचनका प्रयोग कम होता था, सभी शब्दोंके स्पष्ट बहुवचन नहीं हैं। (च) काल केवल दो थे—वर्तमान और भूत (preterite) (मूल क्रिया द्वारा)। अन्य सहायक क्रिया द्वारा बनते थे। (छ) क्रियार्थ भेद (mood) दो थे—निश्चयार्थ और आज्ञार्थ। (ज) क्रिया और संज्ञा दोनोंमें द्विरुक्ति (reduplication)-का प्रयोग पर्याप्त होता था। ऑकुआकस (मेंढक), काल-काल्टुरे (एक बाजा), काट्ट-काट एनु (नहाना) तथा लाह-लाह इनु (लड़ाना) आदि। (झ) अन्य ज्ञात प्राचीन भारोपीय भाषाओंकी तुलनामें यह कुछ दृष्टियोंसे अधिक विकसित थी, इसी कारण इसमें योगात्मकताके साथ अयोगात्मकता (निपात तथा सहायक क्रियाके प्रयोग) के लक्षण भी मिलते हैं।

साहित्यके नामपर हित्ती भाषामें केवल एक अश्वविद्या संबंधी पुस्तक है। (दे०) भारत-हित्ती परिवार तथा भारोपीय परिवार।

हित्ती-लिपि—इसे **हिट्टाइट लिपि** या **हिट्टाइट हीरोग्लाइफिक लिपि** भी कहते हैं। इसका प्रयोग १५०० ई० पू०से ६०० ई० पू०तक मिलता है। यह लिपि मूलतः चित्रात्मक थी, पर बादमें कुछ अंशोंमें भावात्मक तथा कुछ अंशोंमें ध्वन्यात्मक हो गयी थी। इसमें कुल ४१९ चिह्न मिलते हैं। इसे कभी दायेंसे बायें और कभी इससे उलटा लिखते थे। इसकी उत्पत्ति कुछ लोग मिस्री हीरोग्लाइफिकसे तथा कुछ लोग क्रीटकी चित्रात्मक लिपिसे मानते हैं। डॉ० डिरिंजरने इन मतोंका विरोध करते हुए इसे वहींकी उत्पत्ति माना है। उनके अनुसार केवल यह संभव है कि इसके आविष्कारकोंने इसके आविष्कारकी प्रेरणा मिस्रसे ली हो। तत्त्वतः इसकी उत्पत्तिके बारेमें सनिश्चय कुछ भी कहना कठिन है।

हित्ती हीरोग्लाइफ़िक लिपि—हित्ती (दे०) भाषाके लेखनमें प्रयुक्त **हीरोग्लाइफ़िक लिपि** (दे०)। इसका प्रयोग १५०० ई० पू०-के बाद, कुछ दिनोंतक मिलता है। इसकी उत्पत्तिके संबंधमें मतभेद है। कुछ लोग इसका संबंध **मिस्री हीरोग्लाइफ़िकसे** तथा कुछ क्रीटकी चित्रलिपिसे मानते हैं।

हिब्रू—उत्तरी पश्चिमी (दे०) **कैनानाइट** सामी भाषा। यह हिब्रू लोगोंकी भाषा है। इनका मूल क्षेत्र इसराइलके आसपास था। लगभग ओल्ड टेस्टामेंट (बाइबिलकी पुरानी पोथी) इसी भाषामें लिखी गयी है। हिब्रूका प्राचीनतम रूप १२वीं सदी ई० पू०में लिखित 'देबोराके गीत' (बाइबिलका एक अंश) रूपमें उपलब्ध है। बाइबिलकी हिब्रू **बिबलिकल हिब्रू** कहलाती है। यह भाषा आर्मेइक और फ़ोनीशियनसे बहुत निकट है। छठी सदीके बादसे हिब्रूका प्रयोग मात्र धार्मिक कार्योंतक सीमित हो गया और

बोलचालमें आर्मीयन प्रभावके कारण ज्यू लोगोंने (जो हिब्रू लोगोंकी मिश्र संतान हैं) आर्मेइकको अपना लिया। बिबलिकल हिब्रूके अतिरिक्त मिशनेइक हिब्रू (mishnaic hebrew), रैबिनिक हिब्रू (rabbinic hebrew) आदि भी इसके रूप मिलते हैं। इनमें प्रथम बिबलिकलके बादकी भाषा है। इसपर ग्रीक्, लैटिन, तथा आर्मेइकका प्रभाव पड़ा है। इसका प्रधान ग्रंथ 'म्शिनाह' है। दूसरी बादमें ज्यू कर्मकांडियों एवं पंडितों द्वारा प्रयुक्त मध्ययुगकी धार्मिक भाषा है। आधुनिक हिब्रू ज्यू पंडितोंकी भाषा है, हालाँकि उसका विभिन्न देशोंमें स्वरूप अलग-अलग है। हिब्रूमें साहित्य रचना पैलेस्तीन, स्पेन, अमेरिका आदि अनेक देशोंमें हुई है। स्पेनमें इसके साहित्यका स्वर्णकाल ९००-१२०० ई०तक है। प्राचीनकालसे लेकर आधुनिक कालतक इसमें धर्म, दर्शन, चिकित्सा तथा साहित्यके अनेकानेक ग्रंथ लिखे गये हैं और लिखे जा रहे हैं। (दे०) **इब्रिट**।

हिब्रू लिपि—हिब्रू भाषाकी लिपि। प्राचीन हिब्रू लिपि **कैनानाइट लिपि** (दे०)से तथा **परवर्ती हिब्रू** (दे०)लिपि आरमेइक लिपिसे निकली है। (दे०) **सामी लिपि**।

א ב ג ד ה ו ז ח

ט י כ ל מ נ ס ע

פ צ ק ר ש ש ת

[प्राचीन हिब्रू लिपि। ये क्रमशः अलेफ़, बेथ, गिमेल, दालेथ, हे, वाउ, ज़ायिन, केथ, तेथ, योद, काफ़, लामेद, मेम, नुन, समेख, ऐन, पे, साद, कोफ़, रेश, सीन, शीन, ताव हैं।]

हिरा गाना लिपि (hira gana)—**जापानी लिपि** (दे०)का एक रूप।

हिरोई-लम्गांग (hiroi lamgang)—मणिपुरमें प्रयुक्त एक प्राचीन कुकी भाषा। यह **चीनी-परिवार** (दे०)की तिब्बती-वर्मी भाषाओंकी असमी वर्मी शाखाके कुकी-चिन वर्गकी है। १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ७४४ थी।

हिस्पानी—**इस्पहानी** (दे०)का नाम।

ही—**लुङलकार** (दे०)का नाम।

हीरवाटी—**अहीरवाटी** (दे०)का नाम।

हीराटिक (hieratic) **लिपि**—हीराटिक (=**पवित्र लिपि**)एक प्राचीन लिपि है, जिसका प्रचार प्राचीन मिस्रमें था। यह नाम यूनानियों द्वारा दिया गया है।

हीरोग्लाइफ़िक हिट्टाइट—एक प्राचीन भाषाका नाम। (दे०) **भारोपीय-एनाटोलियन परिवार**।

हीरोग्लाइफ़िक लिपि (hieroglyphic writing)—एक प्राचीन लिपि। इसके अन्य नाम **गूढ़ाक्षर, बीजाक्षर, पवित्राक्षर,** या **पवित्र लिपि** भी हैं। इसे पहले **हीरो ग्लाइफ़िक ग्रामेटा** (hieros=पवित्र, glyphein=उत्कीर्ण करना, grammata=अक्षर) नाम यूनानियों द्वारा दिया गया।

प्राचीनकालमें मन्दिरकी दीवारोंपर लेख खोदनेमें इस लिपिका प्रयोग होता था। इसी आधारपर इसका यह नाम रखा गया। विद्वानोंका अनुमान है कि ४,००० ई० पू०में यह लिपि प्रयोगमें आ गयी थी। आरम्भमें यह **चित्र लिपि** (दे०) थी। बादमें भावमूलक लिपि हुई और फिर अक्षरात्मक हो गयी। सम्भवतः इसी लिपिमें अक्षरोंका सर्वप्रथम विकास हुआ। इस लिपिमें स्वर नहीं थे, केवल व्यंजन थे। पर ये व्यंजन ठीक आजके अर्थमें नहीं थे। एक ध्वनिके लिए कई चिह्न थे और साथ ही एक चिह्नका कई ध्वनियोंके लिए भी प्रयोग हो सकता था। सामनयतः यह दायेंसे बायेंको लिखी जाती थी, पर कभी-कभी इसके उलटे या एकरूपताके लिए दोनों ओर सेभी। हीरोग्लाइफ़िक लिपिके घसीट लिखे जानेवाले रूपका नाम **हीराटिक** है।जो पहले ऊपरसे नीचेको और बादमें दायेंसे बायेंको लिखी जाने लगी थी। इसका बादमें एक और भी घसीट रूप विकसित हो गया, जिसकी संज्ञा **डेमाटिक** है। यह दायेंसे बायेंको लिखी जाती थी। हीरोग्लाइफ़िक लिपिका प्रयोग ४०००ई० पू०-

से छठीं ई०तक, हीराटिकका २०००ई०पू०-से ३री सदीतक तथा डेमोटिकका ७वीं सदी ई० पू०से ५वीं सदीतक मिलता है। इस लिपिका प्रयोग प्राचीन मिस्रमें मिलता है, इसीलिए इसे **मिस्री हीरोग्लाइफिक** भी कहते हैं।

१ २ ३

१के नीचे कुछ हीरोग्लाइफ़िक अक्षर हैं। उनके साथ २के नीचे हीराटिक तथा ३के नीचे डेमोटिक अक्षर दिये गये हैं।

हीर्वाटी—**अहीरवाटी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हुंगेरियन—हंगरी तथा आसपासके देशोंकी भाषा। इसे मजियार भी कहते हैं। यह **यूराल अल्ताइक** (दे०)की यूराली शाखाकी है। इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,२०,००,०००-से कुछ ऊपर है। इसमें साहित्य १२वीं सदीसे कुछ पूर्वसे ही मिलता है। इसकी एक बोली **स्कांगो** (दे०) है, जो रूसी और रुमानियनसे प्रभावित है।

हुंडवाड़ी (hundwari)—**सोंडवाड़ी** (दे०)-का एक स्थानीय नाम।

हुअनकयो (huancayo)—दक्षिणी अमेरिकाके **किचुआ** (दे०) परिवारकी एक दक्षिणी अमेरीकी भाषा।

हुअरी (huari)—**दक्षिणी अमरीकी वर्ग** (दे०)का एक भाषा-परिवार। इसकी प्रमुख भाषा इसी नामकी है।

हुअल्गो (hualngo)—**शुन्कल** (दे०)का एक रूप।

हुअवे (huave)—मध्य अमेरिकाके **मिक्से-जोको** (दे०) भाषा परिवारकी एक भाषा।

हुअस्टेक (huastek)—मध्य अमरिकाके **हुअस्टेक वर्ग** (दे०)की प्रमुख भाषा।

हुअस्टेक वर्ग (huastek group)—**भय** (दे०)परिवारका एक भाषा-वर्ग। इस वर्गकी प्रमुख भाषा **हुअस्टेक** तथा इसकी प्रमुख बोली **चिकोमुसेल्टेक** है।

हुआर्पे (huarpe)—दक्षिणी अमरिकाकी **अलेन्-टिअक परिवार** (दे०)की एक विलुप्त भाषा। इसकी एक और भाषाका नाम अलेन्टिअक है।

हुइचोल (huichol)—**पिमा-सोनोर** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

हुज्वारेश—**पहलवी**का एक रूप। (दे०) **ईरानी**।

हुनिया (huniya)—**तिब्बती** (दे०)का एक अन्य नाम।

हुमै (humai)—**पलौंग** (दे०)का एक उत्तरी शान (वर्मा) प्रांतमें प्रयुक्त रूप।

हुरोन (huron)—**इरोक़ोइस** (दे०) परिवारकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। इसका एक अन्य नाम **व्यनडोट** भी है।

हुर्किली (hurqili)—काकेशस परिवार-की एक दर्गी बोली।

हुलन (hulan)—**पलौंग** (दे०)का एक रूप।

हुलिचे (huiliche)—दक्षिणी अमरिकाके **अरौकन** (दे०) परिवारकी एक भाषा। इसका एक अन्य नाम कुंको है।

हुसेइन (husein)—**पलौंग**की **पले** (दे०)बोली का उत्तरी शान प्रांतमें प्रयुक्त एक रूप। वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,६८२ थी।

हूअची (huachi)—(दे०) परिवारकी एक प्रमुख दक्षिणी अमेरिकी भाषा। इसको **चपकुरा** भी कहते हैं।

हूणलिपि—बौद्ध ग्रंथ 'ललित विस्तर'में दी गयी ६४ लिपियोंमें-से एक।

हूपा (hupa)—**पैसिफ़िक** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

हूरिअन—उत्तरी मेसोपोटामियाकी एकबोली। (दे०) **सुबरेअन**

हृत्स्पंद (chest pulse)—हृदयका एक स्पंद

बोलचालमें आर्मीयन प्रभावके कारण ज्यू लोगोंने (जो हिब्रू लोगोंकी मिश्र संतान हैं) आर्मेइकको अपना लिया। बिबलिकल हिब्रूके अतिरिक्त मिशनेइक हिब्रू (mishnaic hebrew), रैबिनिक हिब्रू (rabbinic hebrew) आदि भी इसके रूप मिलते हैं। इनमें प्रथम बिबलिकलके बादकी भाषा है। इसपर ग्रीक, लैटिन, तथा आर्मेइकका प्रभाव पड़ा है। इसका प्रधान ग्रंथ 'मिश्नाह' है। दूसरी बादमें ज्यू कर्मकांडियों एवं पंडितों द्वारा प्रयुक्त मध्ययुगकी धार्मिक भाषा है। आधुनिक हिब्रू ज्यू पंडितोंकी भाषा है, हालाँकि उसका विभिन्न देशोंमें स्वरूप अलग-अलग है। हिब्रूमें साहित्य रचना पैलेस्तीन, स्पेन, अमेरिका आदि अनेक देशोंमें हुई है। स्पेनमें इसके साहित्यका स्वर्णकाल ९००-१२०० ई०तक है। प्राचीनकालसे लेकर आधुनिक कालतक इसमें धर्म, दर्शन, चिकित्सा तथा साहित्यके अनेकानेक ग्रंथ लिखे गये हैं और लिखे जा रहे हैं। (दे०) **इब्रिट**।

हिब्रू लिपि—हिब्रू भाषाकी लिपि। प्राचीन हिब्रू लिपि **कैनानाइट लिपि** (दे०)से तथा **परवर्ती हिब्रू** (दे०)लिपि आरमेइक लिपिसे निकली है। (दे०) **सामी लिपि**।

א ב ג ד ה ו ז ח

ט י כ ל מ נ ס ע

פ צ ק ר ש ש ת

[प्राचीन हिब्रू लिपि। ये क्रमशः अलेफ़, बेथ, गिमेल, दालेथ, हे, वाउ, ज़ायिन, केथ, तेथ, योद, काफ़, लामेद, मेम, नुन, समे ख, ऐन, पे, साद, कोफ़, रेश, सीन, शीन, ताव हैं।]

हिरा गाना लिपि (hira gana)—**जापानी लिपि** (दे०)का एक रूप।

हिरोई-लम्गांग (hiroi lamgang)—मणिपुरमें प्रयुक्त एक प्राचीन कुकी भाषा। यह **चीनी-परिवार** (दे०)की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी बर्मी शाखाके कुकी-चिन वर्गकी है। १९२१की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ७४४ थी।

हिस्पानी—**इस्पहानी** (दे०)का नाम।

ही—**लुङ्लकार** (दे०)का नाम।

हीरवाटी—**अहीरवाटी** (दे०)का नाम।

हीराटिक (hieratic) **लिपि**—हीराटिक (=**पवित्र लिपि**)एक प्राचीन लिपि है, जिसका प्रचार प्राचीन मिस्रमें था। यह नाम यूनानियों द्वारा दिया गया है।

हीरोग्लाइफ़िक हिट्टाइट—एक प्राचीन भाषाका नाम। (दे०) **भारोपीय-एनाटोलियन परिवार**।

हीरोग्लाइफ़िक लिपि (hieroglyphic writing)—एक प्राचीन लिपि। इसके अन्य नाम **गूढ़ाक्षर, बीजाक्षर, पवित्राक्षर,** या **पवित्र लिपि** भी हैं। इसे पहले **हीरो ग्लाइफ़िक ग्रामेटा** (hieros=पवित्र, glyphein = उत्कीर्ण करना, grammata=अक्षर) नाम यूनानियों द्वारा दिया गया।

प्राचीनकालमें मन्दिरकी दीवारोंपर लेख खोदनेमें इस लिपिका प्रयोग होता था। इसी आधारपर इसका यह नाम रखा गया। विद्वानोंका अनुमान है कि ४,००० ई० पू०-में यह लिपि प्रयोगमें आ गयी थी। आरम्भमें यह **चित्र लिपि** (दे०) थी। बादमें भावमूलक लिपि हुई और फिर अक्षरात्मक हो गयी। सम्भवतः इसी लिपिमें अक्षरोंका सर्वप्रथम विकास हुआ। इस लिपिमें स्वर नहीं थे, केवल व्यंजन थे। पर ये व्यंजन ठीक आजके अर्थमें नहीं थे। एक ध्वनिके लिए कई चिह्न थे और साथ ही एक चिह्नका कई ध्वनियोंके लिए भी प्रयोग हो सकता था। सामनयतः यह दायेंसे बायेंको लिखी जाती थी, पर कभी-कभी इसके उलटे या एकरूपताके लिए दोनों ओर सेभी। हीरोग्लाइफ़िक लिपिके घसीट लिखे जानेवाले रूपका नाम **हीराटिक** है। जो पहले ऊपरसे नीचेको और बादमें दायेंसे बायेंको लिखी जाने लगी थी। इसका बादमें एक और भी घसीट रूप विकसित हो गया, जिसकी संज्ञा **डेमाटिक** है। यह दायेंसे बायेंको लिखी जाती थी। हीरोग्लाइफ़िक लिपिका प्रयोग ४०००ई० पू०-

से छठीं ई०तक, हीराटिकका २०००ई०पू०-से ३री सदीतक तथा डेमोटिकका ७वीं सदी ई० पू०से ५वीं सदीतक मिलता है। इस लिपिका प्रयोग प्राचीन मिस्रमें मिलता है, इसीलिए इसे **मिस्री हीरोग्लाइफिक** भी कहते हैं।

१के नीचे कुछ हीरोग्लाइफ़िक अक्षर हैं। उनके साथ २के नीचे हीराटिक तथा ३के नीचे डेमोटिक अक्षर दिये गये हैं।

हीर्वाटी—**अहीरवाटी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

हुंगेरियन—हंगरी तथा आसपासके देशोंकी भाषा। इसे मजियार भी कहते हैं। यह **यूराल अल्ताइक** (दे०)की यूराली शाखाकी है। इसके बोलनेवालोंकी संख्या १,२०,००,०००-से कुछ ऊपर है। इसमें साहित्य १२वीं सदीसे कुछ पूर्वसे ही मिलता है। इसकी एक बोली **स्कांगो** (दे०) है, जो रूसी और रुमानियनसे प्रभावित है।

हुंडवाड़ी (hundwari)—**सोंडवाड़ी** (दे०)-का एक स्थानीय नाम।

हुअनकयो (huancayo)—दक्षिणी अमेरिकाके **किचुआ** (दे०) परिवारकी एक दक्षिणी अमेरीकी भाषा।

हुअरी (huari)—**दक्षिणी अमरीकी वर्ग** (दे०)का एक भाषा-परिवार। इसकी प्रमुख भाषा इसी नामकी है।

हुअल्गो (hualngo)—**शुन्कल** (दे०)का एक रूप।

हुअवे (huave)—मध्य अमेरिकाके **मिक्से-जोको** (दे०) भाषा परिवारकी एक भाषा।

हुअस्टेक (huastek)—मध्य अमरिकाके **हुअस्टेक वर्ग** (दे०)की प्रमुख भाषा।

हुअस्टेक वर्ग (huastek group)—**भय** (दे०)परिवारका एक भाषा-वर्ग। इस वर्गकी प्रमुख भाषा **हुअस्टेक** तथा इसकी प्रमुख बोली **चिकोमुसेल्टेक** है।

हुआर्पे (huarpe)—दक्षिणी अमरिकाकी **अलेन्-टिअक परिवार** (दे०)की एक विलुप्त भाषा। इसकी एक और भाषाका नाम अलेन्टिअक है।

हुइचोल (huichol)—**पिमा-सोनोर** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

हुज्वारेश—**पहलवी**का एक रूप। (दे०) **ईरानी**।

हुनिया (huniya)—**तिब्बती** (दे०)का एक अन्य नाम।

हुमै (humai)—**पलौंग** (दे०)का एक उत्तरी शान(वर्मा)प्रांतमें प्रयुक्त रूप।

हुरोन (huron)—**इरोक़ोइस** (दे०) परिवारकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। इसका एक अन्य नाम **व्यन्डोट** भी है।

हुर्किली (hurqili)—काकेशस परिवार-की एक दर्ग्वी बोली।

हुलन (hulan)—**पलौंग** (दे०)का एक रूप।

हुलिचे (huiliche)—दक्षिणी अमरिकाके **अरौकन** (दे०) परिवारकी एक भाषा। इसका एक अन्य नाम कुंको है।

हुसेइन (husein)—**दलौंगकी पले** (दे०)बोली का उत्तरी शान प्रांतमें प्रयुक्त एक रूप। बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या १,६८२ थी।

हूअची (huachi)—(दे०) परिवारकी एक प्रमुख दक्षिणी अमेरिकी भाषा। इसको **चपकुरा** भी कहते हैं।

हूणलिपि—बौद्ध ग्रंथ 'ललित विस्तार'में दी गयी ६४ लिपियोंमें-से एक।

हूपा (hupa)—**पैसिफ़िक** (दे०) वर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा।

हूरिअन—उत्तरी मेसोपोटामियाकी एकबोली। (दे०) **सुबरेअन**

हृत्स्पंद (chest pulse)—हृदयका एक स्पंद

या धड़कन । (दे०) **अक्षर** ।

हेट (het)—**दक्षिणी अमरीकी वर्ग** (दे०)-का एक भाषा-परिवार । इस परिवारकी प्रमुख भाषाएँ **चेचंहेट** तथा **डियिहेट** थीं । अब इस परिवारकी भाषाएँ विलुप्त हो चुकी हैं ।

हेतुवाचक क्रियाविशेषण—(दे० **क्रियाविशेषण** ।

हेतुहेतुमद्भूत—(दे०) **काल** ।

हेने—अफ्रीकाकी एक भाषा जो बाँटू परिवारकी है ।

हेमी (hemi)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार ऊपरी छिंदविन जिलेमें प्रयुक्त एक **नागा** (दे०) भाषा । इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ४,००० थी ।

हेरेरो (herero)—**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा । इस भाषाका क्षेत्र दक्षिणी अफ्रीकामें कालाहरी रेगिस्तान तथा जंबज़ीके पश्चिममें है ।

हेलेनिक—(दे०) **ग्रीक** ।

हेहे (hehe)—**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा । इस भाषाका क्षेत्र विक्टोरिया, टेंगेनिका तथा न्यासा झीलोंके बीचमें है ।

हैजोंग (haijong)—**बंगाली** (दे०)की, पूर्वीय बोलीका, सिलहट तथा मेमन सिंहमें प्रयुक्त एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ५,०००-के लगभग थी ।

हैडा (haida)—(१) एक उत्तरी अमेरिकी भाषा-वर्ग । (दे०) **ना-डेने** । (२) हैडावर्ग-की एक प्रमुख भाषा ।

हैडावर्ग (haida)—उत्तरी अमेरिकाके **ना-डेने** (दे०) भाषा-परिवारका एक वर्ग । इस वर्गको **स्किट्टागेटन** भी कहते हैं । इस वर्गकी प्रमुख भाषाएँ **हैडा** तथा **कैगनी** हैं और प्रमुख बोलियाँ हैं, **स्किड्गेट** तथा **मस्सेट** ।

हैदलारादी—१८९१की बंबई जनगणनाके अनुसार हैदराबादमें प्रयुक्त **उर्दू** (दे०)-का एक रूप

हैमिटिकपरिवार—अफ्रीकाका एक भाषा-परिवार । इसे **हामी** परिवार भी कहते हैं । उत्तरी अफ्रीकाके संपूर्ण प्रदेशमें यह फैला हुआ है । इसके कुछ बोलनेवाले मध्य और दक्षिणी अफ्रीका तक पहुँच गये हैं, अतः उत्तरी अफ्रीकाके अतिक्ति छिट-फुट कुछ अन्य छोटे-छोटे प्रदेशोंमें भी इस परिवारकी भाषाएँ पायी जाती हैं । इंजीलकी पौराणिक-कथाके अनुसार नौहके दूसरे पुत्र हैम अफ्रीकाके कुछ लोगोंके आदि पुरुष माने जाते हैं । इन्हींके नामपर इस कुलका नाम 'हैमिटिक' पड़ा है । इस परिवारकी बहुत-सी भाषाएँ अब नष्ट हो चुकी हैं और अब उन क्षेत्रोंमें सेमिटिक परिवारकी भाषाओंने अपना आधिपत्य जमा लिया है । इसे अब प्रायः **हैमिटो-सेमेटिक** (दे०) परिवारका एक उप-परिवार माना जाता है । **सेमिटिक परिवार** (दे०)-से इससे बहुत साम्य है । हैमिटिक परिवारकी कुछ भाषाओंमें धार्मिक साहित्य तथा पुराने शिलालेख मिलते हैं । इस परिवारकी अधिकतर वर्तमान बोलियाँ अन्य परिवारोंसे प्रभावित हैं । हौसा (मध्य अफ्रीकाकी राष्ट्रभाषा) जिसका नाम हम लोग सूडान परिवारके अन्तर्गत ऊपर ले चुके हैं, कुछ विद्वानोंके अनुसार इसी कुलकी है और सूडानी परिवारसे अधिक प्रभावित होनेके कारण ही सूडानी ज्ञात होती है । **हैमिटिक परिवारकी प्रमुख विशेषताएँ**—(१) इस परिवारकी भाषाएँ श्लिष्ट. योगात्मक है । (२) पद बनानेके लिए इन भाषाओंमें प्रत्यय और उपसर्ग दोनों ही लगाये जाते हैं, पर ऐसा केवल क्रिया-के ही सम्बन्धमें होता है । संज्ञामें प्रत्यय ही लगाये जाते हे । (३) इन भाषाओंमें स्वर परिवर्तन मात्रसे अर्थ परिवर्तित हो जाता है । जैसे 'गल्'का अर्थ होता है 'भीतर जाना', पर 'गेलि'का अर्थ होता है 'भीतर रखना' है । (४) जोर देनेके लिए इनमें पुनरुक्तिका प्रयोग किया जाता है । 'लब'का अर्थ 'मोड़ना' होता है, पर बार-बार मोड़नेके लिए 'लब्-लब्'का प्रयोग होता है । इसी प्रकार गोइ (काटना) और गोगोइ (बार-बार काटना) भी हैं । (५) इन भाषाओंमें क्रियामें रूपोंसे ठीक-ठीक कालका बोध नहीं होता, बल्कि

पूर्णता और अपूर्णताका बोध होता है। समयका ठीक बोध करानेके लिए अन्य सहायक शब्दोंकी शरण लेनी पड़ती है। (६) इस परिवारमें लिंगभेद 'नर' और 'मादा' पर आधारित नहीं है, पर साथ ही वह भारोपीय भाषाओंकी भांति बहुत अव्यवस्थित भी नहीं है। सामान्यतः बड़ी और बली वस्तुएँ पुलिंग समझी जाती हैं और इसके उलटे निर्बल और छोटी स्त्रीलिंग। प्यार करने योग्य तथा कोमल वस्तुएँ भी स्त्रीलिंग मानी जाती हैं। तलवार, कड़ी और मोटी घास, चट्टान तथा हाथी आदि पुलिंग हैं, पर चाकू, नरम और पतली घास, पत्थरके टुकड़े तथा छोटे-छोटे जानवर स्त्रीलिंग हैं। इन भाषाओंके अधिकतर पुलिंग शब्द कण्ठ-ध्वनिसे आरम्भ होते हैं और स्त्रीलिंग दंत्य ध्वनिसे। इथिओपिक शाखाकी गल्ला और सोमाली भाषाओंमें यह बात विशेष रूपसे पायी जाती है। नामा आदि भाषाओंमें अन्तकी ध्वनिसे लिङ्भेद होता है। कुछ भाषाओंमें अन्य नियम भी हैं, किन्तु 'त' ध्वनि स्त्रीलिंगके चिह्नके रूपमें पूरे परिवारमें प्रचलित है। (७) बहुवचन बनानेके यहाँ कई तरीके हैं, साथ ही बहुवचनके समूहात्मक और असमूहात्मक आदि कई भेद भी हैं। लिसा (=आँसू, एकवचन), लिस् (=आँसूका असमूहात्मक बहुवचन) और ळिस्से (=आँसूका समूहात्मक बहुवचन)। छोटे पदार्थ या कीड़े आदि बहुवचन समझे जाते हैं। उनको एकवचनमें लानेके लिए प्रत्यय जोड़ने पड़ते हैं। ऊपर हम लोग लिस् और लिसा देख चुके हैं। बिल् (पतिगे) औरबिला (पतिंगा) भी उदाहरण स्वरूप लिये जा सकते हैं। इस परिवारकी केवल 'नामा' भाषामें द्विवचन हैं। (८) यहाँकी सबसे विचित्र और अभूतपूर्व विशेषता यह है कि संज्ञा वचनमें परिवर्तन होनेपर लिंगमें भी परिवर्तित हुई समझी जाती है। अर्थात् किसी एकवचन पुलिंग संज्ञाको बहुवचन बनाते हैं, तो लिंगके विचारसे वह स्त्रीलिंग हो जाती है। इसे नियमको भाषा-वैज्ञानिकोंने **ध्रुवाभिमुख नियम** (दे०) कहा है। इसके अनुसार माता स्त्रीलिंग है, पर माताएँ पुलिंग और इसी प्रकार शेर पुलिंग है, पर कई शेर स्त्रीलिंग। इसे, (१) **कुशिटिक** (सोमाली, गल्ला, कफ़ा, खामिर, बंझाला, साहो खाम्ता आदि); (२) **मिस्री** (पुरानी मिस्री तथा कॉप्टिक आदि) तथा (३) **लिबियो बर्बर** (मृत भाषा लिबिअन, तमशेक तथा बर्बर, जिसमें तुआरेग, श्लुह, कबिल, जेनागा ज़नेटे तथा मृत भाषा गुआंचे आदि हैं), इन तीन वर्गोंमें प्रायः बाँटा जाता है। पुराना वर्गीकरण कुछ और ढंगका मिलता है।

हैमिटो-सेमिटिक—एक भाषा परिवार, जिसकी **हैमिटिक** और **सेमिटिक** दो शाखाएँ हैं। पहले इन दोनोंका अलग-अलग परिवार माना जाता था, किंतु अब प्रायः इन्हें एक परिवारकी दो शाखाएँ या उपपरिवार माना जाता है। इस परिवारको **हामी-सामी** भी कहते हैं। (दे०) **हैमिटिक परिवार**, **सेमिटिक परिवार**।

हो—(१) **कुरुख** (दे०) का एक भ्रमवश पड़ा हुआ नाम। (२) **खेरवारी** (दे०) की सिंहभूमि तथा मानभूमिमें प्रयुक्त एक बोली। १९२१ की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ४,४७,८६२ थी। इसे **कोल** भी कहते हैं।

होक (hoka)—**उत्तरी अमरीकी वर्ग** (दे०) का मेक्सिको आदिमें प्रयुक्त एक भाषा-परिवार। इसे **होकन** (hokan) कहते हैं। इसका क्षेत्र कैलिफ़ोर्निया है इस परिवारमें लगभग ४२ भाषाएँ हैं, तथा बहुतसी बोलियाँ हैं जिनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं, **शस्ता,-चिमरिको,** (दे०), **करोक, यन, पोमो एस्सेलेन** (दे०) **यूम** (दे०) **सलिंन** (दे०), **चुमश** (दे०) **सेरी, वशो, टेकिस्ट्लटेक** और **कोअहुइल्तेक** (दे०)।

होज़ी—**नव एलामाइट** (दे०) भाषा।

होजै (hojai)—**दीमासा** (दे०) की असममें प्रयुक्त एक बोली। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या २,७५० के थी।

या धड़कन । (दे०) **अक्षर** ।

हेट (het)—**दक्षिणी अमरीकी वर्ग** (दे०)-का एक भाषा-परिवार । इस परिवारकी प्रमुख भाषाएँ **चेचंहेट** तथा **डियिहेट** थीं । अब इस परिवारकी भाषाएँ विलुप्त हो चुकी हैं ।

हेतुवाचक क्रियाविशेषण—(दे० **क्रियाविशेषण** ।

हेतुहेतुमद्भूत—(दे०) **काल** ।

हेने—अफ्रीकाकी एक भाषा जो बाँटू परिवारकी है ।

हेमी (hemi)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार ऊपरी छिंदविन जिलेमें प्रयुक्त एक **नागा** (दे०) भाषा । इसके बोलनेवालोंकी संख्या लगभग ४,००० थी ।

हेरेरो (herero)—**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा । इस भाषाका क्षेत्र दक्षिणी अफ्रीकामें कालाहरी रेगिस्तान तथा जंबज़ीके पश्चिममें है ।

हेलेनिक—(दे०) **ग्रीक** ।

हेहे (hehe)—**बांटू** (दे०) परिवारकी एक अफ्रीकी भाषा । इस भाषाका क्षेत्र विक्टोरिया, टैंगेनिका तथा न्यासा झीलोंके बीचमें है ।

हैजोंग (haijong)—**बंगाली** (दे०)की, पूर्वीय बोलीका, सिलहट तथा मेमन सिंहमें प्रयुक्त एक रूप । ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ५,०००-के लगभग थी ।

हैडा (haida)—(१) एक उत्तरी अमेरिकी भाषा-वर्ग । (दे०) **ना-डेने** । (२) हैडावर्ग-की एक प्रमुख भाषा ।

हैडावर्ग (haida)—उत्तरी अमेरिकाके **ना-डेने** (दे०) भाषा-परिवारका एक वर्ग । इस वर्गको **स्किट्टागेटन** भी कहते हैं । इस वर्गकी प्रमुख भाषाएँ **हैडा** तथा **कैगनी** हैं और प्रमुख बोलियाँ हैं, **स्किड्गेट** तथा **मस्सेट** ।

हैदलारादी—१८९१की बंबई जनगणनाके अनुसार हैदराबादमें प्रयुक्त **उर्दू** (दे०)-का एक रूप

हैमिटिकपरिवार—अफ्रीकाका एक भाषा-परिवार । इसे **हामी** परिवार भी कहते हैं । उत्तरी अफ्रीकाके संपूर्ण प्रदेशमें यह फैला हुआ है । इसके कुछ बोलनेवाले मध्य और दक्षिणी अफ्रीका तक पहुँच गये हैं, अतः उत्तरी अफ्रीकाके अतिक्ति छिट-फुट कुछ अन्य छोटे-छोटे प्रदेशोंमें भी इस परिवारकी भाषाएँ पायी जाती हैं । इंजीलकी पौराणिक-कथाके अनुसार नौहके दूसरे पुत्र हैम अफ्रीकाके कुछ लोगोंके आदि पुरुष माने जाते हैं । इन्हींके नामपर इस कुलका नाम 'हैमिटिक' पड़ा है । इस परिवारकी बहुत-सी भाषाएँ अब नष्ट हो चुकी हैं और अब उन क्षेत्रोंमें सेमिटिक परिवारकी भाषाओंने अपना आधिपत्य जमा लिया है । इसे अब प्रायः **हैमिटो-सेमेटिक**(दे०) परिवारका एक उप-परिवार माना जाता है । **सेमिटिक परिवार** (दे०)-से इससे बहुत साम्य है । हैमिटिक परिवारकी कुछ भाषाओंमें धार्मिक साहित्य तथा पुराने शिलालेख मिलते हैं । इस परिवारकी अधिकतर वर्तमान बोलियाँ अन्य परिवारोंसे प्रभावित हैं । हौसा (मध्य अफ्रीकाकी राष्ट्रभाषा) जिसका नाम हम लोग सूडान परिवारके अन्तर्गत ऊपर ले चुके हैं, कुछ विद्वानोंके अनुसार इसी कुलकी है और सूडानी परिवारसे अधिक प्रभावित होनेके कारण ही सूडानी ज्ञात होती है । **हैमिटिक परिवारकी प्रमुख विशेषताएँ**—(१) इस परिवारकी भाषाएँ श्लिष्ट. योगात्मक है । (२) पद बनानेके लिए इन भाषाओंमें प्रत्यय और उपसर्ग दोनों ही लगाये जाते हैं, पर ऐसा केवल क्रिया-के ही सम्बन्धमें होता है । संज्ञामें प्रत्यय ही लगाये जाते हे । (३) इन भाषाओंमें स्वर परिवर्तन मात्रसे अर्थ परिवर्तित हो जाता है । जैसे 'गल्'का अर्थ होता है 'भीतर जाना', पर 'गेलि'का अर्थ होता है 'भीतर रखना' है । (४) जोर देनेके लिए इनमें पुनरुक्तिका प्रयोग किया जाता है । 'लब'का अर्थ 'मोड़ना' होता है, पर बार-बार मोड़नेके लिए 'लब्-लब्'का प्रयोग होता है । इसी प्रकार गोइ (काटना) और गोगोइ (बार-बार काटना) भी हैं । (५) इन भाषाओंमें क्रियामें रूपोंसे ठीक-ठीक कालका बोध नहीं होता, बल्कि

पूर्णता और अपूर्णताका बोध होता है। समयका ठीक बोध करानेके लिए अन्य सहायक शब्दोंकी शरण लेनी पड़ती है। (६) इस परिवारमें लिंगभेद 'नर' और 'मादा' पर आधारित नहीं है, पर साथ ही वह भारोपीय भाषाओंकी भांति बहुत अव्यवस्थित भी नहीं है। सामान्यतः बड़ी और बली वस्तुएँ पुलिंग समझी जाती हैं और इसके उलटे निर्बल और छोटी स्त्रीलिंग। प्यार करने योग्य तथा कोमल वस्तुएँ भी स्त्रीलिंग मानी जाती हैं। तलवार, कड़ी और मोटी घास, चट्टान तथा हाथी आदि पुलिंग हैं, पर चाकू, नरम और पतली घास, पत्थरके टुकड़े तथा छोटे-छोटे जानवर स्त्रीलिंग हैं। इन भाषाओंके अधिकतर पुलिंग शब्द कण्ठ-ध्वनिसे आरम्भ होते हैं और स्त्रीलिंग दंत्य ध्वनिसे। इथिओपिक शाखाकी गल्ला और सोमाली भाषाओंमें यह बात विशेष रूपसे पायी जाती है। नामा आदि भाषाओंमें अन्तकी ध्वनिसे लिङ्भेद होता है। कुछ भाषाओंमें अन्य नियम भी हैं, किन्तु 'त' ध्वनि स्त्रीलिंगके चिह्नके रूपमें पूरे परिवारमें प्रचलित है। (७) बहुवचन बनानेके यहाँ कई तरीके हैं, साथ ही बहुवचनके समूहात्मक और असमूहात्मक आदि कई भेद भी हैं। लिसा (=आँसू, एकवचन), लिस् (=आँसूका असमूहात्मक बहुवचन) और ळिस्से (=आँसूका समूहात्मक बहुवचन)। छोटे पदार्थ या कीड़े आदि बहुवचन समझे जाते हैं। उनको एकवचनमें लानेके लिए प्रत्यय जोड़ने पड़ते हैं। ऊपर हम लोग लिस् और लिसा देख चुके हैं। बिल् (पतिगे) औरबिला (पतिंगा) भी उदाहरण स्वरूप लिये जा सकते हैं। इस परिवारकी केवल 'नामा' भाषामें द्विवचन हैं। (८) यहाँकी सबसे विचित्र और अभूतपूर्व विशेषता यह है कि संज्ञा वचनमें परिवर्तन होनेपर लिंगमें भी परिवर्तित हुई समझी जाती है। अर्थात् किसी एकवचन पुलिंग संज्ञाको बहुवचन बनाते हैं, तो लिंगके विचारसे वह स्त्रीलिंग हो जाती है। इसे नियमको भाषा-वैज्ञानिकोंने **ध्रुवाभिमुख नियम** (दे०) कहा है। इसके अनुसार माता स्त्रीलिंग है, पर माताएँ पुलिंग और इसी प्रकार शेर पुलिंग है, पर कई शेर स्त्रीलिंग। इसे, (१) **कुशिटिक** (सोमाली, गल्ला, कफ़ा, खामिर, बंझाला, साहो खाम्ता आदि); (२) **मिस्री** (पुरानी मिस्री तथा कॉप्टिक आदि) तथा (३) **लिबियो बर्बर** (मृत भाषा लिबिअन, तमशेक तथा बर्बर, जिसमें तुआरेग, श्लुह, कबिल, जेनागा ज़नेटे तथा मृत भाषा गुआंचे आदि हैं), इन तीन वर्गोंमें प्रायः बाँटा जाता है। पुराना वर्गीकरण कुछ और ढंगका मिलता है।

हैमिटो-सेमिटिक—एक भाषा परिवार, जिसकी **हैमिटिक** और **सेमिटिक** दो शाखाएँ हैं। पहले इन दोनोंका अलग-अलग परिवार माना जाता था, किंतु अब प्रायः इन्हें एक परिवारकी दो शाखाएँ या उपपरिवार माना जाता है। इस परिवारको **हामी-सामी** भी कहते हैं। (दे०) **हैमिटिक परिवार, सेमिटिक परिवार**।

हो—(१) **कुरुख** (दे०) का एक भ्रमवश पड़ा हुआ नाम। (२) **खेरवारी** (दे०) की सिंहभूमि तथा मानभूमिमें प्रयुक्त एक बोली। १९२१ की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ४,४७,८६२ थी। इसे **कोल** भी कहते हैं।

होक (hoka)—**उत्तरी अमरीकी वर्ग** (दे०) का मेक्सिको आदिमें प्रयुक्त एक भाषा-परिवार। इसे **होकन** (hokan) कहते हैं। इसका क्षेत्र कैलिफ़ोर्निया है इस परिवारमें लगभग ४२ भाषाएँ हैं, तथा बहुतसी बोलियाँ हैं जिनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं, **शस्ता,-चिमरिको,** (दे०), **करोक, यन, पोमो एस्सेलेन** (दे०) **यूम** (दे०) **सलिन** (दे०), **चुमश** (दे०) **सेरी, वशो, टेकिस्ट्लटेक** और **कोअहुइल्तेक** (दे०)।

होज्री—**नव एलामाइट** (दे०) भाषा।

होजै (hojai)—**दीमासा** (दे०) की असममें प्रयुक्त एक बोली। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या २,७५० के थी।

होरेन्टोट—**बुशमैन** (दे०)की एक अफ़्रीकी भाषा, जिसे नामा भी कहते हैं। इसके बोलनेवाले लगभग २।। लाख हैं, जो दक्षिणी पश्चिमी अफ़्रीका में रहते हैं। इसकी ४ बोलियाँ हैं।

हो-थ (ho-tha)—**ज़ख़ेइन** (दे०)का रूप।

होप (hopa)–पुताओ (बर्मा) में प्रयुक्त **चीनी परिवार** (दे०)की एक **लोलो-मोसो** (दे०) भाषा।

होपी (hopi)—**पुएब्लो** (दे०) उपवर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। इसे **मोकी** भी कहते हैं।

होमैंग(hamaing)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार, शान प्रान्तमें लगभग ३७९ लोगों द्वारा व्यवहृत 'पलौंग' भाषाकी, **पले** बोली (दे०)का एक रूप।

होमोंग(homong)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार उत्तरी शान प्रांतमें २,६५५ लोगों द्वारा व्यवहृत **पलौंग** भाषाकी बोली पले (दे०)का एक रूप।

होर (hor)–'**हड़** (दे०)का एक प्राचीन नाम।

होर त्सेंग (hor tseng)—मध्य तिब्बतमें प्रयुक्त **तिब्बती** (दे०)का एक रूप।

होरु मुथुन (horumuthun)—**मुतोनिआ** (दे०) का एक रूप।

होरोलिआ झगर (horolia jhagar)—**मुंडारी** (दे०)का राँची स्थित कुरुख लोगों द्वारा व्यवहृत एक रूप।

होलव(holava)—**उड़िया** (दे०)का मद्रासमें प्रयुक्त एक नाम।

होलिया (holiya)—**गोलरी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

होवहुल (howhul)—**ज़हओ** (दे०)का एक दूसरा नाम।

होवा—**इंडोनेशियन परिवार** (दे०)की मैडागास्करमें प्रयुक्त एक भाषा।

होशियारपुर पहाड़ी–परिनिष्ठित **पंजाबी** (दे०) का एक रूप, जो कि होशियारपुरके पहाड़ी भागोंमें प्रयुक्त होता है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या २,०७,३२१ के थी और इसमें 'कहलूरी' बोलनेवाले भी सम्मिलित थे।

होस शान (hosa shan)—**भैंगथ** (दे०)–का एक अन्य नाम।

हौल्ग्नो (haulgno)—**शुन्वल** (दे०)का एक रूप।

हौसा—मध्य अफ़्रीका (नाइजीरिया तथा चाड-झीलके पास)की एक भाषा। इसे कुछ लोग **सुडान वर्ग** (दे०)की तथा कुछ हेमिटिक परिवारकी मानते हैं। यह एक मिश्रित भाषा है। अपने क्षेत्रकी एक व्यापारिक भाषा होनेके कारण इसे काफ़ी लोग जानते हैं। इसमें साहित्य भी है। यह मूलतः हौसा नामक नीग्रो जाति द्वारा बोली जाती है। बोलनेवालोंकी संख्या १,२०,००,०००के लगभग है।

ह्कमुक (hkamuk)—**खमुक** (दे०)का एक नाम।

ह्कम्ती (hkamti)—**खाम्ती** (दे०)का एक नाम।

ह्कुन (hkun)—**खुन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्कुनुंग (hkunung)—**खुंलोंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्कुंलोंग (hkunlong)—**खुंलोंग** (दे०)—का एक नाम।

ह्तग्स (htangsa)—**थंगस्** (दे०)का एक नाम।

ह्तओते (htaote)—**थओते** (दे०)का एक नाम।

ह्त-मो (htamo)—**थ-मो** (दे०)का एक अन्य नाम।

ह्ताइ (htai)—**थाइ** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्पिन (hpin)—**फिन** (दे०)का नाम।

ह्पो (hpo)—**फोन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्पोन (hpon)—**फोन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्मार (hmar)—**चीनी परिवार** (दे०)की तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखाके

कुकी-चिन वर्गकी असममें प्रयुक्त एक प्राचीन 'कुकी' भाषा । ग्रियर्सनके अनुसार इसका शुद्ध नाम **म्हार** है। १९३१ की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ८,५८६के थी ।

ह्मेंग (hmeng)—बर्मामें प्रयुक्त **मिअओ** (दे०)की एक बोली ।

ह्मोंग (hmong)—**ह्मेंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम ।

ह्यस्तनी—**लङ्लकार** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम ।

ह्रंगचल (hrangchal)—**ह्रांगखोल** (दे०) का एक नाम ।

ह्रस्व—ऐसी ध्वनि, जिसे बोलनेमें अपेक्षाकृत (दीर्घकी तुलनामें) कम समय लगे । अ,इ, उ आदि ह्रस्व ध्वनियाँ हैं। (दे०) **मात्रा** ।

ह्रस्व-चिह्न—एक प्रकारका **मात्रा चिह्न** (दे०) ।

ह्रस्वता-दीर्घतात्मक अपश्रुति—**मात्रिक अपश्रुति** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम ।

ह्रस्वमात्रा—एक प्रकारकी **मात्रा** (दे०) ।

ह्रस्व स्वर (short vowel)—ऐसा स्वर, जिसके उच्चारणमें थोड़ा समय लगे । जैसे अ, इ, उ, आदि । (दे०) **मात्राकाल** तथा **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक ।

ह्रस्व स्वरित—एक प्रकारका **स्वरित** (दे०) ।

ह्रस्वार्द्ध-मात्रा—**मात्रा** (दे०)का एक भेद ।

ह्रस्वार्द्ध स्वर—ऐसा स्वर, जिसके उच्चारणमें **ह्रस्व स्वर** (दे०)से भी कम समय लगे । **उदासीनस्वर** (दे०)इस प्रकारका स्वर होता है। (दे०) **मात्राकाल** तथा **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक ।

ह्रस्वीकरण (delengthening)—**मात्राभेदीकरण** (दे०)का एक भेद ।

ह्रस्वीभवन—**ह्रस्वीकरण** (दे०)का नाम ।

ह्रांगखोल (hrangkhal)—खासी और जयंतिया पहाड़ियों (असम) तथा बंगालके पहाड़ी भागों आदिमें प्रयुक्त एक प्राचीन 'कुकी' भाषा । यह **चीनी परिवार** (दे०) तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखाके कुकी-चीन वर्गकी है । इसे **ह्रंगचल** भी कहते हैं । इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार ८,४५० थी ।

ह्रसोन्मुख संयुक्त स्वर—(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण में संयुक्तस्वर** उपशीर्षक ।

ह्रुसो (hrusso)—**अक** (दे०)का एक नाम ।

ह्लुंसेऔ (hlunseo)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षण के अनुसार चिन पहाड़ियोंमें प्रयुक्त **लैयौ** (दे०)का एक रूप ।

ह्वेंच (whench)—**शुन्कल** (दे०)का एक रूप । इसका ठीक नाम '**ह्वेनो**' है ।

ह्वेनो (hweno)—'**शुन्वल** (दे०)का एक रूप ।

ह्वैलन्गोव (hwelngow)—चिन पहाड़ियोंमें प्रयुक्त एक अवर्गीकृत भाषा । बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या लगभग ५,००० थी ।

ह्सिलेंग (hsinleng)—**सिन्लेंग** (दे०)का का एक नाम ।

ह्सिनीअम (hsiniam)—**सिन्लम** (दे०)—एक नाम ।

ह्सेंतुंग (hsentung)—**सेंतुंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम ।

ह् सेन (hsen)—**सेम** (दे०)का नाम ।

ह्सेन ह्सुम (hsen hsum)—**सेनसुम** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम ।

सेम (hsem)—सेम (दे०)का एक नाम ।

होरेन्टोट—बुशमैन (दे०)की एक अफ्रीकी भाषा, जिसे नामा भी कहते हैं। इसके बोलने-वाले लगभग २॥ लाख हैं, जो दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में रहते हैं। इसकी ४ बोलियाँ हैं।

हो-थ(ho-tha)—**ज़येइन** (दे०)का रूप।

होप(hopa)–पुताओ (बर्मा) में प्रयुक्त **चीनी परिवार** (दे०)की एक **लोलो-मोसो** (दे०) भाषा।

होपी(hopi)—**पुएब्लो** (दे०) उपवर्गकी एक उत्तरी अमेरिकी भाषा। इसे **मोकी** भी कहते हैं।

होमैंग(hamaing)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार, शान प्रान्तमें लगभग ३७९ लोगों द्वारा व्यवहृत 'पलौंग' भाषाकी, **पले** बोली (दे०)का एक रूप।

होमोंग(homong)—वर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार उत्तरी शान प्रांतमें २,६५५ लोगों द्वारा व्यवहृत **पलौंग** भाषाकी बोली पले (दे०)का एक रूप।

होर(hor)–'**हड़**(दे०)का एक प्राचीन नाम।

होर त्सेंग (hor tseng)—मध्य तिब्बतमें प्रयुक्त **तिब्बती** (दे०)का एक रूप।

होरु मुथुन (horumuthun)—**मुतोनिआ** (दे०) का एक रूप।

होरोलिआ झगर (horolia jhagar)—**मुंडारी** (दे०)का राँची स्थित कुरुख लोगों द्वारा व्यवहृत एक रूप।

होलव(holava)—**उड़िया** (दे०)का मद्रासमें प्रयुक्त एक नाम।

होलिया(holiya)—**गोलरी** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

होवहुल (howhul)—**ज़हओ** (दे०)का एक दूसरा नाम।

होवा—इंडोनेशियन परिवार (दे०)की मैडा-गास्करमें प्रयुक्त एक भाषा।

होशियारपुर पहाड़ी—परिनिष्ठित **पंजाबी** (दे०) का एक रूप, जो कि होशियारपुरके पहाड़ी भागोंमें प्रयुक्त होता है। ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या २,०७,३२१ के थी और इसमें 'कहलूरी' बोलनेवाले भी सम्मिलित थे।

होस शान (hosa shan)—**भैंगथ**(दे०)–का एक अन्य नाम।

हौल्ग्नो(haulgno)—**शुन्क्ल**(दे०)का एक रूप।

हौसा—मध्य अफ्रीका (नाइजीरिया तथा चाड-झीलके पास)की एक भाषा। इसे कुछ लोग **सूडान वर्ग** (दे०)की तथा कुछ हेमिटिक परि-वारकी मानते हैं। यह एक मिश्रित भाषा है। अपने क्षेत्रकी एक व्यापारिक भाषा होनेके कारण इसे काफ़ी लोग जानते हैं। इसमें साहित्य भी है। यह मूलतः हौसा नामक नीग्रो जाति द्वारा बोली जाती है। बोलनेवालोंकी संख्या १,२०,००,०००के लगभग है।

ह्कमुक (hkamuk)—**खमुक** (दे०)का एक नाम।

ह्कम्ती(hkamti)—**खाम्ती**(दे०)का एक नाम।

ह्कुन(hkun)—**खुन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्कुनुंग (hkunung)—**खुंलोंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्कुंलोंग(hkunlong)—**खुंलोंग**(दे०)–का एक नाम।

ह्तग्स(htangsa)—**थंगस्** (दे०)का एक नाम।

ह्तओते(htaote)—**थओते**(दे०)का एक नाम।

ह्त-मो (htamo)—**थ-मो** (दे०)का एक अन्य नाम।

ह्ताइ(htai)—**थाइ** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्पिन (hpin)—**फिन** (दे०)का नाम।

ह्पो (hpo)—**फोन** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्पोन(hpon)—**फोन**(दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्मार(hmar)—**चीनी परिवार** (दे०)की तिब्बती-वर्मी भाषाओंकी असमी-वर्मी शाखाके

कुकी-चिन वर्गकी असममें प्रयुक्त एक प्राचीन 'कुकी' भाषा। ग्रियर्सनके अनुसार इसका शुद्ध नाम **म्हार** है। १९२१ की जनगणनाके अनुसार इसके बोलनेवालोंकी संख्या ८,५८६के थी।

ह्मेंग (hmeng)—बर्मामें प्रयुक्त **मिअओ** (दे०)की एक बोली।

ह्मोंग (hmong)—**ह्मेंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्यस्तनी—**लङ्लकार** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम।

ह्रंगचल (hrangchal)—**ह्रांगखोल** (दे०) का एक नाम।

ह्रस्व—ऐसी ध्वनि, जिसे बोलनेमें अपेक्षाकृत (दीर्घकी तुलनामें) कम समय लगे। अ,इ, उ आदि ह्रस्व ध्वनियाँ हैं। (दे०) **मात्रा**।

ह्रस्व-चिह्न—एक प्रकारका **मात्रा चिह्न** (दे०)।

ह्रस्वता-दीर्घतात्मक अपश्रुति—**मात्रिक अपश्रुति** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक अन्य नाम।

ह्रस्वमात्रा—एक प्रकारकी **मात्रा** (दे०)।

ह्रस्व स्वर (short vowel)—ऐसा स्वर, जिसके उच्चारणमें थोड़ा समय लगे। जैसे अ, इ, उ, आदि। (दे०) **मात्राकाल** तथा **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक।

ह्रस्व स्वरित—एक प्रकारका **स्वरित** (दे०)।

ह्रस्वार्द्ध-मात्रा—**मात्रा** (दे०)का एक भेद।

ह्रस्वार्द्ध स्वर—ऐसा स्वर, जिसके उच्चारणमें **ह्रस्व स्वर** (दे०)से भी कम समय लगे। **उदासीनस्वर** (दे०)इस प्रकारका स्वर होता है। (दे०) **मात्राकाल** तथा **ध्वनियोंका वर्गीकरणमें स्वरोंका वर्गीकरण** उपशीर्षक।

ह्रस्वीकरण (delengthening)—**मात्राभेदीकरण** (दे०)का एक भेद।

ह्रस्वीभवन—**ह्रस्वीकरण** (दे०)का नाम।

ह्रांगखोल (hrangkhal)—खासी और जयंतिया पहाड़ियों (असम) तथा बंगालके पहाड़ी भागों आदिमें प्रयुक्त एक प्राचीन 'कुकी' भाषा। यह **चीनी परिवार** (दे०) तिब्बती-बर्मी भाषाओंकी असमी-बर्मी शाखाके कुकी-चीन वर्गकी है। इसे **ह्रंगचल** भी कहते हैं। इसके बोलनेवालोंकी संख्या ग्रियर्सनके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार ८,४५० थी।

ह्रसोन्मुख संयुक्त स्वर—(दे०) **ध्वनियोंका वर्गीकरण** में **संयुक्तस्वर** उपशीर्षक।

ह्रुसो (hrusso)—**अक** (दे०)का एक नाम।

ह्लुंसेऔ (hlunseo)—बर्माके भाषा-सर्वेक्षण के अनुसार चिन पहाड़ियोंमें प्रयुक्त **लैयौ** (दे०)का एक रूप।

ह्वेंच (whench)—**शुन्कल** (दे०)का एक रूप। इसका ठीक नाम '**ह्वेनो**' है।

ह्वेनो (hweno)—'**शुन्वल** (दे०)का एक रूप।

ह्वैलन्गोव (hwelngow)—चिन पहाड़ियोंमें प्रयुक्त एक अवर्गीकृत भाषा। बर्माके भाषा-सर्वेक्षणके अनुसार इसके बोलने वालोंकी संख्या लगभग ५,००० थी।

ह्सिलेंग (hsinleng)—**सिन्लेंग** (दे०)का का एक नाम।

ह्सिनीअम (hsiniam)—**सिन्लम** (दे०)—एक नाम।

ह्सेंतुंग (hsentung)—**सेंतुंग** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्सेन (hsen)—**सेम** (दे०)का नाम।

ह्सेन ह्सुम (hsen hsum)—**सेनसुम** (दे०)के लिए प्रयुक्त एक नाम।

ह्सेम (hsem)—सेम (दे०)का एक नाम।

परिशिष्ट

अंग्रेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्दावली

A

abbreviation संक्षेप, संक्षिप्त रूप
abbreviation of consonant व्यंजन-संक्षेप, व्यंजन-निचय
abbreviation of vowel स्वर-संक्षेप, स्वर-निचय
abecedarian वर्णमालिक
abecedarian order वर्णमालिक क्रम
abessive case विहीनार्थी कारक
abloative अपादान
ablative absolute निरपेक्ष अपादान, निर्बद्ध अपादान
ablative case अपादान कारक
ablative infinitive अपादानी क्रियार्थक संज्ञा
ablative of agent कर्तृ अपादान, कर्तृवाचक अपादान
ablative of manner रीति अपादान, रीतिवाचक अपादान
ablative of comparison तुलनावाचक अपादान, तुलनासूचक अपादान
ablative omitted लुप्त अपादान, विवक्षित अपादान
ablative, post position of अपादानीय परसर्ग, अपादानीय कारक-चिह्न
ablaut अपश्रुति, स्वर-क्रम, स्वरानुक्रम, अक्षरावस्थान, अक्षर श्रेणीकरण, संप्रसारण-गुण-वृद्धि
ablaut grade अपश्रुति-अवस्था, अपश्रुति-स्तर
ablaut, qualitative गुणात्मक अपश्रुति
ablaut, quantitative मात्रात्मक अपश्रुति, मात्रिक अपश्रुति
abnormal असामान्य, अपवाद नियम-बाह्य
abnormal consonant असामान्य व्यंजन, अपवाद व्यंजन
abnormal vowel असामान्य स्वर, अपवाद स्वर
aboriginal मूल, आदिम
abridged संक्षिप्त, कर्तित
abrupt आकस्मिक
absolute निरपेक्ष, पूर्ण, स्वतंत्र, निर्बद्ध
absolute ablative निरपेक्ष अपादान, निर्बद्ध अपादान
absolute adjective सांज्ञिक विशेषण
absolute case निरपेक्ष कारक, अबद्ध कारक
absolute construction पूर्ण संरचना, स्वतंत्र रचना
absolute form पूर्ण रूप, निरपेक्ष रूप
absolute position निरपेक्ष स्थिति
absolute, semi-अर्ध निर्बद्ध, अर्धनियंत्रित, अर्ध निरपेक्ष
absolute superlative degree निरपेक्ष उत्तमावस्था
absolutely पूर्णतः, पूर्णतया
absolutive पूर्णकालिक
absorption विलयन
abstract अमूर्त
abstract idea अमूर्त विचार
abstract noun भाववाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा
abstract process अमूर्त प्रक्रिया
abstract term अमूर्त शब्द
abstraction अमूर्तीकरण, अमूर्तीभवन, भावानयन

acceleration वर्धन, विवर्धन, वेग

accent (१) आघात, (२) स्वराघात, बलाघात स्वर, बल

accent, acute उदात्त स्वराघात

accent, circumflex स्वरित

accent, general सामान्य स्वराघात

accent, grave अनुदात्त स्वराघात

accent, high pitch उदात्त स्वराघात

accent, level pitch स्वरित

accent, low pitch अनुदात्त स्वराघात

accent, musical संगीतात्मक स्वराघात. गीतात्मक स्वराघात

accent, pitch सुर, संगीतात्मक स्वराघात, स्वराघात, गीतात्मक स्वराघात

accent, sentence वाक्याघात, वाक्यबलाघात, वाक्य स्वराघात

accent, shift आघात परिवृत्ति, स्वराघात परिवृत्ति

accent, stress बलाघात, बलात्मक स्वराघात, बल

accented सस्वर, बलाघातयुक्त, सबल, आहत स्वराघातयुक्त

accentless विस्वर, अबल बलाघात शून्य, स्वराघात शून्य

accentuate स्वरांकित करना, स्वरघातांकन करना, स्वर-चिह्नांकन करना

accentuation स्वरांकन, स्वरघातांकन, स्वर-चिह्नांकन

accentuation, chromatic रंजित स्वरांकन

accentuation, ordinary सामान्य स्वरांकन

accentuation, tonic काकु स्वरांकन, तान स्वरांकन

accessory सहकारी

accidental आनुषंगिक

accommodation आंशिक समीकरण, निवेशन, व्यवस्थापन

accommodative aspect व्यवस्थापन-पक्ष, निवेशन-पक्ष

accu-dative form कर्म संप्रदान रूप

accu-gerund क्रिया निष्पन्न संज्ञा कर्म

accu-infinitive कर्म तुमुनन्त

accurate सही, शुद्ध, ठीक, सटीक

accusative कर्म

accusative, adverbial क्रियाविशेषणात्मक कर्म

accusative case कर्म कारक, द्वितीया विभक्ति

accusative, cognate सजातीय कर्म

accusative, double द्विगुणित कर्म

acoustic श्रावणिक, श्रौत

acoustic basis श्रावणिक आधार

acoustic colouring श्रावणिक रंजन, श्रावणिक स्पर्श

acoustic features श्रावणिक विशेषता

acoustic impression श्रावणिक आभास

acousticist श्रावणिक ध्वनिविद, श्रुतिशास्त्री

acoustic phonetics श्रावणिक ध्वनिविज्ञान

acoustics श्रुतिशास्त्र

acrophonetic writing भाव-ध्वनि लिपि

acrophony भाव-ध्वनि-लेखन

action क्रिया

action, coincidental समपाती क्रिया

action, continuous अविच्छिन्न क्रिया

action, corrosive क्षयकारी क्रिया

action, habitual अभ्यासी क्रिया

action, noun क्रियासूचक संज्ञा

action word क्रियासूचक शब्द

active कर्तृ-कर्तृवाची

active case कर्तृ कारक

active form कर्तृवाचक रूप

active language गतिशील भाषा, जीवन्त भाषा

active past tense क्तवत् प्रत्ययान्त काल

परिशिष्ट

अंग्रेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्दावली

A

abbreviation संक्षेप, संक्षिप्त रूप
abbreviation of consonant व्यंजन-संक्षेप, व्यंजन-निचय
abbreviation of vowel स्वर-संक्षेप, स्वर-निचय
abecedarian वर्णमालिक
abecedarian order वर्णमालिक क्रम
abessive case विहीनार्थी कारक
abloative अपादान
ablative absolute निरपेक्ष अपादान, निर्बद्ध अपादान
ablative case अपादान कारक
ablative infinitive अपादानी क्रियार्थक संज्ञा
ablative of agent कर्तृ अपादान, कर्तृवाचक अपादान
ablative of manner रीति अपादान, रीतिवाचक अपादान
ablative of comparison तुलनावाचक अपादान, तुलनासूचक अपादान
ablative omitted लुप्त अपादान, विवक्षित अपादान
ablative, post position of अपादानीय परसर्ग, अपादानीय कारक-चिह्न
ablaut अपश्रुति, स्वर-क्रम, स्वरानुक्रम, अक्षरावस्थान, अक्षर श्रेणीकरण, संप्रसारण-गुण-वृद्धि
ablaut grade अपश्रुति-अवस्था, अपश्रुति-स्तर
ablaut, qualitative गुणात्मक अपश्रुति
ablaut, quantitative मात्रात्मक अपश्रुति, मात्रिक अपश्रुति
abnormal असामान्य, अपवाद नियम-बाह्य
abnormal consonant असामान्य व्यंजन, अपवाद व्यंजन
abnormal vowel असामान्य स्वर, अपवाद स्वर
aboriginal मूल, आदिम
abridged संक्षिप्त, कर्तित
abrupt आकस्मिक
absolute निरपेक्ष, पूर्ण, स्वतंत्र, निर्बद्ध
absolute ablative निरपेक्ष अपादान, निर्बद्ध अपादान
absolute adjective सांज्ञिक विशेषण
absolute case निरपेक्ष कारक, अबद्ध कारक
absolute construction पूर्ण संरचना, स्वतंत्र रचना
absolute form पूर्ण रूप, निरपेक्ष रूप
absolute position निरपेक्ष स्थिति
absolute, semi-अर्ध निर्बद्ध, अर्धनियंत्रित, अर्ध निरपेक्ष
absolute superlative degree निरपेक्ष उत्तमावस्था
absolutely पूर्णतः, पूर्णतया
absolutive पूर्णकालिक
absorption विलयन
abstract अमूर्त
abstract idea अमूर्त विचार
abstract noun भाववाचक संज्ञा, गुणवाचक संज्ञा
abstract process अमूर्त प्रक्रिया
abstract term अमूर्त शब्द
abstraction अमूर्तीकरण, अमूर्तीभवन, भावानयन

acceleration वर्धन, विवर्धन, वेग
accent (१) आघात, (२) स्वराघात, बलाघात स्वर, बल
accent, acute उदात्त स्वराघात
accent, circumflex स्वरित
accent, general सामान्य स्वराघात
accent, grave अनुदात्त स्वराघात
accent, high pitch उदात्त स्वराघात
accent, level pitch स्वरित
accent, low pitch अनुदात्त स्वराघात
accent, musical संगीतात्मक स्वराघात, गीतात्मक स्वराघात
accent, pitch सुर, संगीतात्मक स्वराघात, स्वराघात, गीतात्मक स्वराघात
accent, sentence वाक्याघात, वाक्य-बलाघात, वाक्य स्वराघात
accent, shift आघात परिवृत्ति, स्वराघात परिवृत्ति
accent, stress बलाघात, बलात्मक स्वराघात, बल
accented सस्वर, बलाघातयुक्त, सबल, आहत स्वराघातयुक्त
accentless विस्वर, अबल बलाघात शून्य, स्वराघात शून्य
accentuate स्वरांकित करना, स्वरघातांकन करना, स्वर-चिह्नांकन करना
accentuation स्वरांकन, स्वरघातांकन, स्वर-चिह्नांकन
accentuation, chromatic रंजित स्वरांकन
accentuation, ordinary सामान्य स्वरांकन
accentuation, tonic काकु स्वरांकन, तान स्वरांकन
accessory सहकारी
accidental आनुषंगिक
accommodation आंशिक समीकरण, निवेशन, व्यवस्थापन
accommodative aspect व्यवस्थापन-पक्ष, निवेशन-पक्ष
accu-dative form कर्म संप्रदान रूप
accu-gerund क्रिया निष्पन्न संज्ञा कर्म
accu-infinitive कर्म तुमुनन्त
accurate सही, शुद्ध, ठीक, सटीक
accusative कर्म
accusative, adverbial क्रियाविशेषणात्मक कर्म
accusative case कर्म कारक, द्वितीया विभक्ति
accusative, cognate सजातीय कर्म
accusative, double द्विगुणित कर्म
acoustic श्रावणिक, श्रौत
acoustic basis श्रावणिक आधार
acoustic colouring श्रावणिक रंजन, श्रावणिक स्पर्श
acoustic features श्रावणिक विशेषता
acoustic impression श्रावणिक आभास
acousticist श्रावणिक ध्वनिविद, श्रुतिशास्त्री
acoustic phonetics श्रावणिक ध्वनिविज्ञान
acoustics श्रुतिशास्त्र
acrophonetic writing भाव-ध्वनि लिपि
acrophony भाव-ध्वनि-लेखन
action क्रिया
action, coincidental समपाती क्रिया
action, continuous अविच्छिन्न क्रिया
action, corrosive क्षयकारी क्रिया
action, habitual अभ्यासी क्रिया
action, noun क्रियासूचक संज्ञा
action word क्रियासूचक शब्द
active कर्तृ-कर्तृवाची
active case कर्तृकारक
active form कर्तृवाचक रूप
active language गतिशील भाषा, जीवन्त भाषा
active past tense क्तवत् प्रत्ययान्त काल

active use कर्तरि प्रयोग
active verb सकर्तृक धातु
active voice कर्तृवाच्य
actor-action goal स्थान-प्रधान रचना
actualization वास्तविकीकरण
acute उदात्त, तीव्र
acute accent उदात्त स्वर, उदात्त बलाघात, उदात्त स्वराघात
adaptation theory अनुयोजन सिद्धांत, अभिस्वीकरण सिद्धांत
addition योग, आगम परिवर्द्धन
additional अतिरिक्त, अनुपूरक
additive clause उपवाक्य
adhessive case नैकट्यसूचक कारक
adherent adjective संसक्त विशेषण
aditive case ओरसूचक कारक
adjectival विशेषणात्मक, वैशेषणिक विशेषण
adjectival clause विशेषण उपवाक्य, विशेषणात्मक उपवाक्य
adjacent संसक्त, आसन्न, संलग्न, निकटस्थ, सन्निकट
adjective विशेषण
adjective, attributive गुणवाचक विशेषण
adjective, clause विशेषण उपवाक्य
adjective, multiplicative गुणात्मक विशेषण
adjective, definite demonstrative निश्चयार्थी संकेतवाचक विशेषण
adjective, definite, ordinal, numeral निश्चयार्थी क्रम संख्यावाचक विशेषण
adjective, demonstrative संकेतवाचक विशेषण, संकेतसूचक विशेषण
adjective, descriptive विवरणात्मक विशेषण
adjective, indefinite cardinal numeral अनिश्चयार्थी संख्यावाचक विशेषण
adjective, indefinite demonstrative अनिश्चयार्थी संकेतवाचक विशेषण
adjective, numeral संख्यावाचक विशेषण
adjective of action क्रियाबोधक विशेषण
adjective of attribute गुणवाचक विशेषण
adjective of colour वर्णवाचक विशेषण
adjective of condition दशावाचक विशेषण, स्थितिसूचक विशेषण
adjective of form आकारसूचक विशेषण
adjective of number संख्यावाचक विशेषण
adjective of place स्थानवाचक विशेषण
adjective of quality गुणवाचक विशेषण
adjective of quantity परिमाणवाचक विशेषण
adjective of taste स्वादबोधक विशेषण
adjective of temper स्वभावबोधक विशेषण
adjective of time समयबोधक विशेषण, कालवाचक विशेषण
adjective of weight भारवाचक विशेषण
adjective, predicative विधेयात्मक विशेषण
adjective, pronominal सर्वनाममूलक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण
adjective, proper व्यक्तिवाचक विशेषण
adjective, quantitative परिमाणात्मक विशेषण, मात्रावाची विशेषण
adjective, verbal धातुसाधित विशेषण
adjunct; adjunct word अनुबंध, अनुबंध-शब्द, गुणवाचक शब्द

adjunct, adverbial क्रियाविशेषणात्मक अनुबन्ध
adjunct, appositional समानावस्थित अनुबन्ध
adjunct, attributive गुणवाचक अनुबंध
adnominal संज्ञात्मक, सांज्ञिक
advent आगम
adverb क्रियाविशेषण
adverb, attributive गुणवाचक क्रियाविशेषण
adverb, affirmative स्वीकारात्मक क्रियाविशेषण
adverb clause गुणवाचक क्रियाविशेण-उपवाक्य
adverb, compounded समासभूत क्रियाविशेषण
adverb, descriptive वर्णनात्मक क्रियाविशेषण
adverb, genitival संबंधवाची क्रियाविशेषण
adverbial क्रियाविशेषणात्मक, क्रियाविशेषण
adverbial adjunct क्रियाविशेषणात्मक अनुबंध
adverbial case क्रियाविशेषणात्मककारक
adverbial clause क्रियाविशेषणात्मक उपवाक्य
adverbial compound क्रियाविशेषणात्मक समास, अव्ययीभाव समास
adverbial expression क्रियाविशेषणात्मक अभिव्यक्ति, क्रिया विशेषणात्मक वाक्यांश
adverbial gerund क्रिया विशेषणात्मक धातु साधित संज्ञा।
adverbial indeclinable क्रियाविशेषणात्मक अव्यय
adverbial modifier क्रियाविशेषण, क्रियाविशेषणात्मक विशेषक
adverbial phrase क्रियाविशेषणात्मक वाक्यांश
adverb, interrogative प्रश्नसूचक क्रियाविशेषण
adverb, negative नकारात्मक (निषेधात्मक) क्रियाविशेषण
adverb, numeral संख्यावाचक क्रियाविशषण
adverb of certainty निश्चयवाचक क्रियाविशेषण
adverb of direction दिशासूचक क्रिया विशेषण
adverb of manner रीतिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of order क्रमवाचक क्रियाविशेषण
adverb of period अवधिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of place स्थानवाचक क्रियाविशेषण
adverb of position स्थितिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of quantity परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
adverb of reason हेतु (कारण)वाचक क्रियाविशेषण
adverb of time कालवाचक क्रियाविशेषण
adverb of uncertainty अनिश्चयवाचक क्रियाविशेषण
adverb, predicative विधेयभूत क्रियाविशेषण, विधेय क्रियाविशेषण
adverb, pronominal सार्वनामिक क्रियाविशेषण
adverb, relative संबंधबोधक क्रियाविशेषण
adverb, repetitive द्विरुक्ति क्रियाविशेषण, अभ्यासी क्रियाविशेषण
adverb, simple सामान्य क्रियाविशेषण
adversative conjunction विरोधदर्शक समुच्चयबोधक अव्यय

active use कर्तरि प्रयोग
active verb सकर्तृक धातु
active voice कर्तृवाच्य
actor-action goal स्थान-प्रधान रचना
actualization वास्तविकीकरण
acute उदात्त, तीव्र
acute accent उदात्त स्वर, उदात्त बलाघात, उदात्त स्वराघात
adaptation theory अनुयोजन सिद्धांत, अभिस्वीकरण सिद्धांत
addition योग, आगम परिवर्द्धन
additional अतिरिक्त, अनुपूरक
additive clause उपवाक्य
adhessive case नैकट्यसूचक कारक
adherent adjective संसक्त विशेषण
aditive case ओरसूचक कारक
adjectival विशेषणात्मक, वैशेषणिक विशेषण
adjectival clause विशेषण उपवाक्य, विशेषणात्मक उपवाक्य
adjacent संसक्त, आसन्न, संलग्न, निकटस्थ, सन्निकट
adjective विशेषण
adjective, attributive गुणवाचक विशेषण
adjective, clause विशेषण उपवाक्य
adjective, multiplicative गुणात्मक विशेषण
adjective, definite demonstrative निश्चयार्थी संकेतवाचक विशेषण
adjective, definite, ordinal, numeral निश्चयार्थी क्रम संख्यावाचक विशेषण
adjective, demonstrative संकेतवाचक विशेषण, संकेतसूचक विशेषण
adjective, descriptive विवरणात्मक विशेषण
adjective, indefinite cardinal numeral अनिश्चयार्थी संख्यावाचक विशेषण
adjective, indefinite demonstrative अनिश्चयार्थी संकेतवाचक विशेषण
adjective, numeral संख्यावाचक विशेषण
adjective of action क्रियाबोधक विशेषण
adjective of attribute गुणवाचक विशेषण
adjective of colour वर्णवाचक विशेषण
adjective of condition दशावाचक विशेषण, स्थितिसूचक विशेषण
adjective of form आकारसूचक विशेषण
adjective of number संख्यावाचक विशेषण
adjective of place स्थानवाचक विशेषण
adjective of quality गुणवाचक विशेषण
adjective of quantity परिमाणवाचक विशेषण
adjective of taste स्वादबोधक विशेषण
adjective of temper स्वभावबोधक विशेषण
adjective of time समयबोधक विशेषण, कालवाचक विशेषण
adjective of weight भारवाचक विशेषण
adjective, predicative विधेयात्मक विशेषण
adjective, pronominal सर्वनाममूलक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण
adjective, proper व्यक्तिवाचक विशेषण
adjective, quantitative परिमाणात्मक विशेषण, मात्रावाची विशेषण
adjective, verbal धातुसाधित विशेषण
adjunct; adjunct word अनुबंध, अनुबंध-शब्द, गुणवाचक शब्द

adjunct, adverbial क्रियाविशेषणात्मक अनुबन्ध
adjunct, appositional समानावस्थित अनुबन्ध
adjunct, attributive गुणवाचक अनुबंध
adnominal संज्ञात्मक, सांज्ञिक
advent आगम
adverb क्रियाविशेषण
adverb, attributive गुणवाचक क्रियाविशेषण
adverb, affirmative स्वीकारात्मक क्रियाविशेषण
adverb clause गुणवाचक क्रियाविशेषण-उपवाक्य
adverb, compounded समासभूत क्रियाविशेषण
adverb, descriptive वर्णनात्मक क्रियाविशेषण
adverb, genitival संबंधवाची क्रियाविशेषण
adverbial क्रियाविशेषणात्मक, क्रियाविशेषण
adverbial adjunct क्रियाविशेषणात्मक अनुबंध
adverbial case क्रियाविशेषणात्मककारक
adverbial clause क्रियाविशेषणात्मक उपवाक्य
adverbial compound क्रियाविशेषणात्मक समास, अव्ययीभाव समास
adverbial expression क्रियाविशेषणात्मक अभिव्यक्ति, क्रिया विशेषणात्मक वाक्यांश
adverbial gerund क्रिया विशेषणात्मक धातु साधित संज्ञा।
adverbial indeclinable क्रियाविशेषणात्मक अव्यय
adverbial modifier क्रियाविशेषण, क्रियाविशेषणात्मक विशेषक
adverbial phrase क्रियाविशेषणात्मक वाक्यांश
adverb, interrogative प्रश्नसूचक क्रियाविशेषण
adverb, negative नकारात्मक (निषेधात्मक) क्रियाविशेषण
adverb, numeral संख्यावाचक क्रियाविशेषण
adverb of certainty निश्चयवाचक क्रियाविशेषण
adverb of direction दिशासूचक क्रियाविशेषण
adverb of manner रीतिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of order क्रमवाचक क्रियाविशेषण
adverb of period अवधिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of place स्थानवाचक क्रियाविशेषण
adverb of position स्थितिवाचक क्रियाविशेषण
adverb of quantity परिमाणवाचक क्रिया विशेषण
adverb of reason हेतु (कारण)वाचक क्रियाविशेषण
adverb of time कालवाचक क्रियाविशेषण
adverb of uncertainty अनिश्चयवाचक क्रियाविशेषण
adverb, predicative विधेयभूत क्रियाविशेषण, विधेय क्रियाविशेषण
adverb, pronominal सार्वनामिक क्रियाविशेषण
adverb, relative संबंधबोधक क्रियाविशेषण
adverb, repetitive द्विरुक्ति क्रियाविशेषण, अभ्यासी क्रियाविशेषण
adverb, simple सामान्य क्रियाविशेषण
adversative conjunction विरोधदर्शक समुच्चयबोधक अव्यय

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्यय-प्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृकारक
agential noun कर्तृसंज्ञा
agentive कर्तृवाचक
agent-noun कर्तृसंज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधिक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ्, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्शघर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधिक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

affective प्रभावक
affinity सामीप्य, समीपता; अनुरूपता
affinity, vowel स्वरानुरूपता
affirmative अस्तिवाचक, सम्मोदनात्मक
affirmative conjunction सम्मोदनात्मक समुच्चयबोधक
affix प्रत्यय, अनुबंध, पूर्व प्रत्यय, उपसर्ग, मध्य प्रत्यय, अंत्य प्रत्यय
affix, enclitic अव्ययात्मक प्रत्यय
affix, feminine स्त्री प्रत्यय
affix, formative रचनाक्षम प्रत्यय
affix, honourific आदरवाचक प्रत्यय, आदरबोधक प्रत्यय
affix, primary कृत प्रत्यय, प्रधान प्रत्यय, मूल प्रत्यय
affix, private स्वार्थिक प्रत्यय
affix, secondary तद्धित प्रत्यय, अप्रधान प्रत्यय, गौण प्रत्यय
affricate स्पर्श-संघर्षी, घर्ष-स्पर्श, स्पर्श-घर्ष, घृष्ट
affrication घर्षण, स्पर्शसंघर्षण
affricative aspirate स्पर्ष संघर्षी महाप्राण
after sound पश्च-ध्वनि, पर-ध्वनि
age and area theory क्षेत्र और युग सिद्धांत
agent कर्ता
agential case कर्तृ कारक
agential noun कर्तृ संज्ञा
agentive कर्तृ वाचक
agent-noun कर्तृ संज्ञा
agglomerating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगात्मक, उपचयात्मक
agglutinated अभिश्लिष्ट
agglutinating योगात्मक, प्रत्ययप्रधान, संयोगप्रधान, संयोगात्मक
agglutination संयोग, योजन, अभिश्लेषण
agglutinative योगात्मक, संयोग-प्रधान, अभिश्लेषी
agglutinative language संयोगप्रधान भाषा
agglutinative infix मध्य योगात्मक, अन्तर्योगात्मक, मध्य प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix पूर्व योगात्मक, पूर्व प्रत्ययप्रधान
agglutinative prefix suffix उभयोगात्मक, पूर्वापर योगात्मक
agglutinative simple अश्लिष्ट योगात्मक
agglutinative suffix अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
agreement अन्वय
air current श्वास-प्रवाह
air passage श्वास-नालिका
allative case ओरसूचक कारक
alliteration अनुप्रास
allochrome संमात्रा
allograph संलिपि, संवर्ण
allogram संचिह्न
allomorph संरूप
allophone संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन, सहस्वन
allotone संतान
alogisms चिह्नक
alphabet वर्णमाला, लिपि, वर्ण, अक्षर
alphabetic quasi अर्ध वर्णमालीय
alphabetic phonogram वर्णमालीय ध्वनिग्राम
alphabetic sound वर्ण ध्वनि
alphabetic writing वर्णात्मक लिपि, वर्ण लिपि
alphabetical वर्णात्मक, वर्णानुक्रमिक, वर्णमालीय
alteration परिवर्तन
alteration of meaning अर्थ-परिवर्तन
alternant प्रत्यावर्ती
alternative वैकल्पिक, विकल्प
alternative conjunction विभाजक समुच्चयबोधक अव्यय, वियोजक समुच्चय-

बोधिक अव्यय
alveola वर्त्स
alveolar वर्त्स्य
alveolo-palatal वर्त्सतालव्य
amalgamating पूर्णसंयोगी, सम्मिश्रणात्मक
amalgamating language सम्मिश्रणात्मक भाषा
ambiguous अस्पष्ट, संदिग्ध, अनिश्चित
ambiguous gender संदिग्ध लिंग
amelioration अर्थोत्कर्ष
amplificative आगमित शब्द
amplitude आयाम, विस्तार, दोलनांक
anacoluthon क्रमदोष, वाक्यक्रम दोष
anagram वर्णान्तरित शब्द, वर्णान्तरित वाक्य
analogical creation सादृश्यमूलक रचना
analogic change सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogical extension सादृश्यात्मक विस्तार, सादृश्यात्मक परिवर्तन
analogous form सदृश रूप
analogical form सादृश्यात्मक रूप, सादृश्यमूलक रूप
analogue समरूपी शब्द, तुल्य शब्द
analogy सादृश्य
analogy, false मिथ्या सादृश्य
analphabetic notation अवर्णात्मक परिचिह्न
analysis विश्लेषण, वाक्य-विश्लेषण
analysis of sentences वाक्य विश्लेषण, वाक्यविग्रह
analytic वियोगात्मक, विश्लेषणात्मक, व्यवहित
analytical विश्लेषणात्मक, वियोगात्मक, अयोगात्मक
analytical linguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
analytical morphology विश्लेषणात्मक रूप-विज्ञान
analytical syntax विश्लेषणात्मक वाक्य-विज्ञान
analytic language वियोगात्मक भाषा, अयोगात्मक भाषा
analytic stage वियोगावस्था, वियोगात्मक अवस्था
anaphora पुनरावृत्ति, पश्च संकेत
anaphoric word पश्चसंकेती शब्द
anaptyctic insertion मध्य प्रक्षेप
anaptyctic vowel मध्यागत स्वर, स्वरभक्ति स्वर
anaptyxis स्वरभक्ति, स्वरागम, मध्यस्वरागम, विप्रकर्ष
anaptyxis, consonantal व्यंजनभक्ति, व्यंजनागम
angularsha-ped character कोणात्मक लिपि
animal language प्राणि-भाषा, पशुभाषा
animate चेतन, सजीव
animate gender चेतन लिंग, प्राणिलिंग
animate noun चेतन संज्ञा, सजीवसंज्ञा
anomalous verb अनियमित क्रिया
anomoly अनियम, अव्यवस्था
antagonistic language विरोधी भाषा
antecedent पूर्वगामी, पूर्वगामी शब्द
antepenult उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
antepenultimate उपधापूर्व, उपांत्यपूर्व
anterior पूर्ववर्ती
anterior syllable पूर्ववर्ती अक्षर
anthropomorphic character मानवरूपात्मक लिपि
anticipation पूर्व प्रभाव
antonomasia परस्थानी प्रयोग, संज्ञास्थानी विशेषण प्रयोग, विशेषणस्थानी संज्ञाप्रयोग
antonym विलोम, विलोमार्थी, विपरीतार्थी
aorist लुङ्लकार, सामान्य भूत, अनिश्चित भूत
aorist, causative प्रेरणार्थक लुङ, प्रेर-

णार्थ सामान्य भूत
aorist, duplicated द्विगुणीकृत लुङ, अभ्यस्त लुङ
aoristic लुङात्मक
aorist, passive कर्मवाच्य लुङ
aorist, periphrastic पल्लवित लुङ, वियोगात्मक सामान्य भूत
aorist, simple सामान्य लुङ
aorist, strong सबलभूत, सबल लुङ
aorist, thematic सविकरण लुङ
aperture मुख रंध्र, मुख-विवर, विवर
aphasia वाग्रोध
apheresis आदि अक्षर लोप, आदि स्वर लोप, आदि वर्णलोप
aphesis आदि वर्ण लोप, आदि स्वर लोप
aphorist सूत्रकार
aphoristic सूत्रात्मक
apical अग्र, अग्रवर्ती, पूर्ववर्ती, जिह्वानोकी
apical articulation जिह्वानोकी उच्चारण
apical contact जिह्वानोकी संपर्क या स्पर्श
apocope अन्त्यवर्ण लोप, अंत्याक्षर लोप, अंत्य लोप, अंत्य स्वरलोप, अंत्य व्यंजन लोप
apodosis परिणामी उपवाक्य
apophony अपश्रुति, अक्षरावस्थान, स्वर विकार, स्वर-विकृति, मात्रिक अपश्रुति
aposiopesis आकस्मिक वाग्रोध, मध्य-रोध
apostrophe षष्ठी चिह्न, संबंध चिह्न, एँपास्ट्राफ़ि
apparatus, respiratory श्वास यन्त्र
appellative जातिवाचक संज्ञा, श्रोता पक्ष
application प्रयोग, सम्प्रयोग
applicative aspect प्रायोगिक पक्ष
applied linguistics प्रायोगिक भाषा-विज्ञान
appositional compounds कर्मधारय समास
apraxia प्रत्यभिज्ञा लोप
arbitrary यादृच्छिक
arbitrary vocal symbol यादृच्छिक ध्वनिप्रतीक
archaic आर्ष, पुरातन, प्राचीन, अप्रचलित
archaism आर्ष प्रयोग, प्राचीन अभिव्यक्ति, अप्रचलित प्रयोग
archiphoneme मूल ध्वनिग्राम
area क्षेत्र
area, dialect बोली-क्षेत्र
areal क्षेत्रीय, क्षेत्र-विषयक
area, linguistic भाषा-क्षेत्र
areal linguistics क्षेत्रीय भाषा-विज्ञान
argot गुप्त भाषा, चोर-भाषा
arranged व्यवस्थित, क्रमबद्ध
arrangement व्यवस्था, क्रम
arrowheaded sign वाणमुखी चिह्न
article उपपद
article, definite निश्चितार्थी उपपद
article, indefinite अनिश्चितार्थी उपपद
articulate व्यक्त
articulated उच्चरित
articulate sentence पूर्ण वाक्य
articulate sound व्यक्त ध्वनि
articulate speech व्यवस्थित भाषा
articulation उच्चारण
articulation, place of उच्चारणस्थान
articulator करण, उच्चारण-अवयव
articulatory difference उच्चारण-गत भिन्नता
artificial language कृत्रिम भाषा
artificial palate कृत्रिम तालु
arytenoid cortilege दर्विकास्थि
aspect पक्ष
aspirate महाप्राण, प्राणध्वनि ह-कार
aspirated महाप्राण, सप्राण, महाप्राणयुक्त, महाप्राणित, महाप्राणीकृत
aspiration महाप्राणत्व, महाप्राणीभवन, महाप्राणीकरण
assertive निश्चयात्मक, निश्चयबोधक, दृढ़ताबोधक

asseverative particle निश्चयात्मक निपात
assibilation ऊष्मीकरण, ऊष्मीभवन
assimilated phoneme समीकृत ध्वनिग्रामी
assimilation समीकरण, अनुरूपता, समीभवन, सारुप्य
assimilation, mutual अन्योन्य समीकरण
assimilation, progressive पुरोगामी समीकरण, पूरोवर्त समीकरण
assimilation regressive पश्चगामी समीकरण
assimilatory condensation समध्वनि लोप, समाक्षर लोप
assimilatory phoneme समीकारी ध्वनिग्राम
association संसर्ग, साहचर्य
association group संसर्ग-वर्ग, साहचर्य वर्ग
associational word साहचर्यिक शब्द
assonance स्वरानुप्रास, स्वर-अभ्यास
asterisk तारक-चिह्न
astounding theory विस्मयकारी सिद्धान्त, आश्चर्यकारक सिद्धान्त
asyllabic अनाक्षरिक, अनाक्षरिक ध्वनिग्राम
asyndeton द्वन्द्व समास
asyntactic compound व्याकरण विरुद्ध समास, अनियमित समास
atelic aspect आपूर्ण पक्ष
athematic अविकरण, आदिष्ट, मूलविहीन, प्रकरणात्मक
atonic सुर-सवहीन, बलाघात शून्य
attested form प्रयुक्त रूप, प्राप्त रूप
attraction संक्षेपण, रूपात्मक समीकरण
attribute गुण, धर्म, गुणबोधक, धर्मबोधक
attributive गुणवाचक, गुणबोधक, धर्मबोधक
attributive compound गुणवाचक समास, बहुव्रीहि समास
attributive adjective गुणवाचक विशेषण
attributive Adverb गुणवाचक क्रियाविशेषण
auditory श्रोतृग्राह्य, श्रावणी, श्रौत
auditory image श्रावणी बिंब
auditory language श्रोतृ भाषा
auditory nerve श्रावणी स्नायु
augment आगम, ध्वनि-आगम, वृद्धि
augmentative आगमी, आगमीय, आगम-विषयक, आगमित शब्द
augmentative suffix आगमी प्रत्यय
autonomous sound changeनिरपेक्ष ध्वनि-परिवर्तन, स्वयंभू ध्वनिपरिवर्तन
auxiliary सहकारी, सहायक
auxiliary numeral सहकारी संख्यावाचक
auxiliary verb सहायक क्रिया
average pronunciation सामान्य उच्चारण

B

back पश्च, पिछला
back close vowel पश्च संवृत स्वर
back formation पश्चगामी रचना, पश्च-रचना
back guttural जिह्वामूलीय
backing पश्चावर्तन
back of the tongue चिह्वा-पश्च, पश्चजिह्वा
back-open vowel पश्च विवृत स्वर
back vowel पश्च स्वर
balance sentenceसन्तुलित वाक्य
barbarism अव्याकरणिक, अनार्ष प्रयोग व्याकरण-विरुद्ध
bartholomae's law बारथोलोमे नियम
base प्रकृति, प्रातिपादिक, आधार, धातु, मूल
base of comparison तौलनिक आधार
base of inflection प्रातिपदिक, प्रकृति

णार्थ सामान्य भूत
aorist, duplicated द्विगुणीकृत लुङ, अभ्यस्त लुङ
aoristic लुङात्मक
aorist, passive कर्मवाच्य लुङ
aorist, periphrastic पल्लवित लुङ, वियोगात्मक सामान्य भूत
aorist, simple सामान्य लुङ
aorist, strong सबलभूत, सबल लुङ
aorist, thematic सविकरण लुङ
aperture मुख रंध्र, मुख-विवर, विवर
aphasia वाग्रोध
apheresis आदि अक्षर लोप, आदि स्वर लोप, आदि वर्णलोप
aphesis आदि वर्ण लोप, आदि स्वर लोप
aphorist सूत्रकार
aphoristic सूत्रात्मक
apical अग्र, अग्रवर्ती, पूर्ववर्ती, जिह्वानोकी
apical articulation जिह्वानोकी उच्चारण
apical contact जिह्वानोकी संपर्क या स्पर्श
apocope अन्त्यवर्ण लोप, अंत्याक्षर लोप, अंत्य लोप, अंत्य स्वरलोप, अंत्य व्यंजन लोप
apodosis परिणामी उपवाक्य
apophony अपश्रुति, अक्षरावस्थान, स्वर विकार, स्वर-विकृति, मात्रिक अपश्रुति
aposiopesis आकस्मिक वाग्रोध, मध्य-रोध
apostrophe षष्ठी चिह्न, संबंध चिह्न, एँपास्ट्राफ़ि
apparatus, respiratory श्वास यन्त्र
appellative जातिवाचक संज्ञा, श्रोता पक्ष
application प्रयोग, सम्प्रयोग
applicative aspect प्रायोगिक पक्ष
applied linguistics प्रायोगिक भाषा-विज्ञान
appositional compounds कर्म-धारय समास
apraxia प्रत्यभिज्ञा लोप
arbitrary यादृच्छिक
arbitrary vocal symbol यादृच्छिक ध्वनिप्रतीक
archaic आर्ष, पुरातन, प्राचीन, अप्रचलित
archaism आर्ष प्रयोग, प्राचीन अभि-व्यक्ति, अप्रचलित प्रयोग
archiphoneme मूल ध्वनिग्राम
area क्षेत्र
area, dialect बोली-क्षेत्र
areal क्षेत्रीय, क्षेत्र-विषयक
area, linguistic भाषा-क्षेत्र
areal linguistics क्षेत्रीय भाषा-विज्ञान
argot गुप्त भाषा, चोर-भाषा
arranged व्यवस्थित, क्रमबद्ध
arrangement व्यवस्था, क्रम
arrowheaded sign वाणमुखी चिह्न
article उपपद
article, definite निश्चितार्थी उपपद
article, indefinite अनिश्चितार्थी उपपद
articulate व्यक्त
articulated उच्चरित
articulate sentence पूर्ण वाक्य
articulate sound व्यक्त ध्वनि
articulate speech व्यवस्थित भाषा
articulation उच्चारण
articulation, place of उच्चारणस्थान
articulator करण, उच्चारण-अवयव
articulatory difference उच्चारण-गत भिन्नता
artificial language कृत्रिम भाषा
artificial palate कृत्रिम तालु
arytenoid cortilege दर्विकास्थि
aspect पक्ष
aspirate महाप्राण, प्राणध्वनि ह-कार
aspirated महाप्राण, सप्राण, महाप्राणयुक्त, महाप्राणित, महाप्राणीकृत
aspiration महाप्राणत्व, महाप्राणीभवन, महाप्राणीकरण
assertive निश्चयात्मक, निश्चयबोधक, दृढ़ताबोधक

asseverative particle निश्चयात्मक निपात
assibilation ऊष्मीकरण, ऊष्मीभवन
assimilated phoneme समीकृत ध्वनिग्रामी
assimilation समीकरण, अनुरूपता, समीभवन, सारुप्य
assimilation, mutual अन्योन्य समीकरण
assimilation, progressive पुरोगामी समीकरण, पूरोवर्त समीकरण
assimilation regressive पश्चगामी समीकरण
assimilatory condensation समध्वनि लोप, समाक्षर लोप
assimilatory phoneme समीकारी ध्वनिग्राम
association संसर्ग, साहचर्य
association group संसर्ग-वर्ग, साहचर्य वर्ग
associational word साहचर्यिक शब्द
assonance स्वरानुप्रास, स्वर-अभ्यास
asterisk तारक-चिह्न
astounding theory विस्मयकारी सिद्धान्त, आश्चर्यकारक सिद्धान्त
asyllabic अनाक्षरिक, अनाक्षरिक ध्वनिग्राम
asyndeton द्वन्द्व समास
asyntactic compound व्याकरण विरुद्ध समास, अनियमित समास
atelic aspect आपूर्ण पक्ष
athematic अविकरण, आदिष्ट, मूलविहीन, प्रकरणात्मक
atonic सुर-सवहीन, बलाघात शून्य
attested form प्रयुक्त रूप, प्राप्त रूप
attraction संक्षेपण, रूपात्मक समीकरण
attribute गुण, धर्म, गुणबोधक, धर्मबोधक
attributive गुणवाचक, गुणबोधक, धर्मबोधक
attributive compound गुणवाचक समास, बहुव्रीहि समास
attributive adjective गुणवाचक विशेषण
attributive Adverb गुणवाचक क्रियाविशेषण
auditory श्रोतृग्राह्य, श्रावणी, श्रौत
auditory image श्रावणी बिंब
auditory language श्रोतृ भाषा
auditory nerve श्रावणी स्नायु
augment आगम, ध्वनि-आगम, वृद्धि
augmentative आगमी, आगमीय, आगम-विषयक, आगमित शब्द
augmentative suffix आगमी प्रत्यय
autonomous sound change निरपेक्ष ध्वनि-परिवर्तन, स्वयंभू ध्वनिपरिवर्तन
auxiliary सहकारी, सहायक
auxiliary numeral सहकारी संख्यावाचक
auxiliary verb सहायक क्रिया
average pronunciation सामान्य उच्चारण

B

back पश्च, पिछला
back close vowel पश्च संवृत स्वर
back formation पश्चगामी रचना, पश्च-रचना
back guttural जिह्वामूलीय
backing पश्चावर्तन
back of the tongue जिह्वा-पश्च, पश्चजिह्वा
back-open vowel पश्च विवृत स्वर
back vowel पश्च स्वर
balance sentence सन्तुलित वाक्य
barbarism अव्याकरणिक, अनार्ष प्रयोग व्याकरण-विरुद्ध
bartholomae's law बारथोलोमे नियम
base प्रकृति, प्रातिपादिक, आधार, धातु, मूल
base of comparison तौलनिक आधार
base of inflection प्रातिपदिक, प्रकृति

basic मूल, मौलिक, आधारभूत
basic language मूल भाषा, आधार भाषा
basic principle मूल तत्त्व, आधार-भूत-सिद्धान्त
basis आधार
basis of articulation उच्चारणाधार
benedictive आशीः, आशीर्लिङ्
bibliography पुस्तक-सूची, संदर्भ-सूची
bilabial (bi-labial) द्वयोष्ठ्य
bilabiodental द्वयोष्ठदंत्य
bilateral opposition द्विपार्श्व विरोध
bilingual द्विभाषा-भाषी
bilingualism द्विभाषिता
bilinguality द्विभाषिता
binary द्वितत्त्वी, द्विपक्षी, द्वयांगी
binary principle द्विगतिक सिद्धांत
biolinguistics जैविक भाषा-विज्ञान
blade फलक
blade of the tongue जिह्वाफलक, जिह्वाग्र
blend मिश्र, मिश्र शब्द, मिश्रित शब्द, संकर
blending संकरता, मिश्रण
blocked syllable बद्धाक्षर, व्यंजनांत अक्षर
borrowed गृहीत
borrowed character गृहीत लिपि
borrowed word गृहीत शब्द
bonrrowed elemnet गृहीत तत्त्व
borrowing ग्रहण
bound बद्ध, आबद्ध
bound accent बद्ध बलाघात, अपरिवर्ती बलाघात
boundary सीमा, सीमांत
boundary language सीमान्त-भाषा
bounded noun बद्ध संज्ञा
bound form बद्धरूप
bound morpheme बद्ध रूपग्राम
bourgeois language बुर्जुआ भाषा
bow-wow theory दे० onomatopoetic theory.

bracket कोष्ठ, कोष्ठक
bracket round गोल-कोष्ठक, छोटा कोष्ठक
bracket square चौकोर कोष्ठक, बड़ा कोष्ठक
branch शाखा, प्रशाखा
breath श्वास
branchylogy समास-शैली, सूत्राभिव्यक्ति
breath force प्राण शक्ति, श्वास-शक्ति
breathed अघोष
breath in श्वास
breathing group श्वास वर्ग
breath out निःश्वास, प्रश्वास
breathings प्राणत्व, प्राणचिह्न
breve चंद्र
bridge-letter सेतु-वर्ण
bridge-phoneme सेतु ध्वनिग्राम
bridge-sound सेतु ध्वनि
bridge-syllable सेतु-अक्षर
bridge-vowel सेतुस्वर
bright vowel अग्रस्वर, स्पष्ट स्वर, उज्ज्वल स्वर
broad आयत, स्थूल
broad consonant आयत व्यंजन, पश्चस्वरानुवर्ती व्यंजन
broad romic आयत रोमिक
broad transcription स्थूल प्रतिलेखन, आयत प्रतिलेखन
broad vowel पश्च स्वर, आयत स्वर
broken टूटी-फूटी
buccal मुखसम्बन्धी, मौखिक
buccal cavity मुख-विवर
building language रचनात्मक भाषा

C

cacography दुष्प्रयोग, दूषित शब्द-चयन, अशुद्ध वर्तनी, दूषित भाषा
cacology कुप्रयोग, दुष्प्रयोग; अशुद्धोच्चारण
cacophony श्रुतिकटुता, ध्वनि-कर्कशता
cacuminal मूर्द्धन्य

cadence स्वर-संगति, लय
cadenced सुरीला, लययुक्त
cant सांकेतिक भाषा, सांकेतिक शब्द-समूह
capital letter बड़ा अक्षर, बृहदक्षर
cardinal मूल, मौलिक, आधारभूत
cardinal consonant मूल, आधार, मान, मानक या मुख्य व्यंजन
cardinal numeral मुख्य अंक, पूर्ण संख्य-ावाचक विशेषण
cardinal vowel प्रधानस्वर, मूल स्वर आधार स्वर, मान स्वर
carian case विहीनार्थी कारक
cartilage क्वास्थि
case कारक, विभक्ति
case, ablative अपादान कारक, अपादान विभक्ति
case, accusative द्वितीया विभक्ति, कर्म कारक
case, dative सम्प्रदान कारक, चतुर्थी विभक्ति
case ending विभक्ति, कारक-विभक्ति, सुप, कारकान्त
case form कारक रूप
case genitive संबंधकारक, षष्ठी विभक्ति
case, indirect परोक्ष विभक्ति, परोक्ष कारक
case, inflection कारक-रूप, नाम रूप, सुबन्त
case, instrumental तृतीया विभक्ति, करण कारक
case, locative सप्तमी विभक्ति, अधिकरण कारक
case, nominative प्रथमाविभक्ति, कर्ता कारक
case, objective द्वितीया विभक्ति, कर्म कारक
case, possessive षष्ठी विभक्ति, संबंध कारक
case termination कारक विभक्ति
case, uocative संबोधन

caste जाति, वर्ग
caste language जातिभाषा
caste-less जातिशून्य, वर्गविहीन
casteless nouns जातिशून्य संज्ञा, निम्नवर्गीय संज्ञा
catch स्पर्श, स्वरयंत्रमुखी स्पर्श
category श्रेणी, वर्ग
causal प्रेरणार्थक, णिजन्त
causal clause कारणात्मक उपवाक्य, कारणात्मक वाक्यांश
causal conjunction कारणवाचक समुच्चयबोधक अव्यय
causal sense प्रेरक अर्थ, णिजर्थ
causative प्रेरणार्थक, णिजन्त
causative aspect प्रेरणार्थक पक्ष
causative conjunction कारण-वाचक समुच्चयबोधक अव्यय
causative root प्रेरणार्थक धातु
cavity विवर, द्वार
cavity, nasal नासिका विवर
cavity vocal मुख विवर
centering diphthong केन्द्राभिमुखी संयुक्त स्वर
central केन्द्रीय
central vowel मध्यस्वर, केन्द्रीय स्वर
centre केन्द्र
centro-dental मध्यदन्त्य
centum केंतुम
cerebra मूर्द्धा
cerebral मूर्द्धन्य
cerebralisation मूर्द्धन्यीकरण
cerebralizer मूर्द्धन्यकारी
cerebrum मूर्द्धा, मस्तिष्क
chamber कोष्ठ
chamber, resonance प्रतिध्वनन-कोष्ठ
change परिवर्तन, विकार
changing परिवर्तनशील
character लिपि-चिह्न, प्रकृति
characteristic लक्षण
chart चार्ट

basic मूल, मौलिक, आधारभूत
basic language मूल भाषा,आधार भाषा
basic principle मूल तत्त्व, आधार-भूत-सिद्धान्त
basis आधार
basis of articulation उच्चारणाधार
benedictive आशीः, आशीर्लिङ्
bibliography पुस्तक-सूची, संदर्भ-सूची
bilabial (bi-labial) द्वयोष्ठ्य
bilabiodental द्वयोष्ठदंत्य
bilateral opposition द्विपार्श्व विरोध
bilingual द्विभाषा-भाषी
bilingualism द्विभाषिता
bilinguality द्विभाषिता
binary द्वितत्त्वी, द्विपक्षी, द्वयांगी
binary principle द्विगतिक सिद्धांत
biolinguistics जैविक भाषा-विज्ञान
blade फलक
blade of the tongue जिह्वाफलक, जिह्वाग्र
blend मिश्र, मिश्र शब्द, मिश्रित शब्द, संकर
blending संकरता, मिश्रण
blocked syllable बद्धाक्षर, व्यंजनांत अक्षर
borrowed गृहीत
borrowed character गृहीत लिपि
borrowed word गृहीत शब्द
bonrrowed elemnet गृहीत तत्त्व
borrowing ग्रहण
bound बद्ध, आबद्ध
bound accent बद्ध बलाघात, अपरिवर्ती बलाघात
boundary सीमा, सीमांत
boundary language सीमान्त-भाषा
bounded noun बद्ध संज्ञा
bound form बद्धरूप
bound morpheme बद्ध रूपग्राम
bourgeois language बुर्जुआ भाषा
bow-wow theory दे० onomatopoetic theory.

bracket कोष्ठ, कोष्ठक
bracket round गोल-कोष्ठक, छोटा कोष्ठक
bracket square चौकोर कोष्ठक, बड़ा कोष्ठक
branch शाखा, प्रशाखा
breath श्वास
branchylogy समास-शैली, सूत्राभिव्यक्ति
breath force प्राण शक्ति, श्वास-शक्ति
breathed अघोष
breath in श्वास
breathing group श्वास वर्ग
breath out निःश्वास, प्रश्वास
breathings प्राणत्व, प्राणचिह्न
breve चंद्र
bridge-letter सेतु-वर्ण
bridge-phoneme सेतु ध्वनिग्राम
bridge-sound सेतु ध्वनि
bridge-syllable सेतु-अक्षर
bridge-vowel सेतुस्वर
bright vowel अग्रस्वर, स्पष्ट स्वर, उज्ज्वल स्वर
broad आयत, स्थूल
broad consonant आयत व्यंजन, पश्चस्वरानुवर्ती व्यंजन
broad romic आयत रोमिक
broad transcription स्थूल प्रति-लेखन, आयत प्रतिलेखन
broad vowel पश्च स्वर, आयत स्वर
broken टूटी-फूटी
buccal मुखसम्बन्धी, मौखिक
buccal cavity मुख-विवर
building language रचनात्मक भाषा

C

cacography दुष्प्रयोग, दूषित शब्द-चयन, अशुद्ध वर्तनी, दूषित भाषा
cacology कुप्रयोग, दुष्प्रयोग; अशुद्धोच्चारण
cacophony श्रुतिकटुता, ध्वनि-कर्कशता
cacuminal मूर्द्धन्य

cadence स्वर-संगति, लय
cadenced सुरीला, लययुक्त
cant सांकेतिक भाषा, सांकेतिक शब्द-समूह
capital letter बड़ा अक्षर, बृहदक्षर
cardinal मूल, मौलिक, आधारभूत
cardinal consonant मूल, आधार, मान, मानक या मुख्य व्यंजन
cardinal numeral मुख्य अंक, पूर्ण संख्य-ावाचक विशेषण
cardinal vowel प्रधानस्वर, मूल स्वर आधार स्वर, मान स्वर
carian case विहीनार्थी कारक
cartilage क्वास्थि
case कारक, विभक्ति
case, ablative ओपादान कारक, अपादान विभक्ति
case, accusative द्वितीया विभक्ति, कर्म कारक
case, dative सम्प्रदान कारक, चतुर्थी विभक्ति
case ending विभक्ति, कारक-विभक्ति, सुप, कारकान्त
case form कारक रूप
case genitive संबंधकारक, षष्ठी विभक्ति
case, indirect परोक्ष विभक्ति, परोक्ष कारक
case, inflection कारक-रूप, नाम रूप, सुबन्त
case, instrumental तृतीया विभक्ति, करण कारक
case, locative सप्तमी विभक्ति, अधिकरण कारक
case, nominative प्रथमाविभक्ति, कर्ता कारक
case, objective द्वितीया विभक्ति, कर्म कारक
case, possessive षष्ठी विभक्ति, संबंध कारक
case termination कारक विभक्ति
case, uocative संबोधन

caste जाति, वर्ग
caste language जातिभाषा
caste-less जातिशून्य, वर्गविहीन
casteless nouns जातिशून्य संज्ञा, निम्नवर्गीय संज्ञा
catch स्पर्श, स्वरयंत्रमुखी स्पर्श
category श्रेणी, वर्ग
causal प्रेरणार्थक, णिजन्त
causal clause कारणात्मक उपवाक्य, कारणात्मक वाक्यांश
causal conjunction कारणवाचक समुच्चयबोधक अव्यय
causal sense प्रेरक अर्थ, णिजर्थ
causative प्रेरणार्थक, णिजन्त
causative aspect प्रेरणार्थक पक्ष
causative conjunction कारण-वाचक समुच्चयबोधक अव्यय
causative root प्रेरणार्थक धातु
cavity विवर, द्वार
cavity, nasal नासिका विवर
cavity vocal मुख विवर
centering diphthong केन्द्राभिमुखी संयुक्त स्वर
central केन्द्रीय
central vowel मध्यस्वर, केन्द्रीय स्वर
centre केन्द्र
centro-dental मध्यदन्त्य
centum केंतुम
cerebra मूर्द्धा
cerebral मूर्द्धन्य
cerebralisation मूर्द्धन्यीकरण
cerebralizer मूर्द्धन्यकारी
cerebrum मूर्द्धा, मस्तिष्क
chamber कोष्ठ
chamber, resonance प्रतिध्वनन-कोष्ठ
change परिवर्तन, विकार
changing परिवर्तनशील
character लिपि-चिह्न, प्रकृति
characteristic लक्षण
chart चार्ट

check स्पर्श वर्ण
checked syllable बद्धाक्षर
chest pulse हृत्स्पंद
clay tablet मृत्पट्टिका
chromatic accent सुर, सुराघात
chrone मात्रा
chroneme मात्राग्राम
chronological कालक्रमिक
chronology कालक्रम
Circumflex स्वरित
class वर्ग, जाति
class-meaning वर्ग-अर्थ
class words वर्ग-शब्द
class cleavage वर्ग भेद
classical क्लासिकल, पुरातन अभिजात्य, लौकिक
classical language क्लासिकल भाषा, लौकिक भाषा
classical sanskrit लौकिक संस्कृत
classification वर्गीकरण
classifier वर्गकर्त्ता
clause उपवाक्य, वाक्यांश
clear स्पष्ट
clear l स्पष्ट ल
click क्लिक, अंतर्मुखी द्विस्पर्श, अंतः-स्फोट द्विस्पर्श
clipped word कर्तित शब्द
close संवृत
closed संवृत
closed construction संवृत रचना
closed sound संवृत ध्वनि
closed stress संवृत बलाघात
closed syllable बद्धाक्षर
close transition अविच्छिन्न संक्रमण
close vowel संवृत स्वर
closure संवृति
cluster समूह, गुच्छ, अनुक्रम
cluster consonant व्यंजन गुच्छ
cluster vowel स्वरानुक्रम
coalescence एकीभाव

coda पर-गह्वर
cognate सजातीय
cognate complement सजातीय पूरक
cognate noun सजातीय संज्ञा
cognate object सजातीय कर्म
cognate verb सजातीय क्रिया
cognate word सजातीय शब्द, एकमूलीय शब्द
coinage शब्द गढ़ना, नव शब्द-निर्माण
coined word नवनिर्मित शब्द, गढ़ा हुआ शब्द
collateral clause उपवाक्य
collective noun समूहवाचक संज्ञा
collective number समूहवाचक संख्या
collective numeral समुदाय संख्यावाचक
collective pronoun समूहवाचक सर्वनाम
collocation शब्द-व्यवस्था, शब्द-क्रम शब्द-निवेशन
colloquial बोलचालका, लोकभाषीय, स्थानीय भाषीय
colloquialism बोलचालका ढंग (शैली)
colloquial style बोलचालकी शैली
colon कोलन
column स्तंभ, खाना
combination सन्धि, संहति
combinatory variants स्थितिजन्य रुपान्तर
comitative case सह-अर्थीय कारक
comma अर्द्धविराम, कॉमा
comma inverted उद्धरण चिह्न
comma juncture कॉमा, संगम, अर्द्धविराम संगम
common case सामान्य कारक
common gender उभयलिंग
common language साधारण भाषा, लोकभाषा
common noun जातिवाचक संज्ञा
common syllable उभयविध अक्षर
communication, संसूचन, सम्प्रेषण

community speech संप्रदाय-भाषा, वर्ग-भाषा
comparative तुलनात्मक
comparative degree तरकोटि, तुलनात्मक कोटि, उत्तरावस्था, तुलनावस्था
comparative grammar तुलनात्मक व्याकरण
comparative linguistics तुलनात्मक भाषाविज्ञान
comparative method तुलनात्मक पद्धति
comparative morphology तुलनात्मक रूपविज्ञान
comparative syntax तुलनात्मक वाक्यविज्ञान
comparison लना
compellativeतु case संबोधन कारक
compensatory lengthening पूर्तिकारी दीर्घीकरण, क्षतिपूरक दीर्घीकरण
complement पूरक, पूर्ति
complementary compounds पूरकात्मक समास
complementary distribution परिपूरक वितरण, पूरक वितरण
complete पूर्ण
complete diphthong पूर्ण संयुक्तस्वर
completely incorporating languages पूर्ण संश्लेषात्मक भाषा
complete predication पूर्णविधेयकत्व
complete reduplication पूर्ण द्विरुक्ति
complete root पूर्ण धातु
complete stop पूर्ण स्पर्श, स्फोटित स्पर्श
complete verb पूर्ण क्रिया, पूर्ण धातु
completive पूर्णतावाची, पूर्णात्मक
complex मिश्र, जटिल
complex sentence मिश्र, मिश्रित या जटिल वाक्य
complex word मिश्र शब्द
complicated उलझा हुआ, पेचीदा, जटिल
component संघटक
component, integral अखण्ड अवयव, अखंड संघटक
composite संश्लिष्ट
composition of sentence वाक्यविन्यास, वाक्यरचना, वाक्य-गठन
compound समास, संयुक्त
compound adverb साधित क्रियाविशेषण, यौगिक क्रिया-विशेषण
compound consonant संयुक्त व्यंजन
compound form संयुक्त रूप
compound indeclinable संयुक्त अव्यय, समस्तपदीय अव्यय
compound morpheme संयुक्त रूपग्राम
compound noun संयुक्त संज्ञा
compound palatal संयुक्त तालव्य
comporend phonem संयुक्त ध्वनिग्राम
compound preposition संयुक्त पूर्वसर्ग
compound predicateसंयुक्त विधेय
compound sentence संयुक्त वाक्य
compound sign संयुक्त चिह्न
compound sound संयुक्त ध्वनि
compound syllable संयुक्ताक्षर
compound tense संयुक्त काल
compound verb संयुक्त क्रिया
compound vowel संयुक्त स्वर
compound word समस्त शब्द, संयुक्त शब्द
concept धारणा, विचार
conceptual धारणात्मक, वैचारिक
concord अन्विति, एकस्वरता, स्वरैकता
concordance अन्विति
concrete मूर्त
concrete noun मूर्तबोधक संज्ञा
concrete sense मूर्त्तभाव, मूर्तार्थ
concrete term मूर्त शब्द
conditional सापेक्ष, सप्रतिबंध, प्रातिबंधिक
conditional clause सोपाधिक उप-

check स्पर्श वर्ण
checked syllable बद्धाक्षर
chest pulse हृत्स्पंद
clay tablet मृत्पट्टिका
chromatic accent सुर, सुराघात
chrone मात्रा
chroneme मात्राग्राम
chronological कालक्रमिक
chronology कालक्रम
Circumflex स्वरित
class वर्ग, जाति
class-meaning वर्ग-अर्थ
class words वर्ग-शब्द
class cleavage वर्ग भेद
classical क्लासिकल, पुरातन अभिजात्य, लौकिक
classical language क्लासिकल भाषा, लौकिक भाषा
classical sanskrit लौकिक संस्कृत
classification वर्गीकरण
classifier वर्गकर्त्ता
clause उपवाक्य, वाक्यांश
clear स्पष्ट
clear l स्पष्ट ल
click क्लिक, अंतर्मुखी द्विस्पर्श, अंतः-स्फोट द्विस्पर्श
clipped word कर्तित शब्द
close संवृत
closed संवृत
closed construction संवृत रचना
closed sound संवृत ध्वनि
closed stress संवृत बलाघात
closed syllable बद्धाक्षर
close transition अविच्छिन्न संक्रमण
close vowel संवृत स्वर
closure संवृति
cluster समूह, गुच्छ, अनुक्रम
cluster consonant व्यंजन गुच्छ
cluster vowel स्वरानुक्रम
coalescence एकीभाव
coda पर-गह्वर
cognate सजातीय
cognate complement सजातीय पूरक
cognate noun सजातीय संज्ञा
cognate object सजातीय कर्म
cognate verb सजातीय क्रिया
cognate word सजातीय शब्द, एकमूलीय शब्द
coinage शब्द गढ़ना, नव शब्द-निर्माण
coined word नवनिर्मित शब्द, गढ़ा हुआ शब्द
collateral clause उपवाक्य
collective noun समूहवाचक संज्ञा
collective number समूहवाचक संख्या
collective numeral समुदाय संख्यावाचक
collective pronoun समूहवाचक सर्वनाम
collocation शब्द-व्यवस्था, शब्द-क्रम शब्द-निवेशन
colloquial बोलचालका, लोकभाषीय, स्थानीय भाषीय
colloquialism बोलचालका ढंग (शैली)
colloquial style बोलचालकी शैली
colon कोलन
column स्तंभ, खाना
combination सन्धि, संहति
combinatory variants स्थितिजन्य रुपान्तर
comitative case सह-अर्थीय कारक
comma अर्द्धविराम, कॉमा
comma inverted उद्धरण चिह्न
comma juncture कॉमा, संगम, अर्द्धविराम संगम
common case सामान्य कारक
common gender उभयलिंग
common language साधारण भाषा, लोकभाषा
common noun जातिवाचक संज्ञा
common syllable उभयविध अक्षर
communication, संसूचन, सम्प्रेषण

community speech संप्रदाय-भाषा, वर्ग-भाषा

comparative तुलनात्मक

comparative degree तरकोटि, तुलनात्मक कोटि, उत्तरावस्था, तुलनावस्था

comparative grammar तुलनात्मक व्याकरण

comparative linguistics तुलनात्मक भाषाविज्ञान

comparative method तुलनात्मक पद्धति

comparative morphology तुलनात्मक रूपविज्ञान

comparative syntax तुलनात्मक वाक्यविज्ञान

comparison लना

compellativeव case संबोधन कारक

compensatory lengthening पूर्त्तिकारी दीर्घीकरण, क्षतिपूरक दीर्घीकरण

complement पूरक, पूर्ति

complementary compounds पूरकात्मक समास

complementary distribution परिपूरक वितरण, पूरक वितरण

complete पूर्ण

complete diphthong पूर्ण संयुक्तस्वर

completely incorporating languages पूर्ण संश्लेषात्मक भाषा

complete predication पूर्णविधेयकत्व

complete reduplication पूर्ण द्विरुक्ति

complete root पूर्ण धातु

complete stop पूर्ण स्पर्श, स्फोटित स्पर्श

complete verb पूर्ण क्रिया, पूर्ण धातु

completive पूर्णतावाची, पूर्णात्मक

complex मिश्र, जटिल

complex sentence मिश्र, मिश्रित या जटिल वाक्य

complex word मिश्र शब्द

complicated उलझा हुआ, पेचीदा, जटिल

component संघटक

component, integral अखण्ड अंवयव, अखंड संघटक

composite संश्लिष्ट

composition of sentence वाक्यविन्यास, वाक्यरचना, वाक्य-गठन

compound समास, संयुक्त

compound adverb साधित क्रियाविशेषण, यौगिक क्रिया-विशेषण

compound consonant संयुक्त व्यंजन

compound form संयुक्त रूप

compound indeclinable संयुक्त अव्यय, समस्तपदीय अव्यय

compound morpheme संयुक्त रूपग्राम

compound noun संयुक्त संज्ञा

compound palatal संयुक्त तालव्य

comporend phonem संयुक्त ध्वनिग्राम

compound preposition संयुक्त पूर्वसर्ग

compound predicateसंयुक्त विधेय

compound sentence संयुक्त वाक्य

compound sign संयुक्त चिह्न

compound sound संयुक्त ध्वनि

compound syllable संयुक्ताक्षर

compound tense संयुक्त काल

compound verb संयुक्त क्रिया

compound vowel संयुक्त स्वर

compound word समस्त शब्द, संयुक्त शब्द

concept धारणा, विचार

conceptual धारणात्मक, वैचारिक

concord अन्विति, एकस्वरता, स्वरैकता

concordance अन्विति

concrete मूर्त

concrete noun मूर्तबोधक संज्ञा

concrete sense मूर्तभाव, मूर्तार्थ

concrete term मूर्त शब्द

conditional सापेक्ष, सप्रतिबंध, प्रातिबंधिक

conditional clause सोपाधिक उप-

वाक्य, प्रातिबंधिक उपवाक्य या वाक्यांश
conditional mood हेतुहेतुमद्भाव, संकेतार्थ लृङ्, क्रियातिपत्ति
conditional past हेतुहेतुमद्भूत
conditional sentence प्रातिबंधिक वाक्य, सोपाधिक वाक्य, प्रतिबंधात्मक वाक्य
conditional sound change परिस्थितिजन्य ध्वनिपरिवर्तन, सोपाधिक ध्वनिपरिवर्तन
conditional stress प्रतिबद्ध बलाघात
conditional variants प्रतिबद्ध रूपांतर
conformative पुष्टिकारी, समर्थक
congruence संगति, अन्विति
conjugated form तिङन्त
conjugation क्रिया-रूप, तिङन्ती रूप, काल-प्रक्रिया
conjugatonal termination तिङ्
conjunct संयुक्त, संयोजक, संयुक्त व्यंजन
conjunct consonant संयुक्त व्यंजन
conjunct vowel संयुक्त स्वर
conjunction समुच्चयबोधक
conjunctive संयोजक
conjunctive adverb संयोजक क्रिया-विशेषण
conjunctive form समुच्चित रूप
conjunctive mood संभाव्य क्रियार्थ
conjunctive participle पूर्वकालिक कृदन्त
conjunctive pronouns समुच्चित सर्वनाम
conjunctive stem समुच्चित प्रकृति, समुच्चित प्रातिपदिक
connected speech संबद्ध भाषण
connecting vowel योजक स्वर, सेतु-स्वर
connection संबंध, योग
connective conjunction योजक समुच्चयबोधक
connective word संयोजक शब्द, योजक शब्द
connotation अर्थ, अभिधान
consequence clause परिणामी उपवाक्य या वाक्यांश
consonance स्वर-ऐक्य, स्वर-संगति
consonant व्यंजन, हल्
consonantal व्यंजनात्मक, व्यंजनीय
consonantal bases हलन्त प्रकृति, व्यंजनांत
consonantal digraph संयुक्त वर्ण, प्रातिपदिक या द्विवर्ण धातु
consonantal epenthesis व्यंजनीय अपिनिहिति
consonantal glide व्यंजन-श्रुति
consonantal group व्यंजन-वर्ग
consonantal terminations हलन्त प्रत्यय, व्यंजनांत प्रत्यय
consonantal trigraph त्रिवर्ण
consonantal vowel व्यांजनिक स्वर
consonantal writing व्यांजनिक लेखन
consonant cluster व्यंजन-गुच्छ
consonantism व्यंजनत्व, व्यंजन-विज्ञान
consonantization व्यंजनीकरण
constituent अवयव
constricted निकुंचित
constructio ad sensum अर्थानुकूल रचना
construction रचना; अवयव; वाक्य-विन्यास
construction, active कर्तृवाचक वाक्य-विन्यास या रचना
construction, passive कर्मवाचक वाक्य-विन्यास या रचना
contact संपर्क, स्पर्श, संस्पर्श
contact anticipation पश्चगामी समीकरण
contact phonetic change कारण-जन्य ध्वनिपरिवर्तन, सापेक्ष ध्वनिपरिवर्तन, परोद्भूत ध्वनिपरिवर्तन
contact pregressive assimilation पार्श्ववर्ती पश्चगामी व्यंजन समीकरण

contact progressive assimilation पार्श्ववर्ती पुरोगामी व्यंजन समीकरण
contact sound संपर्कित ध्वनि
contact theory संपर्क सिद्धांत
contact vernacular संपर्क भाषा, संपर्क लोक भाषा
contamination संपर्क-विकार, संपर्क-प्रभाव, मिश्रण
content अंतःतत्त्व
context संदर्भ, परिस्थिति
contextual variant सांदर्भिक रूपाँतर
contingent आपातिक, संभाव्य
contingent future संभाव्य भविष्य
contingent mood संभावनार्थ
contingent perfect पूर्ण संभावनार्थ
continuant सप्रवाह, अव्याहत, अनवरुद्ध
continuative अव्याहत, सप्रवाह
continuative conjunction सप्रवाह समुच्चयबोधक
continuous अविच्छिन्न, अप्रतिहत
continuous writing अविच्छिन्न लेखन
contour tone कंतूर तान, चल तान, चलसुर
contracted sense संकुचित अर्थ
contraction संकोच, संकोचन
contraction of meaning अर्थ-संकोच
contradictory विरोधात्मक, विरोधी
contrast विरोध, व्यतिरेक, वैषम्य
contrastive, व्यतिरेकी, विरोधी
contrastive pair व्यतिरेकी युग्म, विरोधी युग्म
conventional परंपरागत, सांकेतिक
conventional sign सांकेतिक चिह्न
convergence संक्रमण, अभिसरण
conversation बातचीत
conversational बातचीतका, बातचीत-विषयक
co-ordinate समपदस्थ, समान, समानाश्रित; समानाधिकरण
co-ordinate alternative conjunction समानाश्रित विकल्पवाची समुच्चयबोधक
co-ordinate adversative conjunction समानाश्रित विरोधवाची समुच्चयबोधक
co-ordinate clause समानाधिकरण उपवाक्य, संयुक्त उपवाक्य
coordinated adjective समानाश्रित विशेषण, समपदस्थ विशेषण
coordinating conjunction समानाश्रित समुच्चयबोधक
coordinative conjunction समानाश्रित समुच्चयबोधक
coordinative cumulative conjunction समानाश्रित उपचय समुच्चय बोधक
coordinative illative conjunction समानाश्रित आनुमानिक समुच्चयबोधक
copula संयोजक, संयोजक क्रिया; विधेयक
copulative संयोजक
copulative compound द्वन्द्व-समास
copulative conjunction समुच्चयबोधक अव्यय, संयोजक
coronal articulation शीर्ष उच्चारण
correct शुद्ध, साधु
correct form शुद्ध रूप
correctness साधुता, शुद्धता
correlation अन्योन्य संबंध, पारस्परिक संबंध
correlative संबद्ध, संबंधित, अन्योन्याश्रयी
correlative conjunction अन्योन्याश्रयी संयोजक, संकेतवाचक समुच्चयबोधक अव्यय, परस्पर संबद्ध समुच्चय बोधक
correlative phrase अन्योन्याश्रयी वाक्यांश या उपवाक्य
correlative pronoun नित्यसंबंधी सर्वनाम
correlative word अन्योन्याश्रयी शब्द

वाक्य, प्रातिबंधिक उपवाक्य या वाक्यांश
conditional mood हेतुहेतुमद्भाव, संकेतार्थ लृङ्, क्रियातिपत्ति
conditional past हेतुहेतुमद्भूत
conditional sentence प्रातिबंधिक वाक्य, सोपाधिक वाक्य, प्रतिबंधात्मक वाक्य
conditional sound change परिस्थितिजन्य ध्वनिपरिवर्तन, सोपाधिक ध्वनि-परिवर्तन
conditional stress प्रतिबद्ध बलाघात
conditional variants प्रतिबद्ध रूपांतर
conformative पुष्टिकारी, समर्थक
congruence संगति, अन्विति
conjugated form तिङन्त
conjugation क्रिया-रूप, तिङन्ती रूप, काल-प्रक्रिया
conjugatonal termination तिङ्
conjunct संयुक्त, संयोजक, संयुक्त व्यंजन
conjunct consonant संयुक्त व्यंजन
conjunct vowel संयुक्त स्वर
conjunction समुच्चयबोधक
conjunctive संयोजक
conjunctive adverb संयोजक क्रिया-विशेषण
conjunctive form समुच्चित रूप
conjunctive mood संभाव्य क्रियार्थ
conjunctive participle पूर्वकालिक कृदन्त
conjunctive pronouns समुच्चित सर्वनाम
conjunctive stem समुच्चित प्रकृति, समुच्चित प्रातिपदिक
connected speech संबद्ध भाषण
connecting vowel योजक स्वर, सेतु-स्वर
connection संबंध, योग
connective conjunction योजक समुच्चयबोधक
connective word संयोजक शब्द, योजक शब्द
connotation अर्थ, अभिधान
consequence clause परिणामी उप-वाक्य या वाक्यांश
consonance स्वर-ऐक्य, स्वर-संगति
consonant व्यंजन, हल्
consonantal व्यंजनात्मक, व्यंजनीय
consonantal bases हलन्त प्रकृति, व्यंजनांत
consonantal digraph संयुक्त वर्ण, प्रातिपदिक या द्विवर्ण धातु
consonantal epenthesis व्यंजनीय अपिनिहिति
consonantal glide व्यंजन-श्रुति
consonantal group व्यंजन-वर्ग
consonantal terminations हलन्त प्रत्यय, व्यंजनांत प्रत्यय
consonantal trigraph त्रिवर्ण
consonantal vowel व्यांजनिक स्वर
consonantal writing व्यांजनिक लेखन
consonant cluster व्यंजन-गुच्छ
consonantism व्यंजनत्व, व्यंजन-विज्ञान
consonantization व्यंजनीकरण
constituent अवयव
constricted निकुंचित
constructio ad sensum अर्थानुकूल रचना
construction रचना; अवयव; वाक्य-विन्यास
construction, active कर्तृवाचक वाक्य-विन्यास या रचना
construction, passive कर्मवाचक वाक्य-विन्यास या रचना
contact संपर्क, स्पर्श, संस्पर्श
contact anticipation पश्चगामी समीकरण
contact phonetic change कारण-जन्य ध्वनिपरिवर्तन, सापेक्ष ध्वनिपरिवर्तन, परोद्भूत ध्वनिपरिवर्तन
contact pregressive assimilation पार्श्ववर्ती पश्चगामी व्यंजन समीकरण

contact progressive assimilation पार्श्ववर्ती पुरोगामी व्यंजन समीकरण
contact sound संपर्कित ध्वनि
contact theory संपर्क सिद्धांत
contact vernacular संपर्क भाषा, संपर्क लोक भाषा
contamination संपर्क-विकार, संपर्क-प्रभाव, मिश्रण
content अंतःतत्त्व
context संदर्भ, परिस्थिति
contextual variant सांदर्भिक रूपाँतर
contingent आपातिक, संभाव्य
contingent future संभाव्य भविष्य
contingent mood संभावनार्थ
contingent perfect पूर्ण संभावनार्थ
continuant सप्रवाह, अव्याहत, अनवरुद्ध
continuative अव्याहत, सप्रवाह
continuative conjunction सप्रवाह समुच्चयबोधक
continuous अविच्छिन्न, अप्रतिहत
continuous writing अविच्छिन्न लेखन
contour tone कंतूर तान, चल तान, चलसुर
contracted sense संकुचित अर्थ
contraction संकोच, संकोचन
contraction of meaning अर्थ-संकोच
contradictory विरोधात्मक, विरोधी
contrast विरोध, व्यतिरेक, वैषम्य
contrastive, व्यतिरेकी, विरोधी
contrastive pair व्यतिरेकी युग्म, विरोधी युग्म
conventional परंपरागत, सांकेतिक
conventional sign सांकेतिक चिह्न
convergence संक्रमण, अभिसरण
conversation बातचीत
conversational बातचीतका, बातचीत-विषयक
co-ordinate समपदस्थ, समान, समानाश्रित; समानाधिकरण
co-ordinate alternative conjunction समानाश्रित विकल्पवाची समुच्चयबोधक
co-ordinate adversative conjunction समानाश्रित विरोधवाची समुच्चयबोधक
co-ordinate clause समानाधिकरण उपवाक्य, संयुक्त उपवाक्य
coordinated adjective समानाश्रित विशेषण, समपदस्थ विशषण
coordinating conjunction समानाश्रित समुच्चयबोधक
coordinative conjunction समानाश्रित समुच्चयबोधक
coordinative cumulative conjunction समानाश्रित उपचय समुच्चय बोधक
coordinative illative conjunction समानाश्रित आनुमानिक समुच्चयबोधक
copula संयोजक, संयोजक क्रिया; विधेयक
copulative संयोजक
copulative compound द्वन्द्व-समास
copulative conjunction समुच्चयबोधक अव्यय, संयोजक
coronal articulation शीर्ष उच्चारण
correct शुद्ध, साधु
correct form शुद्ध रूप
correctness साधुता, शुद्धता
correlation अन्योन्य संबंध, पारस्परिक संबंध
correlative संबद्ध, संबंधित, अन्योन्याश्रयी
correlative conjunction अन्योन्याश्रयी संयोजक, संकेतवाचक समुच्चयबोधक अव्यय, परस्पर संबद्ध समुच्चय बोधक
correlative phrase अन्योन्याश्रयी वाक्यांश या उपवाक्य
correlative pronoun नित्यसंबंधी सर्वनाम
correlative word अन्योन्याश्रयी शब्द

correspondence अनुरूपता
corresponding अनुरूप
corresponding form प्रतिरूप
corresponding letter प्रतिवर्ण
corresponding sound प्रतिध्वनि
corresponding word प्रतिशब्द
corrupt विकृत, भ्रष्ट, विकसित
corruption भ्रष्टता, विकृति, विकास
counter accent प्रतिस्वराघात,प्रत्याघात
court language राजभाषा
craesis एकादेश, एकीभाव
crest शीर्ष, चोटी, शिखर, केन्द्र
crest of sonority मुखरता-शीर्ष
criteria, phonetic ध्वानिक मापदंड ध्वन्यात्मक मापदंड
criterion मापदंड
culmination पराकोटि
culminative function पराकोटि कार्यकारिता
cultural language सांस्कृतिक भाषा
cultural linguistics सांस्कृतिक भाषाविज्ञान
cultural vocabulary सांस्कृतिक शब्दावली
cultural word सांस्कृतिक शब्द
cultured सुसंस्कृत
cultured language सुसंस्कृत भाषा
cuneiform कीलाक्षर
curled up उत्कुंचित
current प्रचलित, व्यवहृत
current language प्रचलित भाषा, व्यवहृत भाषा
cursive घसीट
cursive writing घसीट लेखन
curtailed word संक्षिप्त शब्द
curvature वक्रता

D

dark अस्पष्ट, अस्फुट, ध्वांत
dark l अस्पष्ट ल, अस्फुट ल, ध्वांत ल
dark vowel अस्पष्ट स्वर, ध्वांत स्वर
dash डैश, निर्देशक रेखा
dative case संप्रदान कारक
dead language मृतभाषा, विलुप्तभाषा
dead metaphor मृत रूपक
deaspiration अल्प प्राणीकरण
declension संज्ञारूप, सुबन्त, कारकरूप
declinable विकारी
declinable particle अनिपाद पद
decline रूप चलाना, कारक रूप चलाना
decompound विग्रह करना
deduction अनुमिति
deep vowel गर्त स्वर, पश्च स्वर
defective सदोष, दोषपूर्ण, त्रुटिपूर्ण
defective phoneme सदोष ध्वनिग्राम
defective verb सदोष क्रिया, दोषपूर्ण क्रिया
defective writing त्रुटिपूर्ण लेखन
definite निश्चयार्थी
definite adjective of number निश्चित संख्यावाचक विशेषण
definite adjective of quantity निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
definite article निश्चयार्थी उपपद, निश्चयात्मक उपपद
definite cardinal numeral adjective निश्चयार्थी संख्यावाचक विशेषण
definite conjugation निश्चितार्थी क्रियारूप, निश्चयार्थी क्रियारूप
definite declension निश्चयार्थी संज्ञारूप, निश्चितार्थी संज्ञारूप
definite demonstrative adjective संकेतवाचक विशेषण, निश्चयार्थी वाचक विशेषण
definite future past निश्चयार्थी भविष्य भूत
definite future present निश्चयार्थी भविष्य वर्तमान
definite multiplicative numeral adjective निश्चयार्थी गुणात्मक संख्यावाची विशेषण

definite ordinal numeral adjectives निश्चयार्थी क्रमसंख्यावाचक (विशेषण)

definite past continuous निश्चयार्थी भूत अपूर्ण

definite past perfect continuous निश्चयार्थी पूर्ण अपूर्ण भूत

definite past present निश्चयार्थी भूत वर्तमान

definite perfect past present निश्चयार्थी पूर्णभूत वर्तमान

definite present past निश्चयार्थी वर्तमान भूत

definite tense निश्चयार्थी काल

definite verb निश्चयार्थी क्रिया

definition परिभाषा; लक्षण

degree अंश; मात्रा; अवस्था; कोटि

delabialization अनोष्ठीकरण

delative case अवतरणार्थी कारक

delengthening ह्रस्वीकरण

demarcative function सीमांकन-कार्यकारिता

demonstrative संकेतवाचक

demonstrative adjective संकेत-वाचक विशेषण, संकेत-सूचक विशेषण

demonstrative particle संकेत-वाचक पद, संकेतवाचक निपात

demonstrative pronoun संकेत-वाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम

demotic character डिमॉटिक लिपि

demotic writing डिमाटिक लेखन

denazalization अनासिक्यीकरण

denominative नामधातु

denotation अभिधान

denominative present नामधातुज वर्तमान

denom root नामधातु

dental दन्त्य

dental labio दंतौष्ठ्य

dependent clause आश्रित उपवाक्य

dependent sound change सापेक्ष ध्वनिपरिवर्तन, परिस्थितिजन्य परिवर्तन

derivation व्युत्पत्ति, निर्वचन

derivative साधित, व्युत्पन्न, व्युत्पादित

derivational व्युत्पत्ति–विषयक

derivative noun साधित संज्ञा

derivative verb साधित क्रिया

descriptive वर्णनात्मक, विवरणात्मक

descriptive adjective वर्णनात्मक विशेषण

descriptive adverb वर्णनात्मक क्रियाविशेषण

descriptive grammar वर्णनात्मक व्याकरण

descriptive linguistics वर्णनात्मक भाषाविज्ञान

descriptive morphology वर्णनात्मक रूपविज्ञान

descriptive phonetics वर्णनात्मक ध्वनिविज्ञान

descriptive syntax वर्णनात्मक वाक्यविज्ञान

desiderative सन्नन्त, इच्छाबोधक इच्छार्थक

desiderative compound verb सन्नन्त संयुक्त क्रिया

deteriorative अपकर्षार्थी

deteriorative suffix अपकर्षार्थी प्रत्यय

determinative निर्णयात्मक, निर्णायक, निर्धारक

determinative clause निर्णायक उपवाक्य या वाक्यांश

determinative compound तत्पुरुष समास

deviation अपसरण, व्यतिक्रम

device युक्ति

devocalization अघोषीकरण

devoiced अघोष

diachronic ऐतिहासिक

diachronic grammar ऐतिहासिक

न्याकरण

diachronic linguistics ऐतिहासिक भाषाविज्ञान

diachronic phonetics ऐतिहासिक ध्वनिविज्ञान, ध्वनिप्रक्रिया विज्ञान

diacritical mark विशेषक चिह्न

diacritic mark विशेषक चिह्न

diacritic sign विशेषक चिह्न

diagraph द्विवर्ण, द्विग्राह, द्विवर्णग्राह

dialect बोली

dialectal बोलीय, बोलीगत

dialect area बोली क्षेत्र

dialect atlas बोली एटलस

dialect geography बोली भूगोल

dialect local स्थानीय बोली

dialectology बोली-विज्ञान

dialect range बोली परिधि

diaphone प्रध्वनि, विषुस्वन

diaphonic variants प्रध्वनीय अंतर विषुस्वनीय भेद

diction शब्द-चयन

dictionary शब्दकोश

dieresis विप्रकर्ष स्वरभाजक

difference व्यतिरेक, भेद, अन्तर

differentiation भेदीकरण

different phonemic environment भिन्न ध्वनिग्रामिक परिवेश

digetal language अंकभाषा

digraph द्विवर्ण, द्विलिपि

dimetrism द्विमात्रिकता

diminutival force अल्पार्थकीय बल

diminutival sense अल्पार्थ

diminutive अल्पार्थक, लघ्वर्थक, लघुत्वार्थक

diminutive aspect अल्पार्थी पक्ष

diminutive suffix अल्पार्थी प्रत्यय

ding-dong theory डिंग-डांगवाद

diphthong संयुक्त स्वर, संध्यक्षर

diphthongisation संध्यक्षरीकरण

diplomatic edition यथावत् अनुलिपि

diplomatic transcription यथावत् अनुलिपि

direct मूल, अविकारी, प्रधान

direct case मूल कारक, कर्ताकारक

direct form मूल रूप, प्रधान रूप, अविकारी रूप

direct narration साक्षातुक्ति

direct object मुख्य कर्म, प्रधान कर्म, प्रत्यक्ष कर्म

direct question प्रत्यक्ष प्रश्न

direct quotation यथावत् उद्धरण

directive case अर्थार्थी कारक

disagreement अन्वयाभाव, अनन्वय

disappearance लोप, अन्तर्धान, तिरोभाव

disguised प्रच्छन्न

disintegrated sound विकलित ध्वनि

disintegration भेदीकरण, विखंडन

disjunction वियोजन

disjunctive conjunction वियोजक समुच्चयबोधक

disjunctive sentence वियोजक वाक्य

dislocation अपसरण

displaced speech अस्थानीकृत भाषा

displacement अपसरण, अस्थानीकृत बोली

displacement of meaning अर्थादेश, अर्थापसरण

dissimilar विषम, असमान

dissimilation विषमीकरण, असमानीकरण

dissonance ध्वनि-वैषम्य, विस्वनता

dissyllabic द्व्याक्षरी, द्व्यक्षरात्मक

distant assimilation दूरवर्ती समीकरण

distinction of meaning अर्थभेद

distinctive सुस्पष्ट, विशेषक तत्त्व

distinctive element विशेषक तत्त्व

distinctive feature विशेष लक्षण, विशेषक लक्षण

distinctive function विशेषक कार्य-कारिता
distinctive phenomenon सुस्पष्ट, अनुलक्षण
distinguished महत्त्वपूर्ण
distraction संप्रसारण
distribution वितरण, बंटन
distributional वितरणात्मक
distributional analysis वितरणात्मक विश्लेषण
distributional description वितरणात्मक वर्णन
distribution, complementary परिपूरक वितरण, पूरक वितरण, पूरक बंटन
distribution exclusive अनन्य वितरण, अपवर्जी वितरण
distribution free मुक्त वितरण, अबाध वितरण
distributive adjective वितरणात्मक विशेषण
distributive aspect वितरण पक्ष
distributive numeral वितरणात्मक संख्यावाचक
disuse अप्रचलन, प्रयोगाभाव
divergence विभेद, अपसरण, व्युत्क्रमण
divergence dialectical बोलीगत विभेद
divergent अपसारी, व्युत्क्रांत
divergents संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन
diversity भिन्नता, विभिन्नता
diversity, dialectal बोलीगत विभिन्नता
divided विभक्त
divided consonant विभक्त व्यंजन
divine origin दिव्य उत्पत्ति
divine theory दैवी सिद्धान्त
division विभाजन
doctrine वाद, सिद्धान्त,मत
document प्रलेख, दस्तावज
domesticated word गृह्य शब्द
dorsal पृष्ठ, पृष्ठीय
dorsum पृष्ठ
double द्वि, द्विगुण, द्विगुणित, द्वित्व
double consonant द्वित्व-व्यंजन
double letter द्वित्व-वर्ण
double negative द्विगुणित नकारात्मक
double plural द्विगुणित बहुवचन
doublet एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, द्वित्तक, युग्मक
doubling द्वित्व
doubtful सन्दिग्ध
doubtful origin सन्दिग्ध व्युत्पत्ति
doubtful past सन्दिग्ध भूत
doubtful present संदिग्ध वर्तमान
drift अपसरण
dual द्विवचन
dual number द्विवचन
duplicaled aorist द्विगुणीकृत लुङ
duplicated verb साभ्यास क्रिया
duplicated word आवृतिवाचक द्विरुक्तिवाचक
duplication पुनरुक्ति, अभ्यास, द्विगुणन
duration मात्रा, मात्राकाल
durative सप्रवाह, अव्याहत, ऊष्म
dynamic चल
dynamic accent चल बलाघात
dynamic linguistics विकासात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, चल भाषाविज्ञान

E

eardrum कर्णशष्कुली, कर्णपटह
echo प्रतिध्वनि, अनुरणन
echoic theory प्रतिध्वनि सिद्धांत, ध्वन्यनुकृतिमूलक सिद्धांत
echoism प्रतिध्वनन, अनुकार
echo-word प्रतिध्वन्यात्मक शब्द, प्रतिध्वनि शब्द
eclipsis व्यंजनलोप; अनुनासिकीकरण
economy of effort प्रयत्न लाघव
ecphoneme विस्मयादिबोधक चिह्न
ecthlipsis व्यंजन लोप

न्याकरण

diachronic linguistics ऐतिहासिक भाषाविज्ञान

diachronic phonetics ऐतिहासिक ध्वनिविज्ञान, ध्वनिप्रक्रिया विज्ञान

diacritical mark विशेषक चिह्न

diacritic mark विशेषक चिह्न

diacritic sign विशेषक चिह्न

diagraph द्विवर्ण, द्विग्राह, द्विवर्णग्राह

dialect बोली

dialectal बोलीय, बोलीगत

dialect area बोली क्षेत्र

dialect atlas बोली एटलस

dialect geography बोली भूगोल

dialect local स्थानीय बोली

dialectology बोली-विज्ञान

dialect range बोली परिधि

diaphone प्रध्वनि, विषुस्वन

diaphonic variants प्रध्वनीय अंतर विषुस्वनीय भेद

diction शब्द-चयन

dictionary शब्दकोश

dieresis विप्रकर्ष स्वरभाजक

difference व्यतिरेक, भेद, अन्तर

differentiation भेदीकरण

different phonemic environment भिन्न ध्वनिग्रामिक परिवेश

digetal language अंकभाषा

digraph द्विवर्ण, द्विलिपि

dimetrism द्विमात्रिकता

diminutival force अल्पार्थकीय बल

diminutival sense अल्पार्थ

diminutive अल्पार्थक, लघ्वर्थक, लघुत्वार्थक

diminutive aspect अल्पार्थी पक्ष

diminutive suffix अल्पार्थी प्रत्यय

ding-dong theory डिंग-डांगवाद

diphthong संयुक्त स्वर, संध्यक्षर

diphthongisation संध्यक्षरीकरण

diplomatic edition यथावत् अनुलिपि

diplomatic transcription यथावत् अनुलिपि

direct मूल, अविकारी, प्रधान

direct case मूल कारक, कर्ताकारक

direct form मूल रूप, प्रधान रूप, अविकारी रूप

direct narration साक्षातुक्ति

direct object मुख्य कर्म, प्रधान कर्म, प्रत्यक्ष कर्म

direct question प्रत्यक्ष प्रश्न

direct quotation यथावत् उद्धरण

directive case अर्थार्थी कारक

disagreement अन्वयाभाव, अनन्वय

disappearance लोप, अन्तर्धान, तिरोभाव

disguised प्रच्छन्न

disintegrated sound विकलित ध्वनि

disintegration भेदीकरण, विखंडन

disjunction वियोजन

disjunctive conjunction वियोजक समुच्चयबोधक

disjunctive sentence वियोजक वाक्य

dislocation अपसरण

displaced speech अस्थानीकृत भाषा

displacement अपसरण, अस्थानीकृत बोली

displacement of meaning अर्थादेश, अर्थापसरण

dissimilar विषम, असमान

dissimilation विषमीकरण, असमानीकरण

dissonance ध्वनि-वैषम्य, विस्वनता

dissyllabic द्वयाक्षरी, द्वयक्षरात्मक

distant assimilation दूरवर्ती समीकरण

distinction of meaning अर्थभेद

distinctive सुस्पष्ट, विशेषक तत्त्व

distinctive element विशेषक तत्त्व

distinctive feature विशेष लक्षण, विशेषक लक्षण

distinctive function विशेषक कार्यकारिता
distinctive phenomenon सुस्पष्ट, अनुलक्षण
distinguished महत्त्वपूर्ण
distraction संप्रसारण
distribution वितरण, बंटन
distributional वितरणात्मक
distributional analysis वितरणात्मक विश्लेषण
distributional description वितरणात्मक वर्णन
distribution, complementary परिपूरक वितरण, पूरक वितरण, पूरक बंटन
distribution exclusive अनन्य वितरण, अपवर्जी वितरण
distribution free मुक्त वितरण, अबाध वितरण
distributive adjective वितरणात्मक विशेषण
distributive aspect वितरण पक्ष
distributive numeral वितरणात्मक संख्यावाचक
disuse अप्रचलन, प्रयोगाभाव
divergence विभेद, अपसरण, व्युत्क्रमण
divergence dialectical बोलीगत विभेद
divergent अपसारी, व्युत्क्रांत
divergents संध्वनि, ध्वन्यंग, संस्वन
diversity भिन्नता, विभिन्नता
diversity, dialectal बोलीगत विभिन्नता
divided विभक्त
divided consonant विभक्त व्यंजन
divine origin दिव्य उत्पत्ति
divine theory दैवी सिद्धान्त
division विभाजन
doctrine वाद, सिद्धान्त, मत
document प्रलेख, दस्तावेज
domesticated word गृह्य शब्द
dorsal पृष्ठ, पृष्ठीय
dorsum पृष्ठ
double द्वि, द्विगुण, द्विगुणित, द्वित्व
double consonant द्वित्व-व्यंजन
double letter द्वित्व-वर्ण
double negative द्विगुणित नकारात्मक
double plural द्विगुणित बहुवचन
doublet एकमूलीय भिन्नार्थक शब्द, द्वित्तक, युग्मक
doubling द्वित्व
doubtful सन्दिग्ध
doubtful origin सन्दिग्ध व्युत्पत्ति
doubtful past सन्दिग्ध भूत
doubtful present संदिग्ध वर्तमान
drift अपसरण
dual द्विवचन
dual number द्विवचन
duplicaled aorist द्विगुणीकृत लुङ
duplicated verb साभ्यास क्रिया
duplicated word आवृतिवाचक द्विरुक्तिवाचक
duplication पुनरुक्ति, अभ्यास, द्विगुणन
duration मात्रा, मात्राकाल
durative सप्रवाह, अव्याहत, ऊष्म
dynamic चल
dynamic accent चल बलाघात
dynamic linguistics विकासात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, चल भाषाविज्ञान

E

eardrum कर्णशष्कुली, कर्णपटह
echo प्रतिध्वनि, अनुरणन
echoic theory प्रतिध्वनि सिद्धांत, ध्वन्यनुकृतिमूलक सिद्धांत
echoism प्रतिध्वनन, अनुकार
echo-word प्रतिध्वन्यात्मक शब्द, प्रतिध्वनि शब्द
eclipsis व्यंजनलोप; अनुनासिकीकरण
economy of effort प्रयत्न लाघव
ecphoneme विस्मयादिबोधक चिह्न
ecthlipsis व्यंजन लोप

effective aspect प्रभावक पक्ष
effort प्रयत्न
ejective consonant उद्गार व्यंजन
ejective stop उद्गार स्पर्श
elastic लचीला
elative case बहिरर्थी कारक
element तत्त्व, अंश
elements of a sentence वाक्यावयव
elimination निष्कासन
elision लोप, ध्वनि लोप
ellipsis शब्दलोप, पदलोप, शब्द-लोप-चिह्न, अध्याहार
ellipsis of clause वाक्यांश-अध्याहार, वाक्यांश-लोप
elliptical लुप्तांश, लुप्तावयव, अध्याहारयुक्त
elliptical form अध्याहारित रूप, लुप्त रूप
elliptical construction अध्याहारित रचना
emotion मनोभाव, भाव, आवेग
emotional भावात्मक आवेगात्मक, मनोभावात्मक
emotional emphasis भावात्मक बल
emotive भावोत्तेजक
emotive speech भावोत्तेजक भाषा
emotive style भावोत्तेजक शैली
emphasis बल
emphatic बलात्मक
emphatic articulation बलात्मक उच्चारण
emphatic mood बलात्मक क्रियार्थ
emphatic pronoun बलात्मक सर्वनाम
empirical प्रयोगाश्रित
empirical knowledge प्रयोगाश्रितज्ञान
empty word रिक्त शब्द, अर्थहीन शब्द
enclisis अनुलग्न उच्चारण, पश्चाश्रयी उच्चारण
enclitic पश्चाश्रयी, अनुलग्न शब्द
enclitic affix पश्चाश्रयी, पूर्व प्रत्यय
end अंत
ending प्रत्यय, विभक्ति
ending, case कारक विभक्ति
ending vowel अन्त्य स्वर
endocentric अंतःकेन्द्रिक, अंत्यकेन्द्रिक
endocentric construction अंतःकेन्द्रिक रचना
enigma पहेली, प्रहेलिका
endophasia आंतरिक भाषा, अनुच्चरित भाषा
energetic mood बलात्मक क्रियार्थ
enlarged वर्द्धित, विस्तृत
enlargment वर्द्धन, विस्तार, वृद्धि
enlarging वृद्धिकरण, वर्द्धन
entering tone प्रवेशमुखी सुर
enumeration परिगणन, परिगणना
enumerative गणनात्मक
environment परिवेश, परिसर, वातावरण
epanalepsis पुनरुक्ति, शब्द-पुनरुक्ति, शब्दाभ्यास
epenthesis अपिनिहिति, समस्वरागम, ध्वनि-सन्निवेश
epenthetic-vowel अपिनिहित स्वर
epenthetic word अपिनिहित शब्द
epicene द्विलिंगी, उभयलिंगी
epiglottis स्वरमुखावरण, अभिकाकल, स्वरयंत्रच्छद
epigraphical अभिलेखात्मक
epigraphy पुरालेख शास्त्र, अभिलेख-शास्त्र, शिलालेख शास्त्र, अभिलेख विद्या
episememe अर्थग्राम
epithesis अंत्ययोग
epithet विशेषतासूचक, गुणसूचक
eponym आधारनामी, आधार नाम
equal समान, बराबर, सम
equal clause समान उपवाक्य
equation समीकरण
equational समीकरणात्मक
equation, etymological व्युत्पत्ति-

मूलक समीकरण
equative case समानार्थी कारक
equative degree समकोटि, समश्रेणी
equilibrium साम्य, समत्व
equivalent समानार्थी, एकार्थी पर्याय
ergative case अप्रत्यक्ष कर्तृ कारक
estimate अनुमान
ethnolinguistics नृवंशीय भाषाविज्ञान, जाति भाषा विज्ञान
ethnology नृवंश विज्ञान
etymological व्युत्पत्तिमूलक, व्युत्पत्तीय
etymological doublets व्युत्पत्ति-मूलक द्वित्तक
etymology व्युत्पत्ति, निरुक्त, उत्पत्ति, शब्द विचार, शब्दसाधन, पद साधन, व्युत्पत्ति शास्त्र, व्युत्पत्तिविज्ञान
etymon मूल, शब्द-मूल
euphemism मंगलाभिव्यक्ति, मंगल-भाषित, शिष्ट भाषित, मंगल प्रयोग, मधुर भाषित
euphonic सुस्वर, श्रुतिमधुर, उच्चारण-सुकर
euphonic combination संधि
euphonic glide उच्चारण-सुकर-श्रुति
euphony ध्वनिमाधुर्य
even tone समसुर
evolution विकास
evolutionary linguistics विकासात्मक भाषाविज्ञान
exact science निश्चयात्मक विज्ञान
exaggerated अतिशयोक्तिपूर्ण
exception अपवाद
exceptional अपवादात्मक
exchange विनिमय
exclamation विस्मयादि सूचक, विस्मयादि बोधक
exclamation mark विस्मयादिबोधक चिह्न
exclamatory pitch विस्मयादिबोधक सुर, भावमूलक सुर
exclamatory pronouh उद्गार-वाचक सर्वनाम, विस्मयादिबोधक सर्वनाम
exclamatory sentence उद्गार-वाचक वाक्य, विस्मयादिबोधक वाक्य
exclamatory sign उद्गार चिह्न
exclamatory sound उद्गार ध्वनि विस्मयादिबोधक ध्वनि
exclusion वहिष्करण
exclusive personal pronoun अनंत-र्भावी पुरुषवाचक सर्वनाम, असमावेशी पुरुषवाचक सर्वनाम
exclusive relationship परिपूरक वितरण
excrescent आगत ध्वनि
exhale निःश्वास
exocentric construction बहिष्के-न्द्रिक रचना, बहिष्केन्द्री रचना
exogenous बाह्याधारित, बाह्यजन्य
exophasia उच्चरित भाषा, श्रुत भाषा बाह्य भाषा
expansion विस्तार
expansion of meaning अर्थविस्तार
experiential word अनुभूत शब्द
experiment प्रयोग
experimental प्रायोगिक
experimental phonetics प्रायोगिक ध्वनिविज्ञान
expiration निःश्वास
expiratory stress बलाघात
explanative particle व्याख्यात्मक व्याकरण
explanatory grammar व्याख्यात्मक व्याकरण
expletive नियमपूरक
exploded stop पूर्ण स्पर्श, स्फोटित स्पर्श
explosicn स्फोट, स्फोटन
explosive स्फोटात्मक स्पर्श, बहिःस्फोटक
expression अभिव्यक्ति
expressive व्यंजक, अभिव्यंजक
extension विस्तार

effective aspect प्रभावक पक्ष
effort प्रयत्न
ejective consonant उद्गार व्यंजन
ejective stop उद्गार स्पर्श
elastic लचीला
elative case बहिरर्थी कारक
element तत्त्व, अंश
elements of a sentence वाक्यावयव
elimination निष्कासन
elision लोप, ध्वनि लोप
ellipsis शब्दलोप, पदलोप, शब्द-लोप-चिह्न, अध्याहार
ellipsis of clause वाक्यांश-अध्याहार, वाक्यांश-लोप
elliptical लुप्तांश, लुप्तावयव, अध्याहारयुक्त
elliptical form अध्याहारित रूप, लुप्त रूप
elliptical construction अध्याहारित रचना
emotion मनोभाव, भाव, आवेग
emotional भावात्मक आवेगात्मक, मनोभावात्मक
emotional emphasis भावात्मक बल
emotive भावोत्तेजक
emotive speech भावोत्तेजक भाषा
emotive style भावोत्तेजक शैली
emphasis बल
emphatic बलात्मक
emphatic articulation बलात्मक उच्चारण
emphatic mood बलात्मक क्रियार्थ
emphatic pronoun बलात्मक सर्वनाम
empirical प्रयोगाश्रित
empirical knowledge प्रयोगाश्रितज्ञान
empty word रिक्त शब्द, अर्थहीन शब्द
enclisis अनुलग्न उच्चारण, पश्चाश्रयी उच्चारण
enclitic पश्चाश्रयी, अनुलग्न शब्द
enclitic affix पश्चाश्रयी, पूर्व प्रत्यय
end अंत
ending प्रत्यय, विभक्ति
ending, case कारक विभक्ति
ending vowel अन्त्य स्वर
endocentric अंतःकेन्द्रिक, अंत्यकेन्द्रिक
endocentric construction अंतःकेन्द्रिक रचना
enigma पहेली, प्रहेलिका
endophasia आंतरिक भाषा, अनुच्चरित भाषा
energetic mood बलात्मक क्रियार्थ
enlarged वर्द्धित, विस्तृत
enlargment वर्द्धन, विस्तार, वृद्धि
enlarging वृद्धिकरण, वर्द्धन
entering tone प्रवेशमुखी सुर
enumeration परिगणन, परिगणना
enumerative गणनात्मक
environment परिवेश, परिसर, वातावरण
epanalepsis पुनरुक्ति, शब्द-पुनरुक्ति, शब्दाभ्यास
epenthesis अपिनिहिति, समस्वरागम, ध्वनि-सन्निवेश
epenthetic-vowel अपिनिहित स्वर
epenthetic word अपिनिहित शब्द
epicene द्विलिंगी, उभयलिंगी
epiglottis स्वरमुखावरण, अभिकाकल, स्वरयंत्रच्छद
epigraphical अभिलेखात्मक
epigraphy पुरालेख शास्त्र, अभिलेख-शास्त्र, शिलालेख शास्त्र, अभिलेख विद्या
episememe अर्थग्राम
epithesis अंत्ययोग
epithet विशेषतासूचक, गुणसूचक
eponym आधारनामी, आधार नाम
equal समान, बराबर, सम
equal clause समान उपवाक्य
equation समीकरण
equational समीकरणात्मक
equation, etymological व्युत्पत्ति-

मूलक समीकरण
equative case समानार्थी कारक
equative degree समकोटि, समश्रेणी
equilibrium साम्य, समत्व
equivalent समानार्थी, एकार्थी पर्याय
ergative case अप्रत्यक्ष कर्तृ कारक
estimate अनुमान
ethnolinguistics नृवंशीय भाषाविज्ञान, जाति भाषा विज्ञान
ethnology नृवंश विज्ञान
etymological व्युत्पत्तिमूलक, व्युत्पत्तीय
etymological doublets व्युत्पत्ति-मूलक द्वित्तक
etymology व्युत्पत्ति, निरुक्त, उत्पत्ति, शब्द विचार, शब्दसाधन, पद साधन, व्युत्पत्ति शास्त्र, व्युत्पत्तिविज्ञान
etymon मूल, शब्द-मूल
euphemism मंगलाभिव्यक्ति, मंगल-भाषित, शिष्ट भाषित, मंगल प्रयोग, मधुर भाषित
euphonic सुस्वर, श्रुतिमधुर, उच्चारण-सुकर
euphonic combination संधि
euphonic glide उच्चारण-सुकर-श्रुति
euphony ध्वनिमाधुर्य
even tone समसुर
evolution विकास
evolutionary linguistics विकासात्मक भाषाविज्ञान
exact science निश्चयात्मक विज्ञान
exaggerated अतिशयोक्तिपूर्ण
exception अपवाद
exceptional अपवादात्मक
exchange विनिमय
exclamation विस्मयादि सूचक, विस्मयादि बोधक
exclamation mark विस्मयादिबोधक चिह्न
exclamatory pitch विस्मयादिबोधक सुर, भावमूलक सुर
exclamatory pronoun उद्गार-वाचक सर्वनाम, विस्मयादिबोधक सर्वनाम
exclamatory sentence उद्गार-वाचक वाक्य, विस्मयादिबोधक वाक्य
exclamatory sign उद्गार चिह्न
exclamatory sound उद्गार ध्वनि विस्मयादिबोधक ध्वनि
exclusion वहिष्करण
exclusive personal pronoun अनंत-र्भावी पुरुषवाचक सर्वनाम, असमावेशी पुरुषवाचक सर्वनाम
exclusive relationship परिपूरक वितरण
excrescent आगत ध्वनि
exhale निःश्वास
exocentric construction बहिष्केन्द्रिक रचना, बहिष्केन्द्री रचना
exogenous बाह्याधारित, बाह्यजन्य
exophasia उच्चरित भाषा, श्रुत भाषा बाह्य भाषा
expansion विस्तार
expansion of meaning अर्थविस्तार
experiential word अनुभूत शब्द
experiment प्रयोग
experimental प्रायोगिक
experimental phonetics प्रायोगिक ध्वनिविज्ञान
expiration निःश्वास
expiratory stress बलाघात
explanative particle व्याख्यात्मक व्याकरण
explanatory grammar व्याख्यात्मक व्याकरण
expletive नियमपूरक
exploded stop पूर्ण स्पर्श, स्फोटित स्पर्श
explosion स्फोट, स्फोटन
explosive स्फोटात्मक स्पर्श, बहिःस्फोटक
expression अभिव्यक्ति
expressive व्यंजक, अभिव्यंजक
extension विस्तार

extension of meaning अर्थ-विस्तार
extension of predicate विधेयकका विस्तार
external difference बाह्यभेद
external hiatus बाह्य स्वर विच्छेद
external inflectional बहिर्मुखीश्लिष्ट
external open juncture बाह्य मुक्त संगम
external punctuation marks वाक्यांत विरामचिह्न
external reconstruction बाह्य पुनर्निर्माण
extinct language लुप्त भाषा, विलुप्त भाषा, मृतभाषा
extra length अतिरिक्त दीर्घता
eye-picture दृष्टि-चित्र

F

fact तथ्य
factitive प्रेरणार्थक
factive case परिवर्तार्थी कारक
fact mood तथ्यार्थ, निश्चयार्थ
factor उपकरण
fallacy भ्रांति
falling diphthong अवरोही संयुक्त-स्वर, अधोगामी संयुक्त स्वर
falling tone अवरोही सुर
false analogy मिथ्या सादृश्य
false palate कृत्रिम तालु
false vocal cards मिथ्या स्वरतंत्री
familiar form सामान्य रूप, अनौपचारिक रूप
familiar style सामान्य शैली, सामान्य अभिव्यक्ति
family परिवार, वंश, कुल
family of languages भाषा-परिवार
family of speech भाषा-परिवार
family tree वंशावली, वंश-वृक्ष
fatuous theory अनर्गल सिद्धान्त
faucal कंठ्य
fauces मुख-विवर, तालु-चाप
faucescal तालु-चापीय
feature लक्षण, विशेषता, विशेष लक्षण
feminine स्त्रीलिंग
feminine affix स्त्री प्रत्यय, स्त्री-अनुबंध
feminine, double द्विगुणीकृत स्त्रीलिंग
feminine suffix स्त्रीलिंग प्रत्यय, स्त्रीलिंग पर-प्रत्यय
feminization स्त्रीलिंगीकरण
fertile suffix उर्वर प्रत्यय
field method क्षेत्र-पद्धति, सर्वेक्षण-पद्धति
field work क्षेत्र-कार्य, सर्वेक्षण-कार्य
figurative idiom रूपकयुक्त मुहावरा
figurative meaning लाक्षणिक अर्थ, रूपकाश्रित अर्थ
figure अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
figure of etymology अलंकार, लाक्षगिक प्रयोग
figure of rhetoric अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
figure of speech अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
final अंतिम, अंत्य
final accent अंत्य आघात, अंत्य बलाघात, अंत्य स्वराघात
final glide अंत्य श्रुति
final stress अंत्य बलाघात
final vowel अंत्य स्वर
finite form समापक रूप, समापिका क्रिया
finite mood समापक क्रियार्थ
finite verb समापिका क्रिया
first प्रथम
first causal प्रथम प्रेरणार्थक
first form प्रथम रूप
first-future लुट्लकार, अनद्यतन भविष्य
first participle वर्तमानकालिक कृदंत, प्रथम कृदंत
first person उत्तम पुरुष
first sound shifting प्रथम वर्ण-परिवर्तन
fixed स्थिर, अचल, निश्चित

fixed accent स्थिर स्वराघात, अचल बलाघात

fixed formula निश्चित सूत्र

fixed stress अचल बलाघात, स्थिर बलाघात; निश्चित बलाघात

fixed word order स्थिर पद-क्रम निश्चित पद-क्रम

flap उत्क्षेप

flapped उत्क्षिप्त, ताड़ित, ताड़नजात, लड़्वाघात

flash of meaning अर्थ-स्फोट

flection रूप, रूपांतर

flexible लचीला

flexion रूप, रूपांतर

flexional रूप-विषयक

flexional language रूपांतरयुक्त भाषा

floating element प्लवमान तत्त्व

flow गति

folk etymology लौकिक व्युत्पत्ति, भ्रामक व्युत्पत्ति

folk lore लोकवार्ता

food passage अन्न-मार्ग

food pipe भोजन-नलिका

force, breath श्वास-शक्ति

foreign विदेशी, विजातीय, आगत, गृहीत

foreign element विजातीय तत्त्व

foreignism विदेशीयता, विजातीयता

foreign language विदेशी भाषा; अन्य भाषा

foreign words विदेशी शब्द, विजातीय शब्द, आगत शब्द, गृहीत शब्द

form रूप

formal form औपचारिक रूप

formal grammar औपचारिक रूपीय व्याकरण

formal language औपचारिक भाषा

formal speech औपचारिक भाषा

formation, back पश्च-रचना, पश्चगामी रचना

formative रचनात्मक

formative affix रचनात्मक प्रत्यय रचनात्मक अनुबन्ध

formative element रचनात्मक तत्त्व

form-building रूप रचना

form-class रूप वर्ग

formless रूपविहीन, रूपशून्य

formless language वियोगात्मक भाषा, स्थान-प्रधान भाषा

form, original प्रकृति, मूल, मूलरूप

form, strong सबल रूप, सशक्त रूप

formula सूत्र

form, weak निर्बल रूप, अशक्त रूप

forte दृढ़ता, दृढ़तासे

fortis दृढ़, सशक्त, दृढ़ोच्चरित व्यंजन

fortunatov law फ़ार्तुनेतोफ़ नियम

fossil form अवशिष्ट रूप

fossilized अश्मीभूत, प्राचीन, अप्रचलित

fractional numeral अपूर्ण संख्यावाचक विशेषण

fracture स्वर-भंग

free accent मुक्त स्वराघात

free form मुक्त रूप, निरपेक्षरूप

free morpheme मुक्त रूपग्राम

free particle शुद्ध निपात अव्यय

free phoneme मुक्त ध्वनिग्राम

free stress मुक्त बलाघात

free syllable मुक्ताक्षर, स्वरांताक्षर

free translation भावानुवाद, मुक्तानुवाद

free variant वैकल्पिक रूप, मुक्त रूपांतर, वैकल्पिक ध्वनि, मुक्त परिवर्तन

free variation मुक्त प्रयोग, वैकल्पिक प्रयोग, मुक्त परिवर्तन, स्वच्छन्द परिवर्तन

free word accent मुक्त शब्द-स्वराघात

free word order मुक्त पदक्रम

frequency आवृत्ति, बारंबारता

frequency curve आवृत्ति-वक्र, बारंबारता-वक्र

frequency of cycle चक्र-संख्या, चक्रावृत्ति

extension of meaning अर्थ-विस्तार
extension of predicate विधेयकका विस्तार
external difference बाह्यभेद
external hiatus बाह्य स्वर विच्छेद
external inflectional बहिर्मुखीश्लिष्ट
external open juncture बाह्य मुक्त संगम
external punctuation marks वाक्यांत विरामचिह्न
external reconstruction बाह्य पुनर्निर्माण
extinct language लुप्त भाषा, विलुप्त भाषा, मृतभाषा
extra length अतिरिक्त दीर्घता
eye-picture दृष्टि-चित्र

F

fact तथ्य
factitive प्रेरणार्थक
factive case परिवर्तार्थी कारक
fact mood तथ्यार्थ, निश्चयार्थ
factor उपकरण
fallacy भ्रांति
falling diphthong अवरोही संयुक्त-स्वर, अधोगामी संयुक्त स्वर
falling tone अवरोही सुर
false analogy मिथ्या सादृश्य
false palate कृत्रिम तालु
false vocal cards मिथ्या स्वरतंत्री
familiar form सामान्य रूप, अनौपचारिक रूप
familiar style सामान्य शैली, सामान्य अभिव्यक्ति
family परिवार, वंश, कुल
family of languages भाषा-परिवार
family of speech भाषा-परिवार
family tree वंशावली, वंश-वृक्ष
fatuous theory अनर्गल सिद्धान्त
faucal कंठ्य
fauces मुख-विवर, तालु-चाप
faucescal तालु-चापीय
feature लक्षण, विशेषता, विशेष लक्षण
feminine स्त्रीलिंग
feminine affix स्त्री प्रत्यय, स्त्री-अनुबंध
feminine, double द्विगुणीकृत स्त्रीलिंग
feminine suffix स्त्रीलिंग प्रत्यय, स्त्रीलिंग पर-प्रत्यय
feminization स्त्रीलिंगीकरण
fertile suffix उर्वर प्रत्यय
field method क्षेत्र-पद्धति, सर्वेक्षण-पद्धति
field work क्षेत्र-कार्य, सर्वेक्षण-कार्य
figurative idiom रूपकयुक्त मुहावरा
figurative meaning लाक्षणिक अर्थ, रूपकाश्रित अर्थ
figure अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
figure of etymology अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
figure of rhetoric अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
figure of speech अलंकार, लाक्षणिक प्रयोग
final अंतिम, अंत्य
final accent अंत्य आघात, अंत्य बलाघात, अंत्य स्वराघात
final glide अंत्य श्रुति
final stress अंत्य बलाघात
final vowel अंत्य स्वर
finite form समापक रूप, समापिका क्रिया
finite mood समापक क्रियार्थ
finite verb समापिका क्रिया
first प्रथम
first causal प्रथम प्रेरणार्थक
first form प्रथम रूप
first-future लुट्लकार, अनद्यतन भविष्य
first participle वर्तमानकालिक कृदंत, प्रथम कृदंत
first person उत्तम पुरुष
first sound shifting प्रथम वर्ण-परिवर्तन
fixed स्थिर, अचल, निश्चित

fixed accent स्थिर स्वराघात, अचल बलाघात
fixed formula निश्चित सूत्र
fixed stress अचल बलाघात, स्थिर बलाघात; निश्चित बलाघात
fixed word order स्थिर पद-क्रम निश्चित पद-क्रम
flap उत्क्षेप
flapped उत्क्षिप्त, ताड़ित, ताड़नजात, लध्वाघात
flash of meaning अर्थ-स्फोट
flection रूप, रूपांतर
flexible लचीला
flexion रूप, रूपांतर
flexional रूप-विषयक
flexional language रूपांतरयुक्त भाषा
floating element प्लवमान तत्त्व
flow गति
folk etymology लौकिक व्युत्पत्ति, भ्रामक व्युत्पत्ति
folk lore लोकवार्ता
food passage अन्न-मार्ग
food pipe भोजन-नलिका
force, breath श्वास-शक्ति
foreign विदेशी, विजातीय, आगत, गृहीत
foreign element विजातीय तत्त्व
foreignism विदेशीयता, विजातीयता
foreign language विदेशी भाषा; अन्य भाषा
foreign words विदेशी शब्द, विजातीय शब्द, आगत शब्द, गृहीत शब्द
form रूप
formal form औपचारिक रूप
formal grammar औपचारिक रूपीय व्याकरण
formal language औपचारिक भाषा
formal speech औपचारिक भाषा
formation, back पश्च-रचना, पश्चगामी रचना
formative रचनात्मक
formative affix रचनात्मक प्रत्यय रचनात्मक अनुबन्ध
formative element रचनात्मक तत्त्व
form-building रूप रचना
form-class रूप वर्ग
formless रूपविहीन, रूपशून्य
formless language वियोगात्मक भाषा, स्थान-प्रधान भाषा
form, original प्रकृति, मूल, मूलरूप
form, strong सबल रूप, सशक्त रूप
formula सूत्र
form, weak निर्बल रूप, अशक्त रूप
forte दृढ़ता, दृढ़तासे
fortis दृढ़, सशक्त, दृढ़ोच्चरित व्यंजन
fortunatov law फ़ार्तुनेतोफ़ नियम
fossil form अवशिष्ट रूप
fossilized अश्मीभूत, प्राचीन, अप्रचलित
fractional numeral अपूर्ण संख्यावाचक विशेषण
fracture स्वर-भंग
free accent मुक्त स्वराघात
free form मुक्त रूप, निरपेक्षरूप
free morpheme मुक्त रूपग्राम
free particle शुद्ध निपात अव्यय
free phoneme मुक्त ध्वनिग्राम
free stress मुक्त बलाघात
free syllable मुक्ताक्षर, स्वरांताक्षर
free translation भावानुवाद, मुक्तानुवाद
free variant वैकल्पिक रूप, मुक्त रूपांतर, वैकल्पिक ध्वनि, मुक्त परिवर्तन
free variation मुक्त प्रयोग, वैकल्पिक प्रयोग, मुक्त परिवर्तन, स्वच्छन्द परिवर्तन
free word accent मुक्त शब्द-स्वराघात
free word order मुक्त पदक्रम
frequency आवृत्ति, बारंबारता
frequency curve आवृत्ति-वक्र, बारंबारता-वक्र
frequency of cycle चक्र-संख्या, चक्रावृत्ति

frequency vibration कंपन-संख्या, कंपनावृत्ति
frequentative यङन्त, पौनःपुन्यात्मक, बारंबारता सूचक
frequentative aspect यङन्त पक्ष, पौनःपुन्यात्मक पक्ष
frequentative verb यङन्त क्रिया, पौनःपुन्यात्मक क्रिया
fricative संघर्षी
friction घर्षण
front अग्र
frontal अग्रजिह्वोच्चरित
fronted अग्रीकृत, अग्रित
front of the tongue जिह्वाग्र
front vowel अग्र स्वर
full contact पूर्ण स्पर्श
full reduplication पूर्ण द्विरुक्ति
full sentence पूर्ण वाक्य
full stop पूर्ण विराम
full word पूर्ण शब्द, अर्थपूर्ण शब्द
function कार्य, कार्यकारिता, प्रकार्य
functional कार्यकारी, प्रकार्यकारी, कार्यात्मक, प्रकार्यकर, कार्याविारित
functional and structural theory कार्यात्मक एवं संरचनात्मक सिद्धांत
functional centre शीर्ष, चोटी, केन्द्र
functional change प्रकार्यकारी परिवर्तन, कार्याधारित परिवर्तन
functional form प्रकार्यकर रूप, कार्यकारी रूप
functional linguistics प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान
functional phonetics प्रकार्यात्मक ध्वनिविज्ञान, ध्वनिग्रामविज्ञान
fundamental आधारभूत, मूलभूत
fusion मिश्रण, विलयन
futhark रूनिक लिपि
future भविष्यत्, भविष्य
future anterior पूर्ण भविष्य
future conjunctive संभाव्य भविष्य
future imperative भविष्य आज्ञार्थ, आज्ञात्मक भविष्य
future imperfect indicative अपूर्ण निश्चयार्थी भविष्य
future indicative निश्चयार्थ भविष्य, सामान्य भविष्य
future tense भविष्यत् काल, भविष्यकाल
future participle भविष्य कृदंत
future perfect पूर्ण भविष्य
future perfect indicative पूर्ण निश्चयार्थ भविष्य
future periphrastic पल्लवित भविष्य, वियोगात्मक भविष्य

G

gaelic गेली प्रयोग
gemination द्वित्व, द्वित्त व्यंजन
gender लिंग
genderless निर्लिङगी, लिंगविहीन
genderless language निर्लिङगी भाषा
genderless noun निर्जीव संज्ञा
gender noun लिंगार्थी संज्ञा
genealogical वंश-क्रमात्मक
genealogical classification पारिवारिक वर्गीकरण, वंशानुक्रमिक वर्गीकरण
genealogy वंश-क्रम
genemmic phonetics ध्वानिकी
general सामान्य
general accent सामान्य स्वराघात
general coherence सामान्य सामंजस्य
general grammar सामान्य व्याकरण
generalisation साधारणीकरण
general language सामान्य भाषा
generation पीढ़ी
generic सामान्यकारी
generic term सामान्य शब्द
generous plural द्विगुणित बहुवचन
genetic classification उत्पत्तिमूलक वर्गीकरण
genetic phonetics औच्चारणिक भाषाविज्ञान

genetic relationship उत्पत्ति मूलक संबंध
genitive संबंध षष्ठी
genitive case संबंध कारक, षष्ठी कारक, षष्ठी विभक्ति
genitively dependent compound षष्ठी समास, संबंधाश्रित समास
genitive postposition संबंधवाचक परसर्ग, संबंधबोधक परसर्ग
genus जाति
geographical linguistics भौगोलिक भाषाविज्ञान
gerund तुमन्त, संज्ञार्थक क्रिया, क्रिया-निष्पन्न संज्ञा, धातु-साधित संज्ञा
gerundial तुमन्त
gerundial infinitive क्रिया निष्पन्न संज्ञा तुमन्त, तुमुनन्त
gerundive तुमन्त, क्रियात्मक विशेषण
gerundive suffix कृत्य
gerundive form क्रिया निष्पन्न संज्ञा-रूप, धातु-साधित संज्ञारूप
gestural theory इंगित सिद्धान्त
gesture इंगित, संकेत
gesture language सांकेतिक भाषा
ghost-form अशुद्धिजन्य रूप
ghost-word अशुद्धिजन्य शब्द
gingival वर्त्स्य
glide श्रुति
glide-vowel श्रुति स्वर
gliding vowel श्रुतियुक्त स्वर
gloss अर्थ, पार्श्वार्थ
glossary शब्द समूह, शब्द संग्रह
glossematics ग्लॉसीम विज्ञान
glosseme ग्लॉसीम
glossolalia विक्षिप्त-भाषा.
glossology भाषाविज्ञान, अर्थविज्ञान अर्थतत्त्व
glottal स्वर-यंत्र-मुखी; स्वर यंत्र स्थानीय, काकल्य, उरस्य, कंठद्वारीय
glottal catch स्वरयंत्रमुखी स्पर्श
glottal chord स्वरतंत्री
glottal closure अलिजिह्वीय संवृति
glottalized काकल्यीकृत, कंठमूलीकृत
glottalized stop उद्गार व्यंजन
glottal plosive काकल्य स्पर्श, स्वर-यंत्रमुखी स्पर्श
glottal spirant स्वरयंत्रमुखी संघर्षी काकल्य घर्ष
glottal stop काकल्प स्पर्श, स्वर-यंत्रमुखी स्पर्श
glottal vibration स्वरयंत्रमुखी कंपन
glottis काकल, स्वरयंत्रमुख, कंठद्वार
glottochronology भाषा-कालक्रम-विज्ञान
glottology भाषाविज्ञान
govern नियंत्रित करना
governed word नियंत्रित शब्द
governing word नियंत्रक शब्द
government नियंत्रण
gradation अपश्रुति
gradation of sound ध्वनि-अपश्रुति
grade श्रेणी, कोटि
grade, high उच्च श्रेणी, उच्चावस्था, उच्चकोटि
gradual क्रमिक
grammar व्याकरण
grammarian वैयाकरण, व्याकरणकार
grammatical व्याकरणात्मक, व्याकरण-मूलक, व्याकरणिक
grammatical agreement अन्वय, अन्विति, व्याकरणिक अन्वय
grammatical analysis व्याकरणिक विश्लेषण.
grammatical category व्याकरणिक प्रवर्ग, व्याकरणिक श्रेणी
grammatical element व्याकरणिक तत्त्व
grammatical equivalent व्याकरणिक पर्याय
grammatical form व्याकरणिक रूप

frequency vibration कंपन-संख्या, कंपनावृत्ति
frequentative यङन्त, पौनःपुन्यात्मक, बारंबारता सूचक
frequentative aspect यङन्त पक्ष, पौनःपुन्यात्मक पक्ष
frequentative verb यङन्त क्रिया, पौनःपुन्यात्मक क्रिया
fricative संघर्षी
friction घर्षण
front अग्र
frontal अग्रजिह्वोच्चरित
fronted अग्रीकृत, अग्रित
front of the tongue जिह्वाग्र
front vowel अग्र स्वर
full contact पूर्ण स्पर्श
full reduplication पूर्ण द्विरुक्ति
full sentence पूर्ण वाक्य
full stop पूर्ण विराम
full word पूर्ण शब्द, अर्थपूर्ण शब्द
function कार्य, कार्यकारिता, प्रकार्य
functional कार्यकारी, प्रकार्यकारी, कार्यात्मक, प्रकार्यकर, कार्याधारित
functional and structural theory कार्यात्मक एवं संरचनात्मक सिद्धांत
functional centre शीर्ष, चोटी, केन्द्र
functional change प्रकार्यकारी परिवर्तन, कार्याधारित परिवर्तन
functional form प्रकार्यकर रूप, कार्यकारी रूप
functional linguistics प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान
functional phonetics प्रकार्यात्मक ध्वनिविज्ञान, ध्वनिग्रामविज्ञान
fundamental आधारभूत, मूलभूत
fusion मिश्रण, विलयन
futhark रूनिक लिपि
future भविष्यत्, भविष्य
future anterior पूर्ण भविष्य
future conjunctive संभाव्य भविष्य
future imperative भविष्य आज्ञार्थ, आज्ञात्मक भविष्य
future imperfect indicative अपूर्ण निश्चयार्थी भविष्य
future indicative निश्चयार्थ भविष्य, सामान्य भविष्य
future tense भविष्यत् काल, भविष्यकाल
future participle भविष्य कृदंत
future perfect पूर्ण भविष्य
future perfect Indicative पूर्ण निश्चयार्थ भविष्य
future periphrastic पल्लवित भविष्य, वियोगात्मक भविष्य

G

gaelic गेली प्रयोग
gemination द्वित्व, द्वित्त व्यंजन
gender लिंग
genderless निर्लिङ्गी, लिंगविहीन
genderless language निर्लिङ्गी भाषा
genderless noun निर्जीव संज्ञा
gender noun लिंगार्थी संज्ञा
genealogical वंश-क्रमात्मक
genealogical classification पारिवारिक वर्गीकरण, वंशानुक्रमिक वर्गीकरण
genealogy वंश-क्रम
genemmic phonetics ध्वानिकी
general सामान्य
general accent सामान्य स्वराघात
general coherence सामान्य सामंजस्य
general grammar सामान्य व्याकरण
generalisation साधारणीकरण
general language सामान्य भाषा
generation पीढ़ी
generic सामान्यकारी
generic term सामान्य शब्द
generous plural द्विगुणित बहुवचन
genetic classification उत्पत्तिमूलक वर्गीकरण
genetic phonetics औच्चारणिक भाषाविज्ञान

genetic relationship उत्पत्ति मूलक संबंध
genitive संबंध षष्ठी
genitive case संबंध कारक, षष्ठी कारक, षष्ठी विभक्ति
genitively dependent compound षष्ठी समास, संबंधाश्रित समास
genitive postposition संबंधवाचक परसर्ग, संबंधबोधक परसर्ग
genus जाति
geographical linguistics भौगोलिक भाषाविज्ञान
gerund तुमन्त, संज्ञार्थक क्रिया, क्रिया-निष्पन्न संज्ञा, धातु-साधित संज्ञा
gerundial तुमन्त
gerundial infinitive क्रिया निष्पन्न संज्ञा तुमन्त, तुमुनन्त
gerundive तुमन्त, क्रियात्मक विशेषण
gerundive suffix कृत्य
gerundive form क्रिया निष्पन्न संज्ञा-रूप, धातु-साधित संज्ञारूप
gestural theory इंगित सिद्धान्त
gesture इंगित, संकेत
gesture language सांकेतिक भाषा
ghost-form अशुद्धिजन्य रूप
ghost-word अशुद्धिजन्य शब्द
gingival वर्त्स्य
glide श्रुति
glide-vowel श्रुति स्वर
gliding vowel श्रुतियुक्त स्वर
gloss अर्थ, पार्श्वार्थ
glossary शब्द समूह, शब्द संग्रह
glossematics ग्लॉसीम विज्ञान
glosseme ग्लॉसीम
glossolalia विक्षिप्त-भाषा.
glossology भाषाविज्ञान, अर्थविज्ञान अर्थतत्त्व
glottal स्वर-यंत्र-मुखी, स्वर यंत्र स्थानीय, काकल्य, उरस्य, कंठद्वारीय
glottal catch स्वरयंत्रमुखी स्पर्श
glottal chord स्वरतंत्री
glottal closure अलिजिह्वीय संवृति
glottalized काकल्यीकृत, कंठमूलीकृत
glottalized stop उद्गार व्यंजन
glottal plosive काकल्य स्पर्श, स्वर-यंत्रमुखी स्पर्श
glottal spirant स्वरयंत्रमुखी संघर्षी काकल्य घर्ष
glottal stop काकल्य स्पर्श, स्वर-यंत्रमुखी स्पर्श
glottal vibration स्वरयंत्रमुखी कंपन
glottis काकल, स्वरयंत्रमुख, कंठद्वार
glottochronology भाषा-कालक्रम-विज्ञान
glottology भाषाविज्ञान
govern नियंत्रित करना
governed word नियंत्रित शब्द
governing word नियंत्रक शब्द
government नियंत्रण
gradation अपश्रुति
gradation of sound ध्वनि-अपश्रुति
grade श्रेणी, कोटि
grade, high उच्च श्रेणी, उच्चावस्था, उच्चकोटि
gradual क्रमिक
grammar व्याकरण
grammarian वैयाकरण, व्याकरणकार
grammatical व्याकरणात्मक, व्याकरण-मूलक, व्याकरणिक
grammatical agreement अन्वय, अन्विति, व्याकरणिक अन्वय
grammatical analysis व्याकरणिक विश्लेषण.
grammatical category व्याकरणिक प्रवर्ग, व्याकरणिक श्रेणी
grammatical element व्याकरणिक तत्त्व
grammatical equivalent व्याकरणिक पर्याय
grammatical form व्याकरणिक रूप

grammatical gender व्याकरणिक लिंग
grammatical meaning व्याकरणिक अर्थ
grammatical order व्याकरणिक क्रम
grammatical stress व्याकरणिक बलाघात
grammatical structure व्याकरणिक संरचना
grammatical terminology व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द
grammatology लिपिविज्ञान
grapheme लिपिग्राम, वर्णग्राम
graphemics लिपिग्राम विज्ञान, लिपि-विज्ञान
graphic accent विशेषक चिह्न, चिह्नित स्वराघात
graphonomy लिपिग्राम विज्ञान, लिपि विज्ञान
grassmans law ग्रैसमैन-नियम
grave अनुदात्त
grave accent अनुदात्त स्वराघात
grimm's law ग्रिम-नियम
grooved fricative उत्थित पार्श्व संघर्षी
groove-spirant नद संघर्षी
group वर्ग, गण
gullet भोजन नलिका
gum मसूड़ा, वर्त्स
gun grade गुण श्रेणी
guttar कंठ
guttural कंठ्य
gutturo-labial कंठौष्ठ
gutturo-palatal कंठ-तालव्य

H

hammer and anvil हथौड़ा और निहाई
hamza स्वरयंत्रमुखी स्पर्श, हमज़ा
hand लेखन
half अर्द्ध, आधा
half-bound अर्द्ध बद्ध
half-close अर्द्ध संवृत
half-closed अर्द्ध संवृत
half-free अर्द्ध मुक्त
half-length अर्द्ध दीर्घत्व
half-long अर्द्ध दीर्घ, ईषत् दीर्घ
half-open अर्द्ध विवृत
half-plosive अर्द्ध स्पर्श
half-short ह्रस्वार्द्ध
haplography समध्वनि लुप्त लेखन
haplology समध्वनि लोप, समाक्षर लोप
hard अघोष, कठोर
hard consonant अघोष व्यंजन
hard palate कठोर तालु
hard sign कठोर चिह्न
harmony सामंजस्य, संगति
harmony of vowels स्वर-संगति, स्वर-सामंजस्य
harmony-mutation ससामंजस्य अभि-श्रुति
heaviness उदात्तत्व
helper verb सहायक क्रिया, सहकारी क्रिया
hesitation-form द्विवा रूप
hesitation sound द्विवा ध्वनि
heteroclite अपवाद
heteronomous sound change परिस्थितिजन्य ध्वनि परिवर्तन, सापेक्ष ध्वनि परिवर्तन
hetero-organic भिन्न स्थानीय
heterosyllabic भिन्नाक्षरी
hiatus विवृत्ति, स्वरविच्छेद
hieratic writing हिरेटिक लेखन
hieroglyphic character चित्रलिपि, सांकेतिक लिपि
hieroglyphic writing चित्रलिपि, सांकेतिक लिपि
high उच्च
high-back vowel उच्च पश्च-स्वर
high caste noun उच्चवर्गीय संज्ञा
higher उच्चतर
high falling accent उच्चावरोही स्वराघात

high german उच्च (या दक्षिणी) जर्मन
high grade उच्च श्रेणी, उच्चावस्था
higher low उच्चतर निम्न
higher mid उच्चतर मध्य
high pitch उच्च स्वर, उच्च सुर, उदात्त
high pitch accent उदात्त
hissing sound सीत्कार ध्वनि, शीत्कार ध्वनि
history इतिहास
historical ऐतिहासिक
historical classification ऐतिहासिक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण
historical etymology ऐतिहासिक व्युत्पत्ति
historical grammar एतिहासिक व्याकरण
historical linguistics ऐतिहासिक भाषाविज्ञान
historical morphology ऐतिहासिक रूपविज्ञान
historical phonetics ऐतिहासिक ध्वनि-विज्ञान, ध्वनि प्रक्रिया विज्ञान
historical present ऐतिहासिक वर्तमान
historical syntax ऐतिहासिक वाक्य-विज्ञान
historical tenses ऐतिहासिक काल
hole रिक्ति, अभाव, कमी
hole in the pattern ढांचेमें रिक्ति
holophrase एकशब्दीय वाक्य, एक-शब्दीय वाक्यांश
holophrasis एकशब्दीय अभिव्यक्ति
holophrastic अव्यक्त योगात्मक
holophrastic stage अव्यक्त योगात्मकावस्था
home language घरेलू भाषा
homogeneous सजातीय
homonym समानाकार
homo-organic समस्थानीय, सवर्ण, तुल्यस्थानीय समकरण, एककरण
homophone समध्वनि, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द, समस्वन
homophony समस्वनता, समध्वनित्व
honorific आदरार्थक, आदरवाचक
honorific affix आदरवाचक प्रत्यय या अनुबंध
honorific form आदरवाचक रूप
honorific pronoun आदरवाचक सर्वनाम
honorific second person आदर-वाचक मध्यम पुरुष
horizontal आड़ा, बेंड़ा
hushing sound तालव्य ऊष्म
hybrid संकर, मिश्र, मिश्रित
hybridized मिश्रित, संकरित
hybridization मिश्रण, संकरण
hybrid formation मिश्र रचना, संकर रचना
hybrid language मिश्रित भाषा, मिश्र भाषा
hybrid word संकर शब्द, द्विज शब्द
hyperbatic शब्दक्रम विपर्यस्त
hyperbaton शब्दक्रम विपर्यय
hyperbole अत्युक्ति, अतिशयोक्ति
hyphen योजक चिह्न, संयोजक रेखा
hypothesis कल्पना, उपकल्पना, अनुमान, सिद्धान्त
hypothetical अनुमानसिद्ध, काल्पनिक, अनुमानाधारित
hypothetical clause प्रातिबंधिक उपवाक्य, प्रातिबंधिक वाक्यांश
hypothetical conjunction प्रातिबंधिक समुच्चयबोधक
hypothetical language काल्पनिक भाषा, कल्पित भाषा

I

idea विचार, भाव
ideal आदर्श
identic समान, अभिन्न, समरूप, एकरूप
identical समान, अभिन्न, समरूप, एकरूप
identity पहचान, एकरूपता, अभिन्नता
ideogram भावलिपि, भावचित्र

grammatical gender व्याकरणिक लिंग
grammatical meaning व्याकरणिक अर्थ
grammatical order व्याकरणिक क्रम
grammatical stress व्याकरणिक बलाघात
grammatical structure व्याकरणिक संरचना
grammatical terminology व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द
grammatology लिपिविज्ञान
grapheme लिपिग्राम, वर्णग्राम
graphemics लिपिग्राम विज्ञान, लिपिविज्ञान
graphic accent विशेषक चिह्न, चिह्नित स्वराघात
graphonomy लिपिग्राम विज्ञान, लिपि विज्ञान
grassmans law ग्रैसमैन-नियम
grave अनुदात्त
grave accent अनुदात्त स्वराघात
grimm's law ग्रिम-नियम
grooved fricative उत्थित पार्श्व संघर्षी
groove-spirant नद संघर्षी
group वर्ग, गण
gullet भोजन नलिका
gum मसूड़ा, वर्त्स
gun grade गुण श्रेणी
guttar कंठ
guttural कंठ्य
gutturo-labial कंठौष्ठ
gutturo-palatal कंठ-तालव्य

H

hammer and anvil हथौड़ा और निहाई
hamza स्वरयंत्रमुखी स्पर्श, हमज़ा
hand लेखन
half अर्द्ध, आधा
half-bound अर्द्ध बद्ध
half-close अर्द्ध संवृत
half-closed अर्द्ध संवृत
half-free अर्द्ध मुक्त
half-length अर्द्ध दीर्घत्व
half-long अर्द्ध दीर्घ, ईषत् दीर्घ
half-open अर्द्ध विवृत
half-plosive अर्द्ध स्पर्श
half-short ह्रस्वार्द्ध
haplography समध्वनि लुप्त लेखन
haplology समध्वनि लोप, समाक्षर लोप
hard अघोष, कठोर
hard consonant अघोष व्यंजन
hard palate कठोर तालु
hard sign कठोर चिह्न
harmony सामंजस्य, संगति
harmony of vowels स्वर-संगति, स्वर-सामंजस्य
harmony-mutation ससामंजस्य अभिश्रुति
heaviness उदात्तत्व
helper verb सहायक क्रिया, सहकारी क्रिया
hesitation-form द्विधा रूप
hesitation sound द्विधा ध्वनि
heteroclite अपवाद
heteronomous sound change परिस्थितिजन्य ध्वनि परिवर्तन, सापेक्ष ध्वनि परिवर्तन
hetero-organic भिन्न स्थानीय
heterosyllabic भिन्नाक्षरी
hiatus विवृत्ति, स्वरविच्छेद
hieratic writing हिरेटिक लेखन
hieroglyphic character चित्रलिपि, सांकेतिक लिपि
hieroglyphic writing चित्रलिपि, सांकेतिक लिपि
high उच्च
high-back vowel उच्च पश्च-स्वर
high caste noun उच्चवर्गीय संज्ञा
higher उच्चतर
high falling accent उच्चावरोही स्वराघात

high german उच्च (या दक्षिणी) जर्मन
high grade उच्च श्रेणी, उच्चावस्था
higher low उच्चतर निम्न
higher mid उच्चतर मध्य
high pitch उच्च स्वर, उच्च सुर, उदात्त
high pitch accent उदात्त
hissing sound सीत्कार ध्वनि, शीत्कार ध्वनि
history इतिहास
historical ऐतिहासिक
historical classification ऐतिहासिक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण
historical etymology ऐतिहासिक व्युत्पत्ति
historical grammar एतिहासिक व्याकरण
historical linguistics ऐतिहासिक भाषाविज्ञान
historical morphology ऐतिहासिक रूपविज्ञान
historical phonetics ऐतिहासिक ध्वनि-विज्ञान, ध्वनि प्रक्रिया विज्ञान
historical present ऐतिहासिक वर्तमान
historical syntax ऐतिहासिक वाक्य-विज्ञान
historical tenses ऐतिहासिक काल
hole रिक्ति, अभाव, कमी
hole in the pattern ढांचेमें रिक्ति
holophrase एकशब्दीय वाक्य, एक-शब्दीय वाक्यांश
holophrasis एकशब्दीय अभिव्यक्ति
holophrastic अव्यक्त योगात्मक
holophrastic stage अव्यक्त योगातम-कावस्था
home language घरेलू भाषा
homogeneous सजातीय
homonym समानाकार
homo-organic समस्थानीय, सवर्ण, तुल्यस्थानीय समकरण, एककरण
homophone समध्वनि, समध्वनीय भिन्नार्थक शब्द, समस्वन
homophony समस्वनता, समध्वनित्व
honorific आदरार्थक, आदरवाचक
honorific affix आदरवाचक प्रत्यय या अनुबंध
honorific form आदरवाचक रूप
honorific pronoun आदरवाचक सर्वनाम
honorific second person आदर-वाचक मध्यम पुरुष
horizontal आड़ा, बेंड़ा
hushing sound तालव्य ऊष्म
hybrid संकर, मिश्र, मिश्रित
hybridized मिश्रित, संकरित
hybridization मिश्रण, संकरण
hybrid formation मिश्र रचना, संकर रचना
hybrid language मिश्रित भाषा, मिश्र भाषा
hybrid word संकर शब्द, द्विज शब्द
hyperbatic शब्दक्रम विपर्यस्त
hyperbaton शब्दक्रम विपर्यय
hyperbole अत्युक्ति, अतिशयोक्ति
hyphen योजक चिह्न, संयोजक रेखा
hypothesis कल्पना, उपकल्पना, अनु-मान, सिद्धान्त
hypothetical अनुमानसिद्ध, काल्पनिक, अनुमानाधारित
hypothetical clause प्रातिबंधिक उपवाक्य, प्रातिबंधिक वाक्यांश
hypothetical conjunction प्राति-बंधिक समुच्चयबोधक
hypothetical language काल्पनिक भाषा, कल्पित भाषा

I

idea विचार, भाव
ideal आदर्श
identic समान, अभिन्न, समरूप, एकरूप
identical समान, अभिन्न, समरूप, एकरूप
identity पहचान, एकरूपता, अभिन्नता
ideogram भावलिपि, भावचित्र

ideograph भावलिपि, भावचित्र
ideographic symbol भावसूचक प्रतीक
ideographic writing भावमूलक लिपि
idiolect व्यक्ति-बोली, व्यक्ति-भाषा
idiom मुहावरा, भाषा, बोली
idiomatic मुहावरेदार
idiomatic expression मुहावरेदार अभिव्यक्ति
idiomatic usage मुहावरेदार प्रयोग
illative case प्रवेशार्थी कारक
illative conjunction परिणामदर्शक समुच्चयबोधक अव्यय
illiterate अशिक्षित, अनपढ़
illusion भ्रांति
illusory भ्राँतिपूर्ण, मिथ्या
illustration उदाहरण
image बिंब
imaginary काल्पनिक
imitational अनुकरणात्मक
imitative अनुकरणात्मक
imitative word अनुकरणात्मक शब्द, अनुकार शब्द
immediate constituent निकटतम अवयव, निकटस्थ अवयव
immediate future आसन्न भविष्य, तात्कालिक भविष्य
immigrant language आप्रवासी भाषा
imperative form आज्ञासूचक रूप
imperative mood लोट्, अनुज्ञा, आज्ञार्थ, आज्ञा
imperative proethnic प्रोथेनिक आज्ञासूचक
imperative sentence आज्ञासूचक वाक्य
imperative verb आज्ञासूचक क्रिया
imperative verb causative प्रेरणार्थक आज्ञासूचक क्रिया
imperfect articulation अपूर्ण उच्चारण, अभिनिधान
imperfect imitation अपूर्ण अनुकरण
imperfect participle अपूर्ण कृदंत
imperfect tense अपूर्ण काल, लङ्, अनद्यतन भूत
imperfective अपूर्ण, अपूर्णार्थी
imperfective aspect अपूर्ण पक्ष
impersonal अवैयक्तिक, भावबोधक, पुरुषशून्य
impersonal use भावेप्रयोग
impersonal verb भाववाचक क्रिया
impersonal voice भाव वाच्य
implication निहितार्थ
implied विवक्षित, निहित, उपलक्षित
implosion अन्तःस्फोट, स्फोट
implosive अन्तःस्फोटात्मक
implosive consonant अन्तःस्फोटात्मक व्यंजन, अंतर्मुखी व्यंजन
improper compound अपूर्ण समास
improper triphthong त्रिस्वर, अपूर्ण त्रिस्वर
impure language मिश्रित भाषा, संकर भाषा
inactive voice अकर्तृ वाच्य
inanimate अचेतन, निर्जीव
inanimate gender अचेतन लिंग, निर्जीव लिंग
inanimate noun अप्राणीवाचक संज्ञा
inarticulate sound अव्यक्त ध्वनि
incapsulating language समास-प्रधान भाषा
incapsulation समास
inchoative verb प्रारंभात्मक क्रिया
inclusion अन्तर्भाव, समावेश
inclusive साकल्यवाचक
inclusive personal pronoun अंतर्भावी पुरुषवाचक सर्वनाम, समावेशी पूर्णवाचक सर्वनाम
inclusive pronoun साकल्यवाचक सर्वनाम
incomplete अपूर्ण
incomplete diphthong अपूर्ण

संयुक्तस्वर
incomplete root अपूर्ण धातु
incomplete stop अपूर्ण स्पर्श
incomplete verb अपूर्ण क्रिया
incongruity असंगति, असादृश्य, विषमता
incongruous असंगत, विषम
inconsistant असंबद्ध
incontact progressive assimilation दूरवर्ती पुरोगामी समीकरण
incontact regressive assimilation दूरवर्ती पश्चगामी समीकरण
incontiguous assimilation असंलग्न समीकरण
incorporated phrase प्रश्लिष्ट-वाक्यांश, समासप्रधान वाक्यांश
incorporating प्रश्लिष्ट, योगात्मक, समासप्रधान
incorporative प्रश्लिष्ट, समासप्रधान
incorrect अशुद्ध
increase वृद्धि
indeclinable अव्यय, अविकारी
indeclinable past participle अविकारी भूत कृदंत
indefinite अनिश्चित, अनिर्दिष्ट; सामान्य; अनिश्चयात्मक
indefinite adjective of number अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite adjective of quantity अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
indefinite article अनिश्चयात्मक उपपद
indefinite cardinal numeral adjective अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite demonstrative adjective अनिश्चित संकेतवाचक विशेषण
indefinite demonstrative pronoun अनिश्चित संकेतवाचक सर्वनाम
indefinite future past अनिश्चितार्थी भविष्य-भूत
indefinite future present अनिश्चितार्थी भविष्य वर्तमान
indefinite numeral adjective अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite past continuous अनिश्चित अपूर्ण भूत
indefinite past perfect continuous अनिश्चित पूर्णापूर्ण भूत
indefinite past present अनिश्चित भूत वर्तमान
indefinite perfect past present अनिश्चित पूर्ण भूत वर्तमान
indefinite present continuous अनिश्चित अपूर्ण वर्तमान
indefinite pronoun अनिश्चयवाचक सर्वनाम
indefinite tense अनिश्चित काल
indefinite verb अनिश्चित क्रिया
independent clause स्वतंत्र उपवाक्य, स्वतंत्र वाक्यांश
independent element स्वतंत्र एकांश, स्वतंत्र इकाई, स्वतंत्र तत्त्व
independent vowel glide स्वतंत्र स्वरश्रुति
indexing शब्दानुक्रमणी
indicative निर्देशात्मक, निर्देशक
indicative mood निश्चयार्थ निर्देशक क्रियार्थ
indicative preterite भूत निश्चयार्थ
indicative, thematic आदिष्ट निश्चयार्थ
indirect अप्रत्यक्ष, असाक्षात्, परोक्ष, गौण
indirect object अप्रत्यक्षकर्म, अप्रमुख-कर्म, गौणकर्म
indirect narration असाक्षादुक्ति
individual व्यक्ति, व्यक्तिगत, वैयक्तिक
indo-aryan भारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, middle मध्यभारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, modern आधुनिक भारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, old प्राचीन भारतीय

ideograph भावलिपि, भावचित्र
ideographic symbol भावसूचक प्रतीक
ideographic writing भावमूलक लिपि
idiolect व्यक्ति-बोली, व्यक्ति-भाषा
idiom मुहावरा, भाषा, बोली
idiomatic मुहावरेदार
idiomatic expression मुहावरेदार अभिव्यक्ति
idiomatic usage मुहावरेदार प्रयोग
illative case प्रवेशार्थी कारक
illative conjunction परिणामदर्शक समुच्चयवोधक अव्यय
illiterate अशिक्षित, अनपढ़
illusion भ्रांति
illusory भ्राँतिपूर्ण, मिथ्या
illustration उदाहरण
image बिंब
imaginary काल्पनिक
imitational अनुकरणात्मक
imitative अनुकरणात्मक
imitative word अनुकरणात्मक शब्द, अनुकार शब्द
immediate constituent निकटतम अवयव, निकटस्थ अवयव
immediate future आसन्न भविष्य, तात्कालिक भविष्य
immigrant language आप्रवासी भाषा
imperative form आज्ञासूचक रूप
imperative mood लोट्, अनुज्ञा, आज्ञार्थ, आज्ञा
imperative proethnic प्रोथेनिक आज्ञासूचक
imperative sentence आज्ञासूचक वाक्य
imperative verb आज्ञासूचक क्रिया
imperative verb causative प्रेरणार्थक आज्ञासूचक क्रिया
imperfect articulation अपूर्ण उच्चारण, अभिनिधान
imperfect imitation अपूर्ण अनुकरण
imperfect participle अपूर्ण कृदंत
imperfect tense अपूर्ण काल, लङ्, अनद्यतन भूत
imperfective अपूर्ण, अपूर्णार्थी
imperfective aspect अपूर्ण पक्ष
impersonal अवैयक्तिक, भावबोधक, पुरुषशून्य
impersonal use भावेप्रयोग
impersonal verb भाववाचक क्रिया
impersonal voice भाव वाच्य
implication निहितार्थ
implied विवक्षित, निहित, उपलक्षित
implosion अन्तःस्फोट, स्फोट
implosive अन्तःस्फोटात्मक
implosive consonant अन्तःस्फोटात्मक व्यंजन, अंतर्मुखी व्यंजन
improper compound अपूर्ण समास
improper triphthong त्रिस्वर, अपूर्ण त्रिस्वर
impure language मिश्रित भाषा, संकर भाषा
inactive voice अकर्तृ वाच्य
inanimate अचेतन, निर्जीव
inanimate gender अचेतन लिंग, निर्जीव लिंग
inanimate noun अप्राणीवाचक संज्ञा
inarticulate sound अव्यक्त ध्वनि
incapsulating language समासप्रधान भाषा
incapsulation समास
inchoative verb प्रारंभात्मक क्रिया
inclusion अन्तर्भाव, समावेश
inclusive साकल्यवाचक
inclusive personal pronoun अंतर्भावी पुरुषवाचक सर्वनाम, समावेशी पूर्णवाचक सर्वनाम
inclusive pronoun साकल्यवाचक सर्वनाम
incomplete अपूर्ण
incomplete diphthong अपूर्ण

संयुक्तस्वर
incomplete root अपूर्ण धातु
incomplete stop अपूर्ण स्पर्श
incomplete verb अपूर्ण क्रिया
incongruity असंगति, असादृश्य, विषमता
incongruous असंगत, विषम
inconsistant असंबद्ध
incontact progressive assimilation दूरवर्ती पुरोगामी समीकरण,
incontact regressive assimilation दूरवर्ती पश्चगामी समीकरण
incontiguous assimilation असंलग्न समीकरण
incorporated phrase प्रश्लिष्ट-वाक्यांश, समासप्रधान वाक्यांश
incorporating प्रश्लिष्ट, योगात्मक, समासप्रधान
incorporative प्रश्लिष्ट, समासप्रधान
incorrect अशुद्ध
increase वृद्धि
indeclinable अव्यय, अविकारी
indeclinable past participle अविकारी भूत कृदंत
indefinite अनिश्चित, अनिर्दिष्ट; सामान्य; अनिश्चयात्मक
indefinite adjective of number अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite adjective of quantity अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
indefinite article अनिश्चयात्मक उपपद
indefinite cardinal numeral adjective अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite demonstrative adjective अनिश्चित संकेतवाचक विशेषण
indefinite demonstrative pronoun अनिश्चित संकेतवाचक सर्वनाम
indefinite future past अनिश्चितार्थी भविष्य-भूत
indefinite future present अनिश्चितार्थी भविष्य वर्तमान
indefinite numeral adjective अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
indefinite past continuous अनिश्चित अपूर्ण भूत
indefinite past perfect continuous अनिश्चित पूर्णापूर्ण भूत
indefinite past present अनिश्चित भूत वर्तमान
indefinite perfect past present अनिश्चित पूर्ण भूत वर्तमान
indefinite present continuous अनिश्चित अपूर्ण वर्तमान
indefinite pronoun अनिश्चयवाचक सर्वनाम
indefinite tense अनिश्चित काल
indefinite verb अनिश्चित क्रिया
independent clause स्वतंत्र उपवाक्य, स्वतंत्र वाक्यांश
independent element स्वतंत्र एकांश, स्वतंत्र इकाई, स्वतंत्र तत्त्व
independent vowel glide स्वतंत्र स्वरश्रुति
indexing शब्दानुक्रमणी
indicative निर्देशात्मक, निर्देशक
indicative mood निश्चयार्थ निर्देशक क्रियार्थ
indicative preterite भूत निश्चयार्थ
indicative, thematic आदिष्ट निश्चयार्थ
indirect अप्रत्यक्ष, असाक्षात्, परोक्ष, गौण
indirect object अप्रत्यक्षकर्म, अप्रमुख-कर्म, गौणकर्म
indirect narration असाक्षादुक्ति
individual व्यक्ति, व्यक्तिगत, वैयक्तिक
indo-aryan भारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, middle मध्यभारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, modern आधुनिक भारतीय आर्यभाषा
indo-aryan, old प्राचीन भारतीय

आर्यभाषा
indo-european भारोपीय, भारत-यूरोपीय
indo-germanic भारत-जर्मनीय
indo-iranian भारत-ईरान
indo-keltic भारत-केल्टी
inessive case अभ्यंतरार्थी कारक
infection सापेक्ष स्वर-परिवर्तन
inferential aspect परिणामदर्शी पक्ष
inferential conjunction परिणाम-दर्शी समुच्चयबोधक
inferior comparison निम्नकोटिक तुलना
infinite verb असमापिका क्रिया
infinitive क्रियार्थक संज्ञा, तुमुनत, तुमंत, तुमुन, अपरिमित क्रिया
infinitive clause तुमुनंत उपवाक्य, तुमुनंत वाक्यांश
infinitive mood तुमुनंत क्रियार्थ
infinitive verb असमापिका क्रिया, तुमुन क्रिया
infix मध्य सर्ग, अन्तःप्रत्यय, मध्य विन्यस्त-प्रत्यय
infix agglutination मध्ययोग
infix agglutinative मध्ययोगात्मक अंतःप्रत्यय प्रधान, मध्यसर्ग प्रधान
inflecting श्लिष्ट योगात्मक, विभक्ति–प्रधान
inflecting language श्लिष्ट योगात्मक भाषा, विभक्ति-प्रधान भाषा
inflected word पद, ..त्यय निष्पन्न शब्द, रूप
inflection रूपांतरण, रूप-रचना, अभि-संक्रमण, विभक्ति
inflectional श्लिष्ट योगात्मक, विभक्ति-प्रधान, श्लिष्ट
inflexion विभक्ति
inflexional (दे०) inflectional
influence प्रभाव
informant सूचक
initial प्राथमिक, आदिम, आदि, संक्षिप्त हस्ताक्षर
initial accent आद्य स्वराघात, आद्य आघात
initial glide पूर्व श्रुति, आद्य श्रुति
initial inflection आदियोगी रूप-निर्माण
initially आद्यतः
initial mutation आद्य ध्वनिपरिवर्तन
initial stress आद्य बलाघात
injunctive निर्बंध, विधि
injunctive mood विध्यर्थ, विधि क्रियार्थ
inner मध्यवर्ती, आभ्यन्तर, आंतरिक
inner language आंतरिक भाषा
innovation नवीनता, नवपरिवर्तन
inordinated adjective मुख्य विशेषण
inorganic निरिन्द्रिय, निरवयव, निपात-प्रधान
inorganic language निपातप्रधान भाषा
inscription अभिलेख, शिलालेख
inseparable अविच्छेद्य
inseparable prefix पूर्वप्रत्यय
inseparable preposition अविच्छेद्य पूर्वसर्ग
insert सन्निविष्ट करना
inserted clause सन्निविष्ट उपवाक्य, सन्निविष्ट वाक्यांश
insertion आगम, ध्वनि-आगम, सन्निवेश
insertion of euphonic glide श्रुत्यागम
inspiration निश्वसन
instructive case करण कारक
instrument यंत्र, उपकरण
instrumental case करण कारक
instrumental phonetics यांत्रिक ध्वनिविज्ञान
instrumentative case करण कारक
integral componant अखंड अवयव
intellectual law बौद्धिक नियम

integration एकीकरण, संघटन
intensity तीव्रता, गंभीरता
intensive यङन्त, अतिशयार्थक, तीव्रताबोधक
intensive aspect तीव्रताबोधी पक्ष
intensive compound तीव्रताबोधी समास
intensive compound verb तीव्रता बोधक संयुक्त क्रिया
intensive form तीव्रताबोधी रूप
intensive particle तीव्रताबोधी निपात
intentional meaning साभिप्राय अर्थ
interchange विनिमय
interdental अंतर्दन्त्य
interior अंतस्थ
interjection विस्मयादिबोधक शब्द, मनोविकारबोधक अव्यय
interjectional विस्मयादिबोधक
interjectional phrase विस्मयादिबोधक उपवाक्य या वाक्यांश
interjectional theory मनोभाव व्यंजकतावाद, पूह पूह सिद्धांत, मनोभावाभिव्यक्ति सिद्धांत
inter-language अंतर्राष्ट्रीय भाषा
inter-linguistics अंतर्भाषा विज्ञान
interlude अक्षर-मध्यम ध्वनि
intermediary अंतस्थ, मध्यवर्ती
intermediate अंतर्वर्ती, अंतस्थ, मध्यवर्ती
intermediate sound अंतस्थ ध्वनि, मध्यवर्ती ध्वनि, मध्यस्थ ध्वनि
intermingling अंतर्मिश्रण
internal आंतरिक
internal flexion आंतरिक रूपांतरण, आंतरिक रूप निर्माण
internal hiatus अंतस्थ विवृति, आंतरिक स्वर-विच्छेद
internal inflectional अंतर्मुखी श्लिष्ट
internal juncture आंतरिक संगम
internal open juncture आंतरिक मुक्त संगम
internal punctuation mark आंतरिक विराम चिह्न
internal reconstruction आंतरिक पुनर्निर्माण
internal structure आंतरिक बनावट, आंतरिक संरचना
internal vowel आंतरिक स्वर संरचना
international phonetic alphabet अंतर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला या लिपि
international phonetie script अंतर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक लिपि
interpreter दुभाषिया
interrelation अंतःसंबंध, परस्परसंबंध
interrogation mark (point) प्रश्न चिह्न, प्रश्नसूचक विराम या चिह्न
interrogative प्रश्नवाचक
interrogative adverb प्रश्नवाचक क्रियाविशेषण
interrogative pronoun प्रश्नवाचक सर्वनाम
interrogative sentence प्रश्नवाचक वाक्य
interrogative sign प्रश्नसूचक चिन्ह
intervocalic स्वरमध्यग, द्विस्वरान्तर्गत
intonation सुरलहर, वाक्यसुर
intransitive अकर्मक
intransitive causative अकर्मक प्रेरणार्थक
intransitive verb अकर्मक क्रिया
intrusive vowel विप्रकर्ष, आगत स्वर, आगंतुक स्वर
invariable अव्यय
inverse sound law विपर्यस्त ध्वनि नियम
inversion शब्दक्रम-विपर्यय
inverted commas अवांतरण चिह्न
inverted sound प्रतिवेष्टित ध्वनि, मूर्द्धन्य ध्वनि
irregular अनियमित, नियमविरुद्ध
irregularity अनियमितता, अनियम, व्यत्यय

आर्यभाषा
indo-european भारोपीय, भारत-यूरोपीय
indo-germanic भारत-जर्मनीय
indo-iranian भारत-ईरान
indo-keltic भारत-केल्टी
inessive case अभ्यंतरार्थी कारक
infection सापेक्ष स्वर-परिवर्तन
inferential aspect परिणामदर्शी पक्ष
inferential conjunction परिणामदर्शी समुच्चयबोधक
inferior comparison निम्नकोटिक तुलना
infinite verb असमापिका क्रिया
infinitive क्रियार्थक संज्ञा, तुमुनत, तुमंत, तुमुन, अपरिमित क्रिया
infinitive clause तुमुनंत उपवाक्य, तुमुनंत वाक्यांश
infinitive mood तुमुनंत क्रियार्थ
infinitive verb असमापिका क्रिया, तुमुन क्रिया
infix मध्य सर्ग, अन्तःप्रत्यय, मध्य विन्यस्त-प्रत्यय
infix agglutination मध्ययोग
infix agglutinative मध्ययोगात्मक अंतःप्रत्यय प्रधान, मध्यसर्ग प्रधान
inflecting श्लिष्ट योगात्मक, विभक्ति-प्रधान
inflecting language श्लिष्ट योगात्मक भाषा, विभक्ति-प्रधान भाषा
inflected word पद, ..त्यय निष्पन्न शब्द, रूप
inflection रूपांतरण, रूप-रचना, अभिसंक्रमण, विभक्ति
inflectional श्लिष्ट योगात्मक, विभक्ति-प्रधान, श्लिष्ट
inflexion विभक्ति
inflexional (दे०) inflectional
influence प्रभाव
informant सूचक
initial प्राथमिक, आदिम, आदि, संक्षिप्त हस्ताक्षर
initial accent आद्य स्वराघात, आद्य आघात
initial glide पूर्व श्रुति, आद्य श्रुति
initial inflection आदियोगी रूप-निर्माण
initially आद्यतः
initial mutation आद्य ध्वनिपरिवर्तन
initial stress आद्य बलाघात
injunctive निर्बंध, विधि
injunctive mood विध्यर्थ, विधि क्रियार्थ
inner मध्यवर्ती, आभ्यन्तर, आंतरिक
inner language आंतरिक भाषा
innovation नवीनता, नवपरिवर्तन
inordinated adjective मुख्य विशेषण
inorganic निरिन्द्रिय, निरवयव, निपात-प्रधान
inorganic language निपातप्रधान भाषा
inscription अभिलेख, शिलालेख
inseparable अविच्छेद्य
inseparable prefix पूर्वप्रत्यय
inseparable preposition अविच्छेद्य पूर्वसर्ग
insert सन्निविष्ट करना
inserted clause सन्निविष्ट उपवाक्य, सन्निविष्ट वाक्यांश
insertion आगम, ध्वनि-आगम, सन्निवेश
insertion of euphonic glide श्रुत्यागम
inspiration निश्वसन
instructive case करण कारक
instrument यंत्र, उपकरण
instrumental case करण कारक
instrumental phonetics यांत्रिक ध्वनिविज्ञान
instrumentative case करण कारक
integral componant अखंड अवयव
intellectual law बौद्धिक नियम

integration एकीकरण, संघटन
intensity तीव्रता, गंभीरता
intensive यङन्त, अतिशयार्थक, तीव्रता-बोधक
intensive aspect तीव्रताबोधी पक्ष
intensive compound तीव्रताबोधी समास
intensive compound verb तीव्रता बोधक संयुक्त क्रिया
intensive form तीव्रताबोधी रूप
intensive particle तीव्रताबोधी निपात
intentional meaning साभिप्राय अर्थ
interchange विनिमय
interdental अंतर्दन्त्य
interior अंतस्थ
interjection विस्मयादिबोधक शब्द, मनोविकारबोधक अव्यय
interjectional विस्मयादिबोधक
interjectional phrase विस्मयादि-बोधक उपवाक्य या वाक्यांश
interjectional theory मनोभाव व्यंजकतावाद, पूह पूह सिद्धांत, मनोभावा-भिव्यक्ति सिद्धांत
inter-language अंतर्राष्ट्रीय भाषा
inter-linguistics अंतर्भाषा विज्ञान
interlude अक्षर-मध्यम ध्वनि
intermediary अंतस्थ, मध्यवर्ती
intermediate अंतर्वर्ती, अंतस्थ, मध्यवर्ती
intermediate sound अंतस्थ ध्वनि, मध्यवर्ती ध्वनि, मध्यस्थ ध्वनि
intermingling अंतर्मिश्रण
internal आंतरिक
internal flexion आंतरिक रूपांतरण, आंतरिक रूप निर्माण
internal hiatus अंतस्थ विवृति, आंतरिक स्वर-विच्छेद
internal inflectional अंतर्मुखी श्लिष्ट
internal juncture आंतरिक संगम
internal open juncture आंतरिक मुक्त संगम
internal punctuation mark आंत-रिक विराम चिह्न
internal reconstruction आंतरिक पुर्निर्माण
internal structure आंतरिक बनावट, आंतरिक संरचना
internal vowel आंतरिक स्वर संरचना
international phonetic alphabet अंतर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला या लिपि
international phonetie script अंतर्राष्ट्रीय ध्वन्यात्मक लिपि
interpreter दुभाषिया
interrelation अंतःसंबंध, परस्परसंबंध
interrogation mark (point) प्रश्न चिह्न, प्रश्नसूचक विराम या चिह्न
interrogative प्रश्नवाचक
interrogative adverb प्रश्नवाचक क्रियाविशेषण
interrogative pronoun प्रश्नवाचक सर्वनाम
interrogative sentence प्रश्नवाचक वाक्य
interrogative sign प्रश्नसूचक चिन्ह
intervocalic स्वरमध्यग, द्विस्वरान्तर्गत
intonation सुरलहर, वाक्यसुर
intransitive अकर्मक
intransitive causative अकर्मक प्रेरणार्थक
intransitive verb अकर्मक क्रिया
intrusive vowel विप्रकर्ष, आगत स्वर, आगंतुक स्वर
invariable अव्यय
inverse sound law विपर्यस्त ध्वनि नियम
inversion शब्दक्रम-विपर्यय
inverted commas अवांतरण चिह्न
inverted sound प्रतिवेष्टित ध्वनि, मूर्द्धन्य ध्वनि
irregular अनियमित, नियमविरुद्ध
irregularity अनियमितता, अनियम, व्यत्यय

irrelevant अप्रासंगिक
isogloss शब्दरेखा, आइसोग्लॉस
isoglottic line शब्दरेखा
isograph लिपिरेखा, भाषांगरेखा
isolated opposition पृथक्कृत विरोध
isolating वियोगात्मक, अयोगात्मक, व्यास प्रधान
isolating language वियोगात्मक भाषा
isolative change निरपेक्ष परिवर्तन
isolexic line शब्दरेखा
isophone ध्वनिरेखा, स्वनरेखा, आइसोफ़ोन
isophonic line ध्वनिरेखा, स्वनरेखा
isosyntagmic line वाक्यरेखा
isotonic line सुररेखा
isotope समस्थानी
iterative aspect पुनरुक्ति पक्ष, अभ्यस्त पक्ष, पुनरावृत्तीय पक्ष
iterative compound पुनरुक्ति समास, द्वन्द्व समास, पुनरावृत्तीय समास
iterative numeral पुनरावृत्तीय संख्यावाचक विशेषण, वारबोधक संख्यावाचक विशेषण
iterative root पुनरुक्ति धातु, पुनरावृत्तीय धातु
iterative verb पुनरावृत्तीय क्रिया

J

jamming स्वरमध्यग व्यंजन लोप
journalese पत्रकार-शैली, अखबारी भाषा या शैली
junction संधि
junctional prosody संध्यात्मक राग
juncture संगम, योजक, मौन योजक, विवृति
junggrammarian, neo नव वैयाकरण
junggrammatiker नव-वैयाकरण
jussive mood अशक्त आज्ञार्थ
jussive subjunctive आज्ञार्थी संभावनार्थ
juxtapose पास-पास रखना, जोड़ना
juxtaposed compound सान्निध्य-समास
juxtaposition सान्निध्य; जोड़
juxtapositional assimilation सान्निध्य समीकरण

K

kernel शीर्ष, केन्द्र, शिखर,
key word सूचक शब्द
kinemics इंगिताभिव्यक्ति विज्ञान
kinesics अंगविक्षेपाभिव्यक्ति विज्ञान
kinetic consonant गतिक व्यंजन
knot device ग्रंथि लिपि
knot reckoning ग्रंथि गणना
knot script ग्रंथि लिपि
knotted cord ग्रंथित रज्जु

L

labial ओष्ठ्य, द्वयौष्ठ्य
labial click ओष्ठ्य क्लिक
labial dental दंत्यौष्ठ्य
labial fricative ओष्ठ्य संघर्षी
labialization ओष्ठीकरण
labialize ओष्ठ्य बनाना
labiolized ओष्ठीकृत
labio-dental दन्त्यौष्ठ्य
labio-velar कंठोष्ठ्य, ओष्ठ-कंठ्य
labiovelarized कंठ्यौष्ठीकृत
laboratory प्रयोगशाला
laboratory phonetics प्रयोगशाला ध्वनिविज्ञान
lag पश्चगामी समीकरण
lambdaism लकारीकरण
lane, शिथिल व्यंजन
language भाषा
language-boundary भाषा-परिधि
language family भाषा-परिवार
language shift भाषा-पर्ययण
language strata भाषास्तर
language system भाषा-व्यवस्था
lapse स्खलन
laryngal स्वरयंत्रमुखी, स्वरयंत्रस्थानीय, काकल्य, उरस्य

laryngeal स्वरयंत्रमुखी, स्वरयंत्र स्थानीय, काकल्य, उरस्य
laryngeal explosive काकल्य-संघर्षी, काकल्यीय स्पर्श
larynx स्वरयंत्र
latent shwa स्वरलोप-चिह्न
lateral पार्श्विक
lateral area पार्श्ववर्ती क्षेत्र
lateral consonant पार्श्ववर्ती व्यंजन
lautverchiebung जर्मन-ध्वनि-परिवर्तन
law नियम, विधान
law of analogy सादृश्य-नियम
law of differentiation भेदका नियम, भेदभावका नियम, भेदीकरण-नियम
law of extinction of useless forms अनुपयोगी रूपोंके विलोपका नियम
law of false perception भ्रमका नियम, मिथ्याप्रतीतिका नियम
law of irradiation उद्योतनका नियम, अर्थोद्योतन नियम
law of new acquisition नव प्राप्तिका नियम
law of palatalization तालव्यीकरणकी नियम, तालव्यभावका नियम
law of polarity ध्रुवाभिमुख नियम
law of specialization विशेषीकरणका नियम, विशेषभावका नियम
law of survival of inflection विभक्तियोंके अवशेषोंका नियम
lax शिथिल
layer परत, स्तर
length मात्रा, दीर्घता
length accute मात्रासूचक आघात
lengthened प्रलंबित, दीर्घीकृत, प्रवर्द्धित
lengthened grade वृद्धि प्राप्त श्रेणी, प्रलंबित श्रेणी
lengthening वृद्धि, दीर्घीकरण, प्रलंबीकरण
lenis शिथिल, अशक्त, शिथिल व्यंजन
lenition व्यंजन परिवर्तन, आदि एवं स्वर मध्यग व्यंजन-परिवर्तन
letter वर्ण, अक्षर
level तल, समतल, सम, स्तर
levelling समीकरण, समानीकरण
level pitch स्वरितसुर, समसुर
level pitch accent स्वरित
levels of articulation उच्चारण-स्तर
lexical शाब्दिक, आभिधानिक, कोशविषयक, कोशगत
lexical form आभिधानिक रूप, कोशगत रूप
lexical meaning अभिधानिक अर्थ, कोशगत अर्थ
lexicography कोश-रचना, कोश-कला
lexicographer कोशकार
lexicology कोश-विज्ञान
lexicon शब्दकोश, अभिधान
lexico-statistics शब्द-सांख्यिकी
liaison संयोग, संधि, योजन
light syllable बलाघात शून्य अक्षर
light vowel बलाघात शून्य स्वर
line रेखा
linear phoneme रैखिक ध्वनिग्राम खंडध्वनिग्राम
linear sign रैखिक चिह्न
linear writing रैखिक लेखन
line median मध्य रेखा
lingua franca राष्ट्र-भाषा
lingual मूर्द्धन्य
linguist भाषाशास्त्री, बहुभाषाविद्
linguistic भाषिक, भाषागत, भाषायी
linguistic analysis भाषिक विश्लेषण, भाषा-विश्लेषण
linguistic area भाषा-क्षेत्र
linguistic change भाषा विषयक परिवर्तन, भाषिक परिवर्तन
linguistic comparison भाषिक तुलना, भाषागत तुलना
linguistic diversity भाषा-वैभिन्य,

irrelevant अप्रासंगिक
isogloss शब्दरेखा, आइसोग्लॉस
isoglottic line शब्दरेखा
isograph लिपिरेखा, भाषांगरेखा
isolated opposition पृथक्कृत विरोध
isolating वियोगात्मक, अयोगात्मक, व्यास प्रधान
isolating language वियोगात्मक भाषा
isolative change निरपेक्ष परिवर्तन
isolexic line शब्दरेखा
isophone ध्वनिरेखा, स्वनरेखा, आइसोफ़ोन
isophonic line ध्वनिरेखा, स्वनरेखा
isosyntagmic line वाक्यरेखा
isotonic line सुररेखा
isotope समस्थानी
iterative aspect पुनरुक्ति पक्ष, अभ्यस्त पक्ष, पुनरावृत्तीय पक्ष
iterative compound पुनरुक्ति समास, द्वन्द्व समास, पुनरावृत्तीय समास
iterative numeral पुनरावृत्तीय संख्या-वाचक विशेषण, वारबोधक संख्यावाचक विशेषण
iterative root पुनरुक्ति धातु, पुनरा-वृत्तीय धातु
iterative verb पुनरावृत्तीय क्रिया

J

jamming स्वरमध्यग व्यंजन लोप
journalese पत्रकार-शैली, अखबारी भाषा या शैली
junction संधि
junctional prosody संध्यात्मक राग
juncture संगम, योजक, मौन योजक, विवृति
junggrammarian, neo नव वैयाकरण
junggrammatiker नव-वैयाकरण
jussive mood अशक्त आज्ञार्थ
jussive subjunctive आज्ञार्थी संभाव-नार्थ
juxtapose पास-पास रखना, जोड़ना
juxtaposed compound सान्निध्य-समास
juxtaposition सान्निध्य; जोड़
juxtapositional assimilation सान्निध्य समीकरण

K

kernel शीर्ष, केन्द्र, शिखर,
key word सूचक शब्द
kinemics इंगिताभिव्यक्ति विज्ञान
kinesics अंगविक्षेपाभिव्यक्ति विज्ञान
kinetic consonant गतिक व्यंजन
knot device ग्रंथि लिपि
knot reckoning ग्रंथि गणना
knot script ग्रंथि लिपि
knotted cord ग्रंथित रज्जु

L

labial ओष्ठ्य, द्वयौष्ठ्य
labial click ओष्ठ्य क्लिक
labial dental दंत्यौष्ठ्य
labial fricative ओष्ठ्य संघर्षी
labialization ओष्ठीकरण
labialize ओष्ठ्य बनाना
labiolized ओष्ठीकृत
labio-dental दन्त्यौष्ठ्य
labio-velar कंठौष्ठ्य, ओष्ठ-कंठ्य
labiovelarized कंठ्यौष्ठीकृत
laboratory प्रयोगशाला
laboratory phonetics प्रयोगशाला ध्वनिविज्ञान
lag पश्चगामी समीकरण
lambdaism लकारीकरण
lane, शिथिल व्यंजन
language भाषा
language-boundary भाषा-परिधि
language family भाषा-परिवार
language shift भाषा-पर्ययण
language strata भाषास्तर
language system भाषा-व्यवस्था
lapse स्खलन
laryngal स्वरयंत्रमुखी, स्वरयंत्रस्थानीय, काकल्य, उरस्य

laryngeal स्वरयंत्रमुखी, स्वरयंत्र स्थानीय, काकल्य, उरस्य
laryngeal explosive काकल्य-संघर्षी, काकल्यीय स्पर्श
larynx स्वरयंत्र
latent shwa स्वरलोप-चिह्न
lateral पार्श्विक
lateral area पार्श्ववर्ती क्षेत्र
lateral consonant पार्श्ववर्ती व्यंजन
lautverchiebung जर्मन-ध्वनि-परिवर्तन
law नियम, विधान
law of analogy सादृश्य-नियम
law of differentiation भेदका नियम, भेदभावका नियम, भेदीकरण-नियम
law of extinction of useless forms अनुपयोगी रूपोंके विलोपका नियम
law of false perception भ्रमका नियम, मिथ्याप्रतीतिका नियम
law of irradiation उद्योतनका नियम, अर्थोद्योतन नियम
law of new acquisition नव प्राप्तिका नियम
law of palatalization तालव्यीकरणकी नियम, तालव्यभावका नियम
law of polarity ध्रुवाभिमुख नियम
law of specialization विशेषीकरणका नियम, विशेषभावका नियम
law of survival of inflection विभक्तियोंके अवशेषोंका नियम
lax शिथिल
layer परत, स्तर
length मात्रा, दीर्घता
length accute मात्रासूचक आघात
lengthened प्रलंबित, दीर्घीकृत, प्रवर्द्धित
lengthened grade वृद्धि प्राप्त श्रेणी, प्रलंबित श्रेणी
lengthening वृद्धि, दीर्घीकरण, प्रलंबीकरण
lenis शिथिल, अशक्त, शिथिल व्यंजन
lenition व्यंजन परिवर्तन, आदि एवं स्वर मध्यग व्यंजन-परिवर्तन
letter वर्ण, अक्षर
level तल, समतल, सम, स्तर
levelling समीकरण, समानीकरण
level pitch स्वरितसुर, समसुर
level pitch accent स्वरित
levels of articulation उच्चारण-स्तर
lexical शाब्दिक, आभिधानिक, कोशविषयक, कोशगत
lexical form आभिधानिक रूप, कोशगत रूप
lexical meaning अभिधानिक अर्थ, कोशगत अर्थ
lexicography कोश-रचना, कोश-कला
lexicographer कोशकार
lexicology कोश-विज्ञान
lexicon शब्दकोश, अभिधान
lexico-statistics शब्द-सांख्यिकी
liaison संयोग, संधि, योजन
light syllable बलाघात शून्य अक्षर
light vowel बलाघात शून्य स्वर
line रेखा
linear phoneme रैखिक ध्वनिग्राम खंडध्वनिग्राम
linear sign रैखिक चिह्न
linear writing रैखिक लेखन
line median मध्य रेखा
lingua franca राष्ट्र-भाषा
lingual मूर्द्धन्य
linguist भाषाशास्त्री, बहुभाषाविद्
linguistic भाषिक, भाषागत, भाषायी
linguistic analysis भाषिक विश्लेषण, भाषा-विश्लेषण
linguistic area भाषा-क्षेत्र
linguistic change भाषा विषयक परिवर्तन, भाषिक परिवर्तन
linguistic comparison भाषिक तुलना, भाषागत तुलना
linguistic diversity भाषा-वैभिन्य,

भाषागत विभिन्नता
linguistic form भाषिक रूप
linguistic geography भाषा भूगोल, भाषिक भूगोल, भाषायी भूगोल
linguistic map भाषिक मानचित्र, भाषायी नक्शा
linguistic minority भाषिक अल्पसंख्यकता, भाषिक अल्पसंख्यक वर्ग
linguistic ontogeny व्यक्ति-बोली-विकास, व्यक्ति–भाषा–विकास
linguistic palaeontology भाषिक पुराशास्त्र
lingustic phylogeny भाषा-विकास
linguistics भाषा विज्ञान, भाषाशास्त्र
linguistic survey भाषा-सर्वेक्षण
linguistic typology भाषिक प्ररूप विज्ञान, भाषा प्ररूप विज्ञान
linguistician भाषा वैज्ञानिक, भाषा विज्ञानवेत्ता
link verb योजक क्रिया
link word योजक शब्द
linking योजन
lip ओष्ठ, ओठ
lip, lower अधर, अधरोष्ठ
lip-rounding ओष्ठ वर्तुलन
lip, upper ऊर्ध्वोष्ठ
liquid तरल, द्रव, कोमल
liquid sound तरल ध्वनि
lisping थ्दीकरण
literal शब्दशः, अविकल, वर्णात्मक
literal translation शब्दशः अनुवाद
literal, tri त्रिवर्णात्मक, त्रिवर्णिक
literary language साहित्यिक भाषा
literate शिक्षित
literature साहित्य, वाङ्मय
liturgical language धर्मप्रयुक्त भाषा
living जीवित, सजीव
living language जीवित भाषा
loan translation अनुवादागत शब्द, अनुवादाधारित शब्द
loan word गृहीत शब्द
local स्थानीय
local dialect स्थानीय बोली
local difference स्थानीय अंतर
localism स्थानीय प्रयोग
locative case सप्तमी विभक्ति, अधिकरण कारक
locative clause अधिकरणार्थी वाक्यांश, अधिकरणार्थी उपवाक्य, अधिकरणात्मक उपवाक्य
locution भाषण-शैली, मुहावरेदार शैली, विशिष्ट शैली
logogram शब्द-संकेत, शब्द-व्यंजक-संकेत
logography शब्द-संकेत-लेखन
long दीर्घ
long consonant दीर्घ व्यंजन
long grade दीर्घ श्रेणी
long vowel दीर्घ स्वर
loss लोप
low निम्न
low back vowel निम्न पश्च स्वर
lower निम्नतर
lower high vowel निम्नतर उच्चस्वर
lower mid vowel निम्नतर मध्यस्वर
low german निम्न या उत्तरीय जर्मन
low grade निम्न श्रेणी
low pitch निम्नसुर
low pitch accent अनुदात्त, अनुदात्त स्वराघात
low vowel निम्न स्वर
lungs फुफ्फुस, फेफड़े

M

macron दीर्घ-चिह्न
main प्रमुख, मुख्य, प्रधान
main accent प्रधान आघात, प्रधान स्वराघात
main clause प्रधान उपवाक्य, मुख्य उपवाक्य,
malapropism मैलाप्रापिज्म, मैलाप्रॉप प्रवृत्ति, पांडित्य-प्रवृत्ति

malformation अपनिर्माण, अपरचना
manner, ablative of रीतिवाचक अपादान
marginal area पार्श्ववर्ती क्षेत्र
mark चिह्न, निशान, विरोधाधार
marker चिह्नक
masculine पुल्लिग
mass-word पिंड शब्द
material noun द्रव्यवाचक संज्ञा
meaning अर्थ
mean mid vowel मध्य स्वर
measure माप, नाप
measurement मापन
mechanistic theory शारीर सिद्धांत
medial मध्य, मध्यस्थ
medial accent मध्य स्वराघात, मध्याघात
medially मध्यतः
medial position मध्य स्थिति
medial stress मध्य बलाघात
mediative case माध्यमार्थी कारक
mediopalatal मध्यतालव्य
meinhof's law मेनहोफ़–नियम
melioration अर्थोत्कर्ष
meliorative suffix अर्थोत्कर्षी प्रत्यय
mental image मानस-बिंब
mentalistic theory मानस सिद्धांत
metalinguistics सांस्कृतिक भाषा-विज्ञान, भाषा-दर्शन, दार्शनिक भाषा-विज्ञान, बहिर्भाषा-विज्ञान, परभाषा-विज्ञान, उत्तर भाषा-विज्ञान
metaphony आंतरिक स्वर-परिवर्तन, गुणीय अपश्रुति, अपश्रुति
metaphor रूपकालंकार; उपचार
metaphrase शाब्दिक अनुवाद
metaplasm भाषिक परिवर्तन
metathesis विपर्यय, ध्वनि-विपर्यय
method पद्धति, विधि, प्रणाली
methodical सुव्यवस्थित
metonymy शब्द-प्रतिस्थापन
microlinguistics विश्लेषणात्मक भाषा-विज्ञान
middle मध्य
middle of the tongue जिह्वामध्य
middle voice मध्यवाच्य
mid-vowel मध्य स्वर
mimetic word अनुकरणात्मक शब्द
minimal अल्प, स्वल्प
minimal pair अल्पतम विरोधी युग्म, स्वल्प युग्म, स्वल्पांतर युग्म, स्वल्पतम विरोधी युग्म
missing link लुप्त कड़ी, लुप्त चिह्न
mixed मिश्रित, मिश्र
mixed conjugation मिश्रित क्रिया-रूप
mixed declension मिश्रित कारकरूप
mixed language मिश्रित भाषा, मिश्र भाषा
mobile shwa चल श्वा
modal auxiliary क्रियार्थद्योतक सहकारी क्रिया
mode (दे०) mood
modification परिवर्तन, विकार
modificator परिवर्तक, विकारक
modifier विशेषक, परिवर्तक
mongrel word संकर शब्द, मिश्र शब्द
monogenesis theory एक-परिवार सिद्धांत
monoglot एक-भाषाभाषी, एकभाषी
monopersonal verb एकपुरुषी क्रिया
monophone एकध्वनीय शब्द
monophthong मूल स्वर, मूल ध्वनि
monophthongization मूलस्वरीकरण, मूलध्वनीकरण
monosyllabic एकाक्षर, एकाक्षरात्मक, एकाक्षरी
monosyllabic language एकाक्षरी भाषा
monosyllable एकाक्षरी (शब्द)
mood क्रियार्थ, अर्थ, क्रियाभाव
mora मात्रा

morph रूप
morpheme रूपग्राम, संबंधतत्त्व, रूप
morphemic रूपग्रामीय
morphemic contour रूपग्रामीय संगम
morphemics रूपग्राम विज्ञान
morph-geography रूप भूगोल
morphological आकृतिमूलक, रूपात्मक
morphological assimilation रूपात्मक समीकरण
morphological change रूप-परिवर्तन
morphological classification आकृतिमूलक वर्गीकरण, रूपात्मक वर्गीकरण
morphological conditioning रूपात्मक परिस्थिति
morphological doublets रूपात्मक द्वित्तक
morphology रूपविज्ञान, रूपविचार
morphophoneme इतरेतर परिवर्ती ध्वनिग्राम
morphophonemic रूप ध्वनिग्रामीय, पदिम स्वनग्रामीय
morphophonemics रूप ध्वनिग्राम विज्ञान
morphostylistics रूप शैली विज्ञान रूपीयशैली विज्ञान
morphotonic रूपतानग्रामीय
mother language मातृभाषा
mother tongue मातृभाषा
motor unit गत्यात्मक इकाई
mouth cavity मुख-विवर
multilateral opposition बहुपार्श्वी विरोध
multiplicative numeral गुणात्मक संख्यावाचक विशेषण
multisyllable बहुक्षरी
murmur मर्मर
murmur-vowel मर्मर स्वर
musical accent सुर, संगीतात्मक स्वराघात, गीतात्मक स्वराघात, स्वर तान
musical theory संगीत सिद्धांत
mutation परिवर्तन
mutative परिवर्तनशील
mute स्पर्श
mutual पारस्परिक
mutual assimilation पारस्परिक व्यंजन समीकरण
mutually exclusive पारस्परिक अपवर्जी

N

name word व्यक्तिवाचक संज्ञा
naming word अर्थदर्शी शब्द
narrowed meaning संकुचित अर्थ
narrow transcription सूक्ष्म प्रतिलेखन, संकीर्ण प्रतिलेखन, संयत्र प्रतिलेखन
nasal नासिक्य, अनुनासिक
nasal cavity नासिका-विवर
nasal chamber नासिका कोष्ठ
nasalization नासिक्यीकरण, अनुनासिकीकरण
nasal plosion नासिक्य स्फोट
nasal twang स्वरानुनासिकीकरण
national language राष्ट्रभाषा, राष्ट्रीय भाषा
native language मातृभाषा
native speaker मातृभाषी
native word देशज शब्द, देशी शब्द
nativistic theory नेटिविस्टिक सिद्धांत
natural प्राकृतिक
natural gender प्राकृतिक लिंग
natural gender system प्राकृतिक लिंग व्यवस्था
naturalized word प्रकृतीकृत शब्द
negation निषेध
negative निषेधात्मक, नास्तिसूचक, नकारात्मक
negative aspect निषेधात्मक पक्ष
negative conjugation निषेधात्मक या नकारात्मक क्रियारूप
negative conjunction निषेधात्मक, समुच्चय बोधक

negative determinative compound नञ् तत्पुरुष समास
negative particle निषेधात्मक उपपद
negative verb निषेधात्मक क्रिया
negative voice निषधात्मक वाच्य
neologism नवनिर्मित शब्द, नवनिर्माण
neo-grammarian नव्य-वैयाकरण
nerve, auditory श्रावणी शिरा
neuter gender नपुंसक लिंग
neutralization तटस्थीकरण, तटस्थीभवन
neutralize तटस्थ होना
neutral suffix उदासीन प्रत्यय
neutral vowel उदासीन स्वर
noa word वर्जित शब्द
noeme ग्लासीमार्थ, अर्थग्राम
nomenclature संज्ञीकरण
nominal adjective संज्ञात्मक विशेषण
nominal base नामप्रकृति, प्रातिपदिक,
nominal clause संज्ञा उपवाक्य, संज्ञात्मक उपवाक्य
nominal definition नामिक परिभाषा
nominal language संज्ञा भाषा, सांज्ञिक भाषा
nominal sentence संज्ञा प्रधान वाक्य
nominal stem नाम प्रातिपदिक, संज्ञा प्रातिपद्रिक
nominal verb नामधातु, नामसाधित क्रिया
nominative absolute अनन्वित कर्ता
nominative case कर्त्ताकारक, कर्तृकारक, प्रथमा विभक्ति
non-aspirated अल्पप्राण
nonce word विशिष्ट शब्द
non-compound असमस्त, समास रहित
non-contrastive distribution अविरोधी वितरण, अव्यतिरेकी वितरण
non-distinctive अभेददर्शक
non-epithetised अविशेषणात्मक
non-experiential word अननुभूत शब्द
non-final position उपान्त्य स्थिति
non-personal अव्यक्तिवाचक
non-phonemic अध्वनिग्रामिक
non-productive suffix अनुत्पादक प्रत्यय
non-prominent syllable अनुत्सिद्धाक्षर
non-pronominalized असार्वनामिक
non-segmental अखंड, अखंडीय
non-segmental phoneme अखंडध्वनिग्राम
non-sentence अवाक्य
non-significant अमहत्त्वपूर्ण, असार्थक
non-standard अपरिनिष्ठित
non-standard form अपरिनिष्ठित रूप
non-standard language अपरिनिष्ठित भाषा
non-sygmatic असिजंत, सिजंतशून्य
non-syllabic अनाक्षरिक, अनक्षरात्मक
non-thematic अनादिष्ट, अविकरण, अप्रकरणात्मक
non–tone language अतान भाषा, तानशून्य भाषा
norm आदर्श
normal सामान्य
normal grade सामान्य श्रेणी
normal innovation सामान्य नवीनता
normative grammar आदर्शी व्याकरण
notation स्वरांकन, संकेतन, स्वरसंकेतन
note of exclamation विस्मयादि बोधक चिह्न
note of interrogation प्रश्नसूचक चिह्न
noun संज्ञा
noun clause संज्ञा उपवाक्य
noun equivalent संज्ञार्थी, संज्ञार्थी शब्द-वर्ग
noun language संज्ञा प्रधान भाषा
noun numeral संज्ञात्म संख्यावाचक
noun root नामधातु

noun sentence संज्ञात्मक वाक्य, संज्ञा प्रधान वाक्य
noun stem संज्ञा प्रकृति, संज्ञाप्रातिपदिक
nucleus शीर्ष, चोटी, केन्द्र, शिखर
number वचन
number concord वचनान्विति
numeral संख्यावाचक, संख्यापद
numeral adjective संख्यावाचक विशेषण
numeral appositional compound द्विगु समास
numeral pronuon अनिश्चयार्थी संख्या-वाचक सर्वनाम
numerals अंक, संख्या
numerical सांख्यिक, संख्यात्मक
numerical metanalysis वचन-परिवर्तन
nursery word नर्सरी शब्द, बाल शब्द

O

object कर्म; उद्देश्य
objectal कर्म-विषयक
object, cognate सजातीय कर्म, सवर्ण कर्म, समधातुज कर्म
object, direct मुख्य कर्म, प्रत्यक्ष कर्म
object, indirect गौण कर्म, अप्रत्यक्ष कर्म,
objective case कर्म कारक, द्वितीया विभक्ति
objective conjugation वस्तुनिष्ठ धातुरूप, निश्चयार्थी धातुरूप
objective phonemics वस्तुनिष्ठ ध्वनिग्राम विज्ञान
objective stress स्पष्ट बलाघात
oblique case विकारीकारक, विकृत कारक
oblique form विकारी रूप, विकृत रूप
oblique question अप्रत्यक्ष प्रश्न
obscene अश्लील
obscure अस्पष्ट
obscurity अस्पष्टता
obsolescent अप्रचलितप्राय, अप्रयुक्तप्राय
obsolete अप्रचलित, अप्रयुक्त
occlusive स्पृष्ट, स्पर्श
off-glide परश्रुति, पश्चश्रुति, अवरोह श्रुति
official language राजभाषा
off-shoot प्रशाखा
ominous form मांगलिक रूप
oneness एकत्व
on-glide पूर्वश्रुति, अग्रश्रुति, आरोह श्रुति
onomasiology नाम विज्ञान
onomastics नाम विज्ञान
onomatology नाम विज्ञान
onomatopoeia ध्वन्यात्मक शब्द, अनुकरणमूलक शब्द, अनुरणनमूलक शब्द ध्वनि-अनुकरणमूलक शब्द
onomatopoeic ध्वन्यात्मक, अनुरणन-मूलक, ध्वनि-अनुकरणमूलक
onomatopoetic root अनुरणनमूलक धातु, ध्वन्यात्मक धातु
onomatopoetic theory ध्वनि-अनु-करण सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, अनुकरण-मूलकतावाद, अनुरणनवाद
onomatopoetic verb अनुरणनात्मक क्रिया
onomatopoetic (onomatopoeic) word ध्वन्यात्मक शब्द, अनुकरणमूलक शब्द, अनुरणनमूलक शब्द
onset पूर्व गह्वर
open विवृत
open consonant व्यक्त व्यंजन
open, half अर्ध विवृत
open sound विवृत ध्वनि
open stress विवृत बलाघात
open syllable मुक्ताक्षर, स्वरांत अक्षर
open transition विवृत संक्रमण
open vowel विवृत स्वर
opposed pair विरोधी युग्म
opposition विरोध, व्यतिरेक
optative mood इच्छासूचक क्रियार्थ, विधि लिङ्, विध्यात्मक, संभाव्य भविष्यत
optional ऐच्छिक, वैकल्पिक
optional variant ऐच्छिक परिवर्तन

वकल्पिक परिवर्त
oral मौखिक
oral cavity मुख विवर
oral chamber मुख-कोष्ठ
oral gesture theory मौखिक इंगित सिद्धांत
oral image मौखिक बिंब
oral tradition मौखिक परम्परा
order क्रम
ordinal numeral क्रमवाचक विशेषण, क्रम संख्यावाचक विशेषण
organ अवयव
organic अवयवी, सावयव, प्रकृति-प्रत्यय प्रधान
origin उत्पत्ति, उद्भव
original मूल, आदिम, मौलिक
original language मूल भाषा
orthographic वर्ण-विन्यास-संबंधी, वर्तनी-विषयक, वर्तनी विज्ञान-विषयक
orthography वर्तनी विज्ञान, वर्ण-विन्यास-विज्ञान, वर्ण विचार
orthology अर्थ विज्ञान
oscillogram चल ध्वनिलेख
osthoff's law ओस्थफ-नियम
out-line रूपरेखा
outer बाह्य
outer speech बाह्य भाषा
overcorrection अतिशुद्धि दोष, अतिशय शुद्धि दोष
over long प्लुत, अतिरिक्त दीर्घ
oxytone. अंत्याघाती शब्द
oxytonic language अंत्याघाती भाषा

P

palaeontology पुराप्राणिविज्ञान
palatal तालव्य
palatalization तालव्यीकरण
palatalized consonant तालव्यीकृत व्यंजन
palatal law तालव्य नियम
palatal vowel अग्रस्वर, तालव्यस्वर
palate तालु
palatograph तालुग्राह
palatogram तालुलेख
paleography प्राचीन लिपि शास्त्र, पुरा लिपि शास्त्र
paradigm रूपावली, रूप-तालिका, शब्द-रूपावली
paradigmatic रूपतालिकात्मक; रूप तालिका-विषयक
paragoge अंत्ययोग
paragogic अंत्ययोगात्मक, अंत्ययोगी, अंत्ययोग
paragogic consonant अंत्ययोग-व्यंजन
paragogic phoneme अंत्ययोग-ध्वनि-ग्राम
paragogic sound अंत्ययोग-ध्वनि
paragogic syllable अंत्ययोगाक्षर
paragogic vowel अंत्ययोगस्वर
paragogical दे० paragogic
paragraph पैरा, अनुच्छेद, पैराग्राफ़
paraphrase स्वतंत्र अनुवाद, भावानुवाद
paraplasm रूप-प्रतिस्थापन
paraplastic form प्रतिस्थापक रूप
paraptyxis अपिनिहिति, अनन्वित प्रयोग
parasynthesis परासंकलन
parasynthetic परासंकलन-विषयक
parasyntheton परासंकलन-शब्द
paratactic असंबद्ध वाक्य विन्यास-विषयक, असंबद्ध वाक्य विन्यासका
parataxis असंबद्ध वाक्य विन्यास
parent language मूल भाषा, पितृभाषा
parenthesis निक्षिप्त वाक्य, निक्षिप्त उपवाक्य, निक्षिप्त वाक्यांश, निक्षिप्त शब्द या रूप
parenthesis mark निक्षिप्त-चिह्न
parenthetical निक्षिप्त
parenthetical clause निक्षिप्त उपवाक्य या वाक्यांश
parenthetical sentence निक्षिप्त

noun sentence संज्ञात्मक वाक्य, संज्ञा प्रधान वाक्य
nounstem संज्ञा प्रकृति, संज्ञाप्रातिपदिक
nucleus शीर्ष, चोटी, केन्द्र, शिखर
number वचन
number concord वचनान्विति
numeral संख्यावाचक, संख्यापद
numeral adjective संख्यावाचक विशेषण
numeral appositional compound द्विगु समास
numeral pronuon अनिश्चयार्थी संख्यावाचक सर्वनाम
numerals अंक, संख्या
numerical सांख्यिक, संख्यात्मक
numerical metanalysis वचन-परिवर्तन
nursery word नर्सरी शब्द, बाल शब्द

O

object कर्म; उद्देश्य
objectal कर्म-विषयक
object, cognate सजातीय कर्म, सवर्ण कर्म, समधातुज कर्म
object, direct मुख्य कर्म, प्रत्यक्ष कर्म
object, indirect गौण कर्म, अप्रत्यक्ष कर्म,
objective case कर्म कारक, द्वितीया विभक्ति
objective conjugation वस्तुनिष्ठ धातुरूप, निश्चयार्थी धातुरूप
objective phonemics वस्तुनिष्ठ ध्वनिग्राम विज्ञान
objective stress स्पष्ट बलाघात
oblique case विकारीकारक, विकृत कारक
oblique form विकारी रूप, विकृत रूप
oblique question अप्रत्यक्ष प्रश्न
obscene अश्लील
obscure अस्पष्ट
obscurity अस्पष्टता
obsolescent अप्रचलितप्राय, अप्रयुक्तप्राय
obsolete अप्रचलित, अप्रयुक्त,
occlusive स्पृष्ट, स्पर्श
off-glide परश्रुति, पश्चश्रुति, अवरोह श्रुति
official language राजभाषा
off-shoot प्रशाखा
ominous form मांगलिक रूप
oneness एकत्व
on-glide पूर्वश्रुति, अग्रश्रुति, आरोह श्रुति
onomasiology नाम विज्ञान
onomastics नाम विज्ञान
onomatology नाम विज्ञान
onomatopoeia ध्वन्यात्मक शब्द, अनुकरणमूलक शब्द, अनुरणनमूलक शब्द ध्वनि-अनुकरणमूलक शब्द
onomatopoeic ध्वन्यात्मक, अनुरणनमूलक, ध्वनि-अनुकरणमूलक
onomatopoetic root अनुरणनमूलक धातु, ध्वन्यात्मक धातु
onomatopoetic theory ध्वनि-अनुकरण सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, अनुकरणमूलकतावाद, अनुरणनवाद
onomatopoetic verb अनुरणनात्मक क्रिया
onomatopoetic (onomatopoeic) word ध्वन्यात्मक शब्द, अनुकरणमूलक शब्द, अनुरणनमूलक शब्द
onset पूर्व गह्वर
open विवृत
open consonant व्यक्त व्यंजन
open, half अर्ध विवृत
open sound विवृत ध्वनि
open stress विवृत बलाघात
open syllable मुक्ताक्षर, स्वरांत अक्षर
open transition विवृत संक्रमण
open vowel विवृत स्वर
opposed pair विरोधी युग्म
opposition विरोध, व्यतिरेक,
optative mood इच्छासूचक क्रियार्थ, विधि लिङ, विध्यात्मक, संभाव्य भविष्यत
optional ऐच्छिक, वैकल्पिक
optional variant ऐच्छिक परिवर्तन

वकल्पिक परिवर्त
oral मौखिक
oral cavity मुख विवर
oral chamber मुख-कोष्ठ
oral gesture theory मौखिक इंगित सिद्धांत
oral image मौखिक बिंब
oral tradition मौखिक परम्परा
order क्रम
ordinal numeral क्रमवाचक विशेषण, क्रम संख्यावाचक विशेषण
organ अवयव
organic अवयवी, सावयव, प्रकृति-प्रत्यय प्रधान
origin उत्पत्ति, उद्‌भव
original मूल, आदिम, मौलिक
original language मूल भाषा
orthographic वर्ण-विन्यास-संबंधी, वर्तनी-विषयक, वर्तनी विज्ञान-विषयक
orthography वर्तनी विज्ञान, वर्ण-विन्यास-विज्ञान, वर्ण विचार
orthology अर्थ विज्ञान
oscillogram चल ध्वनिलेख
osthoff's law ओस्थफ-नियम
out-line रूपरेखा
outer बाह्य
outer speech बाह्य भाषा
overcorrection अतिशुद्धि दोष, अतिशय शुद्धि दोष
over long प्लुत, अतिरिक्त दीर्घ
oxytone. अंत्याघाती शब्द
oxytonic language अंत्याघाती भाषा

P

palaeontology पुराप्राणिविज्ञान
palatal तालव्य
palatalization तालव्यीकरण
palatalized consonant ताल-व्यीकृत व्यंजन
palatal law तालव्य नियम
palatal vowel अग्रस्वर, तालव्यस्वर
palate तालु
palatograph तालुग्राह
palatogram तालुलेख
paleography प्राचीन लिपि शास्त्र, पुरा लिपि शास्त्र
paradigm रूपावली, रूप-तालिका, शब्द-रूपावली
paradigmatic रूपतालिकात्मक; रूप तालिका-विषयक
paragoge अंत्ययोग
paragogic अंत्ययोगात्मक, अंत्ययोगी, अंत्ययोग
paragogic consonant अंत्ययोग-व्यंजन
paragogic phoneme अंत्ययोग-ध्वनिग्राम
paragogic sound अंत्ययोग-ध्वनि
paragogic syllable अंत्ययोगाक्षर
paragogic vowel अंत्ययोगस्वर
paragogical दे० paragogic
paragraph पैरा, अनुच्छेद, पैराग्राफ़
paraphrase स्वतंत्र अनुवाद, भावानुवाद
paraplasm रूप-प्रतिस्थापन
paraplastic form प्रतिस्थापक रूप
paraptyxis अपिनिहिति, अनन्वित प्रयोग
parasynthesis परासंकलन
parasynthetic परासंकलन-विषयक
parasyntheton परासंकलन-शब्द
paratactic असंबद्ध वाक्य विन्यास-विषयक, असंबद्ध वाक्य विन्यासका
parataxis असंबद्ध वाक्य विन्यास
parent language मूल भाषा, पितृभाषा
parenthesis निक्षिप्त वाक्य, निक्षिप्त उपवाक्य, निक्षिप्त वाक्यांश, निक्षिप्त शब्द या रूप
parenthesis mark निक्षिप्त-चिह्न
parenthetical निक्षिप्त
parenthetical clause निक्षिप्त उपवाक्य या वाक्यांश
parenthetical sentence निक्षिप्त

वाक्य
parenthetical word निक्षिप्त शब्द
parisyllabic सम्राक्षरिक
parlance भाषा शैली, विशिष्ट भाषा शैली
parole भाषा, व्यक्तिभाषा, एकावसरी व्यक्ति-भाषा
paronym समानोच्चरित शब्द
paronymous समानोच्चरित शब्द युक्त
paroxytone उपान्त्यक्षर स्वराघाती शब्द, उपघाघाती शब्द
paroxytonic language उपघाघाती भाषा
parse पदव्याख्या करना
parsing पद-व्याख्या, पद-परिचय
part अंश, भाग
partial आंशिक
partial assimilation आंशिक समीकरण
partial contact ईषत्स्पर्श
partially agglutinative आंशिक योगात्मक, ईषत् प्रत्यय प्रधान
partially incorporating ईषत्समास प्रधान
participial कृदंती
participial compound कृदंती समास
participial, compound संयुक्त कृदंती
participialization कृदंतीकरण
participial noun क्रियार्थक संज्ञा
participial phrase कृदंती वाक्यांश
participial preposition कृदंती पूर्वसर्ग
participial suffix कृदंती प्रत्यय
participial tense कृदंती काल
participle कृदंत
particle निपात
partitive विभागबोधक, खंडबोधक, अंशबोधक, अंशार्थी
partitive article अंशार्थी उपपद
partitive case अंशार्थी कारक
partitive genitive अंशार्थी षष्ठी
partitive locative अंशार्थी अधिकरण
partitive numeral अंशार्थी संख्यावाचक
partly अंशतः
partly incorporating आंशिक प्रश्लिष्ट योगात्मक, अंशतः समासप्रधान
part of speech वाक्यावयव, शब्द भेद
pasigraphy विश्वलिपि
pasimology इंगिताभिव्यक्ति
passage मार्ग, प्रणाली
passive aorist कर्मणि लुङ
passive past participle कर्मणि भूतकालिक कृदंत
passive use कर्मणि प्रयोग
passive verb कर्मप्रधान क्रिया, कर्मणि क्रिया
passive voice कर्मवाच्य
passive participle कर्मणि कृदंत
past भूत, अतीत
past conjunctive संभाव्य भूत
past continuous अपूर्ण भूत
past imperfect अपूर्ण भूत
past indefinite indicative सामान्य भूत निश्चयार्थ
past indefinite सामान्य भूत
past infinitive भूत तुमुनन्त
past participle भूतकालिक कृदंत
past perfect पूर्ण भूत
past perfect conjunctive पूर्ण भूत संभावनार्थ
past perfect participle पूर्ण भूतकालिक कृदंत
past tense भूत काल
patois बोली, स्थानीय बोली
pattern पैटर्न, साँचा, ढाँचा, आदर्श
pause, विराम
pause, external बहिर्विराम
pause, internal अंतर्विराम
pause-pitch विराम-पूर्व सुर, विराम-पूर्व सुरारोहण
peak शीर्ष, शिखर, केन्द्र

pedigree theory वंशवृक्ष सिद्धांत
pejoration अर्थापकर्ष
pejorative निंदात्मक, अर्थापकर्षक
pejorative suffix निंदात्मक प्रत्यय, अर्थापकर्षक प्रत्यय
pendent अपूर्ण रचना
penult उपान्त्य
penultimate उपान्त्य, उपधा
peregrinism विदेशी तत्त्व, विजातीय तत्त्व, बाह्य तत्त्व
perfect पूर्ण, परोक्षभूत, लिट्
perfect tense लिट्, परोक्षभूत, अतीत
perfect infinitive भूत तुमुनन्त
perfectivation पूर्णकालिकता, पूर्णीकरण
perfective पूर्णकालिक
period अवधि, काल, युग, विरामच्छेद
periodic नियतकालिक
periodic sentence अंतप्रधान वाक्य
periphrastic पल्लवित, वियोगात्मक, संयुक्त
periphrastic aorist पल्लवित लुङ्, वियोगात्मक लुङ्
periphrastic conjugation वियोगात्मक क्रियारूप
periphrastic declension वियोगात्मक संज्ञा-रूप
periphrastic form वियोगात्मक रूप
periphrastic formation पल्लवित रचना, वियोगात्मक रचना
periphrastic future लुट्, अनद्यतन भविष्य, पल्लवित भविष्य, वियोगात्मक भविष्य
periphrastic perfect पल्लवित पूर्ण, वियोगात्मक पूर्ण
periphrastic tense संयुक्त काल
perissologic, perissological } अनावश्यक (शब्द, रूप, परसर्ग, उपसर्ग, प्रत्यय)
perissology अनावश्यक प्रयोग (उपयुक्तका)
permissive अनुमतिबोधक
permissive mood अनुमतिबोधक-क्रियार्थ
perpendicular stroke ऊर्ध्वाघात
person पुरुष
person concord पुरुषान्विति
personal पुरुषवाचक, व्यक्ति वाचक
personal ending पुरुषबोधक प्रत्यय
personal infinite पुरुषबोधक तुमुनन्त
personal pronoun पुरुषवाचक सर्वनाम
personal suffix पुरुषबोधक प्रत्यय
personal verb पुरुषबोधक क्रिया
personified मूर्त्तीकृत
petitionary sentence प्रार्थनात्मक वाक्य
petroglyph पेट्रोग्लिफ़
petrogram पेट्रोग्राम
perversion विपर्यास, विपर्यय, प्रतीपता
phantom word प्रमादाधारित शब्द
pharyngeal उपालिजिह्व, उपालिजिह्वी
pharyngeal stop उपालिजिह्वी स्पर्श
pharynx उपालिजिह्वा
philologist भाषा-विज्ञानी, भाषा विज्ञानवेत्ता
philology भाषा-विज्ञान, भाषा-शास्त्र, भाषा-साहित्य विज्ञान
philosophical grammar दार्शनिक व्याकरण
phonation ध्वनि-उच्चारण
phonatory ध्वनि-उच्चारणका, ध्वनि उच्चारण-विषयक
phone स्वन, ध्वनि, भाषा-ध्वनि, भाषण-ध्वनि
phonematic ध्वनिग्रामिक, स्वनग्रामिक
phoneme ध्वनिग्राम, स्वनग्राम, स्वनिम, ध्वनिश्रेणी, ध्वनिमात्र, ध्वनितत्त्व
phonemic ध्वनिग्रामिक, स्वनग्रामिक, ध्वनिग्रामीय, स्वनग्रामीय
phonemic analysis ध्वनिग्रामिक,

वाक्य
parenthetical word निक्षिप्त शब्द
parisyllabic सम्माक्षरिक
parlance भाषा शैली, विशिष्ट भाषा शैली
parole भाषा, व्यक्तिभाषा, एकावसरी व्यक्ति-भाषा
paronym समानोच्चरित शब्द
paronymous समानोच्चरित शब्द युक्त
paroxytone उपान्त्यक्षर स्वराघाती शब्द, उपघाघाती शब्द
paroxytonic language उपघाघाती भाषा
parse पदव्याख्या करना
parsing पद-व्याख्या, पद-परिचय
part अंश, भाग
partial आंशिक
partial assimilation आंशिक समीकरण
partial contact ईषत्स्पर्श
partially agglutinative आंशिक योगात्मक, ईषत् प्रत्यय प्रधान
partially incorporating ईषत्समास प्रधान
participial कृदंती
participial compound कृदंती समास
participial, compound संयुक्त कृदंती
participialization कृदंतीकरण
participial noun क्रियार्थक संज्ञा
participial phrase कृदंती वाक्यांश
participial preposition कृदंती पूर्वसर्ग
participial suffix कृदंती प्रत्यय
participial tense कृदंती काल
participle कृदंत
particle निपात
partitive विभागबोधक, खंडबोधक, अंशबोधक, अंशार्थी
partitive article अंशार्थी उपपद
partitive case अंशार्थी कारक
partitive genitive अंशार्थी षष्ठी
partitive locative अंशार्थी अधिकरण
partitive numeral अंशार्थी संख्यावाचक
partly अंशतः
partly incorporating आंशिक प्रश्लिष्ट योगात्मक, अंशतः समासप्रधान
part of speech वाक्यावयव, शब्द भेद
pasigraphy विश्वलिपि
pasimology इंगिताभिव्यक्ति
passage मार्ग, प्रणाली
passive aorist कर्मणि लुङ
passive past participle कर्मणि भूतकालिक कृदंत
passive use कर्मणि प्रयोग
passive verb कर्मप्रधान क्रिया, कर्मणि क्रिया
passive voice कर्मवाच्य
passive participle कर्मणि कृदंत
past भूत, अतीत
past conjunctive संभाव्य भूत
past continuous अपूर्ण भूत
past imperfect अपूर्ण भूत
past indefinite indicative सामान्य भूत निश्चयार्थ
past indefinite सामान्य भूत
past infinitive भूत तुमुनन्त
past participle भूतकालिक कृदंत
past perfect पूर्ण भूत
past perfect conjunctive पूर्ण भूत संभावनार्थ
past perfect participle पूर्ण भूतकालिक कृदंत
past tense भूत काल
patois बोली, स्थानीय बोली
pattern पैटर्न, साँचा, ढाँचा, आदर्श
pause, विराम
pause, external बहिर्विराम
pause, internal अंतर्विराम
pause-pitch विराम-पूर्व सुर, विराम-पूर्व सुरारोहण
peak शीर्ष, शिखर, केन्द्र

pedigree theory वंशवृक्ष सिद्धांत
pejoration अर्थापकर्ष
pejorative निंदात्मक, अर्थापकर्षक
pejorative suffix निंदात्मक प्रत्यय, अर्थापकर्षक प्रत्यय
pendent अपूर्ण रचना
penult उपान्त्य
penultimate उपान्त्य, उपधा
peregrinism विदेशी तत्त्व, विजातीय तत्त्व, वाह्य तत्त्व
perfect पूर्ण, परोक्षभूत, लिट्
perfect tense लिट्, परोक्षभूत, अतीत
perfect infinitive भूत तुमुनन्त
perfectivation पूर्णकालिकता, पूर्णीकरण
perfective पूर्णकालिक
period अवधि, काल, युग, विरामच्छेद
periodic नियतकालिक
periodic sentence अंतप्रधान वाक्य
periphrastic पल्लवित, वियोगात्मक, संयुक्त
periphrastic aorist पल्लवित लुङ्, वियोगात्मक लुङ्
periphrastic conjugation वियोगात्मक क्रियारूप
periphrastic declension वियोगात्मक संज्ञा-रूप
periphrastic form वियोगात्मक रूप
periphrastic formation पल्लवित रचना, वियोगात्मक रचना
periphrastic future लुट्, अनद्यतन भविष्य, पल्लवित भविष्य, वियोगात्मक भविष्य
periphrastic perfect पल्लवित पूर्ण, वियोगात्मक पूर्ण
periphrastic tense संयुक्त काल
perissologic } perissological } अनावश्यक (शब्द, रूप, परसर्ग, उपसर्ग, प्रत्यय)
perissology अनावश्यक प्रयोग (उपर्युक्तका)
permissive अनुमतिबोधक
permissive mood अनुमतिबोधक-क्रियार्थ
perpendicular stroke ऊर्ध्वाघात
person पुरुष
person concord पुरुषान्विति
personal पुरुषवाचक, व्यक्ति वाचक
personal ending पुरुषबोधक प्रत्यय
personal infinite पुरुषबोधक तुमुनन्त
personal pronoun पुरुषवाचक सर्वनाम
personal suffix पुरुषबोधक प्रत्यय
personal verb पुरुषबोधक क्रिया
personified मूर्त्तीकृत
petitionary sentence प्रार्थनात्मक वाक्य
petroglyph पेट्रोग्लिफ़
petrogram पेट्रोग्राम
perversion विपर्यास, विपर्यय, प्रतीपता
phantom word प्रमादाधारित शब्द
pharyngeal उपालिजिह्व, उपालिजिह्वी
pharyngeal stop उपालिजिह्वी स्पर्श
pharynx उपालिजिह्वा
philologist भाषा-विज्ञानी, भाषा विज्ञान-वेत्ता
philology भाषा-विज्ञान, भाषा-शास्त्र, भाषा-साहित्य विज्ञान
philosophical grammar दार्शनिक व्याकरण
phonation ध्वनि-उच्चारण
phonatory ध्वनि-उच्चारणका, ध्वनि उच्चारण-विषयक
phone स्वन, ध्वनि, भाषा-ध्वनि, भाषण-ध्वनि
phonematic ध्वनिग्रामिक, स्वनग्रामिक
phoneme ध्वनिग्राम, स्वनग्राम, स्वनिम, ध्वनिश्रेणी, ध्वनिमात्र, ध्वनितत्त्व
phonemic ध्वनिग्रामिक, स्वनग्रामिक, ध्वनिग्रामीय, स्वनग्रामीय
phonemic analysis ध्वनिग्रामिक,

विश्लेषण, ध्वनिग्रामीय विश्लेषण, स्वनग्रामिक विश्लेषण, स्वनग्रामीय विश्लेषण

phonemicist ध्वनिग्राम विज्ञान वेत्ता, ध्वनिग्रामशास्त्री

phonemics ध्वनिग्राम विज्ञान, स्वनग्राम विज्ञान, ध्वनिग्रामिकी, स्वनग्रामिकी, स्वनिम-शास्त्र, ध्वानिकी, स्वानिकी

phonemic structure ध्वनिग्रामिक गठन

phonemic transcription ध्वनि-ग्रामिक लेखन

phonemic variant ध्वनिग्रामिक परिवर्त

phonetic ध्वन्यात्मक, ध्वनि-संबंधी

phonetical ध्वन्यात्मक

phonetic alphabet ध्वन्यात्मक लिपि, ध्वन्यात्मक वर्णमाला

phonetic change ध्वनि-परिवर्तन

phonetic combination संधि

phonetic complement ध्वनि-पूरक, उच्चारण-पूरक

phonetic contamination ध्वनि-सम्मिश्रण, आद्य शब्दांश-विपर्यय

phonetic decay ध्वन्यात्मक क्षय, ध्वन्यात्मक ह्रास, ध्वनि-विकार

phonetic difference ध्वन्यात्मक अंतर

phonetic development ध्वनि-विकास

phonetic evolution ध्वनि-विकास

phonetic harmony ध्वनि-संगति,

phonetician ध्वनिशास्त्री, ध्वनिविज्ञान-वेत्ता

phonetic indicator ध्वनि सूचक उच्चारण-सूचक

phonetic influence ध्वन्यात्मक-प्रभाव

phoneticist ध्वनिशास्त्री, ध्वनिविज्ञान-वेत्ता

phoneticization ध्वन्यात्मकीकरण

phonetic law ध्वनि-नियम

phonetic modification ध्वन्यात्मक परिवर्तन, ध्वनि-परिवर्तन

phonetic pattern ध्वन्यात्मक ढाँचा

phonetics ध्वनिविज्ञान, ध्वनिविचार, ध्वनितत्त्व

phonetic script ध्वन्यात्मक लिपि

phonetics, experimental प्रयोगात्मक ध्वनिविज्ञान

phonetic sign ध्यवनात्मक चिह्न या संकेत

phonetic similarity ध्वन्यात्मक साम्य

phonetic spelling ध्वन्यात्मक वर्तनी

phonetic stage ध्वन्यात्मक अवस्था

phonetic symbolo ध्वन्यात्मक प्रतीक (संकेत, चिह्न)

phonetic tendency ध्वन्यात्मक प्रवृत्ति

phonetic transcription ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन

phonetic writing ध्वन्यात्मक लिपि

phonetist ध्वनिशास्त्री, ध्वनिविज्ञानवेत्ता

phonic ध्वनिक, ध्वन्यात्मक

phonics ध्वनिविज्ञान, ध्वनिविचार, ध्वनिशास्त्र

phono aesthetic ध्वनि सौंदर्य

phono aesthetics ध्वनि सौंदर्य विज्ञान

phono-geography ध्वनि-भूगोल

phonogram ध्वनि-संकेत, ध्वनिलिपि, ध्वनिग्राफ़

phonological ध्वनि-प्रक्रियात्मक, ध्वन्यात्मक

phonological conditioning ध्वन्यात्मक परिस्थिति

phonological change ध्वन्यात्मक परिवर्तन या विकार

phonologically ध्वनि-प्रक्रियाकी दृष्टि-से, ध्वन्यात्मक दृष्टिसे

phonology ध्वनि-प्रक्रिया विज्ञान, ऐतिहासिक ध्वनिविज्ञान, ध्यनि विचार, ध्वनि-विज्ञान, ध्वनिग्राम विज्ञान दे० phonemics

phonostylistics ध्वनीय शैली विज्ञान

phonotactics फ़ोनोटैक्टिक्स

phrasal वाक्यांशी
phrasal compound वाक्यांशी समास
phrasal tense वाक्यांशी काल
phrase वाक्यांश, मुहावरेदार उक्ति, कथन-पद्धति
phraseology शब्द-शृंखला, कथन-पद्धति
physical भौतिक, शारीरिक
physical aspect शारीरिक पक्ष
physical basis भौतिक आधार, शारीरिक आधार
physical phonetics भौतिक ध्वनि-विज्ञान
physics भौतिक शास्त्र, भौतिकी, भौतिक विज्ञान
physiological phonetics शारीरिक ध्वनिविज्ञान
physiology शरीर विज्ञान
pictogram चित्रलिपि चिह्न
pictograph चित्रलिपि
pictography चित्रलिपि लेखन
pictorial character चित्र लिपि
pictorial script चित्र लिपि
pictorial symbol चित्रात्मक प्रतीक
pictorial writing चित्रलिपि
picture चित्र
picture symbol चित्र-प्रतीक
picture writing चित्र लिपि
pidgin मिश्रित, मिश्रित भाषा
pipe नली, नलिका, नालिका
pitch सुर, स्वर, तारत्व
pitch accent सुर, सुराघात
pitch, falling अवरोही सुर, अधोगामी सुर
pitch high, level उच्चस्तरीय सुर
pitch, low निम्न सुर
pitch, rising आरोही सुर, ऊर्ध्वगामी सुर
place of articulation उच्चारण-स्थान
plene writing प्लीन लेखन
pleonasm शब्द-बाहुल्य, अधिक पदत्व
pleonastic शब्द-बाहुल्य, शब्द-बाहुल्य पूर्ण, स्वार्थिक
plosion स्फोट, स्फोटन
plosive स्पर्श
plosiveness स्पर्शत्व, स्फोटकत्व
pluperfect परोक्ष भूत; पूर्णभूत
plural बहुवचन
plural number बहुवचन
plural of approximation लगभगार्थी बहुवचन, निकटार्थी बहुवचन
plurative बहुवचन विशेषण
plurilingual बहुभाषिक, बहुभाषाभाषी
plus juncture धन संगम
poetry कविता
point of contact स्पर्श स्थान, स्पर्श-बिंदु
polyglot बहुभाषाविद्, बहुभाषा-भाषी
polylingual बहुभाषिक, बहुभाषाभाषी, बहुभाषाविद्
polyphone बहुध्वनिचिह्न
polyphonic बहुध्वनि, बहुध्वन्यात्मक
polysemantic बह्वार्थी, अनेकार्थी
polysemia अनेकार्थता, अनेकार्थी शब्द
polysemous अनेकार्थी, बह्वार्थी
polysemy अनेकार्थता
polysyllabic बह्वक्षरात्मक, अनेकाक्षरी
polysyllable अनेकाक्षरी शब्द
polysynthesis बहुसंश्लेषात्मकता
polysynthetic बहुसंश्लेषात्मक, बहु-संश्लेषणात्मक
polysystematic बहुतंत्रात्मक, बहु-पद्धत्यात्मक
polytonic बहुसुरात्मक, बहुसुरीय, बहु-तानात्मक, बहुतानीय
pooh-pooh theory, पुह-पूहवाद, मनोभावाभिव्यक्तिवाद
popular etymology लौकिक व्युत्पत्ति, भ्रामक व्युत्पत्ति
popular misconception प्रचलित भ्रम

portmanteau word मिश्र शब्द, पोर्टमैंटो
position अवस्था, स्थान, स्थिति
positional स्थान-संबंधी, स्थान-विषयक; स्थितीय, स्थान-प्रधान, निपात प्रधान
positional languages स्थान-प्रधान भाषा
positional variant स्थितीय परिवर्त, स्थैतिक परिवर्त
positive अस्त्यात्मक, अस्तिवाचक
positive conjunction अस्तिवाचक समुच्चयबोधक
positive degree अस्त्यात्मक कोटि, निश्चित कोटि, मूलावस्था
positive science अस्त्यात्मक विज्ञान
positive verb अस्तिवाची क्रिया
possessive संबंधवाचक, संबंध
possessive case संबंध कारक, षष्ठी विभक्ति
possessive compound षष्ठी समास, संबंध समास
possessive noun संबंधवाचक संज्ञा
post accentical पश्चस्वरित
post-dental पश्चदन्त्य, परदंत्य
postfix पर प्रत्यय, प्रत्यय
postposition परसर्ग
post-velar परकंठ्य, पश्चकंठ्य
potential mood लिङ्, विधिलिङ्, विध्यर्थक, विधि
potential participle विध्यर्थक कृदंत
potential passive participle विध्यर्थक कर्मणि कृदंत
practical व्यावहारिक
pre-accentical पूर्व स्वरित
pre-adjective पूर्ववर्ती विशेषण
precative इच्छार्थक, प्रार्थनात्मक
precative mood इच्छार्थक क्रियार्थ, प्रार्थनात्मक क्रियार्थ, आशीर्लिङ्, लिङाशिषि
preceding पूर्ववर्ती, पूर्वगामी
preclitic पूर्वाश्रयी

pre-dental पूर्वदंत्य
predicate विधेय
predicate adjective विधेय विशेषण, विधेयात्मक विशेषण
predicate noun विधेय संज्ञा, विधेयात्मक संज्ञा
predicate verb विधेय क्रिया, विधेयात्मक क्रिया
predicating word विधेय शब्द
predication पूर्वकथन, भविष्य-कथन, पूर्वानुमान
predicative विधेय, विधेयात्मक
predicative adverb विधेय क्रिया विशेषण, विधेयात्मक क्रिया विशेषण
prefix उपसर्ग, पूर्वप्रत्यय, आदिसर्ग
prefix agglutinating पूर्व प्रत्यय योगात्मक, पूर्व योगात्मक
prefix agglutination पूर्वप्रत्यय योगात्मक, पूर्वयोगात्मक
prefix agglutinative पूर्वप्रत्यय योगात्मक, पूर्वयोगात्मक
prefix suffix agglutinating उभय-प्रत्यय योगात्मक
prefix suffix agglutinative उभय-प्रत्यय योगात्मक
pregnant construction अर्थगर्भित रचना
prelinguistics पूर्वभाषा विज्ञान
prepalatal पूर्व तालव्य
preperfect अपूर्ण भूत
preposition पूर्वसर्ग
prepositional पूर्वसर्गिक, पूर्वसर्गमूलक
prepositional compound पूर्वसर्गिक समास
prepositional phrase पूर्वसर्गमूलक वाक्यांश
prepositional verb पूर्वसर्गमूलकक्रिया
preposition-group पूर्वसर्ग वर्ग
prescriptive grammar निर्देशात्मक व्याकरण, आदर्शी व्याकरण

present वर्तमान, लट्
present conjunctive संभाव्य वर्तमान
present continuous अपूर्ण वर्तमान
present imperative वर्तमान आज्ञार्थ
present imperfect अपूर्ण वर्तमान
present indefinite सामान्य वर्तमान
present indicative वर्तमान निश्चयार्थ
present participle वर्तमानकालिककृदंत
present perfect आसन्नभूत, पूर्णवर्तमान
present tense वर्तमान काल, लट्
presumptive mood संदेहार्थ
preterite भूत, अतीत
preterite indicative भूत निश्चयार्थ
preterite participle भूतकालिककृदंत
priest language पुरोहिती भाषा, कर्मकांडी भाषा
primary मूल, कृत्, प्रधान, प्राथमिक, अविकृत
primary accent मूल स्वराघात, मूल आघात, प्रधान स्वराघात
primary affix कृत् प्रत्यय
primary compound मूल समास
primary derivative मूलसाधित
primary grade प्राथमिक श्रेणी
primary language कथ्य भाषा
primary phoneme मूल ध्वनिग्राम
primary root मूल धातु
primary suffix कृत
primary tense मूल काल
primary word मूल शब्द
prime word. मूल शब्द
primitive आदिम
principal सिद्धान्त
principal clause मुख्य उपवाक्य
principal verb मुख्य क्रिया
principal word मुख्य शब्द
private affix स्वार्थिक प्रत्यय
privative affix स्वार्थिक प्रत्यय
process प्रक्रिया
problem समस्या, प्रश्न
proclitic अबलाघाती शब्द, अग्राश्रयी
production उत्पादन
productive suffix उत्पादी प्रत्यय
proethnic imperative प्रोथेनिक आज्ञार्थ
proethnic language प्रोथेनिक भाषा
proethnic perfect प्रोथेनिक पूर्ण
profile दृश्य रेखा
progress प्रगति
progressive पुरोगामी
progressive assimilation पुरोगामी समीकरण
progressive dissimilation पुरोगामी विषमीकरण
progressive tense अपूर्ण काल
prohibition निषेध
prohibitive निषेधात्मक
prolative case सहार्थी कारक
prolepsis पूर्व प्रयोग
prolonged दीर्घीभूत, दीर्घित, दीर्घीकृत, प्रलंबित, प्रवर्द्धित
prominence प्रधानता, प्राधान्य
prominent प्रधान, मुख्य, मुखर
promissive future प्रतिज्ञात्मक भविष्य
promissive tense प्रतिज्ञात्मक काल
pronominal सार्वनामिक
pronominal adjective सार्वनामिक विशेषण
pronominal adverb सार्वनामिक क्रिया-विशेषण
pronominalised speech सार्वनामिक भाषा
pronominal verb सार्वनामिक क्रिया
pronoun सर्वनाम
pronoun co-relative नित्यसंबंधी
pronoun definite निश्चय वाचक सर्वनाम
pronoun demonstrative निश्चय वाचक सर्वनाम

portmanteau word मिश्र शब्द, पोर्टमैंटो
position अवस्था, स्थान, स्थिति
positional स्थान-संबंधी, स्थान-विषयक; स्थितीय, स्थान-प्रधान, निपात प्रधान
positional languages स्थान-प्रधान भाषा
positional variant स्थितीय परिवर्त, स्थैतिक परिवर्त
positive अस्त्यात्मक, अस्तिवाचक
positive conjunction अस्तिवाचक समुच्चयबोधक
positive degree अस्त्यात्मक कोटि, निश्चित कोटि, मूलावस्था
positive science अस्त्यात्मक विज्ञान
positive verb अस्तिवाची क्रिया
possessive संबंधवाचक, संबंध
possessive case संबंध कारक, षष्ठी विभक्ति
possessive compound षष्ठी समास, संबंध समास
possessive noun संबंधवाचक संज्ञा
post accentical पश्चस्वरित
post-dental पश्चदन्त्य, परदंत्य
postfix पर प्रत्यय, प्रत्यय
postposition परसर्ग
post-velar परकंठ्य, पश्चकंठ्य
potential mood लिङ्, विधिलिङ्, विध्यर्थक, विधि
potential participle विध्यर्थक कृदंत
potential passive participle विध्यर्थक कर्मणि कृदंत
practical व्यावहारिक
pre-accentical पूर्व स्वरित
pre-adjective पूर्ववर्ती विशेषण
precative इच्छार्थक, प्रार्थनात्मक
precative mood इच्छार्थक क्रियार्थ, प्रार्थनात्मक क्रियार्थ, आशीर्लिङ्, लिङाशिषि
preceding पूर्ववर्ती, पूर्वगामी
preclitic पूर्वाश्रयी

pre-dental पूर्वदंत्य
predicate विधेय
predicate adjective विधेय विशेषण, विधेयात्मक विशेषण
predicate noun विधेय संज्ञा, विधेयात्मक संज्ञा
predicate verb विधेय क्रिया, विधेयात्मक क्रिया
predicating word विधेय शब्द
predication पूर्वकथन, भविष्य-कथन, पूर्वानुमान
predicative विधेय, विधेयात्मक
predicative adverb विधेय क्रिया विशेषण, विधेयात्मक क्रिया विशेषण
prefix उपसर्ग, पूर्वप्रत्यय, आदिसर्ग
prefix agglutinating पूर्व प्रत्यय योगात्मक, पूर्व योगात्मक
prefix agglutination पूर्वप्रत्यय योगात्मक, पूर्वयोगात्मक
prefix agglutinative पूर्वप्रत्यय योगात्मक, पूर्वयोगात्मक
prefix suffix agglutinating उभय-प्रत्यय योगात्मक
prefix suffix agglutinative उभय-प्रत्यय योगात्मक
pregnant construction अर्थगर्भित रचना
prelinguistics पूर्वभाषा विज्ञान
prepalatal पूर्व तालव्य
preperfect अपूर्ण भूत
preposition पूर्वसर्ग
prepositional पूर्वसर्गिक, पूर्वसर्गमूलक
prepositional compound पूर्वसर्गिक समास
prepositional phrase पूर्वसर्गमूलक वाक्यांश
prepositional verb पूर्वसर्गमूलकक्रिया
preposition-group पूर्वसर्ग वर्ग
prescriptive grammar निर्देशात्मक व्याकरण, आदर्शी व्याकरण

present वर्तमान, लट्
present conjunctive संभाव्य वर्तमान
present continuous अपूर्ण वर्तमान
present imperative वर्तमान आज्ञार्थ
present imperfect अपूर्ण वर्तमान
present indefinite सामान्य वर्तमान
present indicative वर्तमान निश्चयार्थ
present participle वर्तमानकालिककृदंत
present perfect आसन्नभूत, पूर्णवर्तमान
present tense वर्तमान काल, लट्
presumptive mood संदेहार्थ
preterite भूत, अतीत
preterite indicative भूत निश्चयार्थ
preterite participle भूतकालिककृदंत
priest language पुरोहिती भाषा, कर्मकांडी भाषा
primary मूल, कृत्, प्रधान, प्राथमिक, अविकृत
primary accent मूल स्वराघात, मूल आघात, प्रधान स्वराघात
primary affix कृत् प्रत्यय
primary compound मूल समास
primary derivative मूलसाधित
primary grade प्राथमिक श्रेणी
primary language कथ्य भाषा
primary phoneme मूल ध्वनिग्राम
primary root मूल धातु
primary suffix कृत
primary tense मूल काल
primary word मूल शब्द
prime word. मूल शब्द
primitive आदिम
principal सिद्धान्त
principal clause मुख्य उपवाक्य
principal verb मुख्य क्रिया
principal word मुख्य शब्द
private affix स्वार्थिक प्रत्यय
privative affix स्वार्थिक प्रत्यय
process प्रक्रिया
problem समस्या, प्रश्न
proclitic अबलाघाती शब्द, अग्राश्रयी
production उत्पादन
productive suffix उत्पादी प्रत्यय
proethnic imperative प्रोथेनिक आज्ञार्थ
proethnic language प्रोथेनिक भाषा
proethnic perfect प्रोथेनिक पूर्ण
profile दृश्य रेखा
progress प्रगति
progressive पुरोगामी
progressive assimilation पुरोगामी समीकरण
progressive dissimilation पुरोगामी विषमीकरण
progressive tense अपूर्ण काल
prohibition निषेध
prohibitive निषेधात्मक
prolative case सहार्थी कारक
prolepsis पूर्व प्रयोग
prolonged दीर्घीभूत, दीर्घित, दीर्घीकृत, प्रलंबित, प्रवर्द्धित
prominence प्रधानता, प्राधान्य
prominent प्रधान, मुख्य, मुखर
promissive future प्रतिज्ञात्मक भविष्य
promissive tense प्रतिज्ञात्मक काल
pronominal सार्वनामिक
pronominal adjective सार्वनामिक विशेषण
pronominal adverb सार्वनामिक क्रिया-विशेषण
pronominalised speech सार्वनामिक भाषा
pronominal verb सार्वनामिक क्रिया
pronoun सर्वनाम
pronoun co-relative नित्यसंबंधी
pronoun definite निश्चय वाचक सर्वनाम
pronoun demonstrative निश्चय वाचक सर्वनाम

pronoun honorific आदरवाचक सर्वनाम
pronoun incorporating संयोगी सर्वनाम
pronoun indefinite अनिश्चयवाचक सर्वनाम
pronoun interrogative प्रश्न वाचक सर्वनाम
pronoun personal पुरुष वाचक सर्वनाम
pronoun reflexive निजवाचक सर्वनाम
pronoun relative संबंधवाचक सर्वनाम
pronthesis आदि वर्णागम, अग्रागम
pronunciation उच्चारण
proparoxytone पूर्वोपधा बलाघाती शब्द
proparoxytonic language पूर्वोपधा बलाघाती भाषा
proper adjective व्यक्तिवाचक विशेषण
proper compound पूर्ण समास
proper noun व्यक्तिवाचक संज्ञा
proper triphthong पूर्ण त्रिस्वर
proportion अनुपात
proportional समानुपात, समानुपाती, समानुपातिक
proportional analogy समानुपाती सादृश्य
proportional numeral आवृत्ति संख्यावाचक विशेषण
proportional opposition समानुपातिक विरोध
prose गद्य
prosecutive case सहार्थी कारक
prosodeme प्रासडीम
prosodic रागात्मक, रागीय, संध्यात्मक
prosodic feature रागात्मक लक्षण या तत्त्व, संध्यात्मक लक्षण या तत्त्व
prosody राग
prosthesis पुरोहिति, पूर्वहिति
prosthetic पुरोहितिमूलक
prothesis अग्रागम, आदिस्वरागम, पुरोहिति, पूर्वहिति, प्रागुपजन
prothetic consonant अग्रागमित व्यंजन
prothetic phoneme अग्रागमित ध्वनिग्राम
prothetic vowel अग्रागमित स्वर
prototype मूल, मूल रूप, मूलादर्श
proverb लोकोक्ति, कहावत
proverbial लोकोक्तीय
provincialism प्रादेशिकता, प्रादेशिक प्रयोग, स्थानीय प्रयोग
proximate demonstrative pronoun निकटवर्ती संकेतवाचक सर्वनाम, निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम
proximate honorific third person निकटवर्ती आदरार्थ अन्यपुरुष
psychical aspect मानसिक पक्ष
psycholinguistics मनोभाषा-विज्ञान
psychology मनोविज्ञान
pulmonary फुफ्फुसीय
pun श्लेष
punctuation विराम
punctuation mark विराम चिह्न
pure language शुद्ध भाषा, अमिश्रित भाषा
pure tense साधारण काल, शुद्धकाल, मूलकाल
purity शुद्धता
putative aspect परिणामदर्शी पक्ष

Q

quadrisyllabic चतुराक्षरिक, चतुरक्षरी
quadrisyllable चतुरक्षरी शब्द
quadruplet चतुर्द्वित्तक
qualifier विशेषक
qualifying infinitive गुणबोधक या विशेषक तुमुनन्त
qualify विशेषता बतलाना
qualitative ablant गुणीय अपश्रुति
qualitative accent गुणीय स्वराघात
qualitative alteration गुणीय अपश्रुति

qualitative gradation गुणीय अपश्रुति
quality गुण
quantifier संख्याबोधक विशेषण
quantitative मात्रिक
quantitative ablant मात्रिक अपश्रुति
quantitative accent मात्रिक स्वराघात
quantitative adjective मात्रिक विशेषण
quantitative alteration मात्रिक अपश्रुति
quantitative gradation मात्रिक अपश्रुति
quantity मात्रा, परिमाण
quantity mark मात्राबोधक चिह्न
quasialphabetic अर्ध-वर्णमालीय, अर्ध-वर्णात्मक
quasialphabetic script अर्धवर्णात्मक लिपि
quatrial number चतुर्वचन
question mark प्रश्नवाचक चिह्न
quinanesyllalbic पंचाक्षरी
quinanesyllable पंचाक्षरी शब्द
quipe क्विपु लिपि
quotation marks अवतरण-चिह्न, उद्धरण-चिह्न

R

racial admixture जातीय मिश्रण
racial influence जातीय प्रभाव
racial strata जातीय स्तर
radiation ध्वनि-प्रसरण
radical मूल शब्द, मूल चिह्न, मूल, मौलिक; आद्योपांत, आमूल
radical element मौलिक अंश
radical tense मूलकाल
radical flexion मूल-रूपनिर्माण
radical language स्थान प्रधान भाषा
ramification प्रशाखीकरण
ramified प्रशाखित, शाखाकृत
rare विरल, दुर्लभ
rare use विरल प्रयोग
real वास्तविक, यथार्थ
real condition वास्तविक स्थिति
real definition वास्तविक परिभाषा
realization प्रत्यक्षीकरण
rearrangement पुनर्व्यवस्था
reciprocal पारस्परिक, अन्योन्य
reciprocal assimilation पारस्परिक समीकरण
reciprocal copulative compound अन्योन्य द्वन्द्व समास
reciprocal pronoun पारस्परिक सर्वनाम
reciprocal verb अन्योन्य क्रिया
reconstruction पुनर्रचना, पुनर्निर्माण
record प्रलेख, लिखित प्रमाण
rection नियंत्रण
reducad ह्रस्वीकृत, न्यूनीकृत, प्रह्रासित
reduction ह्रस्वीकरण, कमी, न्यूनीकरण
redundancy अनावश्यक शब्द-प्रयोग, शब्दाधिक्य दोष, पदाधिक्य दोष
redundant अनावश्यक, अतिरिक्त, अतिशय
redundant consonant अतिरिक्त व्यंजन, अनावश्यक व्यंजन
redundant feature अतिशय लक्षण, अनावश्यक लक्षण
reduplicated अभ्यस्त, द्विरावृत्तिक, द्विगुणीकृत
reduplicating reduplication अभ्यास, द्विरावृत्ति, द्वित्व
reduplicative expression पुनरावृत्तिक अभिव्यक्ति; पुनरावृत्तिक शब्द
reduplicative phrase पुनरावृत्तिक वाक्यांश, अभ्यस्त वाक्यांश
reduplicative syllable द्विरुक्ताक्षर, अभ्यस्ताक्षर
reduplicative word पुनरावृत्तिक शब्द, अभ्यस्त शब्द
reemployed अन्वादिष्ट
reference संदर्भ

referend संकेत-साधन
referent संकेतित, निर्दिष्ट
refined परिष्कृत, सुसंस्कृत
refined language परिष्कृत भाषा, सुसंस्कृत भाषा
reflective निजवाचक, आत्मवाचक
reflexive निजवाचक, आत्मवाचक
reflexive object निजवाचक कर्म
reflexive pronoun, निजवाचक सर्वनाम
reflexive verb निजवाचक क्रिया
regimen नियंत्रण
region क्षेत्र, प्रदेश
regional प्रादेशिक, क्षेत्रीय
regional dialect प्रादेशिक बोली, क्षेत्रीय बोली
regionalism प्रादेशिक प्रयोग, प्रादेशिकता
register tone अचल स.र, अचल तान रजिस्टर तान
regressive पश्चगामी
regressive assimilation पश्चगामी समीकरण
regressive direction पश्चगामीदिशा, प्रतिगामी दिशा
regressive dissimilation पश्चगामी विषमीकरण
regular नियमित
regular form नियमित रूप
regularity नियमितता
regular verb नियमित क्रिया
related संबद्ध
related language संबद्ध भाषा
relating word संबंधदर्शी शब्द
relation संबंध
relational word, संबंधदर्शी शब्द
relative संबंधवाचक, संबंधसूचक
relative adverb सम्बन्धवाचक क्रियाविशेषण
relative clause संबंधवाचक वाक्यांश या उपवाक्य
relative degree तुलनात्मक कोटि, संबंधसूचक कोटि, संबंधसूचक तुलनात्मक कोटि
relative pronoun सम्बन्ध वाचक सर्वनाम
relative superlative संबंधसूचक सर्वोच्चकोटि या तमावस्था
release उन्मोचन, मोचन, रेचन, स्फोट
released मोचित, रेचित, स्फोटित
relevant संबद्ध, प्रासंगिक, संगत, आवश्यक
relic form अवशिष्टरूप
remote demonstrative दूरवर्ती निश्चयवाचक
repartition पुनर्विभाजन
replaced प्रतिस्थापित
replacing प्रतिस्थापन
representation प्रतिनिधित्व, निरूपण
representational aspect विषय-पक्ष; अभिव्यक्ति-पक्ष
reservation प्राचीनता, अभिरक्षण
residual अवशिष्ट
residual form अवशिष्ट रूप
residue शेष, अवशेष
resonance प्रतिध्वनि, अनुनाद
resonance cavity प्रतिध्वनि विवर, अनुनादी विवर
resonance chamber प्रतिध्वनि कोष्ठ या कक्ष
resonator प्रतिध्वनक, अनुनादक
restriction of meaning अर्थसंकोच
restrictive clause प्रतिबंधी उपवाक्य, विशेषक उपवाक्य
restrictive phrase प्रतिबंधी वाक्यांश, विशेषक वाक्यांश
restrictive relative pronoun प्रतिबंधी संबंधवाचक सर्वनाम
result फल, परिणाम
retracted पश्चीकृत, संकोचित
retraction पश्चीकरण, संकोचन
retroflex मूर्धन्य

retrogressive पश्चगामी
rhematalogy अर्थविज्ञान
rhematics अर्थविज्ञान
rhotacism रकरण
rhyme तुक, अंत्यानुप्रास
rhyme word तुकांत शब्द, मित्राक्षरी शब्द
rhythm सुस्वरता, लय
ridge, teeth वर्त्स
rill fricative उत्थित पार्श्व संघर्षी, नद संध
rising diphthong आरोही संयुक्त स्वर
rising tone आरोही सुर
rolled लुंठित, लोड़ित
root धातु
root base शब्द मूल, मूल, धातुमूल
root duplication धातु-द्विरुक्ति, धात्वभ्यास
root gradation धात्वपश्रुति
root inflexion अपश्रुति
root of the teeth दन्तमूल
root of the tongue जिह्वामूल
root theory धातु सिद्धांत
rounded वृत्ताकार, वृत्तमुखी
rounding वृत्तीकरण, वृत्तमुखीकरण
rule नियम
rural ग्रामीण
rural dialect ग्रामीण बोली
rural language ग्रामीण भाषा
rural speech ग्रामीण भाषा
rustic ग्राम्य, अपरिष्कृत

S

sarcasm व्यंग्योक्ति
satem languages संतम् भाषाएँ
saving of effort प्रयत्न-लाघव
scattered अस्तव्यस्त, छिटपुट
scholastic पांडित्य-प्रदर्शक, रूक्षपाण्डित्यमय, पंडिताऊ, शास्त्रीय
science विज्ञान
science of language भाषा विज्ञान
screech कर्णकटु ध्वनि, कर्कश ध्वनि
script लिपि
scriptology लिपि विज्ञान
second मध्यम, दूसरा, द्वितीय ।
secondary गौण, अप्रमुख, तद्धित, यौगिक, द्वितीयक, विकृत
secondary accent गौणस्वराघात
secondary affix गौण प्रत्यय
secondary compound द्वितीयक समस्त शब्द
secondary derivative द्विसाधित
secondary form गौण रूप
secondary language गौण भाषा, लिखित भाषा
secondary meaning गौण अर्थ, अप्रमुख अर्थ
secondary phoneme गौण ध्वनिग्राम
secondary root गौण धातु, यौगिक धातु
secondary suffix तद्धित
secondary tense गौण काल, संयुक्तकाल
secondary verb गौण क्रिया, संयुक्त क्रिया
secondary word गौण शब्द, विशेषक शब्द
second causal द्वितीय प्रेरणार्थक
second future लृट्, सामान्य भविष्य
second person मध्यम पुरुष
secret language गुप्त भाषा
section विभाग, खंड
segment खंड
segmental खंड, खंडीय, खंडयुक्त
segmental phoneme खंड ध्वनिग्राम
segmentation खंडीकरण
segment of utterance उच्चारण-खंड, उच्चारखंड
semanniology अर्थ प्रक्रिया विज्ञान
semanteme अर्थतत्त्व, अर्थग्राम
semantic अर्थ, आर्थिक
semantical आर्थिक
semantic change अर्थपरिवर्तन
semantic complement अर्थपूरक,

आर्थिक पूरक
semantic extension अर्थ-विस्तार
semantic indicator अर्थ-संकेतक
semantico-stylistics अर्थीय शैलीविज्ञा
semantics अर्थविज्ञान, अर्थतत्त्व
semantic shift अर्थ-परिवर्तन
semasiology अर्थ-विज्ञान
semasiological अर्थविज्ञान-मूलक
sematology अर्थविज्ञान
sememe अर्थग्राम
sementeme अर्थग्राम
semi अर्ध–अल्प, ईषत्
semi-absolute अर्धस्वतंत्र, अर्धमुक्त
semicolon सेमिकोलन, अर्धविराम चिह्न
semiconsonant अर्धव्यञ्जन
semiconsonantal अर्धव्यंजनात्मक
semiconsonantal vowel अर्धव्यंजनात्मक स्वर, अर्धस्वर
semiotics अर्थविज्ञान
semiplosive ईषत्स्पृष्ट, स्पर्शसंघर्षी
semi-tatsama अर्धतत्सम
semitic सामी, सेमिटिक
semi-vowel अर्धस्वर
semi-syntactic compound अर्धवाक्यक्रम समास
sense तात्पर्य, अर्थ, अभिप्राय
sensitics अर्थविज्ञान
sentence वाक्य
sentence accent वाक्याघात
sentence analysis वाक्यविश्लेषण, वाक्यविग्रह, वाक्य-विच्छेद
sentence phonetics वाक्यीय ध्वनिविज्ञान
sentence stress वाक्य-बलाघात
sentence-word वाक्यार्थी शब्द, शब्द-वाक्य
separable पृथक्करणीय
separable prefix पृथक्करणीय उपसर्ग
separable suffix पृथक्करणीय प्रत्यय
sequence अनुक्रम
series क्रम
sesmiology अर्थविज्ञान
shibboleth परीक्षाशब्द
shift of emphasis बलका अपसरण
shift-sign परिवृत्ति चिह्न, परिवर्तक चिह्न, विशेषक चिह्न
short ह्रस्व
shortening ह्रस्वीकरण
shwa श्वा, उदासीन स्वर
shwa, latent अस्पष्ट श्वा
shwa, mobile चलश्वा
sibilant ऊष्म
sigmate स-प्रवेश कराना, स-योग कराना
sigmatic स-युक्त, सिजंत
sigmation स-प्रवेश, स-योग, सिजंतीकरण
sign चिह्न, संकेत, प्रतीक, इंगित
signal चिह्नक
significance अर्थ
significs अर्थविज्ञान
sign language इंगित-भाषा
silent मूक
similar समान, अनुरूप
similarity साम्य, समानता, अनुरूपता
similative case समानार्थी कारक
simple सरल, अश्लिष्ट, मूल अयौगिक, सामान्य, साधारण
simple adverb मूल क्रियाविशेषण, सरल क्रियाविशेषण
simple agglutinative अश्लिष्ट योगात्मक
simple future लृट्, सामान्य भविष्य
simple indeclinable मूल अव्यय
simple infinitive मूल तुमुन्त सामान्य अव्यय
sumple predicate मूल विधेय
simple root मूल धातु
simple sentence सरलवाक्य, साधारण वाक्य
simple sound मूल ध्वनि
simple tense मूल काल

simple verb मूलक्रिया
simple vowel मूल स्वर
simple word मूल शब्द, अयौगिक शब्द
sing-song theory संगीत सिद्धांत
singular एकवचन
sinking tone अवरोही सुर
sister speech भगिनी भाषा, सहोदरा भाषा
slang वर्ग बोली, ग्राम्य बोली
slender consonant अग्रस्वर संपर्कित व्यंजन
slender vowel अग्रस्वर
slit fricative समसंघर्षी, समपार्श्व संघर्षी
slit-spirant समपार्श्व संघर्षी
slope गह्वर, घाटी, ढाल
slow विलंबित, धीमा
sociative case सहार्थीकारक
sociology समाजविज्ञान
soft कोमल
soft consonant घोष व्यंजन, कोमल व्यंजन
soft palatal कोमल तालव्य, कंठ्य
soft palate कोमल तालु
soft-sign कोमल-चिह्न
solecism व्याकरणिक अशुद्धि
solid compound पूर्ण समास, संघाती समास
sonant अन्तस्थ, स्वनंत, आक्षरिक, अर्धस्वर, घोष
sonority मुखरता, संस्वनता
sonorization घोषीकरण
sonorous मुखर
sonorousness मुखरता
sound ध्वनि
sound attribute ध्वनि-गुण, ध्वनि-लक्षण
sound change ध्वनि प्रक्रिया, ध्वनि-परिवर्तन
sound combination ध्वनि-संयोग
sound group ध्वनि-समवाय
sound harmony ध्वनि-संगति
sound image ध्वनि प्रतिमा, ध्वनि-बिंब
sound picture ध्वनि-चित्र
sound quality ध्वनिगुण
sound shifting ध्वनि-परिवर्तन
sound symbolism ध्वनि-प्रतीक
sound system ध्वनि-पद्धति
sound tube ध्वनि-नालिका
sound type ध्वनि-प्रकार, ध्वनि-वर्ग
sound wave ध्वनि-तरंग
specialization of meaning अर्थ-संकोच
special language विशिष्ट भाषा
speech भाषा, वाक्
speech-center भाषा-केन्द्र
speech-community भाषा-समाज, भाषा-भाषी-समुदाय
speech-island भाषा-द्वीप
speech mechanism भाषण-अवयव, उच्चारण अवयव
speech-organ भाषण-अवयव, उच्चा. रण-अवयव
speech sound भाषा-ध्वनि, भाषणध्वनि
spelling वर्तनी, वर्ण-विन्यास, अक्षर-विन्यास
spelling pronunciation वर्ण-विन्यासी उच्चारण
spirant संघर्षी, ऊष्म
spirantisation संघर्षीकरण, ऊष्मीकरण
spoken language उच्चरित भाषा
spontaneous sound change स्वयंभू ध्वनिपरिवर्तन
spontaneous nasalization अकारण अनुनासिकता, स्वयंभू अनुनासिकता
spoonerism स्पूनरिज्म, आद्यशब्दांश विपर्यय
standard आदर्श, प्रामाणिक, टकसाली, परिनिष्ठित
standard language परिनिष्ठित भाषा

standard pronunciation प्रामाणिक उच्चारण
starred form तारांकित रूप
state दशा, स्थिति
static अचल
static consonant अचल व्यंजन
static linguistics वर्णनात्मक भाषा-विज्ञान
statics वर्णनात्मक व्याकरण
statistical method संख्यिकीय पद्धति
statistics सांख्यिकी
stem प्रकृति, मूलरूप, प्रातिपदिक, शब्दमूल
stem base (दे०) stem
stem-compound प्रातिपदिक-समास
stereotyped अपरिवर्तनीय, रूढ़िवद्ध
stop स्पर्श, विराम
strata स्तर
stratum स्तर
stray form विरल, छिटफुट
stress वल
stress accent वलाघात, वलात्मक स्वराघात
stress group वलाघात वर्ग
stress shift वल-परिवर्तन, वलाघात परिवर्तन
stress, stressed सशक्त वलाघात
stress-unit वलाघात-इकाई
strong सबल, वली, सशक्त
strong aorist सशक्त सामान्य भूत काल
strong conjugation सशक्त या वली क्रियारूप
strong conjunct वली संयोजक
strong consonant वली व्यंजन
strong declension वलीकारक रूप
strong form वली रूप, सशक्त रूप, तनुलरूप
strong grade वली श्रेणी
strong noun वली संज्ञा, सशक्त संज्ञा
strong phoneme वली ध्वनिग्राम, सशक्त ध्वनिग्राम
strong stem सबल प्रकृति, सशक्त प्रातिपदिक
strong suffix सबल प्रत्यय
strong termination सबल विभक्ति
strong verb सबल क्रिया
strong vowel सबल स्वर
structural संरचनात्मक, रचनात्मक
structural linguistics संरचनात्मक भाषाविज्ञान, रचनात्मक भाषा-विज्ञान
structural morphology संरचनात्मक रूपविज्ञान
structural order संरचनात्मक क्रम, संरचना क्रम
structural symmetry संरचनात्मक संगति
structure संरचना, रचना, गठन
style शैली
stylistic शैलीगत
stylistics शैलीविज्ञान
subbranch उपशाखा
subdialect उपबोली, स्थानीय बोली
subfamily उपपरिवार, उपकुल
subject उद्देश्य, कर्ता
subjectival noun कर्त्तवाचक संज्ञा, उद्देश्यवाचक संज्ञा
subjective कर्तृपदीय, कर्ता-विषयक, उद्देश्य आत्मगत
subjective case कर्ताकारक
subjective complement उद्देश्यपूरक
subjective stress अस्पष्ट बलाघात, आत्मगत बलाघात
subject word कर्तृ शब्द
subjunctive लेट्, अभिप्रायात्मक
subjunctive improper परोक्ष विधिलिङ्
subjunctive mood लेट्
sublanguage उपभाषा
sublative case निम्नार्थी कारक
subminimal pair उपस्वल्प युग्म, उपालपतम-विरोधी युग्म

subordinate आश्रित, अप्रधान
subordinate clause आश्रित उपवाक्य या वाक्यांश, अप्रधान उपवाक्य या वाक्यांश
subordinating conjunction उपसमुच्चयबोधक
subphonemic variant संध्वनि, संस्वन ध्वन्यंग
subsidiary member संध्वनि, संस्वन, ध्वन्यंग
subsidiary phoneme उप ध्वनिग्राम
substandard उपमानदंड, सहायक मानदण्ड
substantival विशेष्यात्मक, संज्ञात्मक
substantival adjunct विशेषण संज्ञा
substantive संज्ञा, विशेष्य
substantive sentence संज्ञा वाक्य
substantive verb सहायक क्रिया
substitute आदेश, स्थानापन्न
substratum आधार, आधार भाषा
substratum theory आधार-सिद्धांत
subtracting अभिन्यूनन, ध्वनि-न्यूनन ध्वनि-वियोजन
subvocal अर्धस्वरात्मक
successive आनुक्रमिक
suction-sound चोषण ध्वनि
suffix प्रत्यय, परप्रत्यय, अंत सर्ग
suffix agglutinative अंतयोगात्मक, परप्रत्ययप्रधान
suffix inflection परप्रत्ययी रूप रचना
suffix, primary कृत्प्रत्यय
suffix, secondary तद्धित प्रत्यय
suitable उपयुक्त
sulcalized vowel सुषिर स्वर
super अति
superessive case उपर्यर्थी कारक
superimposition आरोपण
superior श्रेष्ठ, उच्चतर
superior comparison ऊर्ध्वगामी तुलना
superlative degree उत्तमावस्था, श्रेष्ठावस्था
superstratum आधारोच्च भाषा
superstructure ब्राह्य रचना
supine क्रियार्थक संज्ञा
suppletive form पूरक रूप
supplition पूर्त्ति
supra-segmental अखंड
supra-segmental phoneme अखंड ध्वनिग्राम
surd अघोष
surface fricative समपार्श्व संघर्षी, समसंघर्षी
survival अवशिष्ट रूप, अवशेष
survival of the fittest योग्यतमावशेष
survey सर्वेक्षण
survey, linguistic भाषा-सर्वेक्षण मापन
suspension-pitch विरामपूर्ण सुर
suspicious pair संदिग्ध युग्म, संदेहास्पद युग्म
svarabhakti sound स्वरभक्ति स्वर, श्रुतिस्वर
swear word शपथ-शब्द
syllabary अक्षरी
syllabation अक्षरीकरण, अक्षर विभाजन, आक्षरिक विभाजन
syllabic आक्षरिक, अक्षरात्मक, अक्षरीय
syllabication अक्षरीकरण, आक्षरिक विभाजन
syllabic division आक्षरिक विभाजन
syllabic juncture आक्षरिक संगम
syllabic peak अक्षर-शीर्ष
syllabic sign अक्षर-चिह्न
syllabic stress आक्षरिक बलाघात
syllabic syncope समाक्षर लोप, समध्वनि लोप
syllabic writing अक्षरात्मक लिपि, आक्षरिक लिपि
syllabification अक्षरीकरण

syllable अक्षर
syllable sign अक्षर-चिह्न
syllable writing अक्षरात्मक लिपि, आक्षरिक लिपि
syllabogram अक्षर-चिह्न
syllepsis शब्दान्वय
symbol प्रतीक, संकेत
symbolic प्रतीकात्मक
symbolical प्रतीकात्मक, सांकेतिक
symmetrical सम, सुसम, सुडौल, संगतिपूर्ण, सुसंगत
symmetrical pattern सुसंगत ढांचा, संगतिमय ढांचा, संगतिपूर्ण ढांचा
symmetry सम्मिति, संगति, संतुलन
synchronic संकालिक, वर्णनात्मक
synchronic grammar संकालिक व्याकरण, वर्णनात्मक व्याकरण
synchronic linguistics संकालिक भाषाविज्ञान, वर्णनात्मक भाषा-विज्ञान
synchronic phonemics संकालिक ध्वनिग्राम विज्ञान, वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान
synchronic phonetics संकालिक ध्वनिविज्ञान, वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान
synchysis शब्दाक्रम
syncopation (दे०) syncope
syncope समध्वनि लोप, समाक्षर लोप, मध्यस्वर लोप
syncopic vowel मध्यलोपी स्वर
syncretic case आत्मसाती कारक
syncretic form आत्मसाती रूप
syncretism अन्यरूपार्थी प्रयोग
syndesis संयोजन
syndetic संयोजित, संयोगित
syndetic word संयोजी शब्द
synonymous समानार्थक, पर्याय
synonymous word समानार्थक शब्द, पर्याय शब्द, समानार्थी शब्द
synonym पर्याय, समानार्थी
synonymy समानार्थता
syntactic वाक्यीय, वाक्य-विषयक, वाक्यक्रमी, वाक्य-विन्यासात्मक
syntactical वाक्य-विन्यासात्मक
syntactical classification आकृतिमूलक वर्गीकरण, वाक्यमूलक वर्गीकरण
syntactic category प्रयोग-वर्ग
syntactic change वाक्य-परिवर्तन
syntactic compound वाक्यक्रमी समास
syntactic construction वाक्य-रचना
syntactic order वाक्य-क्रम
syntactic regimen नियंत्रण
syntactics वाक्य-विचार, वाक्य-विज्ञान, वाक्य विन्यास-विज्ञान
syntactostylistic वाक्यीय शैली-विज्ञान
syntagmatic वाक्य रचना क्रमात्मक
syntax वाक्य-विन्यास, वाक्य-गठन, वाक्य-विज्ञान, वाक्य-विचार
synthesis संयोजन, संश्लेषण
synthetic संयोगात्मक
synthetical संयोगात्मक
synthetic compound संयोगात्मक समास
synthetic conpound language संयोगात्मक भाषा
synthetic compound stage संयोगात्मक अवस्था या स्थिति
system व्यवस्था
systematic सुव्यवस्थित

T

table तालिका, सारणी
taboo निषिद्ध, बहिष्कृत वर्जित, वर्जित शब्द, शब्द-वर्जन
tabular सारणीबद्ध, तालिकाबद्ध
tactile स्पर्श ग्राह्य
tagmeme युक्तग्राम
tap लध्वाघात
ta-ta theory टा-टा सिद्धांत, टा-टा वाद
tautological compound पुनरुक्त

समास, पर्याय-समास
tautology पुनरुक्ति, द्विरूक्ति, अनुवाद-युग्म
tautophony ध्वनिद्विरुक्ति, ध्वनि-पुनरुक्ति
taxeme लघुतम रूप
technique पद्धति, प्रविधि
technical पारिभाषिक
technical language पारिभाषिक भाषा
technical term पारिभाषिक शब्द
teeth दन्त, दाँत
teeth ridge वर्त्स,दंतमूल
telescoped expression अंशान्वित अभिव्यक्ति, अंशमिश्रित अभिव्यक्ति
telescope word अंशान्वित शब्द, अंशमिश्रित शब्द
temporal समयवाचक, कालवाचक
temporal clause कालवाचक उपवाक्य
temporal conjunction कालवाचक समुच्चयबोधक
tendency प्रवृत्ति
tense काल, दृढ़
tense-phrase वियोगात्मक काल, कालवाचक वाक्यांश
tense suffix कालबोधक प्रत्यय
tenue प्रतनु
tenuis अघोष, श्वास
term शब्द
terminal contour सीमांतिक विराम
terminal juncture सीमांतिक संगम, पूर्ण विराम संगम
terminal stress अंत्य बलाघात, अंत्याक्षरी बलाघात
termination विभक्ति, प्रत्यय, परप्रत्यय
terminative case उद्देश्यार्थी कारक
terminative aspect उद्देश्यार्थी पक्ष
terminology परिभाषा शास्त्र, परिभाषाविज्ञान, पारिभाषिक शब्द, पारिभाषिक शब्द-विज्ञान
ternary त्रयात्मक, त्रिवर्णक, त्रिधातुक
testimony साक्ष्य, प्रमाण
tetraphthong चतुःसंयुक्तस्वर
tetragram चतुर्वर्णी शब्द
tetra syllabic चतुरक्षरात्मक, चतुराक्षरिक
textual criticism पाठालोचन
thematic आदिष्ट, सविकरण
thematic aorist सविकरण लुङ
thematic flexion सविकरण रूप
thematic morpheme सविकरण रूपग्राम
thematic stem सविकरण प्रातिपदिक
theme मूल, शब्दमूल, प्रातिपदिक, प्रकृति, धातु
theoritical form सैद्धांतिक रूप, काल्पनिकरूप
theory वाद, सिद्धान्त
theory of relativity सापेक्ष्य वाद
third person अन्य पुरुष
thought विचार
thought mood लेट्
thought stress वैचारिक बलाघात
thread writing सूत्र या रज्जुलिपि
throat कण्ठ, गला
til अनुनासिक चिह्न, टिल्डे
tilde टिल्डे, अनुनासिक चिह्न
timbre सुर, तान
tip of the tongue जिह्वा नोक, जिह्वाग्र
tmesis समस्तपद प्रवेश
tone सुर, तान
tone language तान भाषा, तान प्रधान भाषा, सुर प्रधान भाषा
toneme तानग्राम
tonetics तानग्राम विज्ञान
tongue जिह्वा, भाषा
tongue flap जिह्वाघात
tonic तानात्मक, तानमूलक, सुरात्मक
tonic accent सुरात्मक बलाघात, सुर

syllable अक्षर
syllable sign अक्षर-चिह्न
syllable writing अक्षरात्मक लिपि, आक्षरिक लिपि
syllabogram अक्षर-चिह्न
syllepsis शब्दान्वय
symbol प्रतीक, संकेत
symbolic प्रतीकात्मक
symbolical प्रतीकात्मक, सांकेतिक
symmetrical सम, सुसम, सुडौल, संगतिपूर्ण, सुसंगत
symmetrical pattern सुसंगत ढांचा, संगतिमय ढांचा, संगतिपूर्ण ढांचा
symmetry सम्मिति, संगति, संतुलन
synchronic संकालिक, वर्णनात्मक
synchronic grammar संकालिक व्याकरण, वर्णनात्मक व्याकरण
synchronic linguistics संकालिक भाषाविज्ञान, वर्णनात्मक भाषा-विज्ञान
synchronic phonemics संकालिक ध्वनिग्राम विज्ञान, वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान
synchronic phonetics संकालिक ध्वनिविज्ञान, वर्णनात्मक ध्वनि विज्ञान
synchysis शब्दाक्रम
syncopation (दे०) syncope
syncope समध्वनि लोप, समाक्षर लोप, मध्यस्वर लोप
syncopic vowel मध्यलोपी स्वर
syncretic case आत्मसाती कारक
syncretic form आत्मसाती रूप
syncretism अन्यरूपार्थी प्रयोग
syndesis संयोजन
syndetic संयोजित, संयोगित
syndetic word संयोजी शब्द
synonymous समानार्थक, पर्याय
synonymous word समानार्थक शब्द, पर्याय शब्द, समानार्थी शब्द
synonym पर्याय, समानार्थी
synonymy समानार्थता
syntactic वाक्यीय, वाक्य-विषयक, वाक्यक्रमी, वाक्य-विन्यासात्मक
syntactical वाक्य-विन्यासात्मक
syntactical classification आकृतिमूलक वर्गीकरण, वाक्यमूलक वर्गीकरण
syntactic category प्रयोग-वर्ग
syntactic change वाक्य-परिवर्तन
syntactic compound वाक्यक्रमी समास
syntactic construction वाक्य-रचना
syntactic order वाक्य-क्रम
syntactic regimen नियंत्रण
syntactics वाक्य-विचार, वाक्य-विज्ञान, वाक्य विन्यास-विज्ञान
syntactostylistic वाक्यीय शैली-विज्ञान
syntagmatic वाक्य रचना क्रमात्मक
syntax वाक्य-विन्यास, वाक्य-गठन, वाक्य-विज्ञान, वाक्य-विचार
synthesis संयोजन, संश्लेषण
synthetic संयोगात्मक
synthetical संयोगात्मक
synthetic compound संयोगात्मक, समास
synthetic conpound language संयोगात्मक भाषा
synthetic compound stage संयोगात्मक अवस्था या स्थिति
system व्यवस्था
systematic सुव्यवस्थित

T

table तालिका, सारणी
taboo निषिद्ध, बहिष्कृत वर्जित, वर्जित शब्द, शब्द-वर्जन
tabular सारणीबद्ध, तालिकाबद्ध
tactile स्पर्श ग्राह्य
tagmeme युक्तग्राम
tap लध्वाघात
ta-ta theory टा-टा सिद्धांत, टा-टा वाद
tautological compound पुनरुक्त,

समास, पर्याय-समास
tautology पुनरुक्ति, द्विरुक्ति, अनुवाद-युग्म
tautophony ध्वनिद्विरुक्ति, ध्वनि-पुनरुक्ति
taxeme लघुतम रूप
technique पद्धति, प्रविधि
technical पारिभाषिक
technical language पारिभाषिक भाषा
technical term पारिभाषिक शब्द
teeth दन्त, दाँत
teeth ridge वर्त्स,दंतमूल
telescoped expression अंशान्वित अभिव्यक्ति, अंशमिश्रित अभिव्यक्ति
telescope word अंशान्वित शब्द, अंशमिश्रित शब्द
temporal समयवाचक, कालवाचक
temporal clause कालवाचक उपवाक्य
temporal conjunction कालवाचक समुच्चयबोधक
tendency प्रवृत्ति
tense काल, दृढ़
tense-phrase वियोगात्मक काल, कालवाचक वाक्यांश
tense suffix कालबोधक प्रत्यय
tenue प्रतनु
tenuis अघोष, श्वास
term शब्द
terminal contour सीमांतिक विराम
terminal juncture सीमांतिक संगम, पूर्ण विराम संगम
terminal stress अंत्य बलाघात, अंत्याक्षरी बलाघात
termination विभक्ति, प्रत्यय, परप्रत्यय
terminative case उद्देश्यार्थी कारक
terminative aspect उद्देश्यार्थी पक्ष
terminology परिभाषा शास्त्र, परिभाषाविज्ञान, पारिभाषिक शब्द, पारिभाषिक शब्द-विज्ञान
ternary त्रयात्मक, त्रिवर्णक, त्रिधातुक
testimony साक्ष्य, प्रमाण
tetraphthong चतुःसंयुक्तस्वर
tetragram चतुर्वर्णी शब्द
tetra syllabic चतुरक्षरात्मक, चतुराक्षरिक
textual criticism पाठालोचन
thematic आदिष्ट, सविकरण
thematic aorist सविकरण लुङ
thematic flexion सविकरण रूप
thematic morpheme सविकरण रूपग्राम
thematic stem सविकरण प्रातिपदिक
theme मूल, शब्दमूल, प्रातिपदिक, प्रकृति, धातु
theoritical form सैद्धांतिक रूप, काल्पनिकरूप
theory वाद, सिद्धान्त
theory of relativity सापेक्ष्य वाद
third person अन्य पुरुष
thought विचार
thought mood लेट्
thought stress वैचारिक बलाघात
thread writing सूत्र या रज्जुलिपि
throat कण्ठ, गला
til अनुनासिक चिह्न, टिल्डे
tilde टिल्डे, अनुनासिक चिह्न
timbre सुर, तान
tip of the tongue जिह्वा नोक, जिह्वाग्र
tmesis समस्तपद प्रवेश
tone सुर, तान
tone language तान भाषा, तान प्रधान भाषा, सुर प्रधान भाषा
toneme तानग्राम
tonetics तानग्राम विज्ञान
tongue जिह्वा, भाषा
tongue flap जिह्वाघात
tonic तानात्मक, तानमूलक, सुरात्मक
tonic accent सुरात्मक बलाघात, सुर

tonic accentuation सुरांकन
toponomasiology स्थाननाम विज्ञान
toponomastics स्थान नाम विज्ञान
toponomatology स्थान नाम विज्ञान
tossed breath आस्फालित श्वास
trace अनुचिह्न, शेष-चिह्न
trachea श्वासनली
tracheal opening श्वास-विवर
trade language व्यापारिक भाषा
trade word व्यापारिक शब्द
tradition परम्परा
traditional परम्परागत
traditionalism परम्परागतता
traditional spelling परंपरागत वर्तनी, परंपरागत वर्णविन्यास
traditional stress परंपरागत बलाघात
traditional transcription परंपरागत प्रतिलेखन
transcript प्रतिलिपि
transcription प्रतिलिपीकरण, प्रतिलेखन
transference परिवर्त्तन, संक्रमण
transference of meaning अर्थादेश
transferred संक्रमित
transferred meaning संक्रमित अर्थ
transition संक्रांति, संक्रमण
transitional सांक्रांतिक, सांक्रमणिक
transitional period संक्रमण-काल
transitional script संक्रांति लिपि
transitional sound संक्रमण-ध्वनि
transitional writing संक्रांति लेखन
transition, close अविच्छिन्न संक्रमण
transitive सकर्मक
transitive verb सकर्मक क्रिया
translation अनुवाद
translation loan अनुवादागत, अनुवाद-ग्रहण
translation loan-word अनुवादागत शब्द, अनुवादगृहीत शब्द
translative अनुवादात्मक
translator अनुवादक
transliteration लिप्यन्तरण, अनुलिपिकरण, लिप्यांतर अनुलिपि
transposition विपर्यय, स्थानान्तर
tree-stem theory वंशवृक्ष सिद्धांत
trema ट्रेमा, द्विबिंदु
trial त्रिवचन
triconsonantal त्रिव्यंजनात्मक
triconsonantal root त्रिव्यंजनात्मक धातु
trigraph त्रिवर्ण
triliteral त्रिवर्णात्मक
triliteral root त्रिवर्णात्मक धातु
trilled कंपनजात, जिह्वोत्कंपी, कंपनयुक्त
trilled fricative कंपनजात संघर्षी, कंपनयुक्त संघर्षी
triphthong त्रिसंयुक्त स्वर, त्रिस्वर, त्रिसंध्यक्षर
triple त्रिगुणित, त्रिगुण
triplet त्रिक
trisyllabic त्रि-अक्षरात्मक, त्र्यक्षर
trisyllable त्र्यक्षर, त्र्यक्षर शब्द
trope अलंकार
true शुद्ध, सही
tube नली, नलिका, नालिका
turn वाच्य
tut-tut theory तू-तू वाद, तू-तू सिद्धांत
typical विशिष्ट, ठेठ, प्ररूपात्मक
typical classification प्ररूपात्मक वर्गीकरण

U

ultimate मूल, मूलभूत, चरम, अंत्य
ultimate constituent चरम अवयव, चरमांश
ultimate element मूलतत्त्व
ultimate question मूल प्रश्न
ultra sanskritisation अत्यन्त संस्कृतमयता
umlaut अभिश्रुति, द्विबिंदु
unaccented अनुदात्त, अनाहत, स्वराघात शून्य, स्वराघात विहीन, अनाघात

unaspirate अल्पप्राण
unaspirated अल्पप्राण
unbounded असीमित
unconcious inclusion अनजान समावेश, अज्ञात अंतर्भाव
unconditional phonetic change स्वयंभू ध्वनि परिवर्तन, अकारण ध्वनि परिवर्तन
underived असाधित
underlying form मुक्त रूपग्राम
unexploded stop अस्फोटित स्पर्श, अपूर्ण स्पर्श
uniformity एकरूपता
unhonorific अनादरसूचक
unilateral एक पार्श्विक
unintelligible अबोधगम्य
unipersonal verb सर्वपुरुषी क्रिया
unit इकाई, एकांश, एकांक
unitive case सहार्थी कारक
unknown अज्ञात
unlike भिन्न, असदृश, असमान
unlimited असीमित
unproductive suffix अनुत्पादी प्रत्यय
unrelated compound असम्बद्ध समास
unrounded अवृत्तमुखी, अवृत्ताकार
unrounding अवृत्तीकरण
unstable अस्थायी, परिवर्तनशील
unstressed बलहीन, बलाघात शून्य
unvoiced अघोष
unvoicing अघोषीकरण
upper language उच्चवर्गीय भाषा, उच्च भाषा
upward comparison ऊर्ध्वमुखी तुलना
urbanism नागरिक प्रयोग, शिष्ट प्रयोग
usage प्रयोग
use प्रयोग
utilitarian उपयोगितावादी
utterance उच्चरित शब्द, उच्चरित रूप, उच्चरित वाक्य
uvula अलिजिह्व, कौवा, घंटी, शुंडिका
uvular अलिजिह्व, अलिजिह्वीय, काकल्य

V

vague अस्पष्ट
valley गह्वर, घाटी, ढाल
value मूल्य
variant परिवर्त, भिन्नरूप, रूपांतर, संध्वनि, वैकल्पिक रूप
variation भेद, रूपांतर, विभेद, परिवर्तन
variation, abrupt आकस्मिक परिवर्तन
variety शबलता, अनेकरूपता
varying change बहुरूपी परिवर्त्तन
vedic subjunctive लेट्
velar कंठ्य
velar vowel पश्च स्वर, कंठ्य स्वर
velarified कंठीकृत, पश्चीकृत
velum कोमल तालु
verb क्रिया
verbal क्रियामूलक, क्रियार्थक
verbal adjective क्रियामूलक विशेषण
verbal aspect क्रियापक्ष
verbal compound क्रियामूलक समास
verbal derivative क्रिया-साधित शब्द
verbal noun क्रियार्थक संज्ञा
verbal preposition क्रियामूलक पूर्वसर्ग
verb language क्रिया-प्रधान भाषा
verb-noun क्रियार्थक संज्ञा
verb sentence क्रियावाक्य, क्रिया-प्रधान वाक्य
verb stem धातु, क्रियामूल
vernacular देशभाषा, जनपदीय भाषा
verner's law वर्नर का नियम
vetative निषेधार्थी
visual नेत्रग्राह्य
visual image नेत्रग्राह्य बिंब
visual language नेत्रग्राह्य भाषा
vocable शब्द
vocabulary शब्द-भंडार, शब्द-समूह, शब्द-कोश, अभिधान
vocal स्वरात्मक, स्वरीय, स्वर

tonic accentuation सुरांकन
toponomasiology स्थाननाम विज्ञान
toponomastics स्थान नाम विज्ञान
toponomatology स्थान नाम विज्ञान
tossed breath आस्फालित श्वास
trace अनुचिह्न, शेष-चिह्न
trachea श्वासनली
tracheal opening श्वास-विवर
trade language व्यापारिक भाषा
trade word व्यापारिक शब्द
tradition परम्परा
traditional परम्परागत
traditionalism परम्परागतता
traditional spelling परंपरागत वर्तनी, परंपरागत वर्णविन्यास
traditional stress परंपरागत बलाघात
traditional transcription परंपरागत प्रतिलेखन
transcript प्रतिलिपि
transcription प्रतिलिपीकरण, प्रतिलेखन
transference परिवर्त्तन, संक्रमण
transference of meaning अर्थादेश
transferred संक्रमित
transferred meaning संक्रमित अर्थ
transition संक्रांति, संक्रमण
transitional सांक्रांतिक, सांक्रमणिक
transitional period संक्रमण-काल
transitional script संक्रांति लिपि
transitional sound संक्रमण-ध्वनि
transitional writing संक्रांति लेखन
transition, close अविच्छिन्न संक्रमण
transitive सकर्मक
transitive verb सकर्मक क्रिया
translation अनुवाद
translation loan अनुवादागत, अनुवाद-ग्रहण
translation loan-word अनुवादागत शब्द, अनुवादगृहीत शब्द
translative अनुवादात्मक
translator अनुवादक
transliteration लिप्यन्तरण, अनुलिपिकरण, लिप्यांतर अनुलिपि
transposition विपर्यय, स्थानान्तर
tree-stem theory वंशवृक्ष सिद्धांत
trema ट्रेमा, द्विबिंदु
trial त्रिवचन
triconsonantal त्रिव्यंजनात्मक
triconsonantal root त्रिव्यंजनात्मक धातु
trigraph त्रिवर्ण
triliteral त्रिवर्णात्मक
triliteral root त्रिवर्णात्मक धातु
trilled कंपनजात, जिह्वोत्कंपी, कंपनयुक्त
trilled fricative कंपनजात संघर्षी, कंपनयुक्त संघर्षी
triphthong त्रिसंयुक्त स्वर, त्रिस्वर, त्रिसंध्यक्षर
triple त्रिगुणित, त्रिगुण
triplet त्रिक
trisyllabic त्रि-अक्षरात्मक, त्र्यक्षर
trisyllable त्र्यक्षर, त्र्यक्षर शब्द
trope अलंकार
true शुद्ध, सही
tube नली, नलिका, नालिका
turn वाच्य
tut-tut theory तू-तू वाद, तू-तू सिद्धांत
typical विशिष्ट, ठेठ, प्ररूपात्मक
typical classification प्ररूपात्मक वर्गीकरण

U

ultimate मूल, मूलभूत, चरम, अंत्य
ultimate constituent चरम अवयव, चरमांश
ultimate element मूलतत्त्व
ultimate question मूल प्रश्न
ultra sanskritisation अत्यन्त संस्कृतमयता
umlaut अभिश्रुति, द्विबिंदु
unaccented अनुदात्त, अनाहत, स्वराघात शून्य, स्वराघात विहीन, अनाघात

unaspirate अल्पप्राण
unaspirated अल्पप्राण
unbounded असीमित
unconcious inclusion अनजान समावेश, अज्ञात अंतर्भाव
unconditional phonetic change स्वयंभू ध्वनि परिवर्तन, अकारण ध्वनि परिवर्तन
underived असाधित
underlying form मुक्त रूपग्राम
unexploded stop अस्फोटित स्पर्श, अपूर्ण स्पर्श
uniformity एकरूपता
unhonorific अनादरसूचक
unilateral एक पार्श्विक
unintelligible अबोधगम्य
unipersonal verb सर्वपुरुषी क्रिया
unit इकाई, एकांश, एकांक
unitive case सहार्थी कारक
unknown अज्ञात
unlike भिन्न, असदृश, असमान
unlimited असीमित
unproductive suffix अनुत्पादी प्रत्यय
unrelated compound असम्बद्ध समास
unrounded अवृत्तमुखी, अवृत्ताकार
unrounding अवृत्तीकरण
unstable अस्थायी, परिवर्तनशील
unstressed बलहीन, बलाघात शून्य
unvoiced अघोष
unvoicing अघोषीकरण
upper language उच्चवर्गीय भाषा, उच्च भाषा
upward comparison ऊर्ध्वमुखी तुलना
urbanism नागरिक प्रयोग, शिष्ट प्रयोग
usage प्रयोग
use प्रयोग
utilitarian उपयोगितावादी
utterance उच्चरित शब्द, उच्चरित रूप, उच्चरित वाक्य
uvula अलिजिह्व, कौवा, घंटी, शुंडिका
uvular अलिजिह्व, अलिजिह्वीय, काकल्य

V

vague अस्पष्ट
valley गह्वर, घाटी, ढाल
value मूल्य
variant परिवर्त, भिन्नरूप, रूपांतर, संध्वनि, वैकल्पिक रूप
variation भेद, रूपांतर, विभेद, परिवर्तन
variation, abrupt आकस्मिक परिवर्तन
variety शबलता, अनेकरूपता
varying change बहुरूपी परिवर्त्तन
vedic subjunctive लेट्
velar कंठ्य
velar vowel पश्च स्वर, कंठ्य स्वर
velarified कंठीकृत, पश्चीकृत
velum कोमल तालु
verb क्रिया
verbal क्रियामूलक, क्रियार्थक
verbal adjective क्रियामूलक विशेषण
verbal aspect क्रियापक्ष
verbal compound क्रियामूलक समास
verbal derivative क्रिया-साधित शब्द
verbal noun क्रियार्थक संज्ञा
verbal preposition क्रियामूलक पूर्वसर्ग
verb language क्रिया-प्रधान भाषा
verb-noun क्रियार्थक संज्ञा
verb sentence क्रियावाक्य, क्रिया-प्रधान वाक्य
verb stem धातु, क्रियामूल
vernacular देशभाषा, जनपदीय भाषा
verner's law वर्नर का नियम
vetative निषेधार्थी
visual नेत्रग्राह्य
visual image नेत्रग्राह्य बिंब
visual language नेत्रग्राह्य भाषा
vocable शब्द
vocabulary शब्द-भंडार, शब्द-समूह, शब्द-कोश, अभिधान
vocal स्वरात्मक, स्वरीय, स्वर

vocal chord स्वर तंत्री
vocal epenthesis स्वरीय अपनिहिति
vocalic स्वरात्मक
vocalic consonant स्वरवत् व्यंजन
vocalic ablaut स्वरीय अपिश्रुति, अपिश्रुति
vocalic anaptyxis स्वरभक्ति
vocalic harmony स्वर-संगति
vocalism स्वर-विज्ञान, स्वर-अध्ययन, स्वर-व्यवस्था
vocal mechanism मुखयंत्र
vocal organ उच्चारण-अवयव
vocal symbol ध्वनि-प्रतीक
vocalization घोषीकरण, स्वरीकरण
vocative case संबोधन कारक
voice वाच्य, घोष, ध्वनि
voiced घोष, सघोष, नाद
voiced, partially अपूर्ण घोष
voiceless अघोष, श्वास
voiceness घोषत्व
voicing घोषत्व
voice timbre ध्वनि-लक्षण
volitive इच्छार्थक, स्वेच्छार्थक
volume आयतन
voluntative इच्छार्थक, स्वेच्छार्थक
vowel स्वर
vowel alterance स्वर-परिवर्तन
vowel combination स्वर-संयोग
vowel cluster स्वरानुक्रम
vowel, compound संयुक्त स्वर
vowel ending स्वरान्त
vowel fracture स्वर-भंग
vowel grade स्वर श्रेणी
vowel gradation अपश्रुति
vowel harmony स्वर-संगति, स्वर-अनुरूपता
vowel insertion स्वरभक्ति, विप्रकर्ष
vowel line स्वर रेखा
vowel mutation अभिश्रुति
vowel prothesis आदि-स्वरागम
vowel quality ध्वनि गुण
vowel shift स्वरान्तर
vowel similarity स्वर-साम्य
vowel termination स्वर विभक्ति, स्वर प्रत्यय
vox nihili अशुद्धिजन्य शब्द
vriddhi grade वृद्धि श्रेणी
vulgar अश्लील, अशिष्ट, ग्राम्य
vulgar dialect ग्राम्य बोली, जनबोली
vulgarism ग्राम्य प्रयोग, अश्लील प्रयोग, अशिष्ट प्रयोग

W

wave तरंग, लहर
wave theory लहर सिद्धांत
wave of thought विचार-लहरी
weak निर्बल, बलहीन, निर्बलीभूत
weak conjugation निर्बल क्रियारूप
weak declension निर्बल संज्ञारूप, निर्बल कारक रूप
weak form निर्बल रूप
weak grade निर्बल श्रेणी
weak noun निर्बल संज्ञा
weak phoneme निर्बल ध्वनि
weak stem निर्बल प्रकृति
weak termination निर्बल विभक्ति या प्रत्यय
weak verb निर्बल क्रियापद, नियमित क्रिया रूप
weak vowel निर्बल स्वर
whisper फुसफुसाहट
whispered consonant जपित व्यंजन
whispered vowel अस्पष्ट स्वर, जपित स्वर
wide diphthong प्रशस्त संयुक्त स्वर
wide vowel दीर्घ स्वर
widened meaning विकसित अर्थ
will संकल्प
wind वायु, श्वास
wind-pipe श्वास-नलिका
word शब्द, पद

wish इच्छा
woo-woo theory प्रेम सिद्धांत
word base शब्द-मूल
word class शब्द-वर्ग
word concordance शब्दानुक्रमणी
word formation शब्द रचना
word-geography शब्द-भूगोल
word-index शब्दानुक्रमणी
word meaning शब्दार्थ
word-order पदक्रम, शब्द-क्रम
wordostylistics शब्दीय शैली विज्ञान
word picture शब्द चित्र
word stress शब्द-बलाघात
world-auxiliary कृत्रिम विश्व-भाषा
wrenched accent अशुद्ध स्वराघात, अशुद्ध आघात
wrenched stress अशुद्ध बलाघात
writing लेखन
writing, hand–हस्तलिपि
written language लिखित भाषा
wrong omission अपलोप
wrong reading अपपाठ
wrong use अपप्रयोग

Y

yo-he-ho theory यो-हे-हो वाद, श्रम-परिहरणवाद
yodization यकारीकरण, यकरण

Z

zero शून्य
zero ending शून्य विभक्ति, शून्य प्रत्यय
zero feature शून्य-रूप
zero grade शून्य श्रेणी
zeugma पदलोप
zeugmatic पदलोपी
zone प्रदेश, क्षेत्र

कोश

बृहत् हिन्दी कोश—संशोधित तथा परिवर्धित तीसरा संस्करण। शब्द संख्या १,३८,०००। प्रामाणिक अर्थ, सुन्दर छपाई। मजबूत जिल्द।

मूल्य ३० रुपये।

ज्ञान शब्द कोश—बृहत् हिन्दी कोश-का छोटा रूप। परिवर्धित संस्करण। शब्द संख्या ७२,५५५।

मूल्य १५ रुपये।

पारिभाषिक शब्द कोश—राजकीय कार्योंमें प्रयुक्त होनेवाले पाँच हजार अंग्रेजी शब्दोंकी परिभाषा तथा हिन्दी पर्याय शब्द।

मूल्य ४ रुपये।

हिन्दी साहित्य कोश (दो भाग)—पहले भागमें साहित्यके पारिभाषिक शब्द हैं। इसका संशोधित-परिवर्धित दूसरा संस्करण हुआ है। दूसरे भागमें अन्तर्कथाओं, लेखकों और हिन्दी पुस्तकोंका वर्णन है।

मूल्य क्रमशः पचीस रुपये और बीस रुपये।

बृहत् अंग्रेजी हिन्दी कोश—१ लाख शब्द, ५० हजार वाक्यखंड, मुहावरे, लोकोक्तियाँ एवं दृष्टान्त तथा ४ लाख से अधिक पर्यायोंवाला आधुनिकतम सर्वश्रेष्ठ कोश।

मूल्य ३० रुपये।

भाषा विज्ञान कोश—भाषा विज्ञानके समस्त शब्दोंकी जानकारीके लिए अनूठा कोश। इससे अत्यन्त आवश्यक और उपयोगी वस्तुकी पूर्त्ति हुई है।

मूल्य २५ रुपये।

प्रेसमें

१—**वाङ्मयार्णव**—म. म. पाण्डेय रामावतार शर्मा कृत।

२—**अशोकके अभिलेख**—डा० राजबली पाण्डेय कृत।

ज्ञानमण्डल लिमिटेड,

कबीरचौरा * वाराणसी-१